

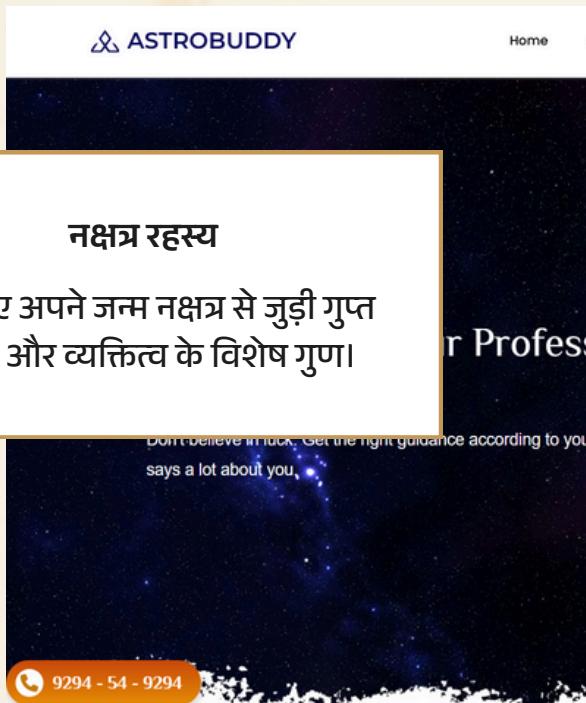


## Premium Janam Kundali



The futuristic vision deeply studied & created by renowned Pandits.

## एस्ट्रोबडी – जीवन की हर समस्या का ज्योतिषीय समाधान



The screenshot shows the AstroBuddy website homepage. The header features the logo and navigation links for Home and About. The main banner has a dark background with a starry sky and a central illustration of a sage reading a book, surrounded by zodiac symbols. The text "Don't believe in luck. Get the right guidance according to your sign. Your sign says a lot about you." is displayed. A call-to-action button at the bottom left says "9294 - 54 - 9294".

### महादश मार्गदर्शन

वर्तमान महादशा आपके करियर, वित्त और रिश्तों को कैसे प्रभावित कर रही है – सही दिशा पाएँ।



### नक्षत्र रहस्य

जानिए अपने जन्म नक्षत्र से जुड़ी गुप्त बातें और व्यक्तित्व के विशेष गुण।

### Professional

### रत्न सुझाव

आपके ग्रहों की स्थिति के अनुसार सही और प्रमाणित रत्न धारण करने की सलाह।

SHOP NOW →



 [www.divinestones.in](http://www.divinestones.in)

यह प्रीमियम कुंडली सिर्फ शुरुआत है। सम्पूर्ण मार्गदर्शन के लिए एस्ट्रोबडी से जुड़ें।

आज ही हमारे प्रमाणित ज्योतिषाचार्यों से बात करें।

 [www.astro-buddy.com](http://www.astro-buddy.com)

## Akhil Chawla

### जन्म विवरण

लिंग	:	पुरुष
जन्म दिन	:	16 जून 1980
जन्म वार	:	सोमवार
जन्म समय	:	04:20:00 घंटे
इष्टकाल	:	57:09:55 घटी
जन्म स्थान	:	Jabalpur
देश	:	India

अक्षांश	:	23उ10'00
रेखांश	:	79पू57'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	22:50:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	-00:10:12 घंटे
स्थानीय समय	:	04:09:48 घंटे
सांपातिक काल	:	21:47:16 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	मिथुन
लग्न राशि	:	वृष 14:47:09

### पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:	
पिता का नाम	:	
माता का नाम	:	
जाति	:	
गोत्र	:	

### अवकहडा चक्र

1. वर्ण	:	ब्राह्मण
2. वश्य	:	जलचर
3. नक्षत्र - चरण	:	पुष्य - 2
4. योनि	:	मेष
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	चन्द्र
6. गण	:	देव
7. चन्द्र राशि	:	कर्क
8. नाड़ी	:	मध्य
वर्ग	:	मेष
युज्ञा	:	मध्य
हंसक (तत्व)	:	जल
नामाक्षर	:	हे
राशि पाया	:	ताँबा
नक्षत्र पाया	:	चाँदी

### जन्मकालीन पंचांगादि

चैत्रादि विधि	:	
विक्रम संवत्	:	2037
मास	:	ज्येष्ठ
कार्तिकादि विधि	:	
विक्रम संवत्	:	2036
मास	:	ज्येष्ठ
शक संवत्	:	1902
सूर्य अयन/गोल	:	उत्तरायण/उत्तर
ऋतु	:	ग्रीष्म
पक्ष	:	शुक्ल
ज्योतिषिय वार	:	रविवार

सूर्योदयी तिथि	:	शुक्ल तृतीया
तिथि समाप्तिकाल	:	23:15:09 घंटे
जन्मकालीन तिथि	:	44:27:46 घटी
	:	शुक्ल चतुर्थी

सूर्योदयी नक्षत्र	:	पुनर्वसु
नक्षत्र समाप्तिकाल	:	16:09:41 घंटे
जन्मकालीन नक्षत्र	:	26:44:07 घटी
	:	पुष्य
सूर्योदयी योग	:	ध्रुव
योग समाप्तिकाल	:	02:08:15 घंटे
जन्मकालीन योग	:	51:40:32 घटी
	:	व्याघात

सूर्योदयी करण	:	तैतिल
करण समाप्तिकाल	:	11:18:39 घंटे
जन्मकालीन करण	:	14:36:32 घटी
	:	वणिज
सूर्योदय	समय	05:28:02 घंटे
	अंश	मिथुन 00:27:33
सूर्यस्त	समय	18:53:11 घंटे
	अंश	मिथुन 00:58:53
आगामी सूर्योदय		सोमवार 05:28:09 घंटे
चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:	15 जून 80 16:09:41
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:	16 जून 80 17:04:53
भयात	:	30:25:47 घटी
भभोग	:	62:18:00 घटी
जन्मकालीन दशा	:	शनि-शुक्र-बुध
दशा भोग्यकाल	:	शनि 9व.-7मा.-22दि.
अयनांश	:	-23:34:52 लहरी



## नक्षत्र का फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ है अतः आपकी जन्म राशि कर्क तथा राशि स्वामी चन्द्रमा होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार -

वर्ण - ब्राह्मण  
वश्य - जलचर  
योनि - मेष  
गण - देव  
नाड़ी - मध्य

जन्म नाम का प्रारम्भ हे अक्षर से होना चाहिये।

### शास्त्रों के अनुसार

पुष्य नक्षत्र में जन्म होने से निम्नवत् फल प्राप्त होंगे -

1. बृहज्ञातक के अनुसार -

**शान्तात्मा सुभगः पण्डितो धनी धनसंभृतः पुष्ये।**

2. जातक पारिजात के अनुसार -

**स्तिष्ठे विप्रसुरप्रियः सधनधी राजप्रियो बन्धुमान्।**

3. मानसागरी के अनुसार -

**देव-धर्म-धनैर्युक्तोः पुत्रयुक्तो विचक्षणः।**

**पुष्ये च जायते लोकः शान्तात्मा सुभगः सुखी॥**

4. जातकाभरण के अनुसार -

**प्रसन्नगात्रः पितृमातृभक्तः स्वधर्मसक्तो विनयानुयुक्तः।**

**भवेन्मनुष्यः खलु पुष्यजन्मा सन्माननानाधनवाहनाद्धयः॥**

पुष्य नक्षत्र में जन्म होने से जातक शान्त हृदय, सर्वप्रिय, विद्वान, पंडित, प्रसन्नचित्त, माता-पिता का भक्त, ब्राह्मणों और देवताओं का आदर और पूजा करने वाला, धर्म को मानने वाला, बुद्धिमान, राजा का प्रिय, पुत्र युक्त, धन-वाहन से युक्त, सम्मानित और सुखी होता है।

### आधुनिक मत से

पुष्य नक्षत्र में जन्म होने से जातक मध्यम कद लम्बा, गौर श्याम वर्ण, चिन्तनशील, सावधान, तत्पर आत्मकेन्द्रित, क्रमबद्ध और नियमबद्ध, अल्पव्ययी, रुढिवादी, सहिष्णु, बुद्धिमान तथा समझदार होता है। ऐसा जातक व्यवहारिक, स्पष्टवादी, शीघ्रता से बोलने वाला, आलोचक, विश्वासपूर्ण पद प्राप्त करने वाला, अधिकारी मंत्री, राजा, तकनीकी मस्तिष्क का, अपने कार्य में नियुपन तथा सबके द्वारा प्रशंसित होता है। यह साधारण सी बात पर चिन्तित हो जायेंगे, किंतु विषम परिस्थितियों का साहसपूर्ण सामना करते हैं। यह ईश्वर- भक्त तथा दार्शनिक विचारों के होते हुए भी सांसारिक कार्यों में सफल माने जाते हैं।

### पाद (पाया) फल

पुष्य नक्षत्र का जन्म चाँदी के पाये में कहा जाता है, जो शुभ एवं श्रेष्ठ माना है।

### स्वास्थ्य

पुष्य नक्षत्र का अधिकार फेफड़े, उदर और आँतो पर होता है, अतः पापाक्रांत होने पर इन अंगों से संबंधित रोग की संभावना रहती है।

### उपाय

पुष्य नक्षत्र के स्वामी बृहस्पति होते हैं। अतः इनकी शांति के लिये साक्षात् नारायण विष्णु-स्वरूप देवगुरु बृहस्पति का



कुमकुम, गंध, कमलपुष्प, घृत-गुग्गुल, धूप, घृतदीप, घृतपायस, शर्करा नैवेद्य द्वारा विधिवत् पूजन करें। जौ के आटे का मोदक बनाकर ब्रह्मस्पति के प्रीत्यर्थ बलि दें। तुषार-मूल गले में या भुजा पर धारण करें। हवन सामग्री में घृत और पायस मिलाकर निम्नलिखित मंत्र से 108 बार आहुति दें -

ॐ ब्रह्मस्पते अतियदर्यो अर्हाद्व्युमद्विमातिक्रतु मज्जनेषु।  
यद्दीदयच्छ वसऋत प्रजाततदस्मासु द्रविणधेहिचित्रम्॥  
ॐ ब्रह्मस्पतये नमः॥

### **ब्राह्मण वर्ण का फल**

स्वधर्मकर्मनिरतः शास्त्राध्ययनतत्परः  
तिनीतः सर्वकार्यषु ब्रह्मवर्णभवो नरः॥ (जातकोत्तम)

ब्राह्मण वर्ण में जन्म होने से जातक अपने धार्मिक कार्यों में लीन, शास्त्राध्यसनी और नम्रतापूर्वक समस्त कार्यों का संपादन करने वाला होता है।

### **देवगण फल**

सुन्दरो दानशीलश्च मतिमान् सरलः सदा।  
अल्पभोगी महाप्राज्ञो नरो देवगणे भवेत्॥ (मानसागरी)

देवगण में जन्म हुआ है अतः जातक पुरुष दानी, बुद्धिमान्, सरल हृदय, अल्पाहारी, विद्वानों में श्रेष्ठ होगा।

### **मेष योनि फल**

महोत्साही महायोद्धा विक्रमी विभवेश्वरः।  
नित्यं परोपकारी च मेषयोनौ भवेन्नरः॥ (मानसागरी)

मेष योनि में जन्म हुआ है अतः जातक बड़ा उत्साही, महायोद्धा, पराक्रमी, ऐश्वर्यवान् और परोपकारी होगा।

### **विवाह, मैत्री एवं साझेदारी**

पुष्य नक्षत्र के जातक के लिये अधिनी, कृत्तिका का प्रथम चरण, रोहिणी, उत्तराफगलुनी का द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ चरण, हस्त, स्वाति, उत्तराषाढ़ का द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ चरण के व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ हैं।

Akhil Chawla

सोमवार 16 जून 1980 04:20:00  
 शहर: Jabalpur  
 राज्य: Madhya Pradesh  
 देश: India

समयक्षेत्र: -5:30:00  
 समय संशोधन: 0  
 रेखांश: 79°57'00  
 अक्षांश: 23°10'00

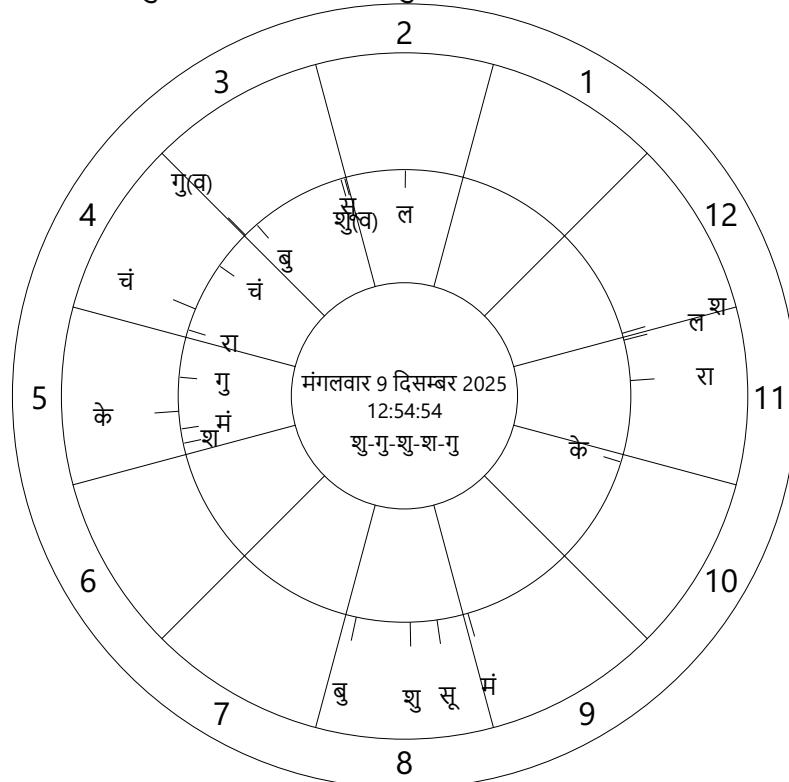
59. Dasha Effects Browser

इष्टकाल: 57:09:55  
 सूर्योदय: 15 जून 80 05:28:02  
 सूर्यस्तः: 15 जून 80 18:53:11  
 अयनांश : -23:34:52 लहरी

दशा ब्राउज़र टूल -विशेषताएँ

श 09-02-1971	शु 08-02-2014	गु 09-04-2024	शु 01-08-2025	श 14-11-2025
बु 08-02-1990	सू 10-06-2017	श 17-08-2024	सू 28-08-2025	बु 18-11-2025
के 08-02-2007	चं 10-06-2018	बु 19-01-2025	चं 06-09-2025	के 21-11-2025
शु 08-02-2014	मं 09-02-2020	के 06-06-2025	मं 19-09-2025	शु 23-11-2025
सू 08-02-2034	रा 10-04-2021	शु 01-08-2025	रा 29-09-2025	सू 27-11-2025
चं 08-02-2040	गु 09-04-2024	सू 11-01-2026	गु 23-10-2025	चं 28-11-2025
मं 08-02-2050	श 09-12-2026	चं 28-02-2026	श 14-11-2025	मं 30-11-2025
रा 08-02-2057	बु 08-02-2030	मं 21-05-2026	बु 09-12-2025	रा 02-12-2025
गु 08-02-2075	के 09-12-2032	रा 16-07-2026	के 01-01-2026	गु 06-12-2025

अंदर: जन्म कुण्डली - बाहर: गोचर कुण्डली



गोचर कुण्डली अष्टकवर्ग कक्षा

कक्षा	अष्टक.	सर्वांगक
सू in वृश्चिक	0 (चं)	4 26
चं in कर्क	0 (बु)	3 21
मं in धनु	0 (श)	1 24
बु in वृश्चिक	1 (श)	4 26
गु in मिथुन	1 (ल)	5 32
शु in वृश्चिक	0 (शु)	3 26
श in मीन	0 (श)	3 34

गोचर कुण्डली

अश	शुभत्व	षड्
सू 23:14:50	अतिमित्र	1.13
च 22:25:14	स्वराशि	0.92
मं 01:15:58	सम	1.32
बु 02:41:56	मित्र	1.01
गु 29:41:15	अतिशत्रु	1.22
शु 16:25:37	मित्र	1.08
श 01:02:55	मित्र	0.93
रा 18:53:33	स्वराशि	
के 18:53:33	सम	



## शनि की लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी दैया कहलाता है -

**कल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशेश्वर्तुर्धाष्टमे ।**

आपकी जन्म राशि कर्क है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् तुला राशि में तथा अष्टम् अर्थात् कुंभ राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी दैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।

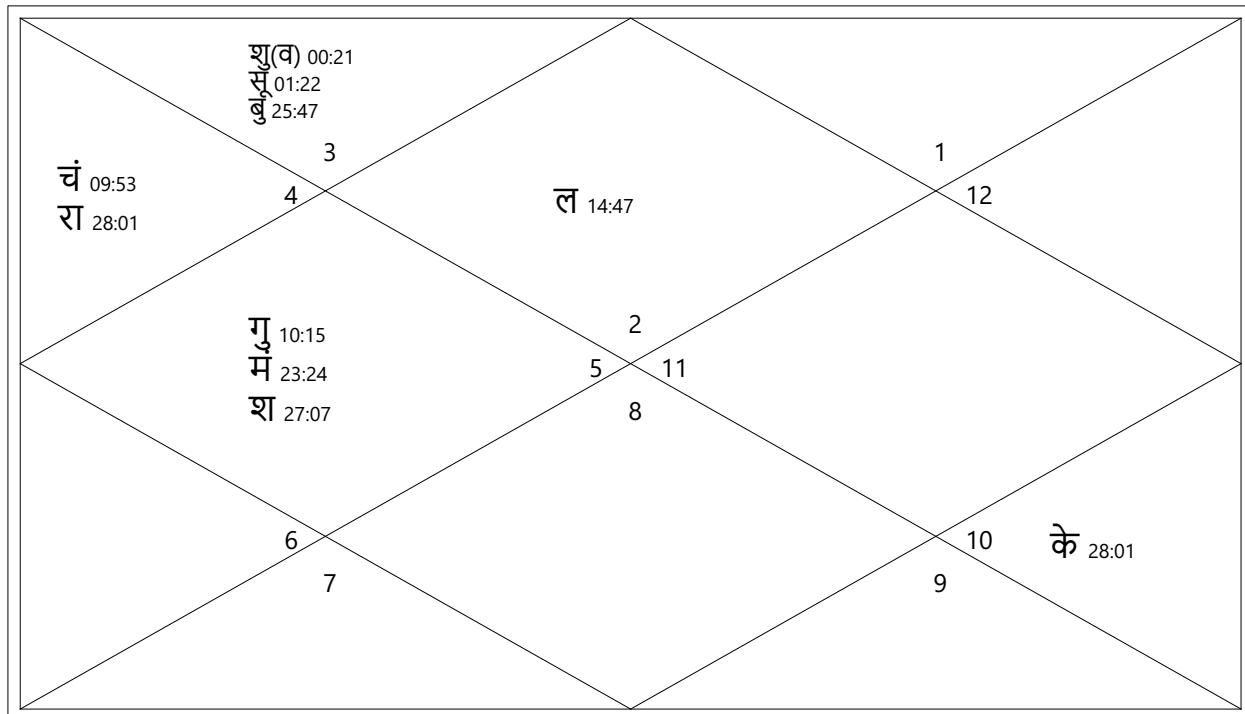
आपकी जन्म राशि कर्क है अतः जब शनि तुला, मकर और मेष में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

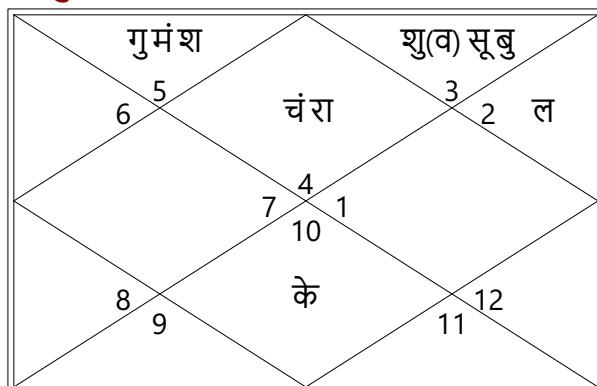
	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग	
					शनि	सर्व
<b>दैया की प्रथम आवृत्ति</b>						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	तुला तुला (व)	06-10-1982 31-05-1985	21-12-1984 16-09-1985	2-2-15 0-3-15	3	28
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	मकर मकर (व)	20-03-1990 14-12-1990	20-06-1990 05-03-1993	0-3-0 2-2-21	5	24
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	05-03-1993 09-11-1993	15-10-1993 02-06-1995	0-7-10 1-6-23	2	29
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	मेष मेष (व)	17-04-1998	06-06-2000	2-1-19 --	3	34
<b>दैया की द्वितीय आवृत्ति</b>						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	तुला तुला (व)	15-11-2011 04-08-2012	16-05-2012 02-11-2014	0-6-1 2-2-28	3	28
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	मकर मकर (व)	24-01-2020 12-07-2022	29-04-2022 17-01-2023	2-3-5 0-6-5	5	24
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	29-04-2022 17-01-2023	12-07-2022 29-03-2025	0-2-13 2-2-12	2	29
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	मेष मेष (व)	02-06-2027 23-02-2028	20-10-2027 08-08-2029	0-4-18 1-5-15	3	34
<b>दैया की तृतीय आवृत्ति</b>						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	तुला तुला (व)	27-01-2041 26-09-2041	06-02-2041 11-12-2043	0-0-9 2-2-15	3	28
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	मकर मकर (व)	06-03-2049 04-12-2049	09-07-2049 24-02-2052	0-4-3 2-2-20	5	24
अष्टम् स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	24-02-2052 01-09-2054	14-05-2054 05-02-2055	2-2-20 0-5-4	2	29
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	मेष मेष (व)	07-04-2057	27-05-2059	2-1-20 --	3	34



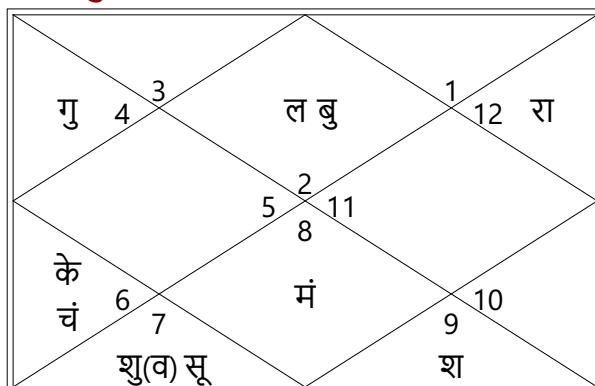
16 जून 1980 \* सोमवार \* 04:20:00 घंटे



## चंद्र कुण्डली



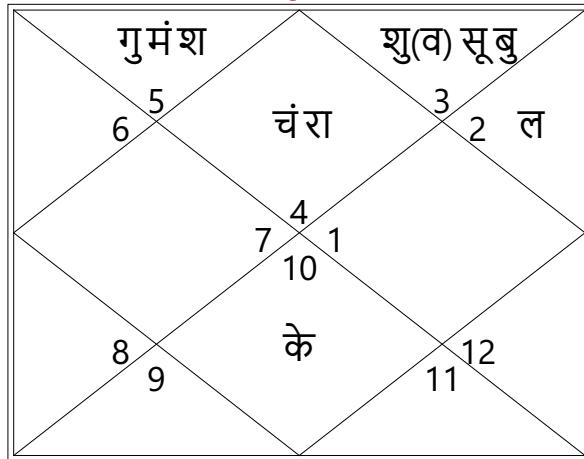
## नवांश कुण्डली



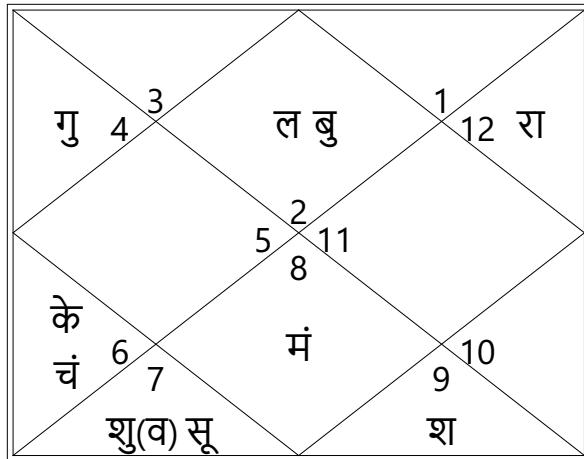
ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा.	न.	उप	उप	शुभा-	षड्बल
							स्वा.	स्वा.	स्वा.	स्वा.	शुभ	
लग्न		वृष	14:47:09		रोहिणी	2	शु	चं	गु	शु		
सूर्य		मिथुन	01:22:10	00:57:19	मृगशिरा	3	बु	मं	बु	गु	शत्रु	1.33
चन्द्र		कर्क	09:53:40	12:50:38	पुष्य	2	चं	शा	शु	बु	स्वराशि	1.17
मंगल		सिंह	23:24:16	00:29:21	पूर्वफाल्गुनी	4	सू	शु	श	रा	अतिमित्र	1.54
बुध		मिथुन	25:47:04	00:52:50	पुनर्वसु	2	बु	गु	के	के	स्वराशि	1.10
गुरु		सिंह	10:15:27	00:07:57	मघा	4	सू	के	श	शु	अतिमित्र	1.34
शुक्र	(व)(अ)	मिथुन	00:21:21	-00:37:31	मृगशिरा	3	बु	मं	बु	के	सम	1.30
शनि		सिंह	27:07:11	00:02:27	उत्तरफाल्गुनी	1	सू	सू	सू	बु	सम	1.42
राहु		कर्क	28:01:19	-00:02:39	आश्लेषा	4	चं	बु	श	श	सम	
केतु		मकर	28:01:19	-00:02:39	धनिष्ठा	2	श	मं	श	श	सम	



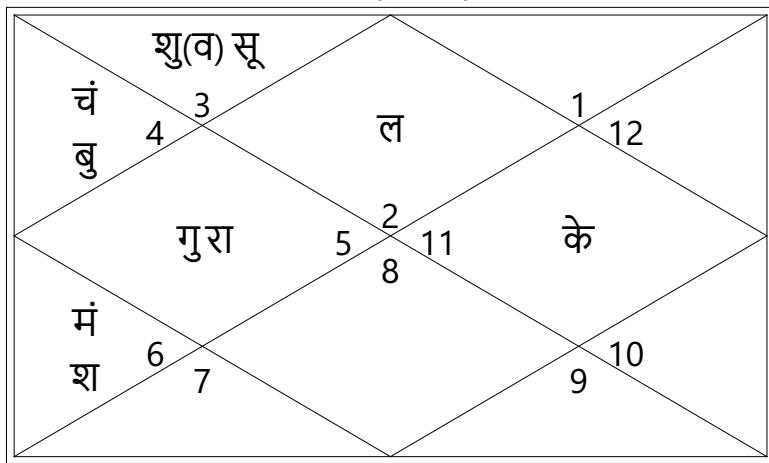
## चन्द्र कुण्डली



## नवांश



## भाव (श्रीपति)



## भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ	भाव मध्य	भाव अन्त
प्रथम भाव	मेष 27:28:39	वृष 14:47:09	वृष 27:28:39
द्वितीय भाव	वृष 27:28:39	मिथुन 10:10:10	मिथुन 22:51:41
तृतीय भाव	मिथुन 22:51:41	कर्क 05:33:12	कर्क 18:14:43
चतुर्थ भाव	कर्क 18:14:43	सिंह 00:56:14	सिंह 18:14:43
पंचम भाव	सिंह 18:14:43	कन्या 05:33:12	कन्या 22:51:41
षष्ठ भाव	कन्या 22:51:41	तुला 10:10:10	तुला 27:28:39
सप्तम भाव	तुला 27:28:39	वृश्चिक 14:47:09	वृश्चिक 27:28:39
अष्टम भाव	वृश्चिक 27:28:39	धनु 10:10:10	धनु 22:51:41
नवम भाव	धनु 22:51:41	मकर 05:33:12	मकर 18:14:43
दशम भाव	मकर 18:14:43	कुंभ 00:56:14	कुंभ 18:14:43
एकादश भाव	कुंभ 18:14:43	मीन 05:33:12	मीन 22:51:41
द्वादश भाव	मीन 22:51:41	मेष 10:10:10	मेष 27:28:39

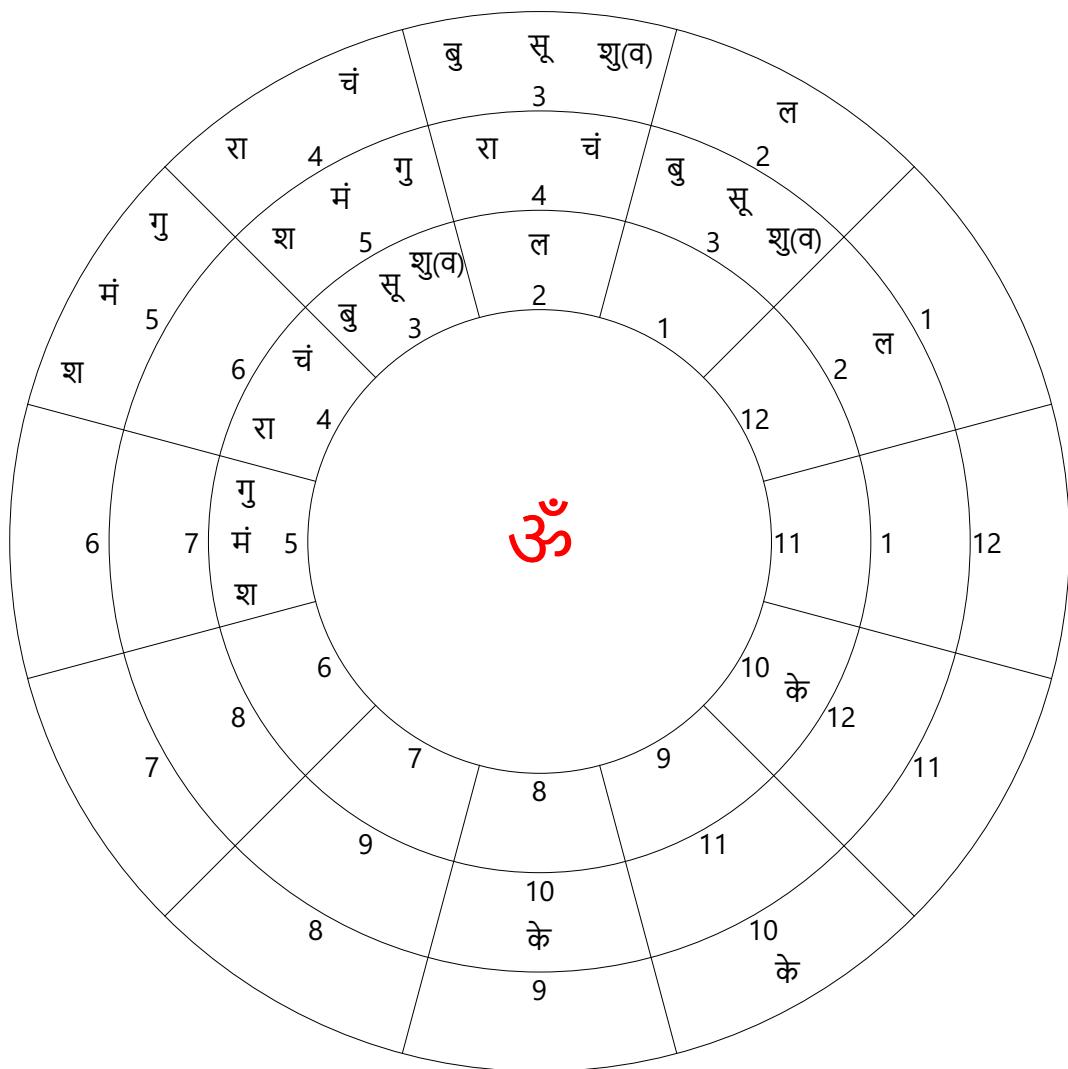


## सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली

मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली

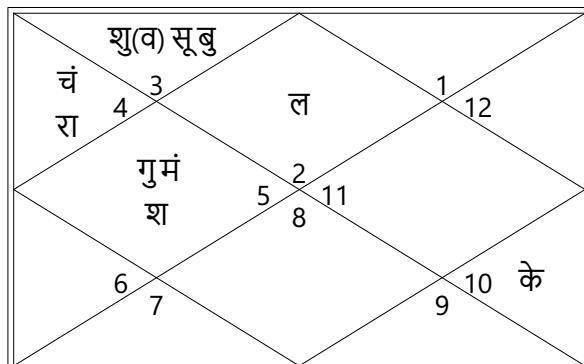
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली



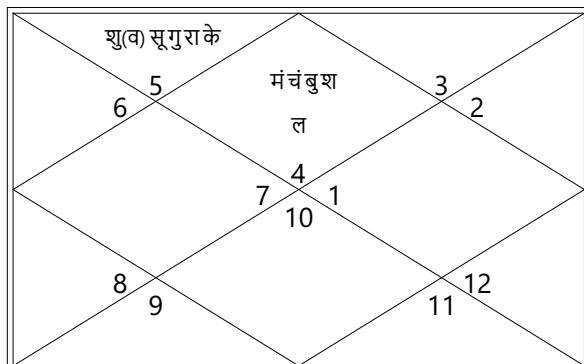
सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषण किया जाता है।



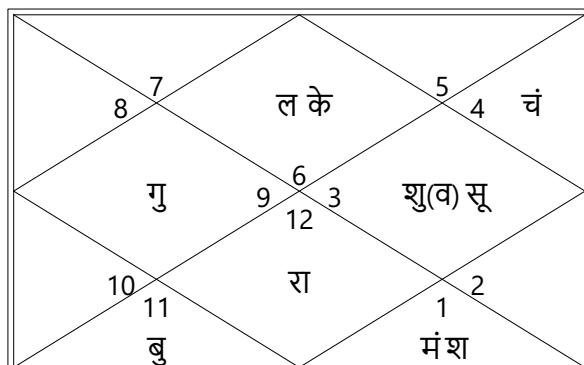
### जन्म कुण्डली



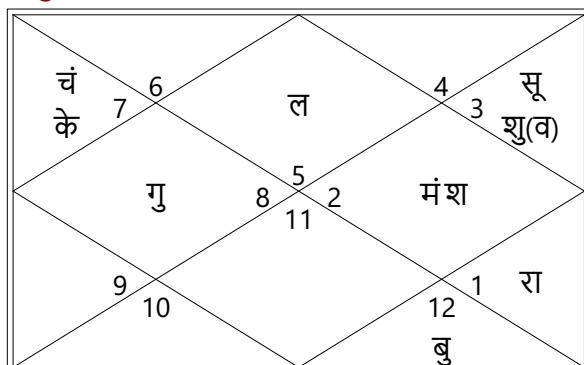
### होरा (धन-सम्पत्ति)



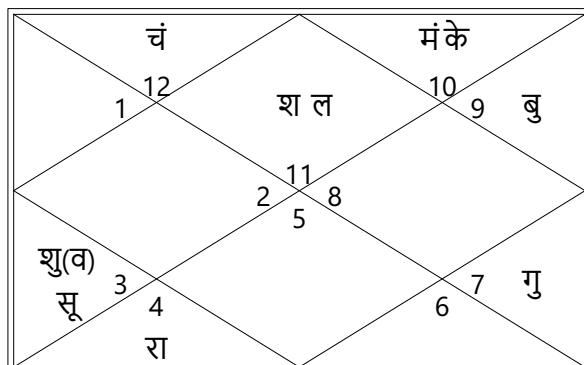
### द्रेष्काण (भाई-बहन)



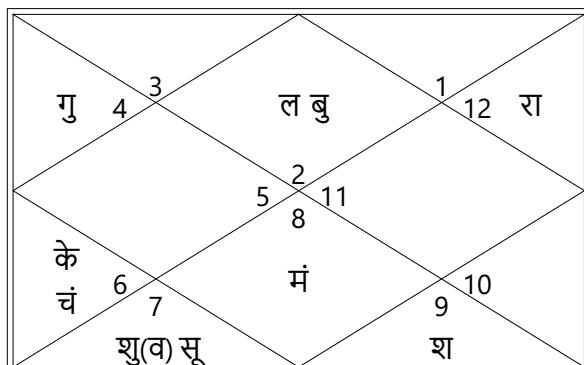
### चतुर्थांश (भाग्य)



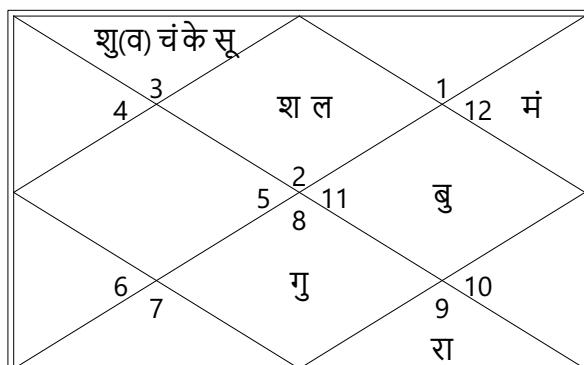
### सप्तांश (संतान)



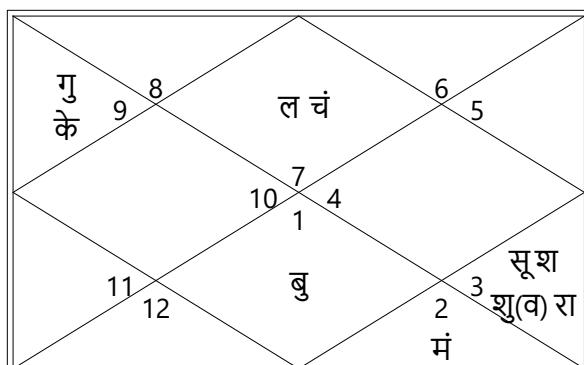
### नवांश (जीवनसाथी)



### दशांश (कर्मफल)

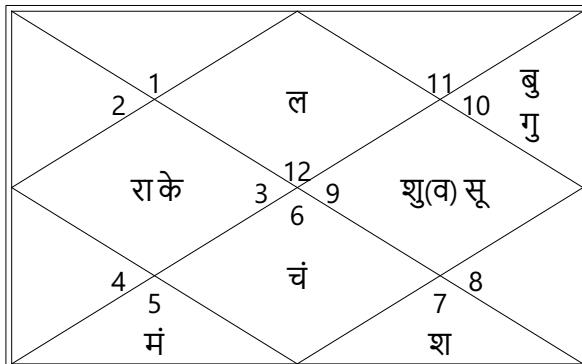


### द्वादशांश (माता-पिता)

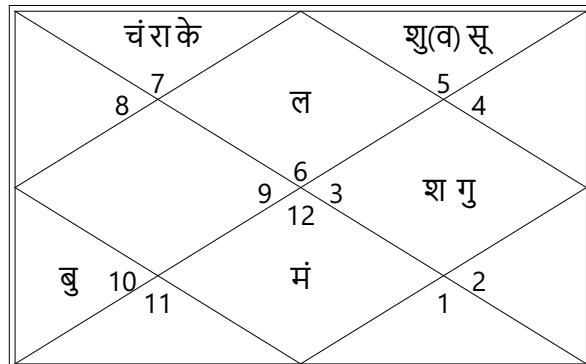




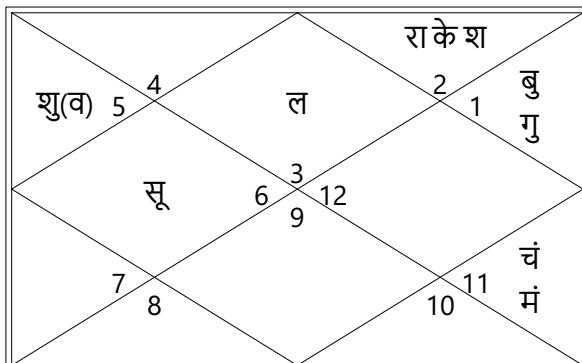
षोडशांश (वाहन)



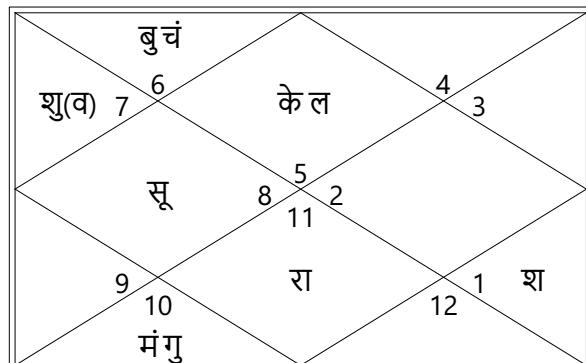
## विंशांश (उपासना)



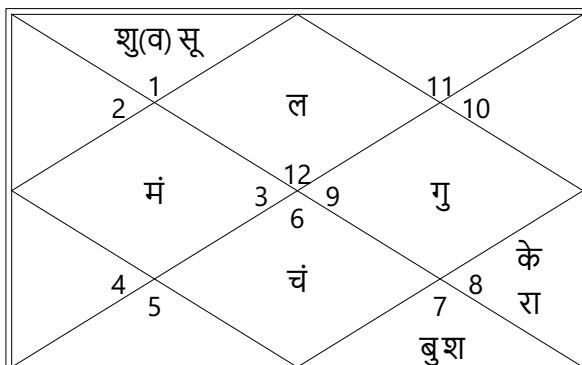
चतुर्विंशांश (विद्या)



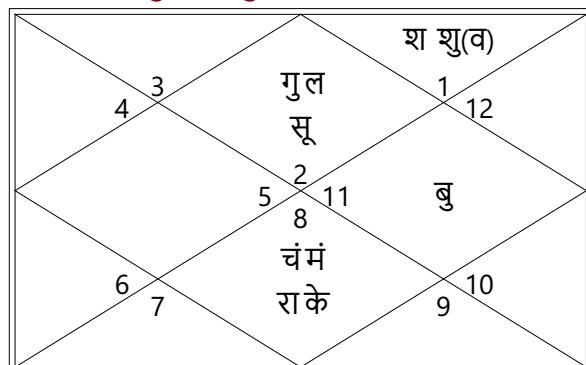
सप्तविंशांश (बलाबल)



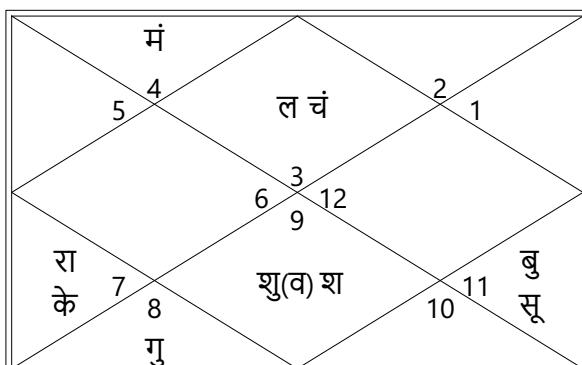
## त्रिंशांश (अरिष्ट)



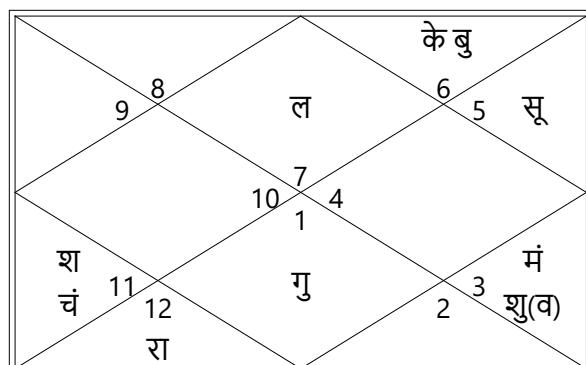
## खवेदांश (शुभ-अशुभफल)



## अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)





ॐ

उपग्रह

## गुलिकादि उपग्रह समूह

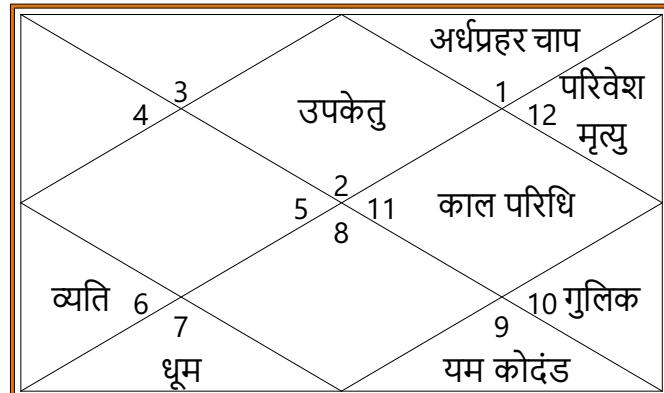
जन्म मध्य रात्रि से सूर्योदय के बीच \* सूर्योदय-सूर्यस्त : 05:28-18:53 \* जन्मवार : रविवार

उपग्रह	स्वामी	उपग्रह की अवधि	आरम्भ (पराशर विधि)				अन्त (कालिदास विधि)			
			राशि	अंश	नक्षत्र	पद	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
कालवेला	सू.	22:51-00:10	कुंभ	03:06:47	धनिष्ठा	3	कुंभ	28:49:07	पू.भाद्रपद	3
परिधि	च	00:10-01:30	कुंभ	28:49:07	पू.भाद्रपद	3	मीन	25:15:54	रेवती	3
मृत्यु	मं	01:30-02:49	मीन	25:15:54	रेवती	3	मेष	19:59:24	भरणी	2
अर्धप्रहर	बु	02:49-04:08	मेष	19:59:24	भरणी	2	वृष	11:54:08	रोहिणी	1
यमकण्टक	गु	18:53-20:12	धनु	00:59:32	मूल	1	धनु	19:32:44	पूर्वाषाढ़ा	2
कोदण्ड	शु	20:12-21:31	धनु	19:32:44	पूर्वाषाढ़ा	2	मकर	09:58:48	उत्तराषाढ़ा	4
गुलिक	श	21:31-22:51	मकर	09:58:48	उत्तराषाढ़ा	4	कुंभ	03:06:47	धनिष्ठा	3

## धूमादि उपग्रह समूह

उपग्रह	स्वामी	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
धूम	मं	तुला	14:42:10	स्वाति	3
व्यतिपात	रा	कन्या	15:17:50	हस्त	2
परिवेश	चं	मीन	15:17:50	उ.भाद्रपद	4
इन्द्रचाप	शु	मेष	14:42:10	भरणी	1
उपकेतु	के	वृष	01:22:10	कृतिका	2

## उपग्रह



## अन्य विशेष लग्न व गणनाएं

भाव लग्न	वृष	13:27:05	योगी बिन्दु	14:35:50 धनु
होरा लग्न	मेष	26:26:37	योगी	शु
घटिका लग्न	मीन	05:25:12	अवयोगी/अन्य योगी	गु/गु
इन्दु लग्न	वृष	15:00:00	64वां नवांश (चन्द्र/लग्न)	धनु/सिंह
बीज स्फुट	धनु	11:58:59	22वां द्रेष्काण (लग्न/चन्द्र)	मेष/कुंभ
जन्म कुण्डली/नवांश	विषम/सम	50 प्रतिशत (मध्यमफल)	सर्प द्रेष्काण	राहु

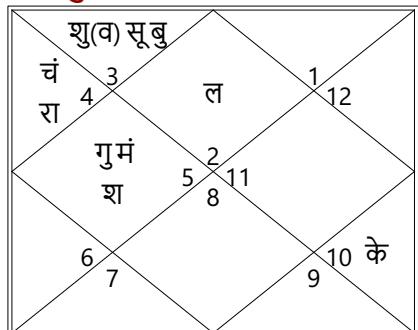


जन्म दिन : 16 जून 1980, सोमवार  
जन्म समय : 04:20:00 घंटे  
जन्म स्थान : Jabalpur, Madhya Pradesh, India

रेखांश/अक्षांश  
समयक्षेत्र  
समय संशोधन

: 79°57'00 23°10'00  
-05:30:00 घंटे  
00:00:00 घंटे

### जन्म कुण्डली



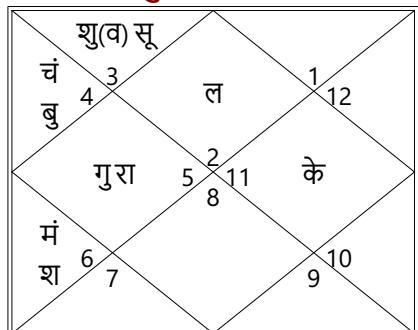
### चंद्र कुण्डली



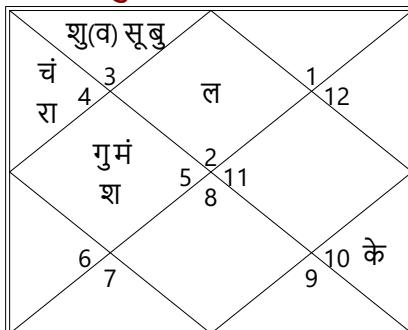
### सूर्य कुण्डली



### श्रीपति भाव कुण्डली



### सम भाव कुण्डली



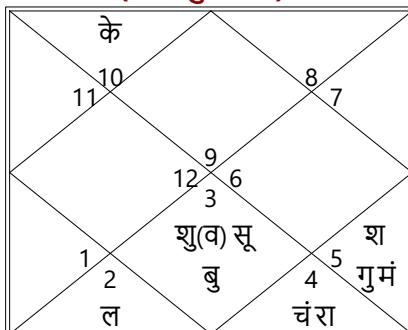
### के.पी. भाव कुण्डली



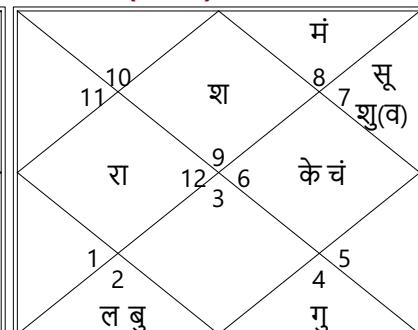
### आरुढ़ लग्र कुण्डली



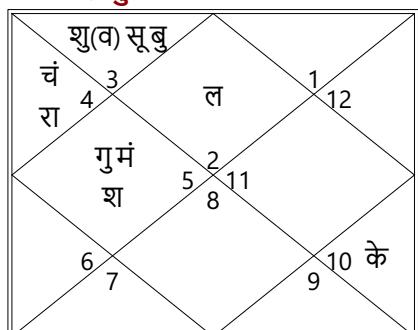
### कारकांश (जन्म कुण्डली)



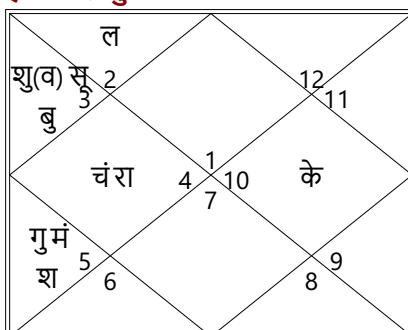
### कारकांश (नवांश)



### भाव लग्र कुण्डली



### होरा लग्र कुण्डली



### घटिका लग्र कुण्डली





## नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

## तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु शनि राहु	सूर्य मंगल बुध गुरु शुक्र शनि	सूर्य चन्द्र बुध शुक्र राहु	चन्द्र मंगल गुरु शनि राहु	सूर्य चन्द्र बुध शुक्र राहु	चन्द्र मंगल गुरु शनि राहु	सूर्य चन्द्र बुध शुक्र राहु	सूर्य मंगल बुध गुरु शुक्र शनि	
शत्रु	बुध शुक्र केतु	राहु केतु	गुरु शनि केतु	सूर्य शुक्र केतु	मंगल शनि केतु	सूर्य बुध केतु	मंगल गुरु केतु	चन्द्र केतु	सूर्य चन्द्र मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु

## पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र		सूर्य चन्द्र	शनि राहु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	
मित्र		मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र	मंगल गुरु शनि राहु	राहु	मंगल गुरु		बुध	
सम	शनि राहु		बुध गुरु राहु केतु	सूर्य चन्द्र शुक्र	मंगल बुध शुक्र	चन्द्र बुध केतु	सूर्य चन्द्र	सूर्य मंगल	मंगल शुक्र
शत्रु	बुध		शनि	केतु	शनि केतु		गुरु		बुध गुरु
अतिशत्रु	शुक्र केतु	राहु केतु				सूर्य	मंगल केतु	चन्द्र केतु	सूर्य चन्द्र शनि राहु



## षोडशवर्ग सारणी

## षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	मिथुन	सिंह	मिथुन	सिंह	कर्क
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कन्या	मिथुन	कर्क	मेष	कुंभ	धनु	मिथुन	मेष	कन्या
चतुर्थश	सिंह	मिथुन	तुला	वृष	मीन	वृश्चिक	मिथुन	वृष	मेष
सप्तांश	कुंभ	मिथुन	मीन	मकर	धनु	तुला	मिथुन	कुंभ	मकर
नवांश	वृष	तुला	कन्या	वृश्चिक	वृष	कर्क	तुला	धनु	मीन
दशांश	वृष	मिथुन	मिथुन	मीन	कुंभ	वृश्चिक	मिथुन	वृष	मिथुन
द्वादशांश	तुला	मिथुन	तुला	वृष	मेष	धनु	मिथुन	मिथुन	धनु
षोडशांश	मीन	धनु	कन्या	सिंह	मकर	मकर	धनु	तुला	मिथुन
विंशांश	कन्या	सिंह	तुला	मीन	मकर	मिथुन	सिंह	तुला	तुला
चतुर्विंशांश	मिथुन	कन्या	कुंभ	कुंभ	मेष	सिंह	वृष	वृष	वृष
सप्तविंशांश	सिंह	वृश्चिक	कन्या	मकर	कन्या	मकर	तुला	कुंभ	सिंह
त्रिंशांश	मीन	मेष	कन्या	मिथुन	तुला	धनु	तुला	वृश्चिक	वृश्चिक
खवेदांश	वृष	वृष	वृश्चिक	वृश्चिक	कुंभ	वृष	मेष	वृश्चिक	वृश्चिक
अक्षवेदांश	मिथुन	कुंभ	मिथुन	कर्क	कुंभ	वृश्चिक	धनु	तुला	तुला
षष्ठ्यांश	तुला	सिंह	कुंभ	मिथुन	कन्या	मेष	मिथुन	कुंभ	कन्या

## षोडशवर्ग में शुभाशुभ

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	शत्रु	स्वराशि	अतिमित्र	स्वराशि	अतिमित्र	सम	सम	सम
होरा	मूलत्रिक.	स्वराशि	नीच	अतिशत्रु	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम
द्रेष्काण	शत्रु	स्वराशि	मूलत्रिक.	मित्र	मूलत्रिक.	सम	नीच	सम
चतुर्थश	मित्र	शत्रु	मित्र	नीच	सम	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
सप्तांश	शत्रु	शत्रु	उच्च	मित्र	अतिशत्रु	सम	मूलत्रिक.	सम
नवांश	नीच	सम	स्वराशि	सम	उच्च	मूलत्रिक.	शत्रु	सम
दशांश	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	सम	अतिमित्र	सम
द्वादशांश	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मूलत्रिक.	अतिमित्र	अतिमित्र	मूलत्रिक.
षोडशांश	अतिमित्र	सम	सम	मित्र	नीच	मित्र	उच्च	मूलत्रिक.
विंशांश	स्वराशि	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	सम
चतुर्विंशांश	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	उच्च	नीच
सप्तविंशांश	आर्तिमित्र	सम	उच्च	उच्च	नीच	तुला	नीच	स्वराशि
त्रिंशांश	उच्च	अतिमित्र	अतिशत्रु	सम	मूलत्रिक.	मित्र	उच्च	उच्च
खवेदांश	सम	नीच	स्वराशि	मित्र	सम	शत्रु	नीच	उच्च
अक्षवेदांश	सम	सम	नीच	मित्र	सम	मित्र	सम	सम
षष्ठ्यांश	स्वराशि	शत्रु	सम	मूलत्रिक.	अतिमित्र	अतिमित्र	मूलत्रिक.	सम

## विशेषक बल

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षड्वर्ग	8	19	18	15	19	12	9	13
सप्तवर्ग	9	18	17	15	19	11	12	12
दशवर्ग	13	17	14	16	14	11	15	13
षोडशवर्ग	12	18	15	16	14	12	13	14



## ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	42.88	37.70	8.47	33.59	48.25	38.88	42.37
सप्तवर्गीय बल	69.38	165.00	131.25	97.50	165.00	76.88	95.63
ओज-युग्म बल	30.00	30.00	15.00	15.00	15.00	0.00	30.00
केन्द्रादिं बल	30.00	15.00	60.00	30.00	60.00	30.00	60.00
द्रेष्काण बल	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1. स्थान बल	187.25	247.70	214.72	176.09	288.25	145.76	228.00
2. दिग्बल	19.86	52.99	7.49	46.33	31.51	39.81	34.11
नतोन्त्र बल	20.63	39.37	39.37	60.00	20.63	20.63	39.37
पक्ष बल	47.16	12.84	47.16	47.16	12.84	12.84	47.16
त्रिभाग बल	0.00	0.00	60.00	0.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00
मास बल	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	45.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00
आयन बल	59.88	4.98	36.76	58.30	43.23	59.83	25.15
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. काल बल	202.67	57.19	183.29	165.46	136.70	153.30	126.68
4. चेष्टा बल	59.88	12.84	51.80	50.65	39.58	59.84	42.02
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. द्वक बल	-11.19	0.13	-11.87	-0.67	-6.94	-11.31	-13.93
<b>कुल षड्बल</b>	<b>518.48</b>	<b>422.26</b>	<b>462.59</b>	<b>463.61</b>	<b>523.36</b>	<b>430.24</b>	<b>425.46</b>
<b>षड्बल (रूप में)</b>	<b>8.64</b>	<b>7.04</b>	<b>7.71</b>	<b>7.73</b>	<b>8.72</b>	<b>7.17</b>	<b>7.09</b>
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
<b>वांछनीय का अंश</b>	<b>1.33</b>	<b>1.17</b>	<b>1.54</b>	<b>1.10</b>	<b>1.34</b>	<b>1.30</b>	<b>1.42</b>
स्थान बल वांछित का अंश	1.13	1.86	2.24	1.07	1.75	1.10	2.37
दिग्बल वांछित का अंश	0.57	1.06	0.25	1.32	0.90	0.80	1.14
काल बल वांछित का अंश	1.81	0.57	2.74	1.48	1.22	1.53	1.89
चेष्टा बल वांछित का अंश	1.20	0.43	1.30	1.01	0.79	1.99	1.05
द्वक्बल वांछित का अंश	2.00	0.12	1.84	1.94	1.44	1.50	1.26
तुलनात्मक स्थिति	4	6	1	7	3	5	2
इष्ट फल	50.60	25.27	30.14	42.12	43.91	49.36	42.20
कष्ट फल	9.40	34.73	29.86	17.88	16.09	10.64	17.80

## भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे
भावमध्य अंश	14	14	14	14	14	14	14	14	14	14	14	14
भावाधिपति बल	430	463	422	518	463	430	462	523	425	425	523	462
भाव दिग्बल	29	50	20	0	20	10	60	10	50	30	10	40
भाव दृष्टि बल	-4	-7	0	-8	-26	-17	18	1	-32	13	5	34
ग्रह	0	0	0	-60	0	0	0	0	0	0	0	0
दिन-रात्रि	15	0	15	0	0	0	0	15	15	0	0	15
कुल भावबल	471	506	457	450	457	423	541	549	458	469	539	552



## ग्रहों पर दृष्टि

## दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट ग्रह	अंश	सूर्य 61:22	चन्द्र 99:53	मंगल 143:24	बुध 85:47	गुरु 130:15	शुक्र 60:21	शनि 147:07	राहु 118:01	केतु 298:01
सूर्य	61:22	-	-	-	-	-	-	-	-	-
				(11)		(4)		(51)		(56)
चन्द्र	99:53	-	-	-	-	-	-	(4)	-	4/4 (23)
			(4)					(4)		
मंगल	143:24	1/4 (37)	- (6)	-	1/4 (13)	-	1/4 (38)	-	-	3/4 (47)
								(2)		(32)
बुध	85:47	-	-	-	-	-	-	-	-	-
गुरु	130:15	1/4 (23)	-	-	1/4 (7)	-	1/4 (24)	-	-	3/4 (53)
शुक्र	60:21	-	-	-	-	-	-	(53)	-	(57)
				(11)		(4)				
शनि	147:07	1/4 (40)	- (8)	-	1/4 (16)	-	1/4 (41)	-	-	3/4 (45)
राहु	118:01	-	-	-	-	-	-	(13)	-	4/4 (60)
			(13)							
केतु	298:01	3/4 (31)	4/4 (50)	- (9)	3/4 (43)	- (35)	3/4 (31)	- (1)	4/4 (60)	-

## श्रीपति भावों पर दृष्टि

## दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट भाव	अंश	सूर्य 61:22	चन्द्र 99:53	मंगल 143:24	बुध 85:47	गुरु 130:15	शुक्र 60:21	शनि 147:07	राहु 118:01	केतु 298:01
प्रथम	44:47	-	-	19	-	12	-	47	6	53
द्वितीय	70:10	-	-	6	-	-	-	33	-	47
तृतीय	95:33	2	-	-	-	-	2	-	-	15
चतुर्थ	120:56	14	-	-	2	-	15	-	-	58
पंचम	155:33	42	12	-	24	-	42	-	3	48
षष्ठ	190:10	21	44	8	37	14	20	26	27	47
सप्तम	224:47	26	25	47	10	47	28	51	53	6
अष्टम	250:10	55	-	43	28	59	55	38	47	-
नवम	275:33	42	51	17	55	34	42	21	15	-
दशम	300:56	30	49	15	42	41	29	7	58	-
एकादश	335:33	12	32	60	25	47	12	55	48	3
द्वादश	10:10	-	14	43	7	59	-	38	47	27



## ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लजिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	स्वप्न (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	क्षुधित मुदित	दुखी (शत्रुक्षेत्र)	शयन (अग्रिमान्द्य)
चन्द्र	जागृत (पूर्णफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	तृषित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	आगम (वाचाल/धर्मात्मा)
मंगल	स्वप्न (मध्यमफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	क्षुधित मुदित	मुदित (अधिमित्र)	आगम (धर्मकर्मरहित कायर)
बुध	जागृत (पूर्णफल)	मृत (शून्यफल)	मुदित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	प्रकाशन (अनेक विद्या पारंगत)
गुरु	स्वप्न (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)	क्षुधित	मुदित (अधिमित्र)	प्रकाशन (आनन्द अनेक सुख)
शुक्र	स्वप्न (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)		दीन (समक्षेत्र)	उपवेश (मणि सुवर्णभूषण)
शनि	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)	मुदित	दीन (समक्षेत्र)	आगम (रोगायुक्त)
राहु	सुषुप्ति (शून्यफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	तृषित मुदित	दीन (समक्षेत्र)	आगम (व्याकुल भीत धनक्षय)
केतु	सुषुप्ति (शून्यफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	मुदित	दीन (समक्षेत्र)	कौतुक (विनोदी स्थानभ्रष्ट)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में कोष्ठक में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

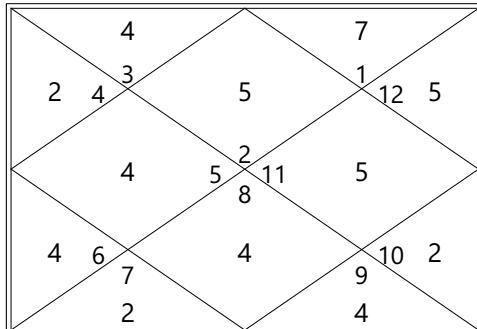


## अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

### सूर्य

सूर्य राशि	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चन्द्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
लग्न	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	0	6	
योग	4	2	4	4	2	4	4	2	5	5	7	5	48

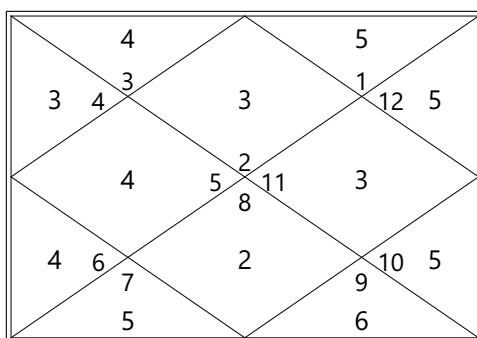
### सूर्य



### चन्द्र

चन्द्र राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
गुरु	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
सूर्य	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	6
शुक्र	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	7
बुध	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
योग	3	4	4	5	2	6	5	3	5	5	3	4	49

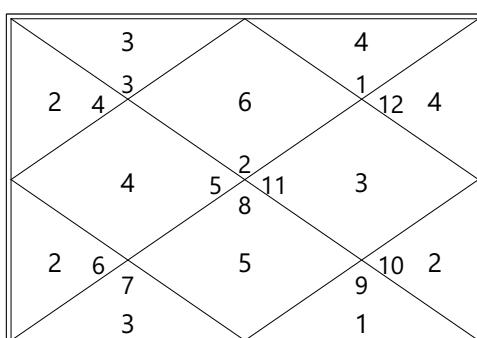
### चन्द्र



### मंगल

मंगल राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	4
बुध	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	5
योग	4	2	3	5	1	2	3	4	4	6	3	2	39

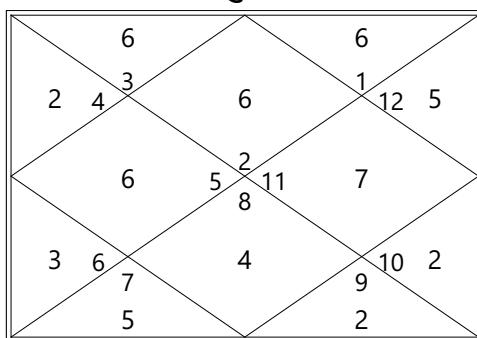
### मंगल



### बुध

बुध राशि	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
लग्न	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
योग	6	2	6	3	5	4	2	2	7	5	6	6	54

### बुध



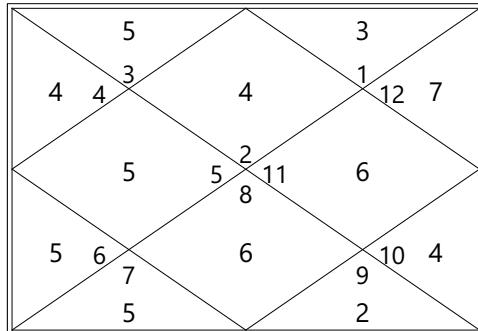


## अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

## गुरु

गुरु राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
शुक्र	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	6
बुध	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	8
चन्द्र	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	5
लग्न	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	9
योग	5	5	5	6	2	4	6	7	3	4	5	4	56

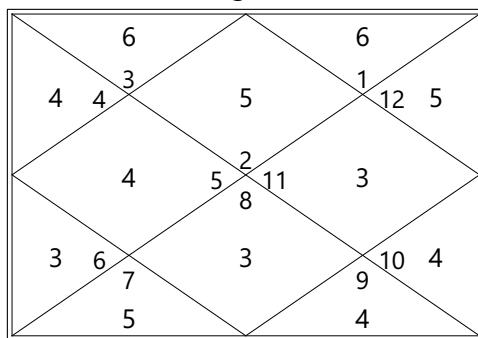
## गुरु



## शुक्र

शुक्र राशि	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	
शनि	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	7
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	5
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	9
लग्न	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
योग	6	4	4	3	5	3	4	4	3	5	6	5	52

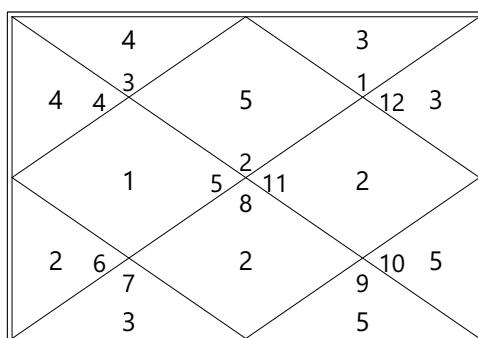
## शुक्र



## शनि

शनि राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	6
सूर्य	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	7
शुक्र	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	3
बुध	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	0	6
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
योग	1	2	3	2	5	5	2	3	3	5	4	4	39

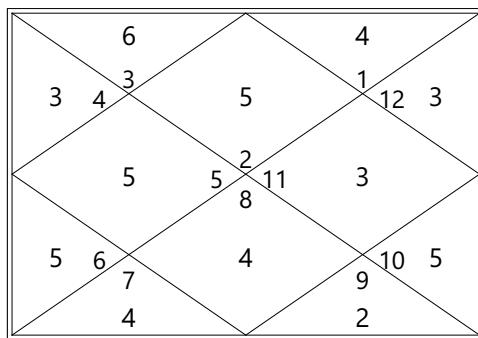
## शनि



## लग्न

लग्न राशि	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	
शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	9
मंगल	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	5
सूर्य	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
चन्द्र	1	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	5	6	3	5	5	4	4	2	5	3	3	4	49

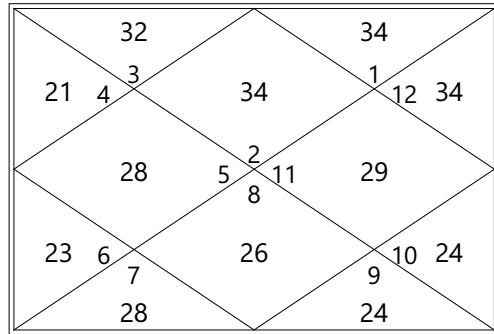
## लग्न



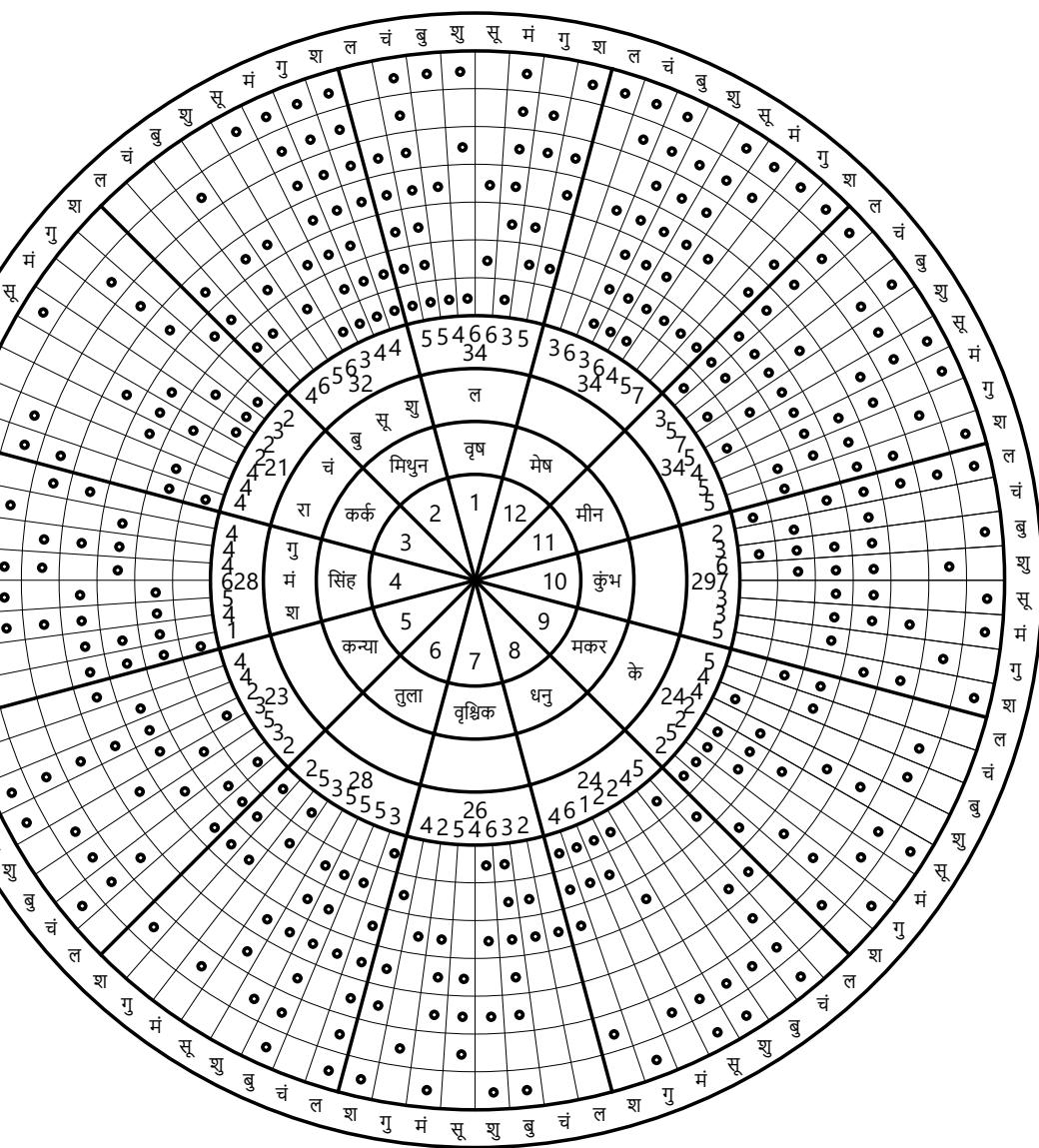


### सर्वाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	4	5	6	3	5	5	4	4	2	5	3	3	49
सूर्य	7	5	4	2	4	4	2	4	4	2	5	5	48
चन्द्र	5	3	4	3	4	4	5	2	6	5	3	5	49
मंगल	4	6	3	2	4	2	3	5	1	2	3	4	39
बुध	6	6	6	2	6	3	5	4	2	2	7	5	54
गुरु	3	4	5	4	5	5	5	6	2	4	6	7	56
शुक्र	6	5	6	4	4	3	5	3	4	4	3	5	52
शनि	3	5	4	4	1	2	3	2	5	5	2	3	39
	34	34	32	21	28	23	28	26	24	24	29	34	337

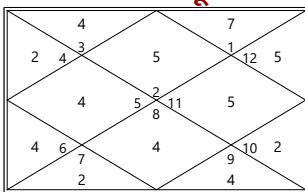
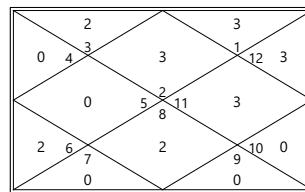
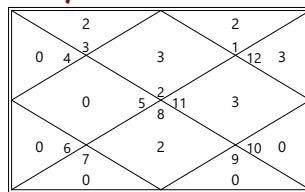


### सर्वचन्चा चक्र

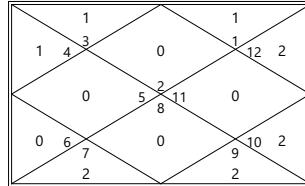
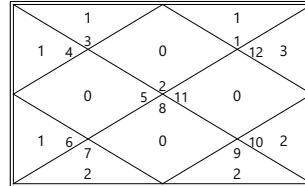
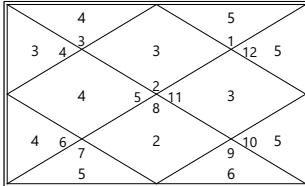


**शोधन से पूर्व**

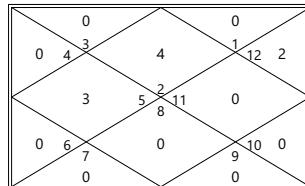
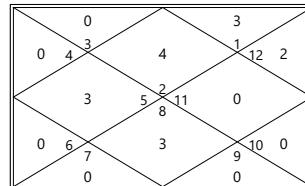
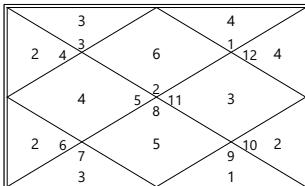
<b>सूर्य</b>	
राशि पिण्ड	145
ग्रह पिण्ड	34
शुद्ध पिण्ड	179

**त्रिकोण शोधन****एकाधिपत्य शोधन**

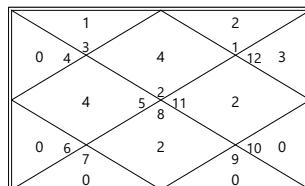
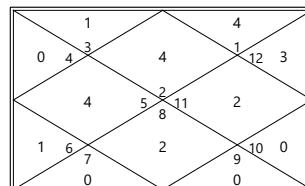
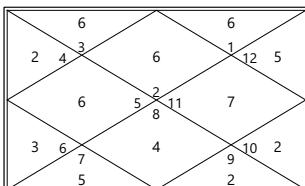
<b>चन्द्र</b>	
राशि पिण्ड	85
ग्रह पिण्ड	22
शुद्ध पिण्ड	107



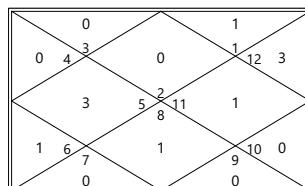
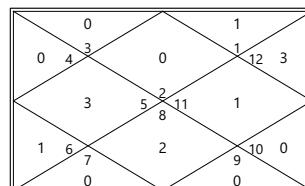
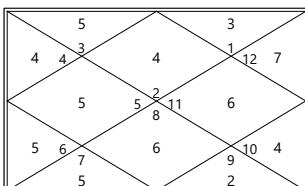
<b>मंगल</b>	
राशि पिण्ड	94
ग्रह पिण्ड	69
शुद्ध पिण्ड	163



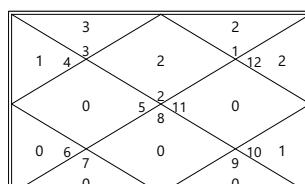
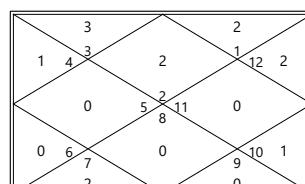
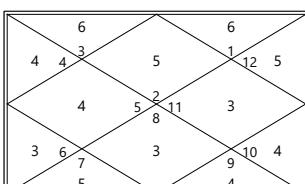
<b>बुध</b>	
राशि पिण्ड	176
ग्रह पिण्ड	109
शुद्ध पिण्ड	285



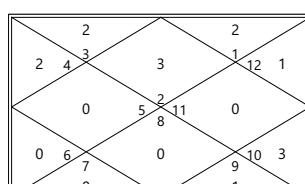
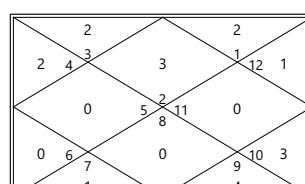
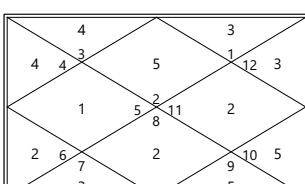
<b>गुरु</b>	
राशि पिण्ड	98
ग्रह पिण्ड	69
शुद्ध पिण्ड	167



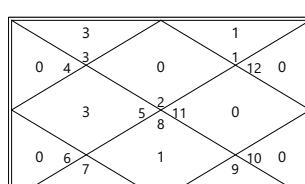
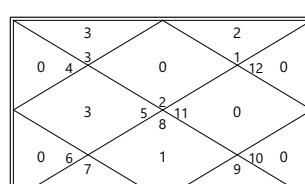
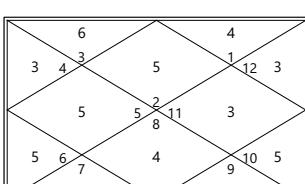
<b>शुक्र</b>	
राशि पिण्ड	91
ग्रह पिण्ड	56
शुद्ध पिण्ड	147



<b>शनि</b>	
राशि पिण्ड	104
ग्रह पिण्ड	44
शुद्ध पिण्ड	148



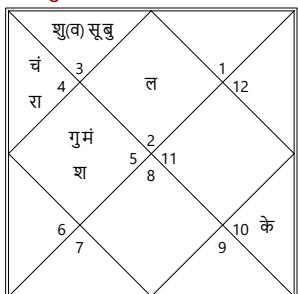
<b>लग्न</b>	
राशि पिण्ड	76
ग्रह पिण्ड	120
शुद्ध पिण्ड	196



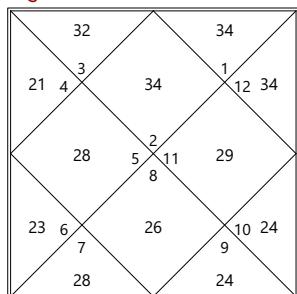


## वर्ग कुण्डलिया-अष्टकवर्ग

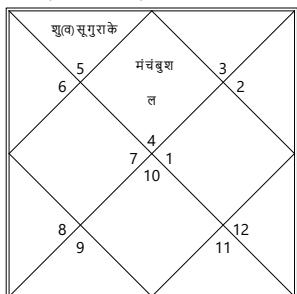
जन्म कुण्डली



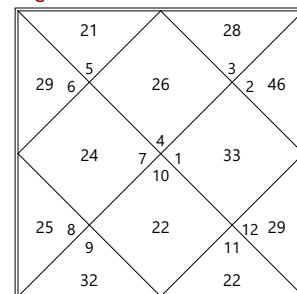
समुदाय अष्टकवर्ग



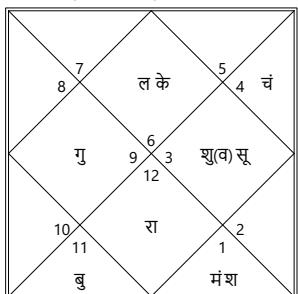
होरा (धन-सम्पत्ति)



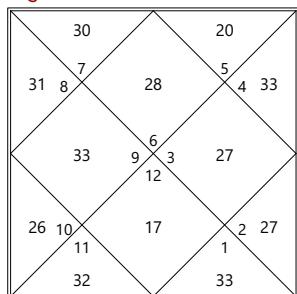
समुदाय अष्टकवर्ग



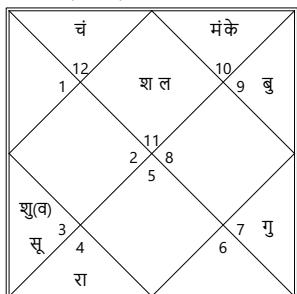
द्रेष्काण (भाई-बहन)



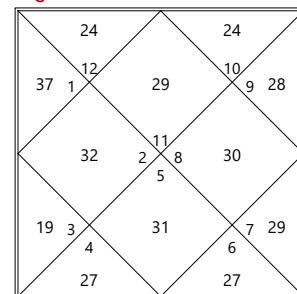
समुदाय अष्टकवर्ग



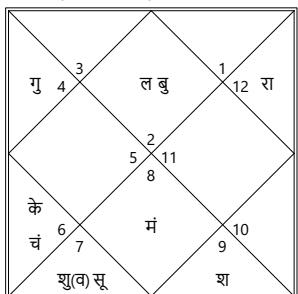
सप्तांश (संतान)



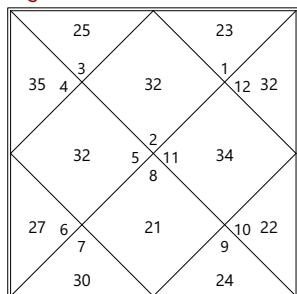
समुदाय अष्टकवर्ग



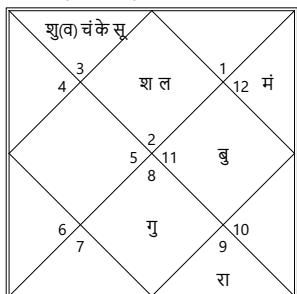
नवांश (जीवनसाथी)



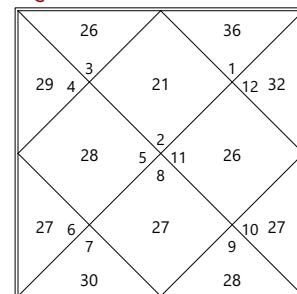
समुदाय अष्टकवर्ग



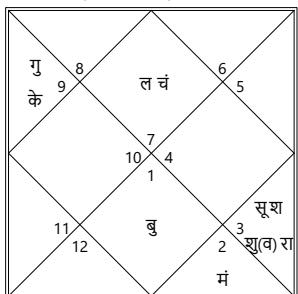
दशांश (कर्मफल)



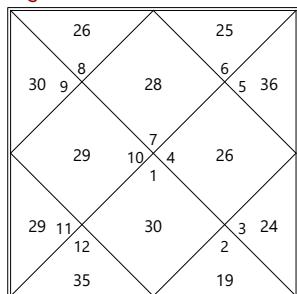
समुदाय अष्टकवर्ग



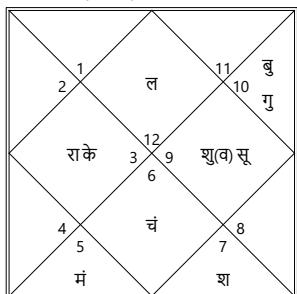
द्वादशांश (माता-पिता)



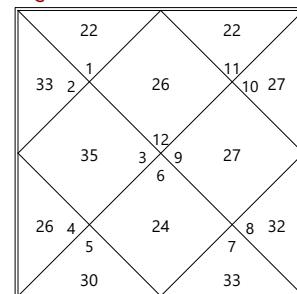
समुदाय अष्टकवर्ग



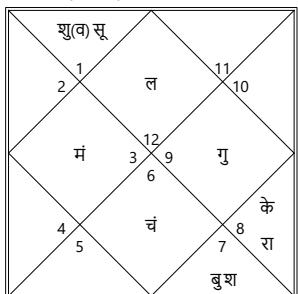
षोडशांश (वाहन)



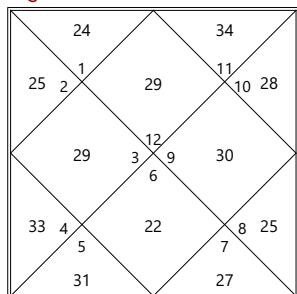
समुदाय अष्टकवर्ग



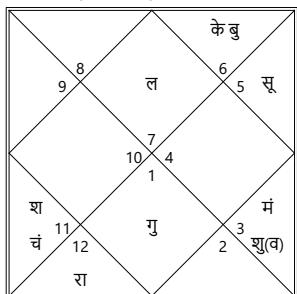
विशांश (अरिष्ट)



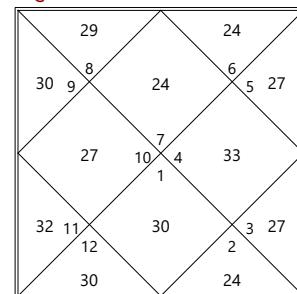
समुदाय अष्टकवर्ग



स्थृत्यांश (सभी क्षेत्र)



समुदाय अष्टकवर्ग





## ग्रहों का शारीरिक संरचना पर प्रभाव

### सूक्ष्म पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग
सूर्य	दाहिनी आँख
चन्द्र	दायाँ कान
मंगल	दायाँ जंघा
बुध	लिंग
गुरु	दायाँ पार्श्व
शुक्र	दाहिनी आँख
शनि	दायाँ जंघा
राहु	दायाँ अण्डकोश
केतु	बायाँ ठेहुना

### स्थूल पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग	शरीर का अंग
सूर्य	बाहु	मुख
चन्द्र	हृदय	बाहु
मंगल	पेट तथा कुक्षि	हृदय
बुध	बाहु	मुख
गुरु	पेट तथा कुक्षि	हृदय
शुक्र	बाहु	मुख
शनि	पेट तथा कुक्षि	हृदय
राहु	हृदय	बाहु
केतु	घुटने	जांघ

### नक्षत्र पद्धति

ग्रह	नक्षत्र	प्रथम मत	द्वितीय मत
सूर्य	मृगशिरा	दोनों आँख	भवें
चन्द्र	पुष्य	मुख	मुख
मंगल	पूर्वफाल्गुनी	लिंग	दायाँ हाथ
बुध	पुनर्वसु	अंगुलियाँ	नाक
गुरु	मध्या	नाक	होठ व ठोड़ी
शुक्र	मृगशिरा	दोनों आँख	भवें
शनि	उत्तरफाल्गुनी	लिंग	बायाँ हाथ
राहु	आश्लेषा	नाखून	कान
केतु	धनिष्ठा	पीठ	गुदा



## विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि 9वर्ष-7मास-22दिन  
जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (19व)

0 वर्ष से 9वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		-
बुध		-
केतु		-
शुक्र	16-06-1980 - 30-01-1981	
सूर्य	30-01-1981 - 12-01-1982	
चन्द्र	12-01-1982 - 13-08-1983	
मंगल	13-08-1983 - 21-09-1984	
राहु	21-09-1984 - 29-07-1987	
गुरु	29-07-1987 - 08-02-1990	

## बुध (17व)

9वर्ष से 26वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-02-1990 - 07-07-1992	
केतु	07-07-1992 - 04-07-1993	
शुक्र	04-07-1993 - 04-05-1996	
सूर्य	04-05-1996 - 10-03-1997	
चन्द्र	10-03-1997 - 10-08-1998	
मंगल	10-08-1998 - 07-08-1999	
राहु	07-08-1999 - 23-02-2002	
गुरु	23-02-2002 - 31-05-2004	
शनि	31-05-2004 - 08-02-2007	

## केतु (7व)

26वर्ष से 33वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-02-2007 - 08-07-2007	
शुक्र	08-07-2007 - 06-09-2008	
सूर्य	06-09-2008 - 12-01-2009	
चन्द्र	12-01-2009 - 13-08-2009	
मंगल	13-08-2009 - 09-01-2010	
राहु	09-01-2010 - 27-01-2011	
गुरु	27-01-2011 - 03-01-2012	
शनि	03-01-2012 - 11-02-2013	
बुध	11-02-2013 - 08-02-2014	

## शुक्र (20व) 33वर्ष से 53वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-02-2014	10-06-2017
सूर्य	10-06-2017 - 10-06-2018	
चन्द्र	10-06-2018 - 09-02-2020	
मंगल	09-02-2020 - 10-04-2021	
राहु	10-04-2021 - 09-04-2024	
गुरु	09-04-2024 - 09-12-2026	
शनि	09-12-2026 - 08-02-2030	
बुध	08-02-2030 - 09-12-2032	
केतु	09-12-2032 - 08-02-2034	

## सूर्य (6व) 53वर्ष से 59वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	08-02-2034 - 29-05-2034	
चन्द्र	29-05-2034 - 27-11-2034	
मंगल	27-11-2034 - 04-04-2035	
राहु	04-04-2035 - 27-02-2036	
गुरु	27-02-2036 - 15-12-2036	
शनि	15-12-2036 - 27-11-2037	
बुध	27-11-2037 - 03-10-2038	
केतु	03-10-2038 - 08-02-2039	
शुक्र	08-02-2039 - 08-02-2040	

## चन्द्र (10व) 59वर्ष से 69वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	08-02-2040 - 09-12-2040	
मंगल	09-12-2040 - 10-07-2041	
राहु	10-07-2041 - 09-01-2043	
गुरु	09-01-2043 - 10-05-2044	
शनि	10-05-2044 - 09-12-2045	
बुध	09-12-2045 - 10-05-2047	
केतु	10-05-2047 - 10-12-2047	
शुक्र	10-12-2047 - 09-08-2049	
सूर्य	09-08-2049 - 08-02-2050	

## मंगल (7व) 69वर्ष से 76वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	08-02-2050 - 07-07-2050	
राहु	07-07-2050 - 26-07-2051	
गुरु	26-07-2051 - 30-06-2052	
शनि	30-06-2052 - 09-08-2053	
बुध	09-08-2053 - 06-08-2054	
केतु	06-08-2054 - 03-01-2055	
शुक्र	03-01-2055 - 04-03-2056	
सूर्य	04-03-2056 - 10-07-2056	
चन्द्र	10-07-2056 - 08-02-2057	

## राहु (18व) 76वर्ष से 94वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	08-02-2057 - 22-10-2059	
गुरु	22-10-2059 - 16-03-2062	
शनि	16-03-2062 - 20-01-2065	
बुध	20-01-2065 - 10-08-2067	
केतु	10-08-2067 - 27-08-2068	
शुक्र	27-08-2068 - 28-08-2071	
सूर्य	28-08-2071 - 22-07-2072	
चन्द्र	22-07-2072 - 20-01-2074	
मंगल	20-01-2074 - 08-02-2075	

## गुरु (16व) 94वर्ष से 110वर्ष

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	08-02-2075 - 28-03-2077	
शनि	28-03-2077 - 09-10-2079	
बुध	09-10-2079 - 14-01-2082	
केतु	14-01-2082 - 21-12-2082	
शुक्र	21-12-2082 - 21-08-2085	
सूर्य	21-08-2085 - 09-06-2086	
चन्द्र	09-06-2086 - 09-10-2087	
मंगल	09-10-2087 - 14-09-2088	
राहु	14-09-2088 - 08-02-2091	



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**शनि** महादशा : 16-06-1980 से 08-02-1990  
आयु : ०व ०म से ९व ७म

## शनि-शनि

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	

## शनि-बुध

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	

## शनि-केतु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	

## शनि-शुक्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	16-06-1980 - 24-11-1980	
केतु	24-11-1980 - 30-01-1981	

## शनि-सूर्य

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	30-01-1981 - 16-02-1981	
चन्द्र	16-02-1981 - 17-03-1981	
मंगल	17-03-1981 - 07-04-1981	
राहु	07-04-1981 - 29-05-1981	
गुरु	29-05-1981 - 14-07-1981	
शनि	14-07-1981 - 07-09-1981	
बुध	07-09-1981 - 26-10-1981	
केतु	26-10-1981 - 15-11-1981	
शुक्र	15-11-1981 - 12-01-1982	

## शनि-चन्द्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-01-1982 - 01-03-1982	
मंगल	01-03-1982 - 04-04-1982	
राहु	04-04-1982 - 30-06-1982	
गुरु	30-06-1982 - 15-09-1982	
शनि	15-09-1982 - 15-12-1982	
बुध	15-12-1982 - 07-03-1983	
केतु	07-03-1983 - 10-04-1983	
शुक्र	10-04-1983 - 15-07-1983	
सूर्य	15-07-1983 - 13-08-1983	

## शनि-मंगल

3व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-08-1983 - 06-09-1983	
राहु	06-09-1983 - 06-11-1983	
गुरु	06-11-1983 - 30-12-1983	
शनि	30-12-1983 - 03-03-1984	
बुध	03-03-1984 - 29-04-1984	
केतु	29-04-1984 - 23-05-1984	
शुक्र	23-05-1984 - 29-07-1984	
सूर्य	29-07-1984 - 18-08-1984	
चन्द्र	18-08-1984 - 21-09-1984	

## शनि-राहु

4व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	21-09-1984 - 24-02-1985	
गुरु	24-02-1985 - 13-07-1985	
शनि	13-07-1985 - 25-12-1985	
बुध	25-12-1985 - 21-05-1986	
केतु	21-05-1986 - 21-07-1986	
शुक्र	21-07-1986 - 11-01-1987	
सूर्य	11-01-1987 - 04-03-1987	
चन्द्र	04-03-1987 - 29-05-1987	
मंगल	29-05-1987 - 29-07-1987	

## शनि-गुरु

7व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-07-1987 - 29-11-1987	
शनि	29-11-1987 - 24-04-1988	
बुध	24-04-1988 - 02-09-1988	
केतु	02-09-1988 - 26-10-1988	
शुक्र	26-10-1988 - 29-03-1989	
सूर्य	29-03-1989 - 14-05-1989	
चन्द्र	14-05-1989 - 31-07-1989	
मंगल	31-07-1989 - 23-09-1989	
राहु	23-09-1989 - 08-02-1990	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

बुध महादशा : 08-02-1990 से 08-02-2007

आयु : 9व 7म से 26व 7म

## बुध-बुध 9व7म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-02-1990 - 13-06-1990	
केतु	13-06-1990 - 03-08-1990	
शुक्र	03-08-1990 - 28-12-1990	
सूर्य	28-12-1990 - 10-02-1991	
चन्द्र	10-02-1991 - 24-04-1991	
मंगल	24-04-1991 - 14-06-1991	
राहु	14-06-1991 - 24-10-1991	
गुरु	24-10-1991 - 19-02-1992	
शनि	19-02-1992 - 07-07-1992	

## बुध-केतु 12व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	07-07-1992 - 28-07-1992	
शुक्र	28-07-1992 - 26-09-1992	
सूर्य	26-09-1992 - 15-10-1992	
चन्द्र	15-10-1992 - 14-11-1992	
मंगल	14-11-1992 - 05-12-1992	
राहु	05-12-1992 - 28-01-1993	
गुरु	28-01-1993 - 18-03-1993	
शनि	18-03-1993 - 14-05-1993	
बुध	14-05-1993 - 04-07-1993	

## बुध-शुक्र 13व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	04-07-1993 - 24-12-1993	
सूर्य	24-12-1993 - 13-02-1994	
चन्द्र	13-02-1994 - 11-05-1994	
मंगल	11-05-1994 - 10-07-1994	
राहु	10-07-1994 - 12-12-1994	
गुरु	12-12-1994 - 29-04-1995	
शनि	29-04-1995 - 10-10-1995	
बुध	10-10-1995 - 05-03-1996	
केतु	05-03-1996 - 04-05-1996	

## बुध-सूर्य 15व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	04-05-1996 - 20-05-1996	
चन्द्र	20-05-1996 - 14-06-1996	
मंगल	14-06-1996 - 03-07-1996	
राहु	03-07-1996 - 18-08-1996	
गुरु	18-08-1996 - 29-09-1996	
शनि	29-09-1996 - 17-11-1996	
बुध	17-11-1996 - 31-12-1996	
केतु	31-12-1996 - 18-01-1997	
शुक्र	18-01-1997 - 10-03-1997	

## बुध-चन्द्र 16व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-03-1997 - 23-04-1997	
मंगल	23-04-1997 - 23-05-1997	
राहु	23-05-1997 - 08-08-1997	
गुरु	08-08-1997 - 16-10-1997	
शनि	16-10-1997 - 06-01-1998	
बुध	06-01-1998 - 21-03-1998	
केतु	21-03-1998 - 20-04-1998	
शुक्र	20-04-1998 - 15-07-1998	
सूर्य	15-07-1998 - 10-08-1998	

## बुध-मंगल 18व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-08-1998 - 31-08-1998	
राहु	31-08-1998 - 24-10-1998	
गुरु	24-10-1998 - 12-12-1998	
शनि	12-12-1998 - 07-02-1999	
बुध	07-02-1999 - 30-03-1999	
केतु	30-03-1999 - 20-04-1999	
शुक्र	20-04-1999 - 20-06-1999	
सूर्य	20-06-1999 - 08-07-1999	
चन्द्र	08-07-1999 - 07-08-1999	

## बुध-राहु 19व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-08-1999 - 25-12-1999	
गुरु	25-12-1999 - 27-04-2000	
शनि	27-04-2000 - 21-09-2000	
बुध	21-09-2000 - 31-01-2001	
केतु	31-01-2001 - 27-03-2001	
शुक्र	27-03-2001 - 29-08-2001	
सूर्य	29-08-2001 - 15-10-2001	
चन्द्र	15-10-2001 - 31-12-2001	
मंगल	31-12-2001 - 23-02-2002	

## बुध-गुरु 21व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	23-02-2002 - 14-06-2002	
शनि	14-06-2002 - 23-10-2002	
बुध	23-10-2002 - 17-02-2003	
केतु	17-02-2003 - 07-04-2003	
शुक्र	07-04-2003 - 23-08-2003	
सूर्य	23-08-2003 - 03-10-2003	
चन्द्र	03-10-2003 - 11-12-2003	
मंगल	11-12-2003 - 28-01-2004	
राहु	28-01-2004 - 31-05-2004	

## बुध-शनि 23व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	31-05-2004 - 03-11-2004	
बुध	03-11-2004 - 22-03-2005	
केतु	22-03-2005 - 19-05-2005	
शुक्र	19-05-2005 - 30-10-2005	
सूर्य	30-10-2005 - 18-12-2005	
चन्द्र	18-12-2005 - 10-03-2006	
मंगल	10-03-2006 - 06-05-2006	
राहु	06-05-2006 - 30-09-2006	
गुरु	30-09-2006 - 08-02-2007	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

केतु महादशा : 08-02-2007 से 08-02-2014

आयु : 26व 7म से 33व 7म

## केतु-केतु

26व7म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-02-2007	- 17-02-2007
शुक्र	17-02-2007	- 14-03-2007
सूर्य	14-03-2007	- 21-03-2007
चन्द्र	21-03-2007	- 03-04-2007
मंगल	03-04-2007	- 12-04-2007
राहु	12-04-2007	- 04-05-2007
गुरु	04-05-2007	- 24-05-2007
शनि	24-05-2007	- 16-06-2007
बुध	16-06-2007	- 08-07-2007

## केतु-शुक्र

27व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-07-2007	- 17-09-2007
सूर्य	17-09-2007	- 08-10-2007
चन्द्र	08-10-2007	- 12-11-2007
मंगल	12-11-2007	- 07-12-2007
राहु	07-12-2007	- 09-02-2008
गुरु	09-02-2008	- 06-04-2008
शनि	06-04-2008	- 13-06-2008
बुध	13-06-2008	- 12-08-2008
केतु	12-08-2008	- 06-09-2008

## केतु-सूर्य

28व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	06-09-2008	- 12-09-2008
चन्द्र	12-09-2008	- 23-09-2008
मंगल	23-09-2008	- 30-09-2008
राहु	30-09-2008	- 19-10-2008
गुरु	19-10-2008	- 05-11-2008
शनि	05-11-2008	- 26-11-2008
बुध	26-11-2008	- 14-12-2008
केतु	14-12-2008	- 21-12-2008
शुक्र	21-12-2008	- 12-01-2009

## केतु-चन्द्र

28व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-01-2009	- 29-01-2009
मंगल	29-01-2009	- 11-02-2009
राहु	11-02-2009	- 15-03-2009
गुरु	15-03-2009	- 12-04-2009
शनि	12-04-2009	- 16-05-2009
बुध	16-05-2009	- 15-06-2009
केतु	15-06-2009	- 27-06-2009
शुक्र	27-06-2009	- 02-08-2009
सूर्य	02-08-2009	- 13-08-2009

## केतु-मंगल

29व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-08-2009	- 21-08-2009
राहु	21-08-2009	- 13-09-2009
गुरु	13-09-2009	- 03-10-2009
शनि	03-10-2009	- 26-10-2009
बुध	26-10-2009	- 16-11-2009
केतु	16-11-2009	- 25-11-2009
शुक्र	25-11-2009	- 20-12-2009
सूर्य	20-12-2009	- 27-12-2009
चन्द्र	27-12-2009	- 09-01-2010

## केतु-राहु

29व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-01-2010	- 07-03-2010
गुरु	07-03-2010	- 27-04-2010
शनि	27-04-2010	- 27-06-2010
बुध	27-06-2010	- 20-08-2010
केतु	20-08-2010	- 12-09-2010
शुक्र	12-09-2010	- 15-11-2010
सूर्य	15-11-2010	- 04-12-2010
चन्द्र	04-12-2010	- 05-01-2011
मंगल	05-01-2011	- 27-01-2011

## केतु-गुरु

30व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-01-2011	- 14-03-2011
शनि	14-03-2011	- 07-05-2011
बुध	07-05-2011	- 24-06-2011
केतु	24-06-2011	- 14-07-2011
शुक्र	14-07-2011	- 09-09-2011
सूर्य	09-09-2011	- 26-09-2011
चन्द्र	26-09-2011	- 24-10-2011
मंगल	24-10-2011	- 13-11-2011
राहु	13-11-2011	- 03-01-2012

## केतु-शनि

31व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	03-01-2012	- 07-03-2012
बुध	07-03-2012	- 04-05-2012
केतु	04-05-2012	- 27-05-2012
शुक्र	27-05-2012	- 03-08-2012
सूर्य	03-08-2012	- 23-08-2012
चन्द्र	23-08-2012	- 26-09-2012
मंगल	26-09-2012	- 19-10-2012
राहु	19-10-2012	- 19-12-2012
गुरु	19-12-2012	- 11-02-2013

## केतु-बुध

32व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	11-02-2013	- 03-04-2013
केतु	03-04-2013	- 24-04-2013
शुक्र	24-04-2013	- 24-06-2013
सूर्य	24-06-2013	- 12-07-2013
चन्द्र	12-07-2013	- 11-08-2013
मंगल	11-08-2013	- 01-09-2013
राहु	01-09-2013	- 26-10-2013
गुरु	26-10-2013	- 13-12-2013
शनि	13-12-2013	- 08-02-2014

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शुक्र महादशा : 08-02-2014 से 08-02-2034

आयु : 33व 7म से 53व 7म

## शुक्र-शुक्र

33व7म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-02-2014 - 30-08-2014	
सूर्य	30-08-2014 - 30-10-2014	
चन्द्र	30-10-2014 - 08-02-2015	
मंगल	08-02-2015 - 20-04-2015	
राहु	20-04-2015 - 20-10-2015	
गुरु	20-10-2015 - 30-03-2016	
शनि	30-03-2016 - 09-10-2016	
बुध	09-10-2016 - 31-03-2017	
केतु	31-03-2017 - 10-06-2017	

## शुक्र-सूर्य

36व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	10-06-2017 - 28-06-2017	
चन्द्र	28-06-2017 - 28-07-2017	
मंगल	28-07-2017 - 19-08-2017	
राहु	19-08-2017 - 12-10-2017	
गुरु	12-10-2017 - 30-11-2017	
शनि	30-11-2017 - 27-01-2018	
बुध	27-01-2018 - 20-03-2018	
केतु	20-03-2018 - 10-04-2018	
शुक्र	10-04-2018 - 10-06-2018	

## शुक्र-चन्द्र

37व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-06-2018 - 31-07-2018	
मंगल	31-07-2018 - 04-09-2018	
राहु	04-09-2018 - 04-12-2018	
गुरु	04-12-2018 - 24-02-2019	
शनि	24-02-2019 - 31-05-2019	
बुध	31-05-2019 - 25-08-2019	
केतु	25-08-2019 - 30-09-2019	
शुक्र	30-09-2019 - 09-01-2020	
सूर्य	09-01-2020 - 09-02-2020	

## शुक्र-मंगल

39व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	09-02-2020 - 04-03-2020	
राहु	04-03-2020 - 07-05-2020	
गुरु	07-05-2020 - 03-07-2020	
शनि	03-07-2020 - 09-09-2020	
बुध	09-09-2020 - 08-11-2020	
केतु	08-11-2020 - 03-12-2020	
शुक्र	03-12-2020 - 12-02-2021	
सूर्य	12-02-2021 - 05-03-2021	
चन्द्र	05-03-2021 - 10-04-2021	

## शुक्र-राहु

40व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	10-04-2021 - 21-09-2021	
गुरु	21-09-2021 - 14-02-2022	
शनि	14-02-2022 - 07-08-2022	
बुध	07-08-2022 - 09-01-2023	
केतु	09-01-2023 - 14-03-2023	
शुक्र	14-03-2023 - 12-09-2023	
सूर्य	12-09-2023 - 06-11-2023	
चन्द्र	06-11-2023 - 06-02-2024	
मंगल	06-02-2024 - 09-04-2024	

## शुक्र-गुरु

43व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	09-04-2024 - 17-08-2024	
शनि	17-08-2024 - 19-01-2025	
बुध	19-01-2025 - 06-06-2025	
केतु	06-06-2025 - 01-08-2025	
शुक्र	01-08-2025 - 11-01-2026	
सूर्य	11-01-2026 - 28-02-2026	
चन्द्र	28-02-2026 - 21-05-2026	
मंगल	21-05-2026 - 16-07-2026	
राहु	16-07-2026 - 09-12-2026	

## शुक्र-शनि

46व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	09-12-2026 - 11-06-2027	
बुध	11-06-2027 - 21-11-2027	
केतु	21-11-2027 - 28-01-2028	
शुक्र	28-01-2028 - 08-08-2028	
सूर्य	08-08-2028 - 04-10-2028	
चन्द्र	04-10-2028 - 09-01-2029	
मंगल	09-01-2029 - 17-03-2029	
राहु	17-03-2029 - 07-09-2029	
गुरु	07-09-2029 - 08-02-2030	

## शुक्र-बुध

49व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-02-2030 - 05-07-2030	
केतु	05-07-2030 - 03-09-2030	
शुक्र	03-09-2030 - 22-02-2031	
सूर्य	22-02-2031 - 15-04-2031	
चन्द्र	15-04-2031 - 10-07-2031	
मंगल	10-07-2031 - 09-09-2031	
राहु	09-09-2031 - 11-02-2032	
गुरु	11-02-2032 - 28-06-2032	
शनि	28-06-2032 - 09-12-2032	

## शुक्र-केतु

52व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	09-12-2032 - 03-01-2033	
शुक्र	03-01-2033 - 15-03-2033	
सूर्य	15-03-2033 - 05-04-2033	
चन्द्र	05-04-2033 - 11-05-2033	
मंगल	11-05-2033 - 04-06-2033	
राहु	04-06-2033 - 07-08-2033	
गुरु	07-08-2033 - 03-10-2033	
शनि	03-10-2033 - 10-12-2033	
बुध	10-12-2033 - 08-02-2034	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

सूर्य महादशा : 08-02-2034 से 08-02-2040

आयु : 53व 7म से 59व 7म

## सूर्य-सूर्य

53व7म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	08-02-2034 - 13-02-2034	
चन्द्र	13-02-2034 - 23-02-2034	
मंगल	23-02-2034 - 01-03-2034	
राहु	01-03-2034 - 17-03-2034	
गुरु	17-03-2034 - 01-04-2034	
शनि	01-04-2034 - 18-04-2034	
बुध	18-04-2034 - 04-05-2034	
केतु	04-05-2034 - 10-05-2034	
शुक्र	10-05-2034 - 29-05-2034	

## सूर्य-चन्द्र

53व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	29-05-2034 - 13-06-2034	
मंगल	13-06-2034 - 23-06-2034	
राहु	23-06-2034 - 21-07-2034	
गुरु	21-07-2034 - 14-08-2034	
शनि	14-08-2034 - 12-09-2034	
बुध	12-09-2034 - 08-10-2034	
केतु	08-10-2034 - 19-10-2034	
शुक्र	19-10-2034 - 18-11-2034	
सूर्य	18-11-2034 - 27-11-2034	

## सूर्य-मंगल

54व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	27-11-2034 - 05-12-2034	
राहु	05-12-2034 - 24-12-2034	
गुरु	24-12-2034 - 10-01-2035	
शनि	10-01-2035 - 30-01-2035	
बुध	30-01-2035 - 17-02-2035	
केतु	17-02-2035 - 25-02-2035	
शुक्र	25-02-2035 - 18-03-2035	
सूर्य	18-03-2035 - 24-03-2035	
चन्द्र	24-03-2035 - 04-04-2035	

## सूर्य-राहु

54व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	04-04-2035 - 23-05-2035	
गुरु	23-05-2035 - 06-07-2035	
शनि	06-07-2035 - 27-08-2035	
बुध	27-08-2035 - 13-10-2035	
केतु	13-10-2035 - 01-11-2035	
शुक्र	01-11-2035 - 26-12-2035	
सूर्य	26-12-2035 - 11-01-2036	
चन्द्र	11-01-2036 - 08-02-2036	
मंगल	08-02-2036 - 27-02-2036	

## सूर्य-गुरु

55व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-02-2036 - 06-04-2036	
शनि	06-04-2036 - 22-05-2036	
बुध	22-05-2036 - 02-07-2036	
केतु	02-07-2036 - 19-07-2036	
शुक्र	19-07-2036 - 06-09-2036	
सूर्य	06-09-2036 - 21-09-2036	
चन्द्र	21-09-2036 - 15-10-2036	
मंगल	15-10-2036 - 01-11-2036	
राहु	01-11-2036 - 15-12-2036	

## सूर्य-शनि

56व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-12-2036 - 08-02-2037	
बुध	08-02-2037 - 29-03-2037	
केतु	29-03-2037 - 18-04-2037	
शुक्र	18-04-2037 - 15-06-2037	
सूर्य	15-06-2037 - 02-07-2037	
चन्द्र	02-07-2037 - 31-07-2037	
मंगल	31-07-2037 - 21-08-2037	
राहु	21-08-2037 - 12-10-2037	
गुरु	12-10-2037 - 27-11-2037	

## सूर्य-बुध

57व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	27-11-2037 - 10-01-2038	
केतु	10-01-2038 - 28-01-2038	
शुक्र	28-01-2038 - 21-03-2038	
सूर्य	21-03-2038 - 05-04-2038	
चन्द्र	05-04-2038 - 01-05-2038	
मंगल	01-05-2038 - 19-05-2038	
राहु	19-05-2038 - 05-07-2038	
गुरु	05-07-2038 - 15-08-2038	
शनि	15-08-2038 - 03-10-2038	

## सूर्य-केतु

58व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	03-10-2038 - 11-10-2038	
शुक्र	11-10-2038 - 01-11-2038	
सूर्य	01-11-2038 - 08-11-2038	
चन्द्र	08-11-2038 - 18-11-2038	
मंगल	18-11-2038 - 26-11-2038	
राहु	26-11-2038 - 15-12-2038	
गुरु	15-12-2038 - 01-01-2039	
शनि	01-01-2039 - 21-01-2039	
बुध	21-01-2039 - 08-02-2039	

## सूर्य-शुक्र

58व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-02-2039 - 10-04-2039	
सूर्य	10-04-2039 - 28-04-2039	
चन्द्र	28-04-2039 - 29-05-2039	
मंगल	29-05-2039 - 19-06-2039	
राहु	19-06-2039 - 13-08-2039	
गुरु	13-08-2039 - 01-10-2039	
शनि	01-10-2039 - 27-11-2039	
बुध	27-11-2039 - 18-01-2040	
केतु	18-01-2040 - 08-02-2040	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

चन्द्र महादशा : 08-02-2040 से 08-02-2050

आयु : 59व 7म से 69व 7म

चन्द्र-चन्द्र		59व7म*
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	08-02-2040	- 05-03-2040
मंगल	05-03-2040	- 23-03-2040
राहु	23-03-2040	- 07-05-2040
गुरु	07-05-2040	- 17-06-2040
शनि	17-06-2040	- 04-08-2040
बुध	04-08-2040	- 16-09-2040
केतु	16-09-2040	- 04-10-2040
शुक्र	04-10-2040	- 24-11-2040
सूर्य	24-11-2040	- 09-12-2040

चन्द्र-मंगल		60व5म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	09-12-2040	- 21-12-2040
राहु	21-12-2040	- 22-01-2041
गुरु	22-01-2041	- 20-02-2041
शनि	20-02-2041	- 25-03-2041
बुध	25-03-2041	- 25-04-2041
केतु	25-04-2041	- 07-05-2041
शुक्र	07-05-2041	- 11-06-2041
सूर्य	11-06-2041	- 22-06-2041
चन्द्र	22-06-2041	- 10-07-2041

चन्द्र-राहु		61व0म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	10-07-2041	- 30-09-2041
गुरु	30-09-2041	- 12-12-2041
शनि	12-12-2041	- 09-03-2042
बुध	09-03-2042	- 25-05-2042
केतु	25-05-2042	- 26-06-2042
शुक्र	26-06-2042	- 26-09-2042
सूर्य	26-09-2042	- 23-10-2042
चन्द्र	23-10-2042	- 08-12-2042
मंगल	08-12-2042	- 09-01-2043

चन्द्र-गुरु		62व6म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	09-01-2043	- 15-03-2043
शनि	15-03-2043	- 31-05-2043
बुध	31-05-2043	- 08-08-2043
केतु	08-08-2043	- 05-09-2043
शुक्र	05-09-2043	- 25-11-2043
सूर्य	25-11-2043	- 20-12-2043
चन्द्र	20-12-2043	- 29-01-2044
मंगल	29-01-2044	- 27-02-2044
राहु	27-02-2044	- 10-05-2044

चन्द्र-शनि		63व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	10-05-2044	- 09-08-2044
बुध	09-08-2044	- 30-10-2044
केतु	30-10-2044	- 03-12-2044
शुक्र	03-12-2044	- 09-03-2045
सूर्य	09-03-2045	- 07-04-2045
चन्द्र	07-04-2045	- 25-05-2045
मंगल	25-05-2045	- 28-06-2045
राहु	28-06-2045	- 23-09-2045
गुरु	23-09-2045	- 09-12-2045

चन्द्र-बुध		65व5म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-12-2045	- 20-02-2046
केतु	20-02-2046	- 23-03-2046
शुक्र	23-03-2046	- 17-06-2046
सूर्य	17-06-2046	- 13-07-2046
चन्द्र	13-07-2046	- 25-08-2046
मंगल	25-08-2046	- 24-09-2046
राहु	24-09-2046	- 11-12-2046
गुरु	11-12-2046	- 18-02-2047
शनि	18-02-2047	- 10-05-2047

चन्द्र-केतु		66व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	10-05-2047	- 23-05-2047
शुक्र	23-05-2047	- 27-06-2047
सूर्य	27-06-2047	- 08-07-2047
चन्द्र	08-07-2047	- 26-07-2047
मंगल	26-07-2047	- 07-08-2047
राहु	07-08-2047	- 08-09-2047
गुरु	08-09-2047	- 07-10-2047
शनि	07-10-2047	- 09-11-2047
बुध	09-11-2047	- 10-12-2047

चन्द्र-शुक्र		67व5म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-12-2047	- 20-03-2048
सूर्य	20-03-2048	- 19-04-2048
चन्द्र	19-04-2048	- 09-06-2048
मंगल	09-06-2048	- 15-07-2048
राहु	15-07-2048	- 14-10-2048
गुरु	14-10-2048	- 03-01-2049
शनि	03-01-2049	- 10-04-2049
बुध	10-04-2049	- 05-07-2049
केतु	05-07-2049	- 09-08-2049

चन्द्र-सूर्य		69व1म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	09-08-2049	- 18-08-2049
चन्द्र	18-08-2049	- 03-09-2049
मंगल	03-09-2049	- 13-09-2049
राहु	13-09-2049	- 11-10-2049
गुरु	11-10-2049	- 04-11-2049
शनि	04-11-2049	- 03-12-2049
बुध	03-12-2049	- 29-12-2049
केतु	29-12-2049	- 08-01-2050
शुक्र	08-01-2050	- 08-02-2050

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

मंगल महादशा : 08-02-2050 से 08-02-2057

आयु : 69व 7म से 76व 7म

## मंगल-मंगल

69व7म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	08-02-2050 - 17-02-2050	
राहु	17-02-2050 - 11-03-2050	
गुरु	11-03-2050 - 31-03-2050	
शनि	31-03-2050 - 23-04-2050	
बुध	23-04-2050 - 15-05-2050	
केतु	15-05-2050 - 23-05-2050	
शुक्र	23-05-2050 - 17-06-2050	
सूर्य	17-06-2050 - 25-06-2050	
चन्द्र	25-06-2050 - 07-07-2050	

## मंगल-राहु

70व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-07-2050 - 03-09-2050	
गुरु	03-09-2050 - 24-10-2050	
शनि	24-10-2050 - 23-12-2050	
बुध	23-12-2050 - 16-02-2051	
केतु	16-02-2051 - 10-03-2051	
शुक्र	10-03-2051 - 13-05-2051	
सूर्य	13-05-2051 - 01-06-2051	
चन्द्र	01-06-2051 - 03-07-2051	
मंगल	03-07-2051 - 26-07-2051	

## मंगल-गुरु

71व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	26-07-2051 - 09-09-2051	
शनि	09-09-2051 - 02-11-2051	
बुध	02-11-2051 - 20-12-2051	
केतु	20-12-2051 - 09-01-2052	
शुक्र	09-01-2052 - 06-03-2052	
सूर्य	06-03-2052 - 23-03-2052	
चन्द्र	23-03-2052 - 20-04-2052	
मंगल	20-04-2052 - 10-05-2052	
राहु	10-05-2052 - 30-06-2052	

## मंगल-शनि

72व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-06-2052 - 03-09-2052	
बुध	03-09-2052 - 30-10-2052	
केतु	30-10-2052 - 22-11-2052	
शुक्र	22-11-2052 - 29-01-2053	
सूर्य	29-01-2053 - 18-02-2053	
चन्द्र	18-02-2053 - 24-03-2053	
मंगल	24-03-2053 - 17-04-2053	
राहु	17-04-2053 - 16-06-2053	
गुरु	16-06-2053 - 09-08-2053	

## मंगल-बुध

73व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-08-2053 - 30-09-2053	
केतु	30-09-2053 - 21-10-2053	
शुक्र	21-10-2053 - 20-12-2053	
सूर्य	20-12-2053 - 07-01-2054	
चन्द्र	07-01-2054 - 06-02-2054	
मंगल	06-02-2054 - 27-02-2054	
राहु	27-02-2054 - 23-04-2054	
गुरु	23-04-2054 - 10-06-2054	
शनि	10-06-2054 - 06-08-2054	

## मंगल-केतु

74व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	06-08-2054 - 15-08-2054	
शुक्र	15-08-2054 - 09-09-2054	
सूर्य	09-09-2054 - 16-09-2054	
चन्द्र	16-09-2054 - 29-09-2054	
मंगल	29-09-2054 - 08-10-2054	
राहु	08-10-2054 - 30-10-2054	
गुरु	30-10-2054 - 19-11-2054	
शनि	19-11-2054 - 12-12-2054	
बुध	12-12-2054 - 03-01-2055	

## मंगल-शुक्र

74व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	03-01-2055 - 15-03-2055	
सूर्य	15-03-2055 - 05-04-2055	
चन्द्र	05-04-2055 - 10-05-2055	
मंगल	10-05-2055 - 04-06-2055	
राहु	04-06-2055 - 07-08-2055	
गुरु	07-08-2055 - 03-10-2055	
शनि	03-10-2055 - 09-12-2055	
बुध	09-12-2055 - 08-02-2056	
केतु	08-02-2056 - 04-03-2056	

## मंगल-सूर्य

75व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	04-03-2056 - 10-03-2056	
चन्द्र	10-03-2056 - 21-03-2056	
मंगल	21-03-2056 - 28-03-2056	
राहु	28-03-2056 - 16-04-2056	
गुरु	16-04-2056 - 03-05-2056	
शनि	03-05-2056 - 24-05-2056	
बुध	24-05-2056 - 11-06-2056	
केतु	11-06-2056 - 18-06-2056	
शुक्र	18-06-2056 - 10-07-2056	

## मंगल-चन्द्र

76व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-07-2056 - 27-07-2056	
मंगल	27-07-2056 - 09-08-2056	
राहु	09-08-2056 - 10-09-2056	
गुरु	10-09-2056 - 08-10-2056	
शनि	08-10-2056 - 11-11-2056	
बुध	11-11-2056 - 11-12-2056	
केतु	11-12-2056 - 23-12-2056	
उत्तर	23-12-2056 - 28-01-2057	
सूर्य	28-01-2057 - 08-02-2057	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

राहु महादशा : 08-02-2057 से 08-02-2075

आयु : 76व 7म से 94व 7म

## राहु-राहु

76व7म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	08-02-2057	- 06-07-2057
गुरु	06-07-2057	- 14-11-2057
शनि	14-11-2057	- 19-04-2058
बुध	19-04-2058	- 06-09-2058
केतु	06-09-2058	- 02-11-2058
शुक्र	02-11-2058	- 16-04-2059
सूर्य	16-04-2059	- 04-06-2059
चन्द्र	04-06-2059	- 25-08-2059
मंगल	25-08-2059	- 22-10-2059

## राहु-गुरु

79व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-10-2059	- 16-02-2060
शनि	16-02-2060	- 03-07-2060
बुध	03-07-2060	- 05-11-2060
केतु	05-11-2060	- 26-12-2060
शुक्र	26-12-2060	- 21-05-2061
सूर्य	21-05-2061	- 04-07-2061
चन्द्र	04-07-2061	- 15-09-2061
मंगल	15-09-2061	- 05-11-2061
राहु	05-11-2061	- 16-03-2062

## राहु-शनि

81व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	16-03-2062	- 28-08-2062
बुध	28-08-2062	- 23-01-2063
केतु	23-01-2063	- 24-03-2063
शुक्र	24-03-2063	- 14-09-2063
सूर्य	14-09-2063	- 05-11-2063
चन्द्र	05-11-2063	- 31-01-2064
मंगल	31-01-2064	- 31-03-2064
राहु	31-03-2064	- 03-09-2064
गुरु	03-09-2064	- 20-01-2065

## राहु-बुध

84व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-01-2065	- 01-06-2065
केतु	01-06-2065	- 26-07-2065
शुक्र	26-07-2065	- 28-12-2065
सूर्य	28-12-2065	- 12-02-2066
चन्द्र	12-02-2066	- 01-05-2066
मंगल	01-05-2066	- 24-06-2066
राहु	24-06-2066	- 11-11-2066
गुरु	11-11-2066	- 15-03-2067
शनि	15-03-2067	- 10-08-2067

## राहु-केतु

87व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	10-08-2067	- 01-09-2067
शुक्र	01-09-2067	- 04-11-2067
सूर्य	04-11-2067	- 23-11-2067
चन्द्र	23-11-2067	- 25-12-2067
मंगल	25-12-2067	- 16-01-2068
राहु	16-01-2068	- 14-03-2068
गुरु	14-03-2068	- 04-05-2068
शनि	04-05-2068	- 04-07-2068
बुध	04-07-2068	- 27-08-2068

## राहु-शुक्र

88व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-08-2068	- 26-02-2069
सूर्य	26-02-2069	- 22-04-2069
चन्द्र	22-04-2069	- 22-07-2069
मंगल	22-07-2069	- 24-09-2069
राहु	24-09-2069	- 07-03-2070
गुरु	07-03-2070	- 31-07-2070
शनि	31-07-2070	- 21-01-2071
बुध	21-01-2071	- 25-06-2071
केतु	25-06-2071	- 28-08-2071

## राहु-सूर्य

91व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	28-08-2071	- 13-09-2071
चन्द्र	13-09-2071	- 11-10-2071
मंगल	11-10-2071	- 30-10-2071
राहु	30-10-2071	- 18-12-2071
गुरु	18-12-2071	- 31-01-2072
शनि	31-01-2072	- 23-03-2072
बुध	23-03-2072	- 09-05-2072
केतु	09-05-2072	- 28-05-2072
शुक्र	28-05-2072	- 22-07-2072

## राहु-चन्द्र

92व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	22-07-2072	- 05-09-2072
मंगल	05-09-2072	- 07-10-2072
राहु	07-10-2072	- 28-12-2072
गुरु	28-12-2072	- 11-03-2073
शनि	11-03-2073	- 06-06-2073
बुध	06-06-2073	- 23-08-2073
केतु	23-08-2073	- 24-09-2073
शुक्र	24-09-2073	- 24-12-2073
सूर्य	24-12-2073	- 20-01-2074

## राहु-मंगल

93व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-01-2074	- 12-02-2074
राहु	12-02-2074	- 10-04-2074
गुरु	10-04-2074	- 31-05-2074
शनि	31-05-2074	- 31-07-2074
बुध	31-07-2074	- 24-09-2074
केतु	24-09-2074	- 16-10-2074
शुक्र	16-10-2074	- 19-12-2074
सूर्य	19-12-2074	- 07-01-2075
चन्द्र	07-01-2075	- 08-02-2075

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

गुरु महादशा : 08-02-2075 से 08-02-2091

आयु : 94व 7म से 110व 7म

## गुरु-गुरु 94व7म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	08-02-2075	- 23-05-2075
शनि	23-05-2075	- 23-09-2075
बुध	23-09-2075	- 12-01-2076
केतु	12-01-2076	- 26-02-2076
शुक्र	26-02-2076	- 05-07-2076
सूर्य	05-07-2076	- 13-08-2076
चन्द्र	13-08-2076	- 17-10-2076
मंगल	17-10-2076	- 01-12-2076
राहु	01-12-2076	- 28-03-2077

## गुरु-शनि 96व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	28-03-2077	- 22-08-2077
बुध	22-08-2077	- 31-12-2077
केतु	31-12-2077	- 23-02-2078
शुक्र	23-02-2078	- 27-07-2078
सूर्य	27-07-2078	- 11-09-2078
चन्द्र	11-09-2078	- 27-11-2078
मंगल	27-11-2078	- 20-01-2079
राहु	20-01-2079	- 08-06-2079
गुरु	08-06-2079	- 09-10-2079

## गुरु-बुध 99व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-10-2079	- 04-02-2080
केतु	04-02-2080	- 23-03-2080
शुक्र	23-03-2080	- 08-08-2080
सूर्य	08-08-2080	- 18-09-2080
चन्द्र	18-09-2080	- 26-11-2080
मंगल	26-11-2080	- 14-01-2081
राहु	14-01-2081	- 18-05-2081
गुरु	18-05-2081	- 05-09-2081
शनि	05-09-2081	- 14-01-2082

## गुरु-केतु 101व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-01-2082	- 03-02-2082
शुक्र	03-02-2082	- 01-04-2082
सूर्य	01-04-2082	- 18-04-2082
चन्द्र	18-04-2082	- 16-05-2082
मंगल	16-05-2082	- 05-06-2082
राहु	05-06-2082	- 26-07-2082
गुरु	26-07-2082	- 10-09-2082
शनि	10-09-2082	- 03-11-2082
बुध	03-11-2082	- 21-12-2082

## गुरु-शुक्र 102व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-12-2082	- 02-06-2083
सूर्य	02-06-2083	- 20-07-2083
चन्द्र	20-07-2083	- 09-10-2083
मंगल	09-10-2083	- 05-12-2083
राहु	05-12-2083	- 29-04-2084
गुरु	29-04-2084	- 06-09-2084
शनि	06-09-2084	- 07-02-2085
बुध	07-02-2085	- 25-06-2085
केतु	25-06-2085	- 21-08-2085

## गुरु-सूर्य 105व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	21-08-2085	- 05-09-2085
चन्द्र	05-09-2085	- 29-09-2085
मंगल	29-09-2085	- 16-10-2085
राहु	16-10-2085	- 29-11-2085
गुरु	29-11-2085	- 07-01-2086
शनि	07-01-2086	- 22-02-2086
बुध	22-02-2086	- 05-04-2086
केतु	05-04-2086	- 22-04-2086
शुक्र	22-04-2086	- 09-06-2086

## गुरु-चन्द्र 105व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	09-06-2086	- 20-07-2086
मंगल	20-07-2086	- 17-08-2086
राहु	17-08-2086	- 29-10-2086
गुरु	29-10-2086	- 02-01-2087
शनि	02-01-2087	- 20-03-2087
बुध	20-03-2087	- 28-05-2087
केतु	28-05-2087	- 26-06-2087
शुक्र	26-06-2087	- 15-09-2087
सूर्य	15-09-2087	- 09-10-2087

## गुरु-मंगल 107व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	09-10-2087	- 29-10-2087
राहु	29-10-2087	- 19-12-2087
गुरु	19-12-2087	- 03-02-2088
शनि	03-02-2088	- 28-03-2088
बुध	28-03-2088	- 15-05-2088
केतु	15-05-2088	- 04-06-2088
शुक्र	04-06-2088	- 31-07-2088
सूर्य	31-07-2088	- 17-08-2088
चन्द्र	17-08-2088	- 14-09-2088

## गुरु-राहु 108व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	14-09-2088	- 24-01-2089
गुरु	24-01-2089	- 21-05-2089
शनि	21-05-2089	- 06-10-2089
बुध	06-10-2089	- 08-02-2090
केतु	08-02-2090	- 31-03-2090
शुक्र	31-03-2090	- 24-08-2090
सूर्य	24-08-2090	- 07-10-2090
चन्द्र	07-10-2090	- 19-12-2090
मंगल	19-12-2090	- 08-02-2091

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## शुक्र-गुरु-गुरु

आरम्भ	09-04-2024
अन्त	17-08-2024
गुरु	27-04-2024 06:53
शनि	17-05-2024 20:22
बुध	05-06-2024 05:54
कैतु	12-06-2024 19:43
शुक्र	04-07-2024 11:10
सूर्य	10-07-2024 23:00
चंद्र	21-07-2024 18:44
मंगल	29-07-2024 08:32
राहु	17-08-2024 20:03

## शुक्र-गुरु-शनि

आरम्भ	17-08-2024
अन्त	19-01-2025
शनि	11-09-2024 06:04
बुध	03-10-2024 02:23
कैतु	12-10-2024 02:17
शुक्र	06-11-2024 19:08
सूर्य	14-11-2024 12:12
चंद्र	27-11-2024 08:37
मंगल	06-12-2024 08:31
राहु	29-12-2024 11:41
गुरु	19-01-2025 01:10

## शुक्र-गुरु-बुध

आरम्भ	19-01-2025
अन्त	06-06-2025
बुध	07-02-2025 14:18
कैतु	15-02-2025 15:29
शुक्र	10-03-2025 15:24
सूर्य	17-03-2025 12:59
चंद्र	29-03-2025 00:56
मंगल	06-04-2025 02:07
राहु	26-04-2025 18:50
गुरु	15-05-2025 04:23
शनि	06-06-2025 00:42

## शुक्र-गुरु-केतु

आरम्भ	06-06-2025
अन्त	01-08-2025
केतु	09-06-2025 08:15
शुक्र	18-06-2025 19:30
सूर्य	21-06-2025 15:41
चंद्र	26-06-2025 09:19
मंगल	29-06-2025 16:51
राहु	08-07-2025 05:23
गुरु	15-07-2025 19:12
शनि	24-07-2025 19:06
बुध	01-08-2025 20:16

## शुक्र-गुरु-शुक्र

आरम्भ	01-08-2025
अन्त	11-01-2026
शुक्र	28-08-2025 21:35
सूर्य	06-09-2025 00:23
चंद्र	19-09-2025 13:03
मंगल	29-09-2025 00:19
राहु	23-10-2025 08:42
गुरु	14-11-2025 00:09
शनि	09-12-2025 17:00
बुध	01-01-2026 16:56
कैतु	11-01-2026 04:11

## शुक्र-गुरु-सूर्य

आरम्भ	11-01-2026
अन्त	28-02-2026
सूर्य	13-01-2026 14:38
चंद्र	17-01-2026 16:01
मंगल	20-01-2026 12:12
राहु	27-01-2026 19:31
गुरु	03-02-2026 07:21
शनि	11-02-2026 00:25
बुध	17-02-2026 21:59
कैतु	20-02-2026 18:10
शुक्र	28-02-2026 20:58

## शुक्र-गुरु-चंद्र

आरम्भ	28-02-2026
अन्त	21-05-2026
चंद्र	07-03-2026 15:18
मंगल	12-03-2026 08:55
राहु	24-03-2026 13:07
गुरु	04-04-2026 08:51
शनि	17-04-2026 05:16
बुध	28-04-2026 17:14
कैतु	03-05-2026 10:52
शुक्र	16-05-2026 23:31
सूर्य	21-05-2026 00:55

## शुक्र-गुरु-मंगल

आरम्भ	21-05-2026
अन्त	16-07-2026
मंगल	24-05-2026 08:28
राहु	01-06-2026 21:00
गुरु	09-06-2026 10:48
शनि	18-06-2026 10:42
बुध	26-06-2026 11:53
कैतु	29-06-2026 19:25
शुक्र	09-07-2026 06:41
सूर्य	12-07-2026 02:52
चंद्र	16-07-2026 20:30

## शुक्र-गुरु-राहु

आरम्भ	16-07-2026
अन्त	09-12-2026
राहु	07-08-2026 18:26
गुरु	27-08-2026 05:57
शनि	19-09-2026 09:07
बुध	10-10-2026 01:51
कैतु	18-10-2026 14:23
शुक्र	11-11-2026 22:46
सूर्य	19-11-2026 06:05
चंद्र	01-12-2026 10:17
मंगल	09-12-2026 22:49

## शुक्र-शनि-शनि

आरम्भ	09-12-2026
अन्त	11-06-2027
शनि	07-01-2027 22:44
बुध	02-02-2027 21:21
कैतु	13-02-2027 13:43
शुक्र	16-03-2027 02:14
सूर्य	25-03-2027 05:59
चंद्र	09-04-2027 12:15
मंगल	20-04-2027 04:38
राहु	17-05-2027 15:53
गुरु	11-06-2027 01:54

## शुक्र-शनि-बुध

आरम्भ	11-06-2027
अन्त	21-11-2027
बुध	04-07-2027 07:00
कैतु	13-07-2027 20:23
शुक्र	10-08-2027 03:48
सूर्य	18-08-2027 08:25
चंद्र	01-09-2027 00:07
मंगल	10-09-2027 13:31
राहु	05-10-2027 03:23
गुरु	26-10-2027 23:42
शनि	21-11-2027 22:20

## शुक्र-शनि-केतु

आरम्भ	21-11-2027
अन्त	28-01-2028
केतु	25-11-2027 20:48
शुक्र	07-12-2027 02:40
सूर्य	10-12-2027 11:38
चंद्र	16-12-2027 02:34
मंगल	20-12-2027 01:01
राहु	30-12-2027 03:55
गुरु	08-01-2028 03:48
शनि	18-01-2028 20:11
बुध	28-01-2028 09:35



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## शुक्र-शनि-शुक्र

आरम्भ	28-01-2028
अन्त	08-08-2028
शुक्र	29-02-2028 12:39
सूर्य	10-03-2028 03:58
चंद्र	26-03-2028 05:30
मंगल	06-04-2028 11:22
राहु	05-05-2028 09:20
गुरु	31-05-2028 02:11
शनि	30-06-2028 14:42
बुध	27-07-2028 22:06
केतु	08-08-2028 03:59

## शुक्र-शनि-सूर्य

आरम्भ	08-08-2028
अन्त	04-10-2028
सूर्य	11-08-2028 01:23
चंद्र	15-08-2028 21:02
मंगल	19-08-2028 06:00
राहु	27-08-2028 22:11
गुरु	04-09-2028 15:15
शनि	13-09-2028 19:00
बुध	21-09-2028 23:37
केतु	25-09-2028 08:35
शुक्र	04-10-2028 23:54

## शुक्र-शनि-चंद्र

आरम्भ	04-10-2028
अन्त	09-01-2029
चंद्र	13-10-2028 00:40
मंगल	18-10-2028 15:36
राहु	02-11-2028 02:35
गुरु	14-11-2028 23:01
शनि	30-11-2028 05:16
बुध	13-12-2028 20:58
केतु	19-12-2028 11:54
शुक्र	04-01-2029 13:26
सूर्य	09-01-2029 09:06

## शुक्र-शनि-मंगल

आरम्भ	09-01-2029
अन्त	17-03-2029
मंगल	13-01-2029 07:33
राहु	23-01-2029 10:27
गुरु	01-02-2029 10:21
शनि	12-02-2029 02:43
बुध	21-02-2029 16:07
केतु	25-02-2029 14:34
शुक्र	08-03-2029 20:27
सूर्य	12-03-2029 05:24
चंद्र	17-03-2029 20:21

## शुक्र-शनि-राहु

आरम्भ	17-03-2029
अन्त	07-09-2029
राहु	12-04-2029 20:54
गुरु	06-05-2029 00:04
शनि	02-06-2029 11:20
बुध	27-06-2029 01:12
केतु	07-07-2029 04:05
शुक्र	05-08-2029 02:03
सूर्य	13-08-2029 18:14
चंद्र	28-08-2029 05:13
मंगल	07-09-2029 08:06

## शुक्र-शनि-गुरु

आरम्भ	07-09-2029
अन्त	08-02-2030
गुरु	27-09-2029 21:35
शनि	22-10-2029 07:36
बुध	13-11-2029 03:55
केतु	22-11-2029 03:49
शुक्र	17-12-2029 20:40
सूर्य	25-12-2029 13:44
चंद्र	07-01-2030 10:09
मंगल	16-01-2030 10:03
राहु	08-02-2030 13:13

## शुक्र-बुध-बुध

आरम्भ	08-02-2030
अन्त	05-07-2030
बुध	01-03-2030 07:41
केतु	09-03-2030 20:55
शुक्र	03-04-2030 07:20
सूर्य	10-04-2030 15:16
चंद्र	22-04-2030 20:28
मंगल	01-05-2030 09:43
राहु	23-05-2030 09:30
गुरु	11-06-2030 22:38
शनि	05-07-2030 03:43

## शुक्र-बुध-केतु

आरम्भ	05-07-2030
अन्त	03-09-2030
केतु	08-07-2030 16:14
शुक्र	18-07-2030 17:42
सूर्य	21-07-2030 18:09
चंद्र	26-07-2030 18:52
मंगल	30-07-2030 07:23
राहु	08-08-2030 08:42
गुरु	16-08-2030 09:53
शनि	25-08-2030 23:16
बुध	03-09-2030 12:31

## शुक्र-बुध-शुक्र

आरम्भ	03-09-2030
अन्त	22-02-2031
शुक्र	02-10-2030 06:25
सूर्य	10-10-2030 21:23
चंद्र	25-10-2030 06:20
मंगल	04-11-2030 07:48
राहु	30-11-2030 04:43
गुरु	23-12-2030 04:38
शनि	19-01-2031 12:03
बुध	12-02-2031 22:28
केतु	22-02-2031 23:56

## शुक्र-बुध-सूर्य

आरम्भ	22-02-2031
अन्त	15-04-2031
सूर्य	25-02-2031 14:01
चंद्र	01-03-2031 21:30
मंगल	04-03-2031 21:57
राहु	12-03-2031 16:13
गुरु	19-03-2031 13:48
शनि	27-03-2031 18:25
बुध	04-04-2031 02:21
केतु	07-04-2031 02:47
शुक्र	15-04-2031 17:45

## शुक्र-बुध-चंद्र

आरम्भ	15-04-2031
अन्त	10-07-2031
चंद्र	22-04-2031 22:14
मंगल	27-04-2031 22:58
राहु	10-05-2031 21:25
गुरु	22-05-2031 09:23
शनि	05-06-2031 01:05
बुध	18-06-2031 17:06
केतु	22-06-2031 07:01
शुक्र	06-07-2031 15:58
सूर्य	10-07-2031 23:27

## शुक्र-बुध-मंगल

आरम्भ	10-07-2031
अन्त	09-09-2031
मंगल	14-07-2031 11:58
राहु	23-07-2031 13:17
गुरु	31-07-2031 14:28
शनि	10-08-2031 03:51
बुध	18-08-2031 17:06
केतु	22-08-2031 05:37
शुक्र	01-09-2031 07:05
सूर्य	04-09-2031 07:31
चंद्र	09-09-2031 08:15



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## शुक्र-बुध-राहु

आरम्भ	09-09-2031
अन्त	11-02-2032
राहु	02-10-2031 15:04
गुरु	23-10-2031 07:48
शनि	16-11-2031 21:40
बुध	08-12-2031 21:27
केतु	17-12-2031 22:46
शुक्र	12-01-2032 19:40
सूर्य	20-01-2032 13:57
चंद्र	02-02-2032 12:24
मंगल	11-02-2032 13:43

## शुक्र-बुध-गुरु

आरम्भ	11-02-2032
अन्त	28-06-2032
गुरु	29-02-2032 23:16
शनि	22-03-2032 19:35
बुध	11-04-2032 08:43
केतु	19-04-2032 09:53
शुक्र	12-05-2032 09:49
सूर्य	19-05-2032 07:23
चंद्र	30-05-2032 19:21
मंगल	07-06-2032 20:31
राहु	28-06-2032 13:15

## शुक्र-बुध-शनि

आरम्भ	28-06-2032
अन्त	09-12-2032
शनि	24-07-2032 11:53
बुध	16-08-2032 16:59
केतु	26-08-2032 06:23
शुक्र	22-09-2032 13:47
सूर्य	30-09-2032 18:24
चंद्र	14-10-2032 10:07
मंगल	23-10-2032 23:30
राहु	17-11-2032 13:22
गुरु	09-12-2032 09:42

## शुक्र-केतु-केतु

आरम्भ	09-12-2032
अन्त	03-01-2033
केतु	10-12-2032 20:30
शुक्र	14-12-2032 23:55
सूर्य	16-12-2032 05:45
चंद्र	18-12-2032 07:28
मंगल	19-12-2032 18:16
राहु	23-12-2032 11:45
गुरु	26-12-2032 19:17
शनि	30-12-2032 17:44
बुध	03-01-2033 06:15

## शुक्र-केतु-शुक्र

आरम्भ	03-01-2033
अन्त	15-03-2033
शुक्र	15-01-2033 02:20
सूर्य	18-01-2033 15:33
चंद्र	24-01-2033 13:36
मंगल	28-01-2033 17:01
राहु	08-02-2033 08:41
गुरु	17-02-2033 19:57
शनि	01-03-2033 01:50
बुध	11-03-2033 03:17
केतु	15-03-2033 06:43

## शुक्र-केतु-सूर्य

आरम्भ	15-03-2033
अन्त	05-04-2033
सूर्य	16-03-2033 08:17
चंद्र	18-03-2033 02:54
मंगल	19-03-2033 08:43
राहु	22-03-2033 13:26
गुरु	25-03-2033 09:36
शनि	28-03-2033 18:34
बुध	31-03-2033 19:00
केतु	02-04-2033 00:50
शुक्र	05-04-2033 14:03

## शुक्र-केतु-चंद्र

आरम्भ	05-04-2033
अन्त	11-05-2033
चंद्र	08-04-2033 13:05
मंगल	10-04-2033 14:47
राहु	15-04-2033 22:37
गुरु	20-04-2033 16:15
शनि	26-04-2033 07:12
बुध	01-05-2033 07:56
केतु	03-05-2033 09:38
शुक्र	09-05-2033 07:41
सूर्य	11-05-2033 02:17

## शुक्र-केतु-मंगल

आरम्भ	11-05-2033
अन्त	04-06-2033
मंगल	12-05-2033 13:05
राहु	16-05-2033 06:34
गुरु	19-05-2033 14:07
शनि	23-05-2033 12:34
बुध	27-05-2033 01:05
केतु	28-05-2033 11:53
शुक्र	01-06-2033 15:19
सूर्य	02-06-2033 21:08
चंद्र	04-06-2033 22:51

## शुक्र-केतु-राहु

आरम्भ	04-06-2033
अन्त	07-08-2033
राहु	14-06-2033 12:57
गुरु	23-06-2033 01:29
शनि	03-07-2033 04:23
बुध	12-07-2033 05:42
केतु	15-07-2033 23:11
शुक्र	26-07-2033 14:51
सूर्य	29-07-2033 19:33
चंद्र	04-08-2033 03:23
मंगल	07-08-2033 20:52

## शुक्र-केतु-गुरु

आरम्भ	07-08-2033
अन्त	03-10-2033
गुरु	15-08-2033 10:41
शनि	24-08-2033 10:35
बुध	01-09-2033 11:45
केतु	04-09-2033 19:17
शुक्र	14-09-2033 06:33
सूर्य	17-09-2033 02:44
चंद्र	21-09-2033 20:22
मंगल	25-09-2033 03:54
राहु	03-10-2033 16:26

## शुक्र-केतु-शनि

आरम्भ	03-10-2033
अन्त	10-12-2033
शनि	14-10-2033 08:49
बुध	23-10-2033 22:13
केतु	27-10-2033 20:40
शुक्र	08-11-2033 02:32
सूर्य	11-11-2033 11:30
चंद्र	17-11-2033 02:26
मंगल	21-11-2033 00:54
राहु	01-12-2033 03:47
गुरु	04-01-2034 06:54
शनि	09-01-2034 07:21
बुध	12-01-2034 08:05
केतु	17-01-2034 20:35
शुक्र	21-01-2034 21:55
सूर्य	24-01-2034 23:05
चंद्र	08-02-2034 12:28

## शुक्र-केतु-बुध

आरम्भ	10-12-2033
अन्त	08-02-2034
बुध	18-12-2033 16:56
केतु	22-12-2033 05:26
शुक्र	01-01-2034 06:54
सूर्य	04-01-2034 07:21
चंद्र	09-01-2034 08:05
मंगल	12-01-2034 20:35
राहु	21-01-2034 21:55
गुरु	24-01-2034 23:05
शनि	08-02-2034 12:28



## अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 2वर्ष 3मास 4दिन

जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## सूर्य (6व)

0 वर्ष - 2व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
बुध	-	
शनि	-	
गुरु	16-06-1980 - 19-11-1980	
राहु	19-11-1980 - 21-07-1981	
शुक्र	21-07-1981 - 20-09-1982	

## चन्द्र (15व)

2व3म - 17व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	20-09-1982 - 20-10-1984	
मंगल	20-10-1984 - 30-11-1985	
बुध	30-11-1985 - 10-04-1988	
शनि	10-04-1988 - 30-08-1989	
गुरु	30-08-1989 - 20-04-1992	
राहु	20-04-1992 - 20-12-1993	
शुक्र	20-12-1993 - 19-11-1996	
सूर्य	19-11-1996 - 19-09-1997	

## मंगल (8व)

17व3म - 25व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	19-09-1997 - 24-04-1998	
बुध	24-04-1998 - 28-07-1999	
शनि	28-07-1999 - 23-04-2000	
गुरु	23-04-2000 - 19-09-2001	
राहु	19-09-2001 - 10-08-2002	
शुक्र	10-08-2002 - 29-02-2004	
सूर्य	29-02-2004 - 10-08-2004	
चन्द्र	10-08-2004 - 19-09-2005	

## बुध (17व)

25व3म - 42व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	19-09-2005 - 24-05-2008	
शनि	24-05-2008 - 20-12-2009	
गुरु	20-12-2009 - 16-12-2012	
राहु	16-12-2012 - 06-11-2014	
शुक्र	06-11-2014 - 25-02-2018	
सूर्य	25-02-2018 - 05-02-2019	
चन्द्र	05-02-2019 - 17-06-2021	
मंगल	17-06-2021 - 19-09-2022	

## शनि (10व)

42व3म - 52व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-09-2022 - 24-08-2023	
गुरु	24-08-2023 - 27-05-2025	
राहु	27-05-2025 - 07-07-2026	
शुक्र	07-07-2026 - 16-06-2028	
सूर्य	16-06-2028 - 05-01-2029	
चन्द्र	05-01-2029 - 27-05-2030	
मंगल	27-05-2030 - 22-02-2031	
बुध	22-02-2031 - 19-09-2032	

## गुरु (19व)

52व3म - 71व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-09-2032 - 23-01-2036	
राहु	23-01-2036 - 04-03-2038	
शुक्र	04-03-2038 - 12-11-2041	
सूर्य	12-11-2041 - 03-12-2042	
चन्द्र	03-12-2042 - 24-07-2045	
मंगल	24-07-2045 - 20-12-2046	
बुध	20-12-2046 - 16-12-2049	
शनि	16-12-2049 - 20-09-2051	

## राहु (12व)

71व3म - 83व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	20-09-2051 - 19-01-2053	
शुक्र	19-01-2053 - 21-05-2055	
सूर्य	21-05-2055 - 19-01-2056	
चन्द्र	19-01-2056 - 19-09-2057	
मंगल	19-09-2057 - 10-08-2058	
बुध	10-08-2058 - 30-06-2060	
शनि	30-06-2060 - 09-08-2061	
गुरु	09-08-2061 - 19-09-2063	

## शुक्र (21व)

83व3म - 104व3म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	19-09-2063 - 20-10-2067	
सूर्य	20-10-2067 - 19-12-2068	
चन्द्र	19-12-2068 - 19-11-2071	
मंगल	19-11-2071 - 09-06-2073	
बुध	09-06-2073 - 29-09-2076	
शनि	29-09-2076 - 09-09-2078	
गुरु	09-09-2078 - 20-05-2082	
राहु	20-05-2082 - 19-09-2084	

## अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## सूर्य-गुरु

आरम्भ	16-06-1980
अन्त	19-11-1980
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	17-07-1980
मंगल	15-08-1980
बुध	15-10-1980
शनि	19-11-1980

## सूर्य-राहु

आरम्भ	19-11-1980
अन्त	21-07-1981
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	

## सूर्य-शुक्र

आरम्भ	21-07-1981
अन्त	20-09-1982
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	

## चंद्र-चंद्र

आरम्भ	20-09-1982
अन्त	20-10-1984
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
राहु	

## चंद्र-मंगल

आरम्भ	20-10-1984
अन्त	30-11-1985
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
राहु	

## चंद्र-बुध

आरम्भ	30-11-1985
अन्त	10-04-1988
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	

## चंद्र-शनि

आरम्भ	10-04-1988
अन्त	30-08-1989
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	

## चंद्र-गुरु

आरम्भ	30-08-1989
अन्त	20-04-1992
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	

## चंद्र-राहु

आरम्भ	20-04-1992
अन्त	20-12-1993
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	

## चंद्र-शुक्र

आरम्भ	20-12-1993
अन्त	19-11-1996
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	

## चंद्र-सूर्य

आरम्भ	19-11-1996
अन्त	19-09-1997
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	

## मंगल-मंगल

आरम्भ	19-09-1997
अन्त	24-04-1998
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	

## मंगल-बुध

आरम्भ	24-04-1998
अन्त	28-07-1999
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	

## मंगल-शनि

आरम्भ	28-07-1999
अन्त	23-04-2000
शनि	
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	

## मंगल-गुरु

आरम्भ	23-04-2000
अन्त	19-09-2001
गुरु	
राहु	
शुक्र	
सूर्य	
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

मंगल-राहु	मंगल-शुक्र	मंगल-सूर्य	मंगल-चंद्र	बुध-बुध
आरम्भ 19-09-2001	आरम्भ 10-08-2002	आरम्भ 29-02-2004	आरम्भ 10-08-2004	आरम्भ 19-09-2005
अन्त 10-08-2002	अन्त 29-02-2004	अन्त 10-08-2004	अन्त 19-09-2005	अन्त 24-05-2008
राहु 25-10-2001	शुक्र 29-11-2002	सूर्य 09-03-2004	चंद्र 05-10-2004	बुध 20-02-2006
शुक्र 28-12-2001	सूर्य 30-12-2002	चंद्र 01-04-2004	मंगल 04-11-2004	शनि 22-05-2006
सूर्य 15-01-2002	चंद्र 19-03-2003	मंगल 13-04-2004	बुध 07-01-2005	गुरु 10-11-2006
चंद्र 01-03-2002	मंगल 30-04-2003	बुध 08-05-2004	शनि 13-02-2005	राहु 26-02-2007
मंगल 25-03-2002	बुध 29-07-2003	शनि 23-05-2004	गुरु 26-04-2005	शुक्र 04-09-2007
बुध 15-05-2002	शनि 19-09-2003	गुरु 21-06-2004	राहु 10-06-2005	सूर्य 29-10-2007
शनि 14-06-2002	गुरु 28-12-2003	राहु 09-07-2004	शुक्र 28-08-2005	चंद्र 12-03-2008
गुरु 10-08-2002	राहु 29-02-2004	शुक्र 10-08-2004	सूर्य 19-09-2005	मंगल 24-05-2008

बुध-शनि	बुध-गुरु	बुध-राहु	बुध-शुक्र	बुध-सूर्य
आरम्भ 24-05-2008	आरम्भ 20-12-2009	आरम्भ 16-12-2012	आरम्भ 06-11-2014	आरम्भ 25-02-2018
अन्त 20-12-2009	अन्त 16-12-2012	अन्त 06-11-2014	अन्त 25-02-2018	अन्त 05-02-2019
शनि 16-07-2008	गुरु 30-06-2010	राहु 03-03-2013	शुक्र 29-06-2015	सूर्य 16-03-2018
गुरु 25-10-2008	राहु 29-10-2010	शुक्र 15-07-2013	सूर्य 04-09-2015	चंद्र 03-05-2018
राहु 28-12-2008	शुक्र 30-05-2011	सूर्य 22-08-2013	चंद्र 18-02-2016	मंगल 29-05-2018
शुक्र 19-04-2009	सूर्य 29-07-2011	चंद्र 26-11-2013	मंगल 18-05-2016	बुध 22-07-2018
सूर्य 21-05-2009	चंद्र 28-12-2011	मंगल 16-01-2014	बुध 24-11-2016	शनि 23-08-2018
चंद्र 09-08-2009	मंगल 18-03-2012	बुध 05-05-2014	शनि 16-03-2017	गुरु 23-10-2018
मंगल 20-09-2009	बुध 06-09-2012	शनि 08-07-2014	गुरु 14-10-2017	राहु 30-11-2018
बुध 20-12-2009	शनि 16-12-2012	गुरु 06-11-2014	राहु 25-02-2018	शुक्र 05-02-2019

बुध-चंद्र	बुध-मंगल	शनि-शनि	शनि-गुरु	शनि-राहु
आरम्भ 05-02-2019	आरम्भ 17-06-2021	आरम्भ 19-09-2022	आरम्भ 24-08-2023	आरम्भ 27-05-2025
अन्त 17-06-2021	अन्त 19-09-2022	अन्त 24-08-2023	अन्त 27-05-2025	अन्त 07-07-2026
चंद्र 05-06-2019	मंगल 21-07-2021	शनि 21-10-2022	गुरु 15-12-2023	राहु 11-07-2025
मंगल 08-08-2019	बुध 01-10-2021	गुरु 19-12-2022	राहु 24-02-2024	शुक्र 28-09-2025
बुध 22-12-2019	शनि 13-11-2021	राहु 26-01-2023	शुक्र 28-06-2024	सूर्य 21-10-2025
शनि 10-03-2020	गुरु 02-02-2022	शुक्र 02-04-2023	सूर्य 03-08-2024	चंद्र 16-12-2025
गुरु 09-08-2020	राहु 25-03-2022	सूर्य 20-04-2023	चंद्र 31-10-2024	मंगल 15-01-2026
राहु 13-11-2020	शुक्र 22-06-2022	चंद्र 06-06-2023	मंगल 18-12-2024	बुध 20-03-2026
शुक्र 30-04-2021	सूर्य 18-07-2022	मंगल 01-07-2023	बुध 29-03-2025	शनि 27-04-2026
सूर्य 17-06-2021	चंद्र 19-09-2022	बुध 24-08-2023	शनि 27-05-2025	गुरु 07-07-2026



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-शुक्र	शनि-सूर्य	शनि-चंद्र	शनि-मंगल	शनि-बुध
आरम्भ 07-07-2026	आरम्भ 16-06-2028	आरम्भ 05-01-2029	आरम्भ 27-05-2030	आरम्भ 22-02-2031
अन्त 16-06-2028	अन्त 05-01-2029	अन्त 27-05-2030	अन्त 22-02-2031	अन्त 19-09-2032
शुक्र 22-11-2026	सूर्य 28-06-2028	चंद्र 17-03-2029	मंगल 16-06-2030	बुध 23-05-2031
सूर्य 01-01-2027	चंद्र 26-07-2028	मंगल 23-04-2029	बुध 29-07-2030	शनि 16-07-2031
चंद्र 09-04-2027	मंगल 10-08-2028	बुध 12-07-2029	शनि 23-08-2030	गुरु 25-10-2031
मंगल 01-06-2027	बुध 11-09-2028	शनि 28-08-2029	गुरु 10-10-2030	राहु 28-12-2031
बुध 21-09-2027	शनि 29-09-2028	गुरु 25-11-2029	राहु 09-11-2030	शुक्र 18-04-2032
शनि 25-11-2027	गुरु 04-11-2028	राहु 21-01-2030	शुक्र 31-12-2030	सूर्य 19-05-2032
गुरु 29-03-2028	राहु 27-11-2028	शुक्र 29-04-2030	सूर्य 15-01-2031	चंद्र 07-08-2032
राहु 16-06-2028	शुक्र 05-01-2029	सूर्य 27-05-2030	चंद्र 22-02-2031	मंगल 19-09-2032

गुरु-गुरु	गुरु-राहु	गुरु-शुक्र	गुरु-सूर्य	गुरु-चंद्र
आरम्भ 19-09-2032	आरम्भ 23-01-2036	आरम्भ 04-03-2038	आरम्भ 12-11-2041	आरम्भ 03-12-2042
अन्त 23-01-2036	अन्त 04-03-2038	अन्त 12-11-2041	अन्त 03-12-2042	अन्त 24-07-2045
गुरु 22-04-2033	राहु 17-04-2036	शुक्र 21-11-2038	सूर्य 04-12-2041	चंद्र 16-04-2043
राहु 04-09-2033	शुक्र 14-09-2036	सूर्य 04-02-2039	चंद्र 26-01-2042	मंगल 26-06-2043
शुक्र 30-04-2034	सूर्य 27-10-2036	चंद्र 11-08-2039	मंगल 24-02-2042	बुध 25-11-2043
सूर्य 07-07-2034	चंद्र 11-02-2037	मंगल 19-11-2039	बुध 25-04-2042	शनि 22-02-2044
चंद्र 23-12-2034	मंगल 09-04-2037	बुध 18-06-2040	शनि 31-05-2042	गुरु 10-08-2044
मंगल 24-03-2035	बुध 09-08-2037	शनि 21-10-2040	गुरु 07-08-2042	राहु 25-11-2044
बुध 02-10-2035	शनि 19-10-2037	गुरु 15-06-2041	राहु 19-09-2042	शुक्र 31-05-2045
शनि 23-01-2036	गुरु 04-03-2038	राहु 12-11-2041	शुक्र 03-12-2042	सूर्य 24-07-2045

गुरु-मंगल	गुरु-बुध	गुरु-शनि	राहु-राहु	राहु-शुक्र
आरम्भ 24-07-2045	आरम्भ 20-12-2046	आरम्भ 16-12-2049	आरम्भ 20-09-2051	आरम्भ 19-01-2053
अन्त 20-12-2046	अन्त 16-12-2049	अन्त 20-09-2051	अन्त 19-01-2053	अन्त 21-05-2055
मंगल 31-08-2045	बुध 10-06-2047	शनि 13-02-2050	राहु 13-11-2051	शुक्र 03-07-2053
बुध 20-11-2045	शनि 19-09-2047	गुरु 07-06-2050	शुक्र 15-02-2052	सूर्य 20-08-2053
शनि 06-01-2046	गुरु 29-03-2048	राहु 17-08-2050	सूर्य 13-03-2052	चंद्र 16-12-2053
गुरु 07-04-2046	राहु 28-07-2048	शुक्र 20-12-2050	चंद्र 20-05-2052	मंगल 17-02-2054
राहु 03-06-2046	शुक्र 26-02-2049	सूर्य 25-01-2051	मंगल 25-06-2052	बुध 01-07-2054
शुक्र 11-09-2046	सूर्य 27-04-2049	चंद्र 24-04-2051	बुध 10-09-2052	शनि 18-09-2054
सूर्य 09-10-2046	चंद्र 26-09-2049	मंगल 10-06-2051	शनि 25-10-2052	गुरु 15-02-2055
चंद्र 20-12-2046	मंगल 16-12-2049	बुध 20-09-2051	गुरु 19-01-2053	राहु 21-05-2055



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## राहु-सूर्य

आरम्भ	21-05-2055
अन्त	19-01-2056
सूर्य	03-06-2055
चंद्र	07-07-2055
मंगल	25-07-2055
बुध	01-09-2055
शनि	24-09-2055
गुरु	06-11-2055
राहु	03-12-2055
शुक्र	19-01-2056

## राहु-चंद्र

आरम्भ	19-01-2056
अन्त	19-09-2057
चंद्र	13-04-2056
मंगल	28-05-2056
बुध	01-09-2056
शनि	27-10-2056
गुरु	11-02-2057
राहु	20-04-2057
शुक्र	16-08-2057
सूर्य	19-09-2057

## राहु-मंगल

आरम्भ	19-09-2057
अन्त	10-08-2058
मंगल	13-10-2057
बुध	03-12-2057
शनि	02-01-2058
गुरु	28-02-2058
राहु	05-04-2058
शुक्र	08-06-2058
सूर्य	26-06-2058
चंद्र	10-08-2058

## राहु-बुध

आरम्भ	10-08-2058
अन्त	30-06-2060
बुध	26-11-2058
शनि	29-01-2059
गुरु	30-05-2059
राहु	15-08-2059
शुक्र	27-12-2059
सूर्य	04-02-2060
चंद्र	09-05-2060
मंगल	30-06-2060

## राहु-शनि

आरम्भ	30-06-2060
अन्त	09-08-2061
शनि	06-08-2060
गुरु	17-10-2060
राहु	01-12-2060
शुक्र	18-02-2061
सूर्य	12-03-2061
चंद्र	07-05-2061
मंगल	06-06-2061
बुध	09-08-2061

## राहु-गुरु

आरम्भ	09-08-2061
अन्त	19-09-2063
गुरु	23-12-2061
राहु	19-03-2062
शुक्र	16-08-2062
सूर्य	27-09-2062
चंद्र	13-01-2063
मंगल	11-03-2063
बुध	10-07-2063
शनि	19-09-2063

## शुक्र-शुक्र

आरम्भ	19-09-2063
अन्त	20-10-2067
शुक्र	05-07-2064
सूर्य	26-09-2064
चंद्र	21-04-2065
मंगल	10-08-2065
बुध	02-04-2066
शनि	18-08-2066
गुरु	07-05-2067
राहु	20-10-2067

## शुक्र-सूर्य

आरम्भ	20-10-2067
अन्त	19-12-2068
सूर्य	13-11-2067
चंद्र	11-01-2068
मंगल	11-02-2068
बुध	18-04-2068
शनि	28-05-2068
गुरु	11-08-2068
राहु	27-09-2068
शुक्र	19-12-2068

## शुक्र-चंद्र

आरम्भ	19-12-2068
अन्त	19-11-2071
चंद्र	16-05-2069
मंगल	03-08-2069
बुध	17-01-2070
शनि	26-04-2070
गुरु	31-10-2070
राहु	26-02-2071
शुक्र	21-09-2071
सूर्य	19-11-2071

## शुक्र-मंगल

आरम्भ	19-11-2071
अन्त	09-06-2073
मंगल	31-12-2071
बुध	30-03-2072
शनि	21-05-2072
गुरु	29-08-2072
राहु	31-10-2072
शुक्र	19-02-2073
सूर्य	22-03-2073
चंद्र	09-06-2073

## शुक्र-बुध

आरम्भ	09-06-2073
अन्त	29-09-2076
बुध	16-12-2073
शनि	07-04-2074
गुरु	06-11-2074
राहु	20-03-2075
शुक्र	10-11-2075
सूर्य	16-01-2076
चंद्र	01-07-2076
मंगल	29-09-2076

## शुक्र-शनि

आरम्भ	29-09-2076
अन्त	09-09-2078
शनि	03-12-2076
गुरु	07-04-2077
राहु	25-06-2077
शुक्र	10-11-2077
सूर्य	20-12-2077
चंद्र	29-03-2078
मंगल	20-05-2078
बुध	09-09-2078

## शुक्र-गुरु

आरम्भ	09-09-2078
अन्त	20-05-2082
गुरु	04-05-2079
राहु	01-10-2079
शुक्र	20-06-2080
सूर्य	03-09-2080
चंद्र	09-03-2081
मंगल	17-06-2081
बुध	15-01-2082
शनि	20-05-2082

## शुक्र-राहु

आरम्भ	20-05-2082
अन्त	19-09-2084
राहु	23-08-2082
शुक्र	05-02-2083
सूर्य	24-03-2083
चंद्र	20-07-2083
मंगल	22-09-2083
बुध	03-02-2084
शनि	22-04-2084
गुरु	19-09-2084

## सूर्य-सूर्य

आरम्भ	19-09-2084
अन्त	18-01-2085
सूर्य	25-09-2084
चंद्र	12-10-2084
मंगल	21-10-2084
बुध	09-11-2084
शनि	21-11-2084
गुरु	12-12-2084
राहु	26-12-2084
शुक्र	18-01-2085



## योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(प्रथम चक्र)

भोग्य दशा : धान्या 1वर्ष 6मास 8दिन

धान्या (3व)	० वर्ष -	१व6म	भ्रामरी (4व)	१व6म -	५व6म	भद्रिका (5व)	५व6म -	१०व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु			भ्रामरी मं	24-12-1981	05-06-1982	भद्रिका बु	24-12-1985	04-09-1986
भ्रामरी मं			भद्रिकाबु	05-06-1982	24-12-1982	उल्का श	04-09-1986	05-07-1987
भद्रिकाबु			उल्का शा	24-12-1982	25-08-1983	सिद्धा शु	05-07-1987	24-06-1988
उल्का श	16-06-1980	24-06-1980	सिद्धा शु	25-08-1983	04-06-1984	संकटा रा	24-06-1988	04-08-1989
सिद्धा शु	24-06-1980	23-01-1981	संकटा रा	04-06-1984	25-04-1985	मंगला चं	04-08-1989	24-09-1989
संकटा रा	23-01-1981	24-09-1981	मंगला चं	25-04-1985	04-06-1985	पिंगला सू	24-09-1989	03-01-1990
मंगला चं	24-09-1981	24-10-1981	पिंगला सू	04-06-1985	24-08-1985	धान्या गु	03-01-1990	04-06-1990
पिंगला सू	24-10-1981	24-12-1981	धान्या गु	24-08-1985	24-12-1985	भ्रामरी मं	04-06-1990	24-12-1990

उल्का (6व)	१०व6म -	१६व6म	सिद्धा (7व)	१६व6म -	२३व6म	संकटा (8व)	२३व6म -	३१व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	24-12-1990	25-12-1991	सिद्धा शु	24-12-1996	05-05-1998	संकटा रा	25-12-2003	04-10-2005
सिद्धा शु	25-12-1991	23-02-1993	संकटा रा	05-05-1998	24-11-1999	मंगला चं	04-10-2005	24-12-2005
संकटा रा	23-02-1993	25-06-1994	मंगला चं	24-11-1999	03-02-2000	पिंगला सू	24-12-2005	04-06-2006
मंगला चं	25-06-1994	25-08-1994	पिंगला सू	03-02-2000	24-06-2000	धान्या गु	04-06-2006	03-02-2007
पिंगला सू	25-08-1994	24-12-1994	धान्या गु	24-06-2000	23-01-2001	भ्रामरी मं	03-02-2007	25-12-2007
धान्या गु	24-12-1994	25-06-1995	भ्रामरी मं	23-01-2001	03-11-2001	भद्रिका बु	25-12-2007	02-02-2009
भ्रामरी मं	25-06-1995	23-02-1996	भद्रिकाबु	03-11-2001	24-10-2002	उल्का श	02-02-2009	04-06-2010
भद्रिकाबु	23-02-1996	24-12-1996	उल्का श	24-10-2002	25-12-2003	सिद्धा शु	04-06-2010	24-12-2011

मंगला (1व)	३१व6म -	३२व6म	पिंगला (2व)	३२व6म -	३४व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	24-12-2011	04-01-2012	पिंगला सू	24-12-2012	02-02-2013
पिंगला सू	04-01-2012	24-01-2012	धान्या गु	02-02-2013	04-04-2013
धान्या गु	24-01-2012	23-02-2012	भ्रामरी मं	04-04-2013	24-06-2013
भ्रामरी मं	23-02-2012	04-04-2012	भद्रिकाबु	24-06-2013	04-10-2013
भद्रिकाबु	04-04-2012	25-05-2012	उल्का श	04-10-2013	03-02-2014
उल्का श	25-05-2012	25-07-2012	सिद्धा शु	03-02-2014	25-06-2014
सिद्धा शु	25-07-2012	04-10-2012	संकटा रा	25-06-2014	04-12-2014
संकटा रा	04-10-2012	24-12-2012	मंगला चं	04-12-2014	24-12-2014



**योगिनी महा व अन्तर दशाएं**  
(द्वितीय चक्र)

धान्या (3व)	34व6म -	37व6म	भ्रामरी (4व)	37व6म -	41व6म	भद्रिका (5व)	41व6म -	46व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	24-12-2014	26-03-2015	भ्रामरी मं	24-12-2017	04-06-2018	भद्रिका बु	24-12-2021	04-09-2022
भ्रामरी मं	26-03-2015	25-07-2015	भद्रिकाबु	04-06-2018	24-12-2018	उल्का श	04-09-2022	05-07-2023
भद्रिकाबु	25-07-2015	24-12-2015	उल्का श	24-12-2018	25-08-2019	सिद्धा शु	05-07-2023	24-06-2024
उल्का श	24-12-2015	24-06-2016	सिद्धा शु	25-08-2019	04-06-2020	संकटा रा	24-06-2024	04-08-2025
सिद्धा शु	24-06-2016	23-01-2017	संकटा रा	04-06-2020	24-04-2021	मंगला चं	04-08-2025	24-09-2025
संकटा रा	23-01-2017	24-09-2017	मंगला चं	24-04-2021	04-06-2021	पिंगला सू	24-09-2025	03-01-2026
मंगला चं	24-09-2017	24-10-2017	पिंगलासू	04-06-2021	24-08-2021	धान्या गु	03-01-2026	04-06-2026
पिंगलासू	24-10-2017	24-12-2017	धान्या गु	24-08-2021	24-12-2021	भ्रामरी मं	04-06-2026	24-12-2026

उल्का (6व)	46व6म -	52व6म	सिद्धा (7व)	52व6म -	59व6म	संकटा (8व)	59व6म -	67व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	24-12-2026	24-12-2027	सिद्धा शु	24-12-2032	05-05-2034	संकटा रा	24-12-2039	04-10-2041
सिद्धा शु	24-12-2027	22-02-2029	संकटा रा	05-05-2034	24-11-2035	मंगला चं	04-10-2041	24-12-2041
संकटा रा	22-02-2029	24-06-2030	मंगला चं	24-11-2035	03-02-2036	पिंगला सू	24-12-2041	04-06-2042
मंगला चं	24-06-2030	24-08-2030	पिंगलासू	03-02-2036	24-06-2036	धान्या गु	04-06-2042	03-02-2043
पिंगलासू	24-08-2030	24-12-2030	धान्या गु	24-06-2036	23-01-2037	भ्रामरी मं	03-02-2043	24-12-2043
धान्या गु	24-12-2030	25-06-2031	भ्रामरी मं	23-01-2037	03-11-2037	भद्रिकाबु	24-12-2043	02-02-2045
भ्रामरी मं	25-06-2031	23-02-2032	भद्रिकाबु	03-11-2037	24-10-2038	उल्का श	02-02-2045	04-06-2046
भद्रिकाबु	23-02-2032	24-12-2032	उल्का श	24-10-2038	24-12-2039	सिद्धा शु	04-06-2046	24-12-2047

मंगला (1व)	67व6म -	68व6म	पिंगला (2व)	68व6म -	70व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	24-12-2047	03-01-2048	पिंगला सू	23-12-2048	02-02-2049
पिंगला सू	03-01-2048	24-01-2048	धान्या गु	02-02-2049	04-04-2049
धान्या गु	24-01-2048	23-02-2048	भ्रामरी मं	04-04-2049	24-06-2049
भ्रामरी मं	23-02-2048	04-04-2048	भद्रिकाबु	24-06-2049	04-10-2049
भद्रिकाबु	04-04-2048	24-05-2048	उल्का श	04-10-2049	02-02-2050
उल्का श	24-05-2048	24-07-2048	सिद्धा शु	02-02-2050	24-06-2050
सिद्धा शु	24-07-2048	03-10-2048	संकटा रा	24-06-2050	04-12-2050
संकटा रा	03-10-2048	23-12-2048	मंगला चं	04-12-2050	24-12-2050



## योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(तृतीय चक्र)

धान्या (3व)	70व6म -	73व6म	भ्रामरी (4व)	73व6म -	77व6म	भद्रिका (5व)	77व6म -	82व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	24-12-2050	25-03-2051	भ्रामरी मं	24-12-2053	04-06-2054	भद्रिका बु	24-12-2057	03-09-2058
भ्रामरी मं	25-03-2051	25-07-2051	भद्रिकाबु	04-06-2054	24-12-2054	उल्का श	03-09-2058	05-07-2059
भद्रिकाबु	25-07-2051	24-12-2051	उल्का शा	24-12-2054	24-08-2055	सिद्धा शु	05-07-2059	24-06-2060
उल्का श	24-12-2051	24-06-2052	सिद्धा शु	24-08-2055	03-06-2056	संकटा रा	24-06-2060	04-08-2061
सिद्धा शु	24-06-2052	23-01-2053	संकटा रा	03-06-2056	24-04-2057	मंगला चं	04-08-2061	23-09-2061
संकटा रा	23-01-2053	23-09-2053	मंगला चं	24-04-2057	04-06-2057	पिंगला सू	23-09-2061	03-01-2062
मंगला चं	23-09-2053	24-10-2053	पिंगला सू	04-06-2057	24-08-2057	धान्या गु	03-01-2062	04-06-2062
पिंगला सू	24-10-2053	24-12-2053	धान्या गु	24-08-2057	24-12-2057	भ्रामरी मं	04-06-2062	24-12-2062

उल्का (6व)	82व6म -	88व6म	सिद्धा (7व)	88व6म -	95व6म	संकटा (8व)	95व6म -	103व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	24-12-2062	24-12-2063	सिद्धा शु	23-12-2068	04-05-2070	संकटा रा	24-12-2075	03-10-2077
सिद्धा शु	24-12-2063	22-02-2065	संकटा रा	04-05-2070	24-11-2071	मंगला चं	03-10-2077	23-12-2077
संकटा रा	22-02-2065	24-06-2066	मंगला चं	24-11-2071	03-02-2072	पिंगला सू	23-12-2077	04-06-2078
मंगला चं	24-06-2066	24-08-2066	पिंगला सू	03-02-2072	24-06-2072	धान्या गु	04-06-2078	02-02-2079
पिंगला सू	24-08-2066	24-12-2066	धान्या गु	24-06-2072	23-01-2073	भ्रामरी मं	02-02-2079	24-12-2079
धान्या गु	24-12-2066	24-06-2067	भ्रामरी मं	23-01-2073	03-11-2073	भद्रिका बु	24-12-2079	02-02-2081
भ्रामरी मं	24-06-2067	23-02-2068	भद्रिकाबु	03-11-2073	24-10-2074	उल्का श	02-02-2081	04-06-2082
भद्रिकाबु	23-02-2068	23-12-2068	उल्का श	24-10-2074	24-12-2075	सिद्धा शु	04-06-2082	24-12-2083

मंगला (1व)	103व6म -	104व6म	पिंगला (2व)	104व6म -	106व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	24-12-2083	03-01-2084	पिंगला सू	23-12-2084	02-02-2085
पिंगला सू	03-01-2084	23-01-2084	धान्या गु	02-02-2085	04-04-2085
धान्या गु	23-01-2084	23-02-2084	भ्रामरी मं	04-04-2085	24-06-2085
भ्रामरी मं	23-02-2084	03-04-2084	भद्रिकाबु	24-06-2085	03-10-2085
भद्रिकाबु	03-04-2084	24-05-2084	उल्का श	03-10-2085	02-02-2086
उल्का श	24-05-2084	24-07-2084	सिद्धा शु	02-02-2086	24-06-2086
सिद्धा शु	24-07-2084	03-10-2084	संकटा रा	24-06-2086	03-12-2086
संकटा रा	03-10-2084	23-12-2084	मंगला चं	03-12-2086	24-12-2086



## कालचक्र महा व अन्तर दशाएं

\* भोग्य दशा : कन्या 2व 8मा 7दि \* जीव राशि : कन्या \* देह राशि : कुंभ

कन्या (9व)	0व 0मा	तुला (16व)	43व 8म	वृश्चिक (7व)	53व 8म	धनु (10व)	60व 8म
आरम्भ		आरम्भ	23-02-1983	आरम्भ	23-02-1999	आरम्भ	22-02-2006
अन्त		अन्त	24-06-1984	अन्त	24-09-1999	अन्त	24-12-2006
6 कन्या जी		1 मेष	23-02-1983	8 वृश्चिक	23-02-1999	3 मिथुन	22-02-2006
5 सिंह		2 वृष	24-06-1984	7 तुला	24-09-1999	4 कर्क	24-12-2006
4 कर्क		3 मिथुन	24-10-1985	6 कन्या जी	24-04-2000	5 सिंह	24-10-2007
3 मिथुन		4 कक्ष	23-02-1987	5 सिंह	23-11-2000	6 कन्या जी	23-08-2008
2 वृष		5 सिंह	24-06-1988	4 कर्क	24-06-2001	7 तुला	24-06-2009
1 मेष		6 कन्या जी	24-10-1989	3 मिथुन	23-01-2002	8 वृश्चिक	24-04-2010
12 मीन		7 तुला	23-02-1991	2 वृष	24-08-2002	9 धनु	23-02-2011
11 कुंभ दे		8 वृश्चिक	24-06-1992	1 मेष	25-03-2003	10 मकर	24-12-2011
10 मकर	16-06-1980	9 धनु	24-10-1993	12 मीन	24-10-2003	11 कुंभ दे	23-10-2012
9 धनु	23-11-1980	10 मकर	23-02-1995	11 कुंभ दे	24-05-2004	12 मीन	24-08-2013
8 वृश्चिक	24-08-1981	11 कुंभ दे	24-06-1996	10 मकर	23-12-2004	1 मेष	24-06-2014
7 तुला	25-05-1982	12 मीन	24-10-1997	9 धनु	24-07-2005	2 वृष	24-04-2015
मकर (4व)	76व 8म	कुंभ (4व)	85व 8म	मीन (10व)	106व 8म	वृश्चिक (7व)	111व 8म
आरम्भ	23-02-2016	आरम्भ	23-02-2020	आरम्भ	23-02-2024	आरम्भ	22-02-2034
अन्त	24-06-2016	अन्त	23-06-2020	अन्त	23-12-2024	अन्त	23-09-2034
4 कर्क	23-02-2016	5 सिंह	23-02-2020	6 कन्या जी	23-02-2024	8 वृश्चिक	22-02-2034
3 मिथुन	24-06-2016	6 कन्या जी	23-06-2020	5 सिंह	23-12-2024	7 तुला	23-09-2034
2 वृष	23-10-2016	7 तुला	23-10-2020	4 कर्क	23-10-2025	6 कन्या जी	24-04-2035
1 मेष	22-02-2017	8 वृश्चिक	22-02-2021	3 मिथुन	24-08-2026	5 सिंह	23-11-2035
12 मीन	24-06-2017	9 धनु	24-06-2021	2 वृष	24-06-2027	4 कर्क	23-06-2036
11 कुंभ दे	24-10-2017	10 मकर	23-10-2021	1 मेष	24-04-2028	3 मिथुन	22-01-2037
10 मकर	22-02-2018	11 कुंभ दे	22-02-2022	12 मीन	22-02-2029	2 वृष	23-08-2037
9 धनु	24-06-2018	12 मीन	24-06-2022	11 कुंभ दे	23-12-2029	1 मेष	25-03-2038
8 वृश्चिक	24-10-2018	1 मेष	24-10-2022	10 मकर	24-10-2030	12 मीन	24-10-2038
7 तुला	23-02-2019	2 वृष	22-02-2023	9 धनु	24-08-2031	9 धनु	25-05-2039
6 कन्या जी	24-06-2019	3 मिथुन	24-06-2023	8 वृश्चिक	23-06-2032	10 मकर	24-12-2039
5 सिंह	24-10-2019	4 कक्ष	24-10-2023	7 तुला	24-04-2033	9 धनु	24-07-2040
तुला (16व)	120व 8म	कन्या (9व)	136व 8म	कर्क (21व)	143व 8म	सिंह (5व)	153व 8म
आरम्भ	22-02-2041	आरम्भ	22-02-2057	आरम्भ	22-02-2066	आरम्भ	22-02-2087
अन्त	24-06-2042	अन्त	23-11-2057	अन्त	23-11-2067	अन्त	24-07-2087
1 मेष	22-02-2041	6 कन्या जी	22-02-2057	4 कर्क	22-02-2066	5 सिंह	22-02-2087
2 वृष	24-06-2042	5 सिंह	23-11-2057	3 मिथुन	23-11-2067	6 कन्या जी	24-07-2087
3 मिथुन	24-10-2043	4 कर्क	24-08-2058	2 वृष	23-08-2069	7 तुला	23-12-2087
4 कर्क	22-02-2045	3 मिथुन	25-05-2059	1 मेष	24-05-2071	8 वृश्चिक	24-05-2088
5 सिंह	24-06-2046	2 वृष	22-02-2060	12 मीन	22-02-2073	9 धनु	23-10-2088
6 कन्या जी	24-10-2047	1 मेष	22-11-2060	11 कुंभ दे	23-11-2074	10 मकर	24-03-2089
7 तुला	22-02-2049	12 मीन	23-08-2061	10 मकर	23-08-2076	11 कुंभ दे	23-08-2089
8 वृश्चिक	24-06-2050	11 कुंभ दे	24-05-2062	9 धनु	24-05-2078	12 मीन	22-01-2090
9 धनु	24-10-2051	10 मकर	22-02-2063	8 वृश्चिक	22-02-2080	1 मेष	23-06-2090
10 मकर	22-02-2053	9 धनु	23-11-2063	7 तुला	22-11-2081	2 वृष	23-11-2090
11 कुंभ दे	24-06-2054	8 वृश्चिक	23-08-2064	6 कन्या जी	24-08-2083	3 मिथुन	24-04-2091
12 मीन	24-10-2055	7 तुला	24-05-2065	5 सिंह	24-05-2085	4 कर्क	23-09-2091

\* तिथियाँ दशा आरम्भ काल की दी गई हैं। \*



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : कन्या \* देह राशि : कुंभ

कन्या-मकर	कन्या-धनु	कन्या-वृश्चिक	कन्या-तुला	तुला-मेष
आरम्भ 16-06-1980	आरम्भ 23-11-1980	आरम्भ 24-08-1981	आरम्भ 25-05-1982	आरम्भ 23-02-1983
अन्त 23-11-1980	अन्त 24-08-1981	अन्त 25-05-1982	अन्त 23-02-1983	अन्त 24-06-1984
कर्क	मिथुन	वृश्चिक	मेष	मेष
मिथुन	कक्ष	तुला	वृष	वृष
वृष	सिंह	कन्या	मिथुन	मिथुन
मेष	कन्या	सिंह	कर्क	कर्क
मीन	16-06-1980	कर्क	सिंह	सिंह
कुंभ	16-06-1980	मिथुन	कन्या	कन्या
मकर	09-07-1980	वृष	तुला	तुला
धनु	01-08-1980	मकर	वृष	वृश्चिक
वृश्चिक	24-08-1980	कुंभ	मीन	धनु
तुला	16-09-1980	मीन	कुंभ	मकर
कन्या	08-10-1980	मेष	मकर	कुंभ
सिंह	31-10-1980	वृष	धनु	मीन

तुला-वृष	तुला-मिथुन	तुला-कर्क	तुला-सिंह	तुला-कन्या जी
आरम्भ 24-06-1984	आरम्भ 24-10-1985	आरम्भ 23-02-1987	आरम्भ 24-06-1988	आरम्भ 24-10-1989
अन्त 24-10-1985	अन्त 23-02-1987	अन्त 24-06-1988	अन्त 24-10-1989	अन्त 23-02-1991
वृश्चिक	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
तुला	कक्ष	मिथुन	कन्या	सिंह
कन्या	सिंह	वृष	तुला	कर्क
सिंह	कन्या	मेष	वृश्चिक	मिथुन
कर्क	तुला	मीन	धनु	धनु
मिथुन	वृश्चिक	कुंभ	03-12-1988	वृष
वृष	धनु	मकर	13-01-1989	04-04-1990
मेष	22-02-1985	धनु	कुंभ	मेष
मीन	04-04-1985	मकर	22-02-1989	15-05-1990
कुंभ	14-05-1985	धनु	मीन	मीन
24-06-1985	कुंभ	वृश्चिक	04-04-1989	04-08-1990
मकर	13-09-1986	13-01-1988	मेष	मकर
धनु	24-10-1986	तुला	24-06-1989	13-09-1990
13-09-1985	कुंभ	23-02-1988	वृष	धनु
	मेष	कन्या	मिथुन	वृश्चिक
	वृष	04-04-1988	कर्क	तुला
	13-01-1987	सिंह	14-05-1989	13-01-1991

तुला-तुला	तुला-वृश्चिक	तुला-धनु	तुला-मकर	तुला-कुंभ दे
आरम्भ 23-02-1991	आरम्भ 24-06-1992	आरम्भ 24-10-1993	आरम्भ 23-02-1995	आरम्भ 24-06-1996
अन्त 24-06-1992	अन्त 24-10-1993	अन्त 23-02-1995	अन्त 24-06-1996	अन्त 24-10-1997
मेष	वृश्चिक	मिथुन	कर्क	सिंह
वृष	तुला	कक्ष	मिथुन	कन्या
मिथुन	कन्या	सिंह	वृष	03-08-1996
कर्क	सिंह	कन्या	मेष	13-09-1996
सिंह	कर्क	तुला	कुंभ	23-10-1996
कन्या	मिथुन	वृश्चिक	24-06-1995	धनु
तुला	तुला	धनु	मार्ग	03-12-1996
वृश्चिक	वृष	22-02-1993	धनु	13-01-1997
धनु	मेष	04-04-1993	04-08-1995	कुंभ
मकर	मीन	14-05-1993	14-09-1995	22-02-1997
कुंभ	कुंभ	कुंभ	मार्ग	मीन
04-04-1992	मकर	24-06-1993	04-12-1995	04-04-1997
मीन	धनु	मेष	धनु	14-05-1997
14-05-1992	धनु	वृष	वृष	मिथुन
		13-01-1995	14-05-1996	कर्क



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : कन्या \* देह राशि : कुंभ

## तुला-मीन

आरम्भ 24-10-1997

अन्त 23-02-1999

कन्या	24-10-1997
सिंह	03-12-1997
कर्क	13-01-1998
मिथुन	22-02-1998
वृष	04-04-1998
मेष	15-05-1998
मीन	24-06-1998
कुंभ	04-08-1998
मकर	13-09-1998
धनु	24-10-1998
वृश्चिक	03-12-1998
तुला	13-01-1999

## वृश्चिक-वृश्चिक

आरम्भ 23-02-1999

अन्त 24-09-1999

वृश्चिक	23-02-1999
तुला	12-03-1999
कन्या	30-03-1999
सिंह	17-04-1999
कर्क	05-05-1999
मिथुन	22-05-1999
वृष	09-06-1999
मेष	27-06-1999
मीन	15-07-1999
कुंभ	01-08-1999
मकर	19-08-1999
धनु	06-09-1999

## वृश्चिक-तुला

आरम्भ 24-09-1999

अन्त 24-04-2000

मेष	24-09-1999
वृष	11-10-1999
मिथुन	29-10-1999
कर्क	16-11-1999
सिंह	04-12-1999
कन्या	21-12-1999
तुला	08-01-2000
वृश्चिक	26-01-2000
धनु	13-02-2000
मकर	02-03-2000
कुंभ	19-03-2000
मीन	06-04-2000

## वृश्चिक-कन्या जी

आरम्भ 24-04-2000

अन्त 23-11-2000

कन्या	24-04-2000
सिंह	12-05-2000
कर्क	29-05-2000
मिथुन	16-06-2000
वृष	04-07-2000
मेष	22-07-2000
मीन	08-08-2000
कुंभ	26-08-2000
मकर	13-09-2000
धनु	01-10-2000
वृश्चिक	18-10-2000
तुला	05-11-2000

## वृश्चिक-सिंह

आरम्भ 23-11-2000

अन्त 24-06-2001

सिंह	23-11-2000
कन्या	11-12-2000
तुला	28-12-2000
वृश्चिक	15-01-2001
धनु	02-02-2001
मकर	20-02-2001
कुंभ	09-03-2001
मीन	27-03-2001
मेष	14-04-2001
वृष	02-05-2001
मिथुन	19-05-2001
कर्क	06-06-2001

## वृश्चिक-कर्क

आरम्भ 24-06-2001

अन्त 23-01-2002

कर्क	24-06-2001
मिथुन	12-07-2001
वृष	29-07-2001
मेष	16-08-2001
मीन	03-09-2001
कुंभ	21-09-2001
मकर	08-10-2001
धनु	26-10-2001
वृश्चिक	13-11-2001
तुला	01-12-2001
कन्या	18-12-2001
सिंह	05-01-2002

## वृश्चिक-मिथुन

आरम्भ 23-01-2002

अन्त 24-08-2002

मिथुन	23-01-2002
कर्क	10-02-2002
सिंह	27-02-2002
कन्या	17-03-2002
तुला	04-04-2002
वृश्चिक	22-04-2002
धनु	09-05-2002
मकर	27-05-2002
कुंभ	14-06-2002
मीन	02-07-2002
मेष	20-07-2002
वृष	06-08-2002

## वृश्चिक-वृष

आरम्भ 24-08-2002

अन्त 25-03-2003

वृश्चिक	24-08-2002
तुला	11-09-2002
कन्या	29-09-2002
सिंह	16-10-2002
कर्क	03-11-2002
मिथुन	21-11-2002
वृष	09-12-2002
मेष	26-12-2002
मीन	13-01-2003
कुंभ	31-01-2003
मकर	18-02-2003
धनु	07-03-2003

## वृश्चिक-मेष

आरम्भ 25-03-2003

अन्त 24-10-2003

मेष	25-03-2003
वृष	12-04-2003
मिथुन	30-04-2003
कर्क	17-05-2003
सिंह	04-06-2003
कन्या	22-06-2003
तुला	10-07-2003
वृश्चिक	27-07-2003
धनु	14-08-2003
मकर	01-09-2003
कुंभ	19-09-2003
मीन	06-10-2003

## वृश्चिक-मीन

आरम्भ 24-10-2003

अन्त 24-05-2004

कन्या	24-10-2003
सिंह	11-11-2003
कर्क	29-11-2003
मिथुन	16-12-2003
वृष	03-01-2004
मेष	21-01-2004
मीन	08-02-2004
कुंभ	25-02-2004
मकर	14-03-2004
धनु	01-04-2004
वृश्चिक	19-04-2004
तुला	06-05-2004

## वृश्चिक-कुंभ दे

आरम्भ 24-05-2004

अन्त 23-12-2004

सिंह	24-05-2004
कन्या	11-06-2004
तुला	29-06-2004
वृश्चिक	16-07-2004
धनु	03-08-2004
मकर	21-08-2004
कुंभ	08-09-2004
मीन	25-09-2004
मेष	13-10-2004
वृष	31-10-2004
मिथुन	18-11-2004
कर्क	05-12-2004

## वृश्चिक-मकर

आरम्भ 23-12-2004

अन्त 24-07-2005

मिथुन	10-01-2005
वृष	28-01-2005
मेष	15-02-2005
मीन	04-03-2005
कुंभ	22-03-2005
मकर	09-04-2005
धनु	27-04-2005
वृश्चिक	14-05-2005
तुला	01-06-2005
कन्या	19-06-2005
सिंह	07-07-2005

## वृश्चिक-धनु

आरम्भ 24-07-2005

अन्त 22-02-2006

मिथुन	24-07-2005
कर्क	11-08-2005
सिंह	29-08-2005
कन्या	16-09-2005
तुला	03-10-2005
वृश्चिक	21-10-2005
धनु	08-11-2005
मकर	26-11-2005
कुंभ	13-12-2005
मीन	31-12-2005
मेष	18-01-2006
वृष	05-02-2006

## धनु-मिथुन

आरम्भ 22-02-2006

अन्त 24-12-2006

मिथुन	22-02-2006
कर्क	20-03-2006
सिंह	14-04-2006
कन्या	09-05-2006
तुला	04-06-2006
वृश्चिक	29-06-2006
धनु	25-07-2006
मकर	19-08-2006
कुंभ	13-09-2006
मीन	09-10-2006
मेष	03-11-2006
वृष	28-11-2006

## धनु-कर्क

आरम्भ 24-12-2006

अन्त 24-10-2007

कर्क	24-12-2006
मिथुन	18-01-2007
वृष	12-02-2007
मेष	10-03-2007
मीन	04-04-2007
कुंभ	30-04-2007
मकर	25-05-2007
धनु	19-06-2007
वृश्चिक	15-07-2007
तुला	09-08-2007
कन्या	03-09-2007
सिंह	29-09-2007



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : कन्या \* देह राशि : कुंभ

## धनु-सिंह

आरम्भ	24-10-2007
अन्त	23-08-2008
सिंह	24-10-2007
कन्या	18-11-2007
तुला	14-12-2007
वृश्चिक	08-01-2008
धनु	03-02-2008
मकर	28-02-2008
कुंभ	24-03-2008
मीन	19-04-2008
मेष	14-05-2008
वृष	08-06-2008
मिथुन	04-07-2008
कर्क	29-07-2008

## धनु-कन्या जी

आरम्भ	23-08-2008
अन्त	24-06-2009
सिंह	23-08-2008
सिंह	18-09-2008
कर्क	13-10-2008
मिथुन	08-11-2008
वृष	03-12-2008
मेष	28-12-2008
मीन	23-01-2009
कुंभ	17-02-2009
धनु	14-03-2009
वृश्चिक	04-05-2009
तुला	29-05-2009

## धनु-तुला

आरम्भ	24-06-2009
अन्त	24-04-2010
मेष	24-06-2009
वृष	19-07-2009
मिथुन	14-08-2009
कर्क	08-09-2009
सिंह	03-10-2009
कन्या	29-10-2009
तुला	23-11-2009
वृश्चिक	18-12-2009
धनु	13-01-2010
मकर	07-02-2010
कुंभ	04-03-2010
मीन	30-03-2010

## धनु-वृश्चिक

आरम्भ	24-04-2010
अन्त	23-02-2011
वृश्चिक	24-04-2010
तुला	20-05-2010
कन्या	14-06-2010
सिंह	09-07-2010
कर्क	04-08-2010
मिथुन	29-08-2010
वृष	23-09-2010
मेष	19-10-2010
मीन	13-11-2010
कुंभ	08-12-2010
मकर	03-01-2011
धनु	28-01-2011

## धनु-धनु

आरम्भ	23-02-2011
अन्त	24-12-2011
मिथुन	23-02-2011
कर्क	20-03-2011
सिंह	14-04-2011
कन्या	10-05-2011
तुला	04-06-2011
वृश्चिक	29-06-2011
धनु	25-07-2011
मकर	19-08-2011
कुंभ	13-09-2011
मीन	09-10-2011
मेष	03-11-2011
वृष	29-11-2011

## धनु-मकर

आरम्भ	24-12-2011
अन्त	23-10-2012
कर्क	24-12-2011
मिथुन	18-01-2012
वृष	13-02-2012
मेष	09-03-2012
मीन	03-04-2012
कुंभ	29-04-2012
मकर	24-05-2012
धनु	18-06-2012
वृश्चिक	14-07-2012
तुला	08-08-2012
कन्या	03-09-2012
सिंह	28-09-2012

## धनु-कुंभ दे

आरम्भ	23-10-2012
अन्त	24-08-2013
सिंह	23-10-2012
कन्या	18-11-2012
तुला	13-12-2012
वृश्चिक	07-01-2013
धनु	02-02-2013
मकर	27-02-2013
कुंभ	24-03-2013
मीन	19-04-2013
मेष	14-05-2013
तुला	09-06-2013
मिथुन	04-07-2013
कर्क	29-07-2013

## धनु-मीन

आरम्भ	24-08-2013
अन्त	24-06-2014
कन्या	24-08-2013
सिंह	18-09-2013
कर्क	13-10-2013
मिथुन	08-11-2013
वृष	03-12-2013
मेष	28-12-2013
मीन	23-01-2014
कुंभ	17-02-2014
मकर	15-03-2014
धनु	09-04-2014
वृश्चिक	04-05-2014
तुला	30-05-2014

## धनु-मेष

आरम्भ	24-06-2014
अन्त	24-04-2015
मेष	24-06-2014
वृष	19-07-2014
मिथुन	14-08-2014
कर्क	08-09-2014
सिंह	03-10-2014
कन्या	29-10-2014
तुला	23-11-2014
वृश्चिक	19-12-2014
धनु	13-01-2015
मकर	07-02-2015
कुंभ	05-03-2015
मीन	30-03-2015

## धनु-वृष

आरम्भ	24-04-2015
अन्त	23-02-2016
वृश्चिक	24-04-2015
तुला	20-05-2015
कन्या	14-06-2015
सिंह	10-07-2015
कर्क	04-08-2015
मिथुन	29-08-2015
वृष	24-09-2015
मेष	19-10-2015
मीन	13-11-2015
कुंभ	09-12-2015
मकर	03-01-2016
धनु	28-01-2016

## मकर-कर्क

आरम्भ	23-02-2016
अन्त	24-06-2016
कर्क	23-02-2016
मिथुन	04-03-2016
वृष	14-03-2016
मेष	24-03-2016
मीन	03-04-2016
कुंभ	14-04-2016
मकर	24-04-2016
धनु	04-05-2016
वृश्चिक	14-05-2016
तुला	24-05-2016
कन्या	03-06-2016
सिंह	13-06-2016

## मकर-मिथुन

आरम्भ	24-06-2016
अन्त	23-10-2016
कर्क	04-07-2016
सिंह	14-07-2016
कन्या	24-07-2016
तुला	03-08-2016
वृश्चिक	13-08-2016
धनु	23-08-2016
मकर	03-09-2016
कुंभ	13-09-2016
मीन	23-09-2016
मेष	03-10-2016
वृष	13-10-2016

## मकर-वृष

आरम्भ	23-10-2016
अन्त	22-02-2017
वृश्चिक	23-10-2016
तुला	02-11-2016
कन्या	13-11-2016
सिंह	23-11-2016
कर्क	03-12-2016
मिथुन	13-12-2016
वृष	23-12-2016
मेष	02-01-2017
मीन	12-01-2017
कुंभ	23-01-2017
धनु	12-02-2017

## मकर-मेष

आरम्भ	22-02-2017
अन्त	24-06-2017
मेष	22-02-2017
वृष	04-03-2017
मिथुन	14-03-2017
कर्क	24-03-2017
सिंह	04-04-2017
कन्या	14-04-2017
तुला	24-04-2017
वृश्चिक	04-05-2017
धनु	14-05-2017
मकर	24-05-2017
कुंभ	03-06-2017
मीन	14-06-2017

## मकर-मीन

आरम्भ	24-06-2017
अन्त	24-10-2017
मीन	24-06-2017
सिंह	04-07-2017
कर्क	14-07-2017
मिथुन	24-07-2017
वृष	03-08-2017
मेष	14-08-2017
मीन	24-08-2017
कुंभ	03-09-2017
मकर	13-09-2017
धनु	23-09-2017
वृश्चिक	03-10-2017
तुला	13-10-2017





## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : कन्या \* देह राशि : कुंभ

मकर-कुंभ दे	मकर-मकर	मकर-धनु	मकर-वृश्चिक	मकर-तुला
आरम्भ 24-10-2017	आरम्भ 22-02-2018	आरम्भ 24-06-2018	आरम्भ 24-10-2018	आरम्भ 23-02-2019
अन्त 22-02-2018	अन्त 24-06-2018	अन्त 24-10-2018	अन्त 23-02-2019	अन्त 24-06-2019
सिंह 24-10-2017	कर्क 22-02-2018	मिथून 24-06-2018	वृश्चिक 24-10-2018	मेष 23-02-2019
कन्या 03-11-2017	मिथून 04-03-2018	कर्क 04-07-2018	तुला 03-11-2018	वृष्णि 05-03-2019
तुला 13-11-2017	वृष्णि 15-03-2018	सिंह 14-07-2018	कन्या 13-11-2018	मिथून 15-03-2019
वृश्चिक 23-11-2017	मैष 25-03-2018	कन्या 24-07-2018	सिंह 23-11-2018	कर्क 25-03-2019
धनु 03-12-2017	मीन 04-04-2018	तुला 04-08-2018	कर्क 03-12-2018	सिंह 04-04-2019
मकर 13-12-2017	कुंभ 14-04-2018	वृश्चिक 14-08-2018	मिथून 13-12-2018	कन्या 14-04-2019
कुंभ 23-12-2017	मकर 24-04-2018	धनु 24-08-2018	वृष्णि 24-12-2018	तुला 24-04-2019
मीन 03-01-2018	धनु 04-05-2018	मकर 03-09-2018	मेष 03-01-2019	वृश्चिक 05-05-2019
मेष 13-01-2018	वृश्चिक 14-05-2018	कुंभ 13-09-2018	मीन 13-01-2019	धनु 15-05-2019
वृष्णि 23-01-2018	तुला 25-05-2018	मीन 23-09-2018	कुंभ 23-01-2019	मकर 25-05-2019
मिथून 02-02-2018	कन्या 04-06-2018	मेष 03-10-2018	मकर 02-02-2019	कुंभ 04-06-2019
कर्क 12-02-2018	सिंह 14-06-2018	वृष्णि 14-10-2018	धनु 12-02-2019	मीन 14-06-2019

मकर-कन्या जी	मकर-सिंह	कुंभ-सिंह	कुंभ-कन्या जी	कुंभ-तुला
आरम्भ 24-06-2019	आरम्भ 24-10-2019	आरम्भ 23-02-2020	आरम्भ 23-06-2020	आरम्भ 23-10-2020
अन्त 24-10-2019	अन्त 23-02-2020	अन्त 23-06-2020	अन्त 23-10-2020	अन्त 22-02-2021
कन्या 24-06-2019	सिंह 24-10-2019	सिंह 23-02-2020	कन्या 23-06-2020	मेष 23-10-2020
सिंह 04-07-2019	कन्या 03-11-2019	कन्या 04-03-2020	सिंह 04-07-2020	वृष्णि 02-11-2020
कर्क 15-07-2019	तुला 13-11-2019	तुला 14-03-2020	कर्क 14-07-2020	मिथून 13-11-2020
मिथून 25-07-2019	वृश्चिक 23-11-2019	वृश्चिक 24-03-2020	मिथून 24-07-2020	कर्क 23-11-2020
वृष्णि 04-08-2019	धनु 04-12-2019	धनु 03-04-2020	वृष्णि 03-08-2020	सिंह 03-12-2020
मेष 14-08-2019	मकर 14-12-2019	मकर 13-04-2020	मेष 13-08-2020	कन्या 13-12-2020
मीन 24-08-2019	कुंभ 24-12-2019	कुंभ 24-04-2020	मीन 23-08-2020	तुला 23-12-2020
कुंभ 03-09-2019	मीन 03-01-2020	मीन 04-05-2020	कुंभ 03-09-2020	वृश्चिक 02-01-2021
मकर 13-09-2019	मेष 13-01-2020	मेष 14-05-2020	मकर 13-09-2020	धनु 12-01-2021
धनु 24-09-2019	वृष्णि 23-01-2020	वृष्णि 24-05-2020	धनु 23-09-2020	मकर 23-01-2021
वृश्चिक 04-10-2019	मिथून 02-02-2020	मिथून 03-06-2020	वृश्चिक 03-10-2020	कुंभ 02-02-2021
तुला 14-10-2019	कर्क 13-02-2020	कर्क 13-06-2020	तुला 13-10-2020	मीन 12-02-2021

कुंभ-वृश्चिक	कुंभ-धनु	कुंभ-मकर	कुंभ-कुंभ दे	कुंभ-मीन
आरम्भ 22-02-2021	आरम्भ 24-06-2021	आरम्भ 23-10-2021	आरम्भ 22-02-2022	आरम्भ 24-06-2022
अन्त 24-06-2021	अन्त 23-10-2021	अन्त 22-02-2022	अन्त 24-06-2022	अन्त 24-10-2022
वृश्चिक 22-02-2021	मिथून 24-06-2021	कर्क 23-10-2021	सिंह 22-02-2022	कन्या 24-06-2022
तुला 04-03-2021	कर्क 04-07-2021	मिथून 03-11-2021	कन्या 04-03-2022	सिंह 04-07-2022
कन्या 14-03-2021	सिंह 14-07-2021	वृष्णि 13-11-2021	तुला 15-03-2022	कर्क 14-07-2022
सिंह 24-03-2021	कन्या 24-07-2021	मैष 23-11-2021	वृश्चिक 25-03-2022	मिथून 24-07-2022
कर्क 04-04-2021	तुला 03-08-2021	मीन 03-12-2021	धनु 04-04-2022	वृष्णि 04-08-2022
मिथून 14-04-2021	वृश्चिक 13-08-2021	कुंभ 13-12-2021	मकर 14-04-2022	मेष 14-08-2022
वृष्णि 24-04-2021	धनु 24-08-2021	मकर 23-12-2021	कुंभ 24-04-2022	मीन 24-08-2022
मेष 04-05-2021	मकर 03-09-2021	धनु 03-01-2022	मीन 04-05-2022	कुंभ 03-09-2022
मीन 14-05-2021	कुंभ 13-09-2021	वृश्चिक 13-01-2022	मेष 14-05-2022	मकर 13-09-2022
कुंभ 24-05-2021	मीन 23-09-2021	तुला 23-01-2022	वृष्णि 25-05-2022	धनु 23-09-2022
मकर 03-06-2021	मेष 03-10-2021	कन्या 02-02-2022	मिथून 04-06-2022	वृश्चिक 03-10-2022
धनु 14-06-2021	वृष्णि 13-10-2021	सिंह 12-02-2022	कर्क 14-06-2022	तुला 14-10-2022



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : कन्या \* देह राशि : कुंभ

## कुंभ-मेष

आरम्भ	24-10-2022
अन्त	22-02-2023
मेष	24-10-2022
वृष	03-11-2022
मिथुन	13-11-2022
कर्क	23-11-2022
सिंह	03-12-2022
कन्या	13-12-2022
तुला	24-12-2022
वृश्चिक	03-01-2023
धनु	13-01-2023
मकर	23-01-2023
कुंभ	02-02-2023
मीन	12-02-2023

## कुंभ-वृष

आरम्भ	22-02-2023
अन्त	24-06-2023
वृश्चिक	22-02-2023
तुला	05-03-2023
कन्या	15-03-2023
सिंह	25-03-2023
कर्क	04-04-2023
मिथुन	14-04-2023
वृष	24-04-2023
मेष	04-05-2023
धनु	15-05-2023
कुंभ	25-05-2023
मकर	04-06-2023
धनु	14-06-2023

## कुंभ-मिथुन

आरम्भ	24-06-2023
अन्त	24-10-2023
मिथुन	24-06-2023
कर्क	04-07-2023
सिंह	15-07-2023
कन्या	25-07-2023
वृश्चिक	04-08-2023
धनु	24-08-2023
मकर	03-09-2023
कुंभ	13-09-2023
मीन	24-09-2023
मेष	04-10-2023
वृष	14-10-2023

## कुंभ-कर्क

आरम्भ	24-10-2023
अन्त	23-02-2024
कर्क	24-10-2023
मिथुन	03-11-2023
वृष	13-11-2023
मेष	23-11-2023
मीन	04-12-2023
कुंभ	14-12-2023
मकर	24-12-2023
धनु	03-01-2024
वृश्चिक	13-01-2024
मकर	23-01-2024
धनु	02-02-2024
सिंह	13-02-2024

## मीन-कन्या जी

आरम्भ	23-02-2024
अन्त	23-12-2024
कन्या	23-02-2024
सिंह	19-03-2024
कर्क	13-04-2024
मिथुन	09-05-2024
वृष	03-06-2024
मेष	29-06-2024
मीन	24-07-2024
कुंभ	18-08-2024
मकर	13-09-2024
धनु	08-10-2024
वृश्चिक	02-11-2024
तुला	28-11-2024

## मीन-सिंह

आरम्भ	23-12-2024
अन्त	23-10-2025
सिंह	23-12-2024
कन्या	17-01-2025
तुला	12-02-2025
वृश्चिक	09-03-2025
धनु	04-04-2025
मकर	29-04-2025
कुंभ	24-05-2025
मीन	19-06-2025
मेष	14-07-2025
वृष	08-08-2025
मिथुन	03-09-2025
कर्क	28-09-2025

## मीन-कर्क

आरम्भ	23-10-2025
अन्त	24-08-2026
कर्क	23-10-2025
मिथुन	18-11-2025
वृष	13-12-2025
मेष	08-01-2026
मीन	02-02-2026
कुंभ	27-02-2026
मकर	25-03-2026
धनु	19-04-2026
वृश्चिक	14-05-2026
तुला	09-06-2026
कन्या	04-07-2026
सिंह	29-07-2026

## मीन-मिथुन

आरम्भ	24-08-2026
अन्त	24-06-2027
मिथुन	24-08-2026
कर्क	18-09-2026
सिंह	14-10-2026
कन्या	08-11-2026
तुला	03-12-2026
वृश्चिक	29-12-2026
धनु	23-01-2027
मकर	17-02-2027
कुंभ	15-03-2027
मीन	09-04-2027
मेष	04-05-2027
वृष	30-05-2027

## मीन-वृष

आरम्भ	24-06-2027
अन्त	24-04-2028
वृश्चिक	24-06-2027
तुला	20-07-2027
कन्या	14-08-2027
सिंह	08-09-2027
कर्क	04-10-2027
मिथुन	29-10-2027
वृष	23-11-2027
मेष	19-12-2027
मीन	13-01-2028
कुंभ	07-02-2028
मकर	04-03-2028
धनु	29-03-2028

## मीन-मेष

आरम्भ	24-04-2028
अन्त	22-02-2029
मेष	24-04-2028
वृष	19-05-2028
मिथुन	13-06-2028
कर्क	09-07-2028
सिंह	03-08-2028
कन्या	28-08-2028
तुला	23-09-2028
वृश्चिक	18-10-2028
धनु	12-11-2028
मकर	08-12-2028
कुंभ	02-01-2029
मीन	28-01-2029

## मीन-मीन

आरम्भ	22-02-2029
अन्त	23-12-2029
कन्या	22-02-2029
सिंह	19-03-2029
कर्क	14-04-2029
मिथुन	09-05-2029
वृष	03-06-2029
मेष	29-06-2029
मीन	24-07-2029
कुंभ	18-08-2029
मकर	13-09-2029
धनु	08-10-2029
वृश्चिक	03-11-2029
तुला	28-11-2029

## मीन-कुंभ दे

आरम्भ	23-12-2029
अन्त	24-10-2030
सिंह	23-12-2029
कन्या	18-01-2030
तुला	12-02-2030
वृश्चिक	09-03-2030
धनु	04-04-2030
मकर	29-04-2030
कुंभ	24-05-2030
मीन	19-06-2030
मेष	14-07-2030
वृष	09-08-2030
मिथुन	03-09-2030
कर्क	28-09-2030

## मीन-मकर

आरम्भ	24-10-2030
अन्त	24-08-2031
कर्क	24-10-2030
मिथुन	18-11-2030
वृष	13-12-2030
मेष	08-01-2031
मीन	02-02-2031
कुंभ	27-02-2031
मकर	25-03-2031
धनु	19-04-2031
वृश्चिक	15-05-2031
तुला	09-06-2031
कन्या	04-07-2031
सिंह	30-07-2031

## मीन-धनु

आरम्भ	24-08-2031
अन्त	23-06-2032
मिथुन	24-08-2031
कर्क	18-09-2031
सिंह	14-10-2031
कन्या	08-11-2031
तुला	03-12-2031
वृश्चिक	29-12-2031
धनु	23-01-2032
मकर	18-02-2032
कुंभ	14-03-2032
मीन	08-04-2032
मेष	04-05-2032
वृष	29-05-2032

## मीन-वृश्चिक

आरम्भ	23-06-2032
अन्त	24-04-2033
वृश्चिक	23-06-2032
तुला	19-07-2032
कन्या	13-08-2032
सिंह	07-09-2032
कर्क	03-10-2032
मिथुन	28-10-2032
वृष	23-11-2032
मेष	18-12-2032
मीन	12-01-2033
कुंभ	07-02-2033
मकर	04-03-2033
धनु	29-03-2033

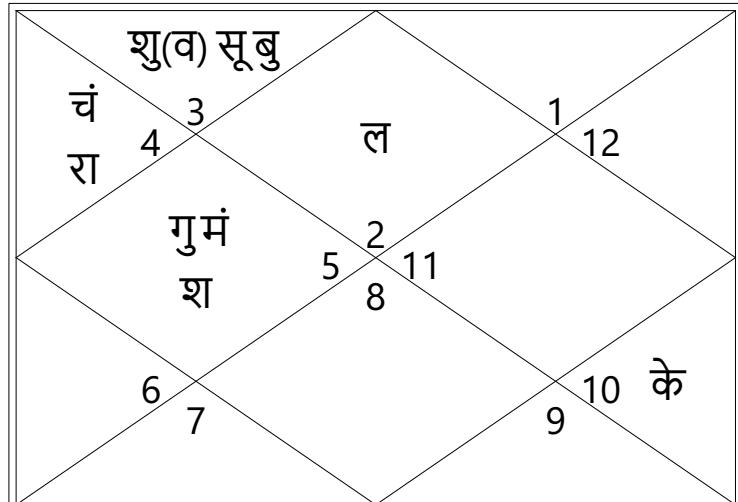


## जैमिनी पद्धति

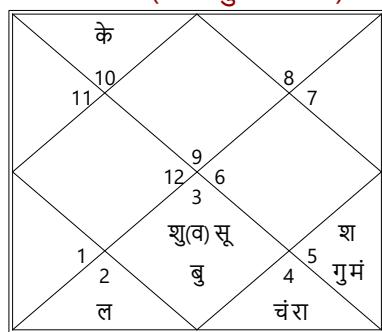
### चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पितृ	ज्ञाति	स्त्री
शनि	बुध	मंगल	गुरु	चंद्र	सूर्य	शुक्र
27:07	25:47	23:24	10:15	09:53	01:22	00:21

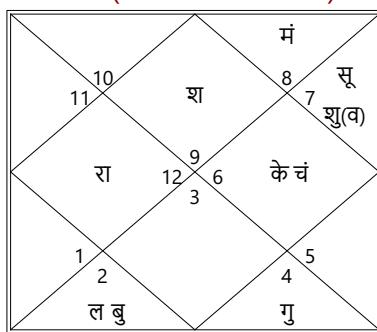
जन्म कुण्डली 16 जून 1980 04:20:00 घंटे Jabalpur, Madhya Pradesh, India



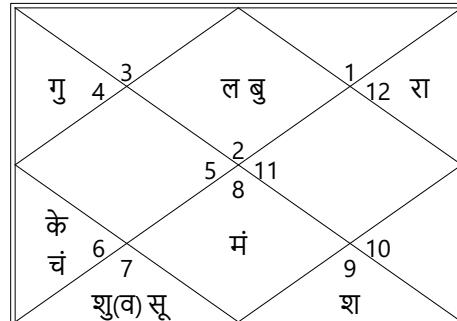
कारकांश (जन्म कुण्डली में)



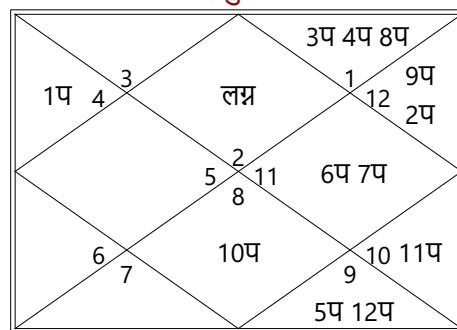
स्वांश (कारकांश नवांश में)



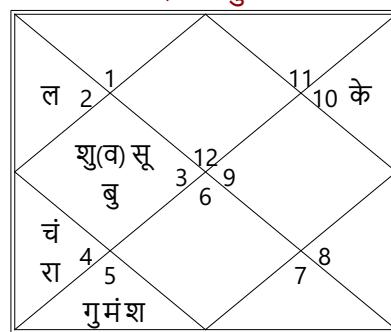
### नवांश



पद कुण्डली



उपपद लग्न कुण्डली



### जैमिनी दृष्टियाँ

द्विस्वभाव राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ सू-बु-शु  
चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ के-मं,  
के-गु, के-श

### विशेष गणनाएं

जैमिनी होरा लग्न	: मेष 10:46:12
वर्णद लग्न	: कुंभ
प्राणपद लग्न	: तुला 21:12:43
आरुढ़ लग्न	: कर्क
उपपद	: मीन
दध राशि	: वृष, कुंभ
ब्रह्मा	: मंगल
महेश्वर	: गुरु
रुद्र	: मंगल



## जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (1व)	०व०म	मेष (4व)	१व०म	मीन (7व)	५व०म	कुंभ (6व)	१२व०म
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1981	आरम्भ	16-06-1985	आरम्भ	16-06-1992
अन्त	16-06-1981	अन्त	16-06-1985	अन्त	16-06-1992	अन्त	16-06-1998
1 मेष	16-07-1980	2 वृष	16-10-1981	1 मेष	15-01-1986	12 मीन	15-12-1992
12 मीन	16-08-1980	3 मिथुन	14-02-1982	2 वृष	16-08-1986	1 मेष	16-06-1993
11 कुंभ	15-09-1980	4 कर्क	16-06-1982	3 मिथुन	17-03-1987	2 वृष	15-12-1993
10 मकर	15-10-1980	5 सिंह	16-10-1982	4 कर्क	16-10-1987	3 मिथुन	16-06-1994
9 धनु	15-11-1980	6 कन्या	15-02-1983	5 सिंह	16-05-1988	4 कर्क	16-12-1994
8 वृश्चिक	15-12-1980	7 तुला	16-06-1983	6 कन्या	15-12-1988	5 सिंह	16-06-1995
7 तुला	15-01-1981	8 वृश्चिक	16-10-1983	7 तुला	16-07-1989	6 कन्या	16-12-1995
6 कन्या	14-02-1981	9 धनु	15-02-1984	8 वृश्चिक	14-02-1990	7 तुला	16-06-1996
5 सिंह	17-03-1981	10 मकर	16-06-1984	9 धनु	15-09-1990	8 वृश्चिक	15-12-1996
4 कर्क	16-04-1981	11 कुंभ	15-10-1984	10 मकर	16-04-1991	9 धनु	16-06-1997
3 मिथुन	16-05-1981	12 मीन	14-02-1985	11 कुंभ	16-11-1991	10 मकर	15-12-1997
2 वृष	16-06-1981	1 मेष	16-06-1985	12 मीन	16-06-1992	11 कुंभ	16-06-1998

मकर (5व)	१८व०म	धनु (8व)	२३व०म	वृश्चिक (9व)	३१व०म	तुला (8व)	३९व०११म
आरम्भ	16-06-1998	आरम्भ	16-06-2003	आरम्भ	16-06-2011	आरम्भ	15-06-2020
अन्त	16-06-2003	अन्त	16-06-2011	अन्त	15-06-2020	अन्त	15-06-2028
9 धनु	15-11-1998	8 वृश्चिक	15-02-2004	7 तुला	16-03-2012	8 वृश्चिक	14-02-2021
8 वृश्चिक	16-04-1999	7 तुला	15-10-2004	6 कन्या	15-12-2012	9 धनु	15-10-2021
7 तुला	16-09-1999	6 कन्या	16-06-2005	5 सिंह	15-09-2013	10 मकर	16-06-2022
6 कन्या	15-02-2000	5 सिंह	14-02-2006	4 कर्क	16-06-2014	11 कुंभ	14-02-2023
5 सिंह	16-07-2000	4 कर्क	16-10-2006	3 मिथुन	17-03-2015	12 मीन	16-10-2023
4 कर्क	15-12-2000	3 मिथुन	16-06-2007	2 वृष	16-12-2015	1 मेष	15-06-2024
3 मिथुन	16-05-2001	2 वृष	15-02-2008	1 मेष	15-09-2016	2 वृष	14-02-2025
2 वृष	16-10-2001	1 मेष	15-10-2008	12 मीन	16-06-2017	3 मिथुन	15-10-2025
1 मेष	17-03-2002	12 मीन	16-06-2009	11 कुंभ	17-03-2018	4 कर्क	16-06-2026
12 मीन	16-08-2002	11 कुंभ	14-02-2010	10 मकर	16-12-2018	5 सिंह	14-02-2027
11 कुंभ	15-01-2003	10 मकर	16-10-2010	9 धनु	15-09-2019	6 कन्या	16-10-2027
10 मकर	16-06-2003	9 धनु	16-06-2011	8 वृश्चिक	15-06-2020	7 तुला	15-06-2028

कन्या (3व)	४७व०११म	सिंह (2व)	५१व०म	कर्क (12व)	५३व०म	मिथुन (12व)	६४व०११म
आरम्भ	15-06-2028	आरम्भ	16-06-2031	आरम्भ	16-06-2033	आरम्भ	15-06-2045
अन्त	16-06-2031	अन्त	16-06-2033	अन्त	15-06-2045	अन्त	15-06-2057
7 तुला	15-09-2028	6 कन्या	16-08-2031	3 मिथुन	16-06-2034	2 वृष	16-06-2046
8 वृश्चिक	15-12-2028	7 तुला	16-10-2031	2 वृष	16-06-2035	1 मेष	16-06-2047
9 धनु	16-03-2029	8 वृश्चिक	16-12-2031	1 मेष	15-06-2036	12 मीन	15-06-2048
10 मकर	16-06-2029	9 धनु	15-02-2032	12 मीन	15-06-2037	11 कुंभ	15-06-2049
11 कुंभ	15-09-2029	10 मकर	15-04-2032	11 कुंभ	16-06-2038	10 मकर	16-06-2050
12 मीन	15-12-2029	11 कुंभ	15-06-2032	10 मकर	16-06-2039	9 धनु	16-06-2051
1 मेष	16-03-2030	12 मीन	15-08-2032	9 धनु	15-06-2040	8 वृश्चिक	15-06-2052
2 वृष	16-06-2030	1 मेष	15-10-2032	8 वृश्चिक	15-06-2041	7 तुला	15-06-2053
3 मिथुन	15-09-2030	2 वृष	15-12-2032	7 तुला	16-06-2042	6 कन्या	16-06-2054
4 कर्क	15-12-2030	3 मिथुन	14-02-2033	6 कन्या	16-06-2043	5 सिंह	16-06-2055
5 सिंह	17-03-2031	4 कर्क	16-04-2033	5 सिंह	15-06-2044	4 कर्क	15-06-2056
6 कन्या	16-06-2031	5 सिंह	16-06-2033	4 कर्क	15-06-2045	3 मिथुन	15-06-2057



## जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृष (1व)	76व11म	मेष (4व)	78व0म	मीन (7व)	82व0म	कुंभ (6व)	88व11म
आरम्भ	15-06-2057	आरम्भ	16-06-2058	आरम्भ	16-06-2062	आरम्भ	15-06-2069
अन्त	16-06-2058	अन्त	16-06-2062	अन्त	15-06-2069	अन्त	16-06-2075
1 मेष	16-07-2057	2 वृष	15-10-2058	1 मेष	15-01-2063	12 मीन	15-12-2069
12 मीन	15-08-2057	3 मिथुन	14-02-2059	2 वृष	16-08-2063	1 मेष	15-06-2070
11 कुंभ	15-09-2057	4 कर्क	16-06-2059	3 मिथुन	16-03-2064	2 वृष	15-12-2070
10 मकर	15-10-2057	5 सिंह	16-10-2059	4 कर्क	15-10-2064	3 मिथुन	16-06-2071
9 धनु	15-11-2057	6 कन्या	14-02-2060	5 सिंह	16-05-2065	4 कर्क	15-12-2071
8 वृश्चिक	15-12-2057	7 तुला	15-06-2060	6 कन्या	15-12-2065	5 सिंह	15-06-2072
7 तुला	14-01-2058	8 वृश्चिक	15-10-2060	7 तुला	16-07-2066	6 कन्या	15-12-2072
6 कन्या	14-02-2058	9 धनु	14-02-2061	8 वृश्चिक	14-02-2067	7 तुला	15-06-2073
5 सिंह	16-03-2058	10 मकर	15-06-2061	9 धनु	15-09-2067	8 वृश्चिक	15-12-2073
4 कर्क	16-04-2058	11 कुंभ	15-10-2061	10 मकर	15-04-2068	9 धनु	15-06-2074
3 मिथुन	16-05-2058	12 मीन	14-02-2062	11 कुंभ	14-11-2068	10 मकर	15-12-2074
2 वृष	16-06-2058	1 मेष	16-06-2062	12 मीन	15-06-2069	11 कुंभ	16-06-2075

मकर (5व)	95व0म	धनु (8व)	99व11म	वृश्चिक (9व)	107व11म	तुला (8व)	116व11म
आरम्भ	16-06-2075	आरम्भ	15-06-2080	आरम्भ	15-06-2088	आरम्भ	15-06-2097
अन्त	15-06-2080	अन्त	15-06-2088	अन्त	15-06-2097	अन्त	16-06-2105
9 धनु	15-11-2075	8 वृश्चिक	13-02-2081	7 तुला	16-03-2089	8 वृश्चिक	14-02-2098
8 वृश्चिक	15-04-2076	7 तुला	15-10-2081	6 कन्या	15-12-2089	9 धनु	15-10-2098
7 तुला	14-09-2076	6 कन्या	15-06-2082	5 सिंह	15-09-2090	10 मकर	16-06-2099
6 कन्या	13-02-2077	5 सिंह	14-02-2083	4 कर्क	16-06-2091	11 कुंभ	14-02-2100
5 सिंह	16-07-2077	4 कर्क	15-10-2083	3 मिथुन	15-03-2092	12 मीन	15-10-2100
4 कर्क	15-12-2077	3 मिथुन	15-06-2084	2 वृष	14-12-2092	1 मेष	16-06-2101
3 मिथुन	16-05-2078	2 वृष	13-02-2085	1 मेष	14-09-2093	2 वृष	14-02-2102
2 वृष	15-10-2078	1 मेष	15-10-2085	12 मीन	15-06-2094	3 मिथुन	16-10-2102
1 मेष	16-03-2079	12 मीन	15-06-2086	11 कुंभ	16-03-2095	4 कर्क	16-06-2103
12 मीन	16-08-2079	11 कुंभ	14-02-2087	10 मकर	15-12-2095	5 सिंह	15-02-2104
11 कुंभ	15-01-2080	10 मकर	15-10-2087	9 धनु	14-09-2096	6 कन्या	15-10-2104
10 मकर	15-06-2080	9 धनु	15-06-2088	8 वृश्चिक	15-06-2097	7 तुला	16-06-2105

कन्या (3व)	125व0म	सिंह (2व)	128व0म	कर्क (12व)	130व0म	मिथुन (12व)	142व0म
आरम्भ	16-06-2105	आरम्भ	16-06-2108	आरम्भ	16-06-2110	आरम्भ	16-06-2122
अन्त	16-06-2108	अन्त	16-06-2110	अन्त	16-06-2122	अन्त	16-06-2134
7 तुला	15-09-2105	6 कन्या	16-08-2108	3 मिथुन	16-06-2111	2 वृष	16-06-2123
8 वृश्चिक	16-12-2105	7 तुला	15-10-2108	2 वृष	16-06-2112	1 मेष	16-06-2124
9 धनु	17-03-2106	8 वृश्चिक	15-12-2108	1 मेष	16-06-2113	12 मीन	16-06-2125
10 मकर	16-06-2106	9 धनु	14-02-2109	12 मीन	16-06-2114	11 कुंभ	16-06-2126
11 कुंभ	16-09-2106	10 मकर	16-04-2109	11 कुंभ	16-06-2115	10 मकर	16-06-2127
12 मीन	16-12-2106	11 कुंभ	16-06-2109	10 मकर	16-06-2116	9 धनु	16-06-2128
1 मेष	17-03-2107	12 मीन	16-08-2109	9 धनु	16-06-2117	8 वृश्चिक	16-06-2129
2 वृष	16-06-2107	1 मेष	16-10-2109	8 वृश्चिक	16-06-2118	7 तुला	16-06-2130
3 मिथुन	16-09-2107	2 वृष	16-12-2109	7 तुला	16-06-2119	6 कन्या	16-06-2131
4 कर्क	16-12-2107	3 मिथुन	14-02-2110	6 कन्या	16-06-2120	5 सिंह	15-06-2132
5 सिंह	16-03-2108	4 कर्क	16-04-2110	5 सिंह	16-06-2121	4 कर्क	16-06-2133
6 कन्या	16-06-2108	5 सिंह	16-06-2110	4 कर्क	16-06-2122	3 मिथुन	16-06-2134



## जैमिनी स्थिर दशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

सिंह (8व)	0वर्ष	कन्या (9व)	8वर्ष	तुला (7व)	17वर्ष	वृश्चिक (8व)	23वर्ष
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1988	आरम्भ	16-06-1997	आरम्भ	15-06-2004
अन्त	16-06-1988	अन्त	16-06-1997	अन्त	15-06-2004	अन्त	15-06-2012
5 सिंह	14-02-1981	6 कन्या	17-03-1989	1 मेष	15-01-1998	8 वृश्चिक	14-02-2005
6 कन्या	16-10-1981	5 सिंह	15-12-1989	2 वृष	16-08-1998	7 तुला	15-10-2005
7 तुला	16-06-1982	4 कर्क	15-09-1990	3 मिथुन	17-03-1999	6 कन्या	16-06-2006
8 वृश्चिक	15-02-1983	3 मिथुन	16-06-1991	4 कर्क	16-10-1999	5 सिंह	14-02-2007
9 धनु	16-10-1983	2 वृष	16-03-1992	5 सिंह	16-05-2000	4 कर्क	16-10-2007
10 मकर	16-06-1984	1 मेष	15-12-1992	6 कन्या	15-12-2000	3 मिथुन	15-06-2008
11 कुंभ	14-02-1985	12 मीन	15-09-1993	7 तुला	16-07-2001	2 वृष	14-02-2009
12 मीन	16-10-1985	11 कुंभ	16-06-1994	8 वृश्चिक	14-02-2002	1 मेष	15-10-2009
1 मेष	16-06-1986	10 मकर	17-03-1995	9 धनु	15-09-2002	12 मीन	16-06-2010
2 वृष	15-02-1987	9 धनु	16-12-1995	10 मकर	16-04-2003	11 कुंभ	14-02-2011
3 मिथुन	16-10-1987	8 वृश्चिक	15-09-1996	11 कुंभ	15-11-2003	10 मकर	16-10-2011
4 कर्क	16-06-1988	7 तुला	16-06-1997	12 मीन	15-06-2004	9 धनु	15-06-2012

धनु (9व)	31वर्ष	मकर (7व)	41वर्ष	कुंभ (8व)	47वर्ष	मीन (9व)	55वर्ष
आरम्भ	15-06-2012	आरम्भ	16-06-2021	आरम्भ	15-06-2028	आरम्भ	15-06-2036
अन्त	16-06-2021	अन्त	15-06-2028	अन्त	15-06-2036 <th>अन्त</th> <td>15-06-2045</td>	अन्त	15-06-2045
3 मिथुन	16-03-2013	4 कर्क	15-01-2022	5 सिंह	14-02-2029	6 कन्या	16-03-2037
4 कर्क	15-12-2013	3 मिथुन	16-08-2022	6 कन्या	15-10-2029	5 सिंह	15-12-2037
5 सिंह	15-09-2014	2 वृष	17-03-2023	7 तुला	16-06-2030	4 कर्क	15-09-2038
6 कन्या	16-06-2015	1 मेष	16-10-2023	8 वृश्चिक	14-02-2031	3 मिथुन	16-06-2039
7 तुला	16-03-2016	12 मीन	16-05-2024	9 धनु	16-10-2031	2 वृष	16-03-2040
8 वृश्चिक	15-12-2016	11 कुंभ	15-12-2024	10 मकर	15-06-2032	1 मेष	15-12-2040
9 धनु	15-09-2017	10 मकर	16-07-2025	11 कुंभ	14-02-2033	12 मीन	15-09-2041
10 मकर	16-06-2018	9 धनु	14-02-2026	12 मीन	15-10-2033	11 कुंभ	16-06-2042
11 कुंभ	17-03-2019	8 वृश्चिक	15-09-2026	1 मेष	16-06-2034	10 मकर	17-03-2043
12 मीन	16-12-2019	7 तुला	16-04-2027	2 वृष	14-02-2035	9 धनु	16-12-2043
1 मेष	15-09-2020	6 कन्या	15-11-2027	3 मिथुन	16-10-2035	8 वृश्चिक	14-09-2044
2 वृष	16-06-2021	5 सिंह	15-06-2028	4 कर्क	15-06-2036	7 तुला	15-06-2045

मेष (7व)	64वर्ष	वृष (8व)	71वर्ष	मिथुन (9व)	79वर्ष	कर्क (7व)	88वर्ष
आरम्भ	15-06-2045	आरम्भ	15-06-2052	आरम्भ	15-06-2060	आरम्भ	15-06-2069
अन्त	15-06-2052	अन्त	15-06-2060	अन्त	15-06-2069 <th>अन्त</th> <td>15-06-2076</td>	अन्त	15-06-2076
1 मेष	14-01-2046	8 वृश्चिक	14-02-2053	3 मिथुन	16-03-2061	4 कर्क	14-01-2070
2 वृष	16-08-2046	7 तुला	15-10-2053	4 कर्क	15-12-2061	3 मिथुन	15-08-2070
3 मिथुन	17-03-2047	6 कन्या	16-06-2054	5 सिंह	15-09-2062	2 वृष	16-03-2071
4 कर्क	16-10-2047	5 सिंह	14-02-2055	6 कन्या	16-06-2063	1 मेष	15-10-2071
5 सिंह	16-05-2048	4 कर्क	16-10-2055	7 तुला	16-03-2064	12 मीन	16-05-2072
6 कन्या	15-12-2048	3 मिथुन	15-06-2056	8 वृश्चिक	15-12-2064	11 कुंभ	15-12-2072
7 तुला	16-07-2049	2 वृष	14-02-2057	9 धनु	15-09-2065	10 मकर	16-07-2073
8 वृश्चिक	14-02-2050	1 मेष	15-10-2057	10 मकर	16-06-2066	9 धनु	14-02-2074
9 धनु	15-09-2050	12 मीन	16-06-2058	11 कुंभ	16-03-2067	8 वृश्चिक	15-09-2074
10 मकर	16-04-2051	11 कुंभ	14-02-2059	12 मीन	15-12-2067	7 तुला	16-04-2075
11 कुंभ	15-11-2051	10 मकर	16-10-2059	1 मेष	14-09-2068	6 कन्या	15-11-2075
12 मीन	15-06-2052	9 धनु	15-06-2060	2 वृष	15-06-2069	5 सिंह	15-06-2076



## निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मकर (5व)	०व ०म	वृश्चिक (9व)	५व ०म	सिंह (2व)	१४व ०म	वृष (1व)	१६व ०म
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1985	आरम्भ	16-06-1994	आरम्भ	16-06-1996
अन्त	16-06-1985	अन्त	16-06-1994	अन्त	16-06-1996	अन्त	16-06-1997
4 कर्क	16-06-1980	8 वृश्चिक	16-06-1985	5 सिंह	16-06-1994	8 वृश्चिक	16-06-1996
3 मिथुन	15-11-1980	7 तुला	17-03-1986	6 कन्या	16-08-1994	7 तुला	16-07-1996
2 वृष	16-04-1981	6 कन्या	16-12-1986	7 तुला	16-10-1994	6 कन्या	15-08-1996
1 मेष	15-09-1981	5 सिंह	16-09-1987	8 वृश्चिक	16-12-1994	5 सिंह	15-09-1996
12 मीन	14-02-1982	4 कर्क	16-06-1988	9 धनु	15-02-1995	4 कर्क	15-10-1996
11 कुंभ	17-07-1982	3 मिथुन	17-03-1989	10 मकर	16-04-1995	3 मिथुन	15-11-1996
10 मकर	16-12-1982	2 वृष	15-12-1989	11 कुंभ	16-06-1995	2 वृष	15-12-1996
9 धनु	17-05-1983	1 मेष	15-09-1990	12 मीन	16-08-1995	1 मेष	15-01-1997
8 वृश्चिक	16-10-1983	12 मीन	16-06-1991	1 मेष	16-10-1995	12 मीन	14-02-1997
7 तुला	16-03-1984	11 कुंभ	16-03-1992	2 वृष	16-12-1995	11 कुंभ	16-03-1997
6 कन्या	16-08-1984	10 मकर	15-12-1992	3 मिथुन	15-02-1996	10 मकर	16-04-1997
5 सिंह	15-01-1985	9 धनु	15-09-1993	4 कर्क	16-04-1996	9 धनु	16-05-1997
कुंभ (6व)	१७व ०म	तुला (8व)	२३व ०म	कर्क (12व)	३१व ०म	मेष (4व)	४३व ०म
आरम्भ	16-06-1997	आरम्भ	16-06-2003	आरम्भ	16-06-2011	आरम्भ	16-06-2023
अन्त	16-06-2003	अन्त	16-06-2011	अन्त	16-06-2023	अन्त	16-06-2027
5 सिंह	16-06-1997	1 मेष	16-06-2003	4 कर्क	16-06-2011	1 मेष	16-06-2023
6 कन्या	15-12-1997	2 वृष	15-02-2004	3 मिथुन	15-06-2012	2 वृष	16-10-2023
7 तुला	16-06-1998	3 मिथुन	15-10-2004	2 वृष	16-06-2013	3 मिथुन	15-02-2024
8 वृश्चिक	16-12-1998	4 कर्क	16-06-2005	1 मेष	16-06-2014	4 कर्क	15-06-2024
9 धनु	16-06-1999	5 सिंह	14-02-2006	12 मीन	16-06-2015	5 सिंह	15-10-2024
10 मकर	16-12-1999	6 कन्या	16-10-2006	11 कुंभ	15-06-2016	6 कन्या	14-02-2025
11 कुंभ	16-06-2000	7 तुला	16-06-2007	10 मकर	16-06-2017	7 तुला	16-06-2025
12 मीन	15-12-2000	8 वृश्चिक	15-02-2008	9 धनु	16-06-2018	8 वृश्चिक	15-10-2025
1 मेष	16-06-2001	9 धनु	15-10-2008	8 वृश्चिक	16-06-2019	9 धनु	14-02-2026
2 वृष	15-12-2001	10 मकर	16-06-2009	7 तुला	15-06-2020	10 मकर	16-06-2026
3 मिथुन	16-06-2002	11 कुंभ	14-02-2010	6 कन्या	16-06-2021	11 कुंभ	16-10-2026
4 कर्क	16-12-2002	12 मीन	16-10-2010	5 सिंह	16-06-2022	12 मीन	14-02-2027
मीन (7व)	४७व ०म	धनु (8व)	५४व ०म	कन्या (3व)	६२व ०म	मिथुन (12व)	६४व ११म
आरम्भ	16-06-2027	आरम्भ	16-06-2034	आरम्भ	16-06-2042	आरम्भ	15-06-2045
अन्त	16-06-2034	अन्त	16-06-2042	अन्त	15-06-2045	अन्त	15-06-2057
6 कन्या	16-06-2027	3 मिथुन	16-06-2034	6 कन्या	16-06-2042	3 मिथुन	15-06-2045
5 सिंह	15-01-2028	4 कर्क	14-02-2035	5 सिंह	15-09-2042	4 कर्क	16-06-2046
4 कर्क	15-08-2028	5 सिंह	16-10-2035	4 कर्क	15-12-2042	5 सिंह	16-06-2047
3 मिथुन	16-03-2029	6 कन्या	15-06-2036	3 मिथुन	17-03-2043	6 कन्या	15-06-2048
2 वृष	15-10-2029	7 तुला	14-02-2037	2 वृष	16-06-2043	7 तुला	15-06-2049
1 मेष	16-05-2030	8 वृश्चिक	15-10-2037	1 मेष	15-09-2043	8 वृश्चिक	16-06-2050
12 मीन	15-12-2030	9 धनु	16-06-2038	12 मीन	16-12-2043	9 धनु	16-06-2051
11 कुंभ	16-07-2031	10 मकर	14-02-2039	11 कुंभ	16-03-2044	10 मकर	15-06-2052
10 मकर	15-02-2032	11 कुंभ	16-10-2039	10 मकर	15-06-2044	11 कुंभ	15-06-2053
9 धनु	15-09-2032	12 मीन	15-06-2040	9 धनु	14-09-2044	12 मीन	16-06-2054
8 वृश्चिक	16-04-2033	1 मेष	14-02-2041	8 वृश्चिक	15-12-2044	1 मेष	16-06-2055
7 तुला	15-11-2033	2 वृष	15-10-2041	7 तुला	16-03-2045	2 वृष	15-06-2056



## निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (4व)	76व 11म	मेष (4व)	84व 11म	वृष (1व)	95व 11म	वृष (1व)	105व 11म
आरम्भ	15-06-2057	आरम्भ	15-06-2061	आरम्भ	15-12-2065	आरम्भ	15-12-2071
अन्त	15-06-2061	अन्त	15-12-2065	अन्त	15-12-2071	अन्त	15-08-2077
<b>1</b> मेष	15-06-2057	<b>1</b> मेष	15-06-2061	<b>2</b> वृष	15-12-2065	<b>2</b> वृष	15-12-2071
<b>2</b> वृष	15-10-2057	<b>2</b> वृष	14-02-2062	<b>1</b> मेष	14-01-2066	<b>1</b> मेष	14-11-2072
<b>3</b> मिथुन	14-02-2058	<b>3</b> मिथुन	15-10-2062	<b>12</b> मीन	14-02-2066	<b>12</b> मीन	15-10-2073
<b>4</b> कर्क	16-06-2058	<b>4</b> कर्क	16-06-2063	<b>11</b> कुंभ	16-03-2066	<b>11</b> कुंभ	15-09-2074
<b>5</b> सिंह	15-10-2058	<b>5</b> सिंह	14-02-2064	<b>10</b> मकर	16-04-2066	<b>10</b> मकर	16-08-2075
<b>6</b> कन्या	14-02-2059	<b>6</b> कन्या	15-10-2064	<b>9</b> धनु	16-05-2066	<b>5</b> सिंह	15-06-2076
<b>7</b> तुला	16-06-2059	<b>8</b> वृश्चिक	15-06-2065	<b>8</b> वृश्चिक	16-06-2066	<b>6</b> कन्या	15-08-2076
<b>8</b> वृश्चिक	16-10-2059	<b>7</b> तुला	16-07-2065	<b>7</b> तुला	16-05-2067	<b>7</b> तुला	15-10-2076
<b>9</b> धनु	14-02-2060	<b>6</b> कन्या	15-08-2065	<b>6</b> कन्या	15-04-2068	<b>8</b> वृश्चिक	15-12-2076
<b>10</b> मकर	15-06-2060	<b>5</b> सिंह	15-09-2065	<b>5</b> सिंह	16-03-2069	<b>9</b> धनु	13-02-2077
<b>11</b> कुंभ	15-10-2060	<b>4</b> कर्क	15-10-2065	<b>4</b> कर्क	14-02-2070	<b>10</b> मकर	15-04-2077
<b>12</b> मीन	14-02-2061	<b>3</b> मिथुन	14-11-2065	<b>3</b> मिथुन	15-01-2071	<b>11</b> कुंभ	15-06-2077
सिंह (2व)	108व 11म	सिंह (2व)	115व 0म	कुंभ (6व)	119व 0म	तुला (8व)	127व 0म
आरम्भ	15-08-2077	आरम्भ	15-04-2084	आरम्भ	15-12-2091	आरम्भ	15-10-2098
अन्त	15-04-2084	अन्त	15-12-2091	अन्त	15-10-2098	अन्त	15-02-2103
<b>12</b> मीन	15-08-2077	<b>12</b> मीन	15-04-2084	<b>10</b> मकर	15-12-2091	<b>6</b> कन्या	15-10-2098
<b>1</b> मेष	15-10-2077	<b>1</b> मेष	13-02-2085	<b>11</b> कुंभ	15-06-2092	<b>1</b> मेष	16-06-2099
<b>2</b> वृष	15-12-2077	<b>2</b> वृष	15-12-2085	<b>12</b> मीन	14-12-2092	<b>2</b> वृष	15-10-2099
<b>3</b> मिथुन	14-02-2078	<b>8</b> वृश्चिक	15-06-2086	<b>1</b> मेष	15-06-2093	<b>3</b> मिथुन	14-02-2100
<b>4</b> कर्क	16-04-2078	<b>7</b> तुला	16-03-2087	<b>2</b> वृष	15-12-2093	<b>4</b> कर्क	16-06-2100
<b>5</b> सिंह	15-06-2078	<b>6</b> कन्या	15-12-2087	<b>3</b> मिथुन	15-06-2094	<b>5</b> सिंह	15-10-2100
<b>6</b> कन्या	16-04-2079	<b>5</b> सिंह	14-09-2088	<b>4</b> कर्क	15-12-2094	<b>6</b> कन्या	14-02-2101
<b>7</b> तुला	14-02-2080	<b>5</b> सिंह	15-06-2089	<b>1</b> मेष	16-06-2095	<b>7</b> तुला	16-06-2101
<b>8</b> वृश्चिक	15-12-2080	<b>6</b> कन्या	15-12-2089	<b>2</b> वृष	14-02-2096	<b>8</b> वृश्चिक	16-10-2101
<b>9</b> धनु	15-10-2081	<b>7</b> तुला	15-06-2090	<b>3</b> मिथुन	15-10-2096	<b>9</b> धनु	14-02-2102
<b>10</b> मकर	15-08-2082	<b>8</b> वृश्चिक	15-12-2090	<b>4</b> कर्क	15-06-2097	<b>10</b> मकर	16-06-2102
<b>11</b> कुंभ	16-06-2083	<b>9</b> धनु	16-06-2091	<b>5</b> सिंह	14-02-2098	<b>11</b> कुंभ	16-10-2102
मेष (4व)	132व 0म	मीन (7व)	136व 0म	कन्या (3व)	145व 0म	कन्या (3व)	149व 0म
आरम्भ	15-02-2103	आरम्भ	17-05-2110	आरम्भ	15-12-2116	आरम्भ	15-12-2120
अन्त	17-05-2110	अन्त	15-12-2116	अन्त	15-12-2120	अन्त	16-06-2127
<b>12</b> मीन	15-02-2103	<b>1</b> मेष	17-05-2110	<b>4</b> कर्क	15-12-2116	<b>4</b> कर्क	15-12-2120
<b>1</b> मेष	16-06-2103	<b>12</b> मीन	16-12-2110	<b>3</b> मिथुन	17-03-2117	<b>3</b> मिथुन	15-09-2121
<b>2</b> वृष	15-02-2104	<b>11</b> कुंभ	17-07-2111	<b>2</b> वृष	16-06-2117	<b>2</b> वृष	16-06-2122
<b>3</b> मिथुन	15-10-2104	<b>10</b> मकर	15-02-2112	<b>1</b> मेष	15-09-2117	<b>1</b> मेष	17-03-2123
<b>4</b> कर्क	16-06-2105	<b>3</b> मिथुन	16-06-2112	<b>12</b> मीन	15-12-2117	<b>12</b> मीन	16-12-2123
<b>5</b> सिंह	14-02-2106	<b>4</b> कर्क	14-02-2113	<b>11</b> कुंभ	17-03-2118	<b>11</b> कुंभ	15-09-2124
<b>6</b> कन्या	16-10-2106	<b>5</b> सिंह	16-10-2113	<b>10</b> मकर	16-06-2118	<b>1</b> मेष	16-06-2125
<b>6</b> कन्या	16-06-2107	<b>6</b> कन्या	16-06-2114	<b>9</b> धनु	15-09-2118	<b>2</b> वृष	16-10-2125
<b>5</b> सिंह	15-01-2108	<b>7</b> तुला	15-02-2115	<b>8</b> वृश्चिक	16-12-2118	<b>3</b> मिथुन	14-02-2126
<b>4</b> कर्क	16-08-2108	<b>8</b> वृश्चिक	16-10-2115	<b>7</b> तुला	17-03-2119	<b>4</b> कर्क	16-06-2126
<b>3</b> मिथुन	17-03-2109	<b>6</b> कन्या	16-06-2116	<b>6</b> कन्या	16-06-2119	<b>5</b> सिंह	16-10-2126
<b>2</b> वृष	16-10-2109	<b>5</b> सिंह	15-09-2116	<b>5</b> सिंह	16-03-2120	<b>6</b> कन्या	15-02-2127



## द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मकर (5व)	०व ०म*	वृश्चिक (९व)	५व ०म	सिंह (२व)	१४व ०म	वृष (१व)	१६व ०म
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1985	आरम्भ	16-06-1994	आरम्भ	16-06-1996
अन्त	16-06-1985	अन्त	16-06-1994	अन्त	16-06-1996	अन्त	16-06-1997
4 कर्क	16-06-1980	8 वृश्चिक	16-06-1985	5 सिंह	16-06-1994	8 वृश्चिक	16-06-1996
3 मिथुन	15-11-1980	7 तुला	17-03-1986	6 कन्या	16-08-1994	7 तुला	16-07-1996
2 वृष	16-04-1981	6 कन्या	16-12-1986	7 तुला	16-10-1994	6 कन्या	15-08-1996
1 मेष	15-09-1981	5 सिंह	16-09-1987	8 वृश्चिक	16-12-1994	5 सिंह	15-09-1996
12 मीन	14-02-1982	4 कर्क	16-06-1988	9 धनु	15-02-1995	4 कर्क	15-10-1996
11 कुंभ	17-07-1982	3 मिथुन	17-03-1989	10 मकर	16-04-1995	3 मिथुन	15-11-1996
10 मकर	16-12-1982	2 वृष	15-12-1989	11 कुंभ	16-06-1995	2 वृष	15-12-1996
9 धनु	17-05-1983	1 मेष	15-09-1990	12 मीन	16-08-1995	1 मेष	15-01-1997
8 वृश्चिक	16-10-1983	12 मीन	16-06-1991	1 मेष	16-10-1995	12 मीन	14-02-1997
7 तुला	16-03-1984	11 कुंभ	16-03-1992	2 वृष	16-12-1995	11 कुंभ	16-03-1997
6 कन्या	16-08-1984	10 मकर	15-12-1992	3 मिथुन	15-02-1996	10 मकर	16-04-1997
5 सिंह	15-01-1985	9 धनु	15-09-1993	4 कर्क	16-04-1996	9 धनु	16-05-1997
कुंभ (6व)	१७व ०म	तुला (८व)	२३व ०म	कर्क (१२व)	३१व ०म	मेष (४व)	४३व ०म
आरम्भ	16-06-1997	आरम्भ	16-06-2003	आरम्भ	16-06-2011	आरम्भ	16-06-2023
अन्त	16-06-2003	अन्त	16-06-2011	अन्त	16-06-2023	अन्त	16-06-2027
5 सिंह	16-06-1997	1 मेष	16-06-2003	4 कर्क	16-06-2011	1 मेष	16-06-2023
6 कन्या	15-12-1997	2 वृष	15-02-2004	3 मिथुन	15-06-2012	2 वृष	16-10-2023
7 तुला	16-06-1998	3 मिथुन	15-10-2004	2 वृष	16-06-2013	3 मिथुन	15-02-2024
8 वृश्चिक	16-12-1998	4 कर्क	16-06-2005	1 मेष	16-06-2014	4 कर्क	15-06-2024
9 धनु	16-06-1999	5 सिंह	14-02-2006	12 मीन	16-06-2015	5 सिंह	15-10-2024
10 मकर	16-12-1999	6 कन्या	16-10-2006	11 कुंभ	15-06-2016	6 कन्या	14-02-2025
11 कुंभ	16-06-2000	7 तुला	16-06-2007	10 मकर	16-06-2017	7 तुला	16-06-2025
12 मीन	15-12-2000	8 वृश्चिक	15-02-2008	9 धनु	16-06-2018	8 वृश्चिक	15-10-2025
1 मेष	16-06-2001	9 धनु	15-10-2008	8 वृश्चिक	16-06-2019	9 धनु	14-02-2026
2 वृष	15-12-2001	10 मकर	16-06-2009	7 तुला	15-06-2020	10 मकर	16-06-2026
3 मिथुन	16-06-2002	11 कुंभ	14-02-2010	6 कन्या	16-06-2021	11 कुंभ	16-10-2026
4 कर्क	16-12-2002	12 मीन	16-10-2010	5 सिंह	16-06-2022	12 मीन	14-02-2027
मीन (7व)	४७व ०म	धनु (८व)	५४व ०म	कन्या (३व)	६२व ०म	मिथुन (१२व)	६४व ११म
आरम्भ	16-06-2027	आरम्भ	16-06-2034	आरम्भ	16-06-2042	आरम्भ	15-06-2045
अन्त	16-06-2034	अन्त	16-06-2042	अन्त	15-06-2045	अन्त	15-06-2057
6 कन्या	16-06-2027	3 मिथुन	16-06-2034	6 कन्या	16-06-2042	3 मिथुन	15-06-2045
5 सिंह	15-01-2028	4 कर्क	14-02-2035	5 सिंह	15-09-2042	4 कर्क	16-06-2046
4 कर्क	15-08-2028	5 सिंह	16-10-2035	4 कर्क	15-12-2042	5 सिंह	16-06-2047
3 मिथुन	16-03-2029	6 कन्या	15-06-2036	3 मिथुन	17-03-2043	6 कन्या	15-06-2048
2 वृष	15-10-2029	7 तुला	14-02-2037	2 वृष	16-06-2043	7 तुला	15-06-2049
1 मेष	16-05-2030	8 वृश्चिक	15-10-2037	1 मेष	15-09-2043	8 वृश्चिक	16-06-2050
12 मीन	15-12-2030	9 धनु	16-06-2038	12 मीन	16-12-2043	9 धनु	16-06-2051
11 कुंभ	16-07-2031	10 मकर	14-02-2039	11 कुंभ	16-03-2044	10 मकर	15-06-2052
10 मकर	15-02-2032	11 कुंभ	16-10-2039	10 मकर	15-06-2044	11 कुंभ	15-06-2053
9 धनु	15-09-2032	12 मीन	15-06-2040	9 धनु	14-09-2044	12 मीन	16-06-2054
8 वृश्चिक	16-04-2033	1 मेष	14-02-2041	8 वृश्चिक	15-12-2044	1 मेष	16-06-2055
7 तुला	15-11-2033	2 वृष	15-10-2041	7 तुला	16-03-2045	2 वृष	15-06-2056



## द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (4व)	76व 11म	मेष (4व)	84व 11म	वृष (1व)	95व 11म	वृष (1व)	105व 11म
आरम्भ	15-06-2057	आरम्भ	15-06-2061	आरम्भ	15-12-2065	आरम्भ	15-12-2071
अन्त	15-06-2061	अन्त	15-12-2065	अन्त	15-12-2071	अन्त	15-08-2077
<b>1</b> मेष	15-06-2057	<b>1</b> मेष	15-06-2061	<b>2</b> वृष	15-12-2065	<b>2</b> वृष	15-12-2071
<b>2</b> वृष	15-10-2057	<b>2</b> वृष	14-02-2062	<b>1</b> मेष	14-01-2066	<b>1</b> मेष	14-11-2072
<b>3</b> मिथुन	14-02-2058	<b>3</b> मिथुन	15-10-2062	<b>12</b> मीन	14-02-2066	<b>12</b> मीन	15-10-2073
<b>4</b> कर्क	16-06-2058	<b>4</b> कर्क	16-06-2063	<b>11</b> कुंभ	16-03-2066	<b>11</b> कुंभ	15-09-2074
<b>5</b> सिंह	15-10-2058	<b>5</b> सिंह	14-02-2064	<b>10</b> मकर	16-04-2066	<b>10</b> मकर	16-08-2075
<b>6</b> कन्या	14-02-2059	<b>6</b> कन्या	15-10-2064	<b>9</b> धनु	16-05-2066	<b>5</b> सिंह	15-06-2076
<b>7</b> तुला	16-06-2059	<b>8</b> वृश्चिक	15-06-2065	<b>8</b> वृश्चिक	16-06-2066	<b>6</b> कन्या	15-08-2076
<b>8</b> वृश्चिक	16-10-2059	<b>7</b> तुला	16-07-2065	<b>7</b> तुला	16-05-2067	<b>7</b> तुला	15-10-2076
<b>9</b> धनु	14-02-2060	<b>6</b> कन्या	15-08-2065	<b>6</b> कन्या	15-04-2068	<b>8</b> वृश्चिक	15-12-2076
<b>10</b> मकर	15-06-2060	<b>5</b> सिंह	15-09-2065	<b>5</b> सिंह	16-03-2069	<b>9</b> धनु	13-02-2077
<b>11</b> कुंभ	15-10-2060	<b>4</b> कर्क	15-10-2065	<b>4</b> कर्क	14-02-2070	<b>10</b> मकर	15-04-2077
<b>12</b> मीन	14-02-2061	<b>3</b> मिथुन	14-11-2065	<b>3</b> मिथुन	15-01-2071	<b>11</b> कुंभ	15-06-2077
सिंह (2व)	108व 11म	सिंह (2व)	115व 0म	कुंभ (6व)	119व 0म	तुला (8व)	127व 0म
आरम्भ	15-08-2077	आरम्भ	15-04-2084	आरम्भ	15-12-2091	आरम्भ	15-10-2098
अन्त	15-04-2084	अन्त	15-12-2091	अन्त	15-10-2098	अन्त	15-02-2103
<b>12</b> मीन	15-08-2077	<b>12</b> मीन	15-04-2084	<b>10</b> मकर	15-12-2091	<b>6</b> कन्या	15-10-2098
<b>1</b> मेष	15-10-2077	<b>1</b> मेष	13-02-2085	<b>11</b> कुंभ	15-06-2092	<b>1</b> मेष	16-06-2099
<b>2</b> वृष	15-12-2077	<b>2</b> वृष	15-12-2085	<b>12</b> मीन	14-12-2092	<b>2</b> वृष	15-10-2099
<b>3</b> मिथुन	14-02-2078	<b>8</b> वृश्चिक	15-06-2086	<b>1</b> मेष	15-06-2093	<b>3</b> मिथुन	14-02-2100
<b>4</b> कर्क	16-04-2078	<b>7</b> तुला	16-03-2087	<b>2</b> वृष	15-12-2093	<b>4</b> कर्क	16-06-2100
<b>5</b> सिंह	15-06-2078	<b>6</b> कन्या	15-12-2087	<b>3</b> मिथुन	15-06-2094	<b>5</b> सिंह	15-10-2100
<b>6</b> कन्या	16-04-2079	<b>5</b> सिंह	14-09-2088	<b>4</b> कर्क	15-12-2094	<b>6</b> कन्या	14-02-2101
<b>7</b> तुला	14-02-2080	<b>5</b> सिंह	15-06-2089	<b>1</b> मेष	16-06-2095	<b>7</b> तुला	16-06-2101
<b>8</b> वृश्चिक	15-12-2080	<b>6</b> कन्या	15-12-2089	<b>2</b> वृष	14-02-2096	<b>8</b> वृश्चिक	16-10-2101
<b>9</b> धनु	15-10-2081	<b>7</b> तुला	15-06-2090	<b>3</b> मिथुन	15-10-2096	<b>9</b> धनु	14-02-2102
<b>10</b> मकर	15-08-2082	<b>8</b> वृश्चिक	15-12-2090	<b>4</b> कर्क	15-06-2097	<b>10</b> मकर	16-06-2102
<b>11</b> कुंभ	16-06-2083	<b>9</b> धनु	16-06-2091	<b>5</b> सिंह	14-02-2098	<b>11</b> कुंभ	16-10-2102
मेष (4व)	132व 0म	मीन (7व)	136व 0म	कन्या (3व)	145व 0म	कन्या (3व)	149व 0म
आरम्भ	15-02-2103	आरम्भ	17-05-2110	आरम्भ	15-12-2116	आरम्भ	15-12-2120
अन्त	17-05-2110	अन्त	15-12-2116	अन्त	15-12-2120	अन्त	16-06-2127
<b>12</b> मीन	15-02-2103	<b>1</b> मेष	17-05-2110	<b>4</b> कर्क	15-12-2116	<b>4</b> कर्क	15-12-2120
<b>1</b> मेष	16-06-2103	<b>12</b> मीन	16-12-2110	<b>3</b> मिथुन	17-03-2117	<b>3</b> मिथुन	15-09-2121
<b>2</b> वृष	15-02-2104	<b>11</b> कुंभ	17-07-2111	<b>2</b> वृष	16-06-2117	<b>2</b> वृष	16-06-2122
<b>3</b> मिथुन	15-10-2104	<b>10</b> मकर	15-02-2112	<b>1</b> मेष	15-09-2117	<b>1</b> मेष	17-03-2123
<b>4</b> कर्क	16-06-2105	<b>3</b> मिथुन	16-06-2112	<b>12</b> मीन	15-12-2117	<b>12</b> मीन	16-12-2123
<b>5</b> सिंह	14-02-2106	<b>4</b> कर्क	14-02-2113	<b>11</b> कुंभ	17-03-2118	<b>11</b> कुंभ	15-09-2124
<b>6</b> कन्या	16-10-2106	<b>5</b> सिंह	16-10-2113	<b>10</b> मकर	16-06-2118	<b>1</b> मेष	16-06-2125
<b>6</b> कन्या	16-06-2107	<b>6</b> कन्या	16-06-2114	<b>9</b> धनु	15-09-2118	<b>2</b> वृष	16-10-2125
<b>5</b> सिंह	15-01-2108	<b>7</b> तुला	15-02-2115	<b>8</b> वृश्चिक	16-12-2118	<b>3</b> मिथुन	14-02-2126
<b>4</b> कर्क	16-08-2108	<b>8</b> वृश्चिक	16-10-2115	<b>7</b> तुला	17-03-2119	<b>4</b> कर्क	16-06-2126
<b>3</b> मिथुन	17-03-2109	<b>6</b> कन्या	16-06-2116	<b>6</b> कन्या	16-06-2119	<b>5</b> सिंह	16-10-2126
<b>2</b> वृष	16-10-2109	<b>5</b> सिंह	15-09-2116	<b>5</b> सिंह	16-03-2120	<b>6</b> कन्या	15-02-2127



## नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (8व)	०व ०म	वृश्चिक (9व)	८व ०म	धनु (8व)	१७व ०म	मकर (7व)	२५व ०म
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1988	आरम्भ	16-06-1997	आरम्भ	16-06-2005
अन्त	16-06-1988	अन्त	16-06-1997	अन्त	16-06-2005	अन्त	15-06-2012
1 मेष	16-06-1980	8 वृश्चिक	16-06-1988	3 मिथुन	16-06-1997	4 कर्क	16-06-2005
2 वृष	14-02-1981	7 तुला	17-03-1989	4 कर्क	14-02-1998	3 मिथुन	15-01-2006
3 मिथुन	16-10-1981	6 कन्या	15-12-1989	5 सिंह	16-10-1998	2 वृष	16-08-2006
4 कर्क	16-06-1982	5 सिंह	15-09-1990	6 कन्या	16-06-1999	1 मेष	17-03-2007
5 सिंह	15-02-1983	4 कर्क	16-06-1991	7 तुला	15-02-2000	12 मीन	16-10-2007
6 कन्या	16-10-1983	3 मिथुन	16-03-1992	8 वृश्चिक	15-10-2000	11 कुंभ	16-05-2008
7 तुला	16-06-1984	2 वृष	15-12-1992	9 धनु	16-06-2001	10 मकर	15-12-2008
8 वृश्चिक	14-02-1985	1 मेष	15-09-1993	10 मकर	14-02-2002	9 धनु	16-07-2009
9 धनु	16-10-1985	12 मीन	16-06-1994	11 कुंभ	16-10-2002	8 वृश्चिक	14-02-2010
10 मकर	16-06-1986	11 कुंभ	17-03-1995	12 मीन	16-06-2003	7 तुला	15-09-2010
11 कुंभ	15-02-1987	10 मकर	16-12-1995	1 मेष	15-02-2004	6 कन्या	16-04-2011
12 मीन	16-10-1987	9 धनु	15-09-1996	2 वृष	15-10-2004	5 सिंह	15-11-2011
कुंभ (6व)	३१व ११म	मीन (5व)	३८व ०म	मेष (4व)	४३व ०म	वृष (१व)	४७व ०म
आरम्भ	15-06-2012	आरम्भ	16-06-2018	आरम्भ	16-06-2023	आरम्भ	16-06-2027
अन्त	16-06-2018	अन्त	16-06-2023	अन्त	16-06-2027	अन्त	15-06-2028
5 सिंह	15-06-2012	6 कन्या	16-06-2018	1 मेष	16-06-2023	8 वृश्चिक	16-06-2027
6 कन्या	15-12-2012	5 सिंह	15-11-2018	2 वृष	16-10-2023	7 तुला	17-07-2027
7 तुला	16-06-2013	4 कर्क	16-04-2019	3 मिथुन	15-02-2024	6 कन्या	16-08-2027
8 वृश्चिक	15-12-2013	3 मिथुन	15-09-2019	4 कर्क	15-06-2024	5 सिंह	15-09-2027
9 धनु	16-06-2014	2 वृष	15-02-2020	5 सिंह	15-10-2024	4 कर्क	16-10-2027
10 मकर	16-12-2014	1 मेष	16-07-2020	6 कन्या	14-02-2025	3 मिथुन	15-11-2027
11 कुंभ	16-06-2015	12 मीन	15-12-2020	7 तुला	16-06-2025	2 वृष	16-12-2027
12 मीन	16-12-2015	11 कुंभ	16-05-2021	8 वृश्चिक	15-10-2025	1 मेष	15-01-2028
1 मेष	15-06-2016	10 मकर	15-10-2021	9 धनु	14-02-2026	12 मीन	15-02-2028
2 वृष	15-12-2016	9 धनु	17-03-2022	10 मकर	16-06-2026	11 कुंभ	16-03-2028
3 मिथुन	16-06-2017	8 वृश्चिक	16-08-2022	11 कुंभ	16-10-2026	10 मकर	15-04-2028
4 कर्क	15-12-2017	7 तुला	15-01-2023	12 मीन	14-02-2027	9 धनु	16-05-2028
मिथुन (12व)	४७व ११म	कर्क (12व)	५९व ११म	सिंह (10व)	७१व ११म	कन्या (9व)	८२व ०म
आरम्भ	15-06-2028	आरम्भ	15-06-2040	आरम्भ	15-06-2052	आरम्भ	16-06-2062
अन्त	15-06-2040	अन्त	15-06-2052	अन्त	16-06-2062	अन्त	16-06-2071
3 मिथुन	15-06-2028	4 कर्क	15-06-2040	5 सिंह	15-06-2052	6 कन्या	16-06-2062
4 कर्क	16-06-2029	3 मिथुन	15-06-2041	6 कन्या	15-04-2053	5 सिंह	16-03-2063
5 सिंह	16-06-2030	2 वृष	16-06-2042	7 तुला	14-02-2054	4 कर्क	15-12-2063
6 कन्या	16-06-2031	1 मेष	16-06-2043	8 वृश्चिक	15-12-2054	3 मिथुन	14-09-2064
7 तुला	15-06-2032	12 मीन	15-06-2044	9 धनु	16-10-2055	2 वृष	15-06-2065
8 वृश्चिक	16-06-2033	11 कुंभ	15-06-2045	10 मकर	15-08-2056	1 मेष	16-03-2066
9 धनु	16-06-2034	10 मकर	16-06-2046	11 कुंभ	15-06-2057	12 मीन	15-12-2066
10 मकर	16-06-2035	9 धनु	16-06-2047	12 मीन	16-04-2058	11 कुंभ	15-09-2067
11 कुंभ	15-06-2036	8 वृश्चिक	15-06-2048	1 मेष	14-02-2059	10 मकर	15-06-2068
12 मीन	15-06-2037	7 तुला	15-06-2049	2 वृष	15-12-2059	9 धनु	16-03-2069
1 मेष	16-06-2038	6 कन्या	16-06-2050	3 मिथुन	15-10-2060	8 वृश्चिक	15-12-2069
2 वृष	16-06-2039	5 सिंह	16-06-2051	4 कर्क	15-08-2061	7 तुला	15-09-2070



## नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (8व)	91व 0म	वृश्चिक (9व)	99व 0म	धनु (8व)	107व 11म	मकर (7व)	115व 11म
आरम्भ	16-06-2071	आरम्भ	16-06-2079	आरम्भ	15-06-2088	आरम्भ	15-06-2096
अन्त	16-06-2079	अन्त	15-06-2088	अन्त	15-06-2096	अन्त	16-06-2103
1 मेष	16-06-2071	8 वृश्चिक	16-06-2079	3 मिथुन	15-06-2088	4 कर्क	15-06-2096
2 वृष	14-02-2072	7 तुला	16-03-2080	4 कर्क	13-02-2089	3 मिथुन	14-01-2097
3 मिथुन	15-10-2072	6 कन्या	15-12-2080	5 सिंह	15-10-2089	2 वृष	15-08-2097
4 कर्क	15-06-2073	5 सिंह	14-09-2081	6 कन्या	15-06-2090	1 मेष	16-03-2098
5 सिंह	14-02-2074	4 कर्क	15-06-2082	7 तुला	14-02-2091	12 मीन	15-10-2098
6 कन्या	15-10-2074	3 मिथुन	16-03-2083	8 वृश्चिक	15-10-2091	11 कुंभ	16-05-2099
7 तुला	16-06-2075	2 वृष	15-12-2083	9 धनु	15-06-2092	10 मकर	15-12-2099
8 वृश्चिक	14-02-2076	1 मेष	14-09-2084	10 मकर	13-02-2093	9 धनु	16-07-2100
9 धनु	15-10-2076	12 मीन	15-06-2085	11 कुंभ	15-10-2093	8 वृश्चिक	14-02-2101
10 मकर	15-06-2077	11 कुंभ	16-03-2086	12 मीन	15-06-2094	7 तुला	15-09-2101
11 कुंभ	14-02-2078	10 मकर	15-12-2086	1 मेष	14-02-2095	6 कन्या	16-04-2102
12 मीन	15-10-2078	9 धनु	15-09-2087	2 वृष	15-10-2095	5 सिंह	15-11-2102
<b>कुंभ (6व)</b>	<b>123व 0म</b>	<b>मीन (5व)</b>	<b>129व 0म</b>	<b>मेष (4व)</b>	<b>134व 0म</b>	<b>वृष (1व)</b>	<b>138व 0म</b>
आरम्भ	16-06-2103	आरम्भ	16-06-2109	आरम्भ	16-06-2114	आरम्भ	16-06-2118
अन्त	16-06-2109	अन्त	16-06-2114	अन्त	16-06-2118	अन्त	16-06-2119
5 सिंह	16-06-2103	6 कन्या	16-06-2109	1 मेष	16-06-2114	8 वृश्चिक	16-06-2118
6 कन्या	16-12-2103	5 सिंह	15-11-2109	2 वृष	16-10-2114	7 तुला	17-07-2118
7 तुला	16-06-2104	4 कर्क	16-04-2110	3 मिथुन	15-02-2115	6 कन्या	16-08-2118
8 वृश्चिक	15-12-2104	3 मिथुन	15-09-2110	4 कर्क	16-06-2115	5 सिंह	15-09-2118
9 धनु	16-06-2105	2 वृष	15-02-2111	5 सिंह	16-10-2115	4 कर्क	16-10-2118
10 मकर	16-12-2105	1 मेष	17-07-2111	6 कन्या	15-02-2116	3 मिथुन	15-11-2118
11 कुंभ	16-06-2106	12 मीन	16-12-2111	7 तुला	16-06-2116	2 वृष	16-12-2118
12 मीन	16-12-2106	11 कुंभ	16-05-2112	8 वृश्चिक	15-10-2116	1 मेष	15-01-2119
1 मेष	16-06-2107	10 मकर	15-10-2112	9 धनु	14-02-2117	12 मीन	15-02-2119
2 वृष	16-12-2107	9 धनु	17-03-2113	10 मकर	16-06-2117	11 कुंभ	17-03-2119
3 मिथुन	16-06-2108	8 वृश्चिक	16-08-2113	11 कुंभ	16-10-2117	10 मकर	16-04-2119
4 कर्क	15-12-2108	7 तुला	15-01-2114	12 मीन	14-02-2118	9 धनु	17-05-2119
<b>मिथुन (12व)</b>	<b>139व 0म</b>	<b>कर्क (12व)</b>	<b>151व 0म</b>	<b>सिंह (10व)</b>	<b>163व 0म</b>	<b>कन्या (9व)</b>	<b>173व 0म</b>
आरम्भ	16-06-2119	आरम्भ	16-06-2131	आरम्भ	16-06-2143	आरम्भ	16-06-2153
अन्त	16-06-2131	अन्त	16-06-2143	अन्त	16-06-2153	अन्त	16-06-2162
3 मिथुन	16-06-2119	4 कर्क	16-06-2131	5 सिंह	16-06-2143	6 कन्या	16-06-2153
4 कर्क	16-06-2120	3 मिथुन	15-06-2132	6 कन्या	16-04-2144	5 सिंह	17-03-2154
5 सिंह	16-06-2121	2 वृष	16-06-2133	7 तुला	14-02-2145	4 कर्क	15-12-2154
6 कन्या	16-06-2122	1 मेष	16-06-2134	8 वृश्चिक	15-12-2145	3 मिथुन	15-09-2155
7 तुला	16-06-2123	12 मीन	16-06-2135	9 धनु	16-10-2146	2 वृष	15-06-2156
8 वृश्चिक	16-06-2124	11 कुंभ	15-06-2136	10 मकर	16-08-2147	1 मेष	16-03-2157
9 धनु	16-06-2125	10 मकर	16-06-2137	11 कुंभ	15-06-2148	12 मीन	15-12-2157
10 मकर	16-06-2126	9 धनु	16-06-2138	12 मीन	16-04-2149	11 कुंभ	15-09-2158
11 कुंभ	16-06-2127	8 वृश्चिक	16-06-2139	1 मेष	14-02-2150	10 मकर	16-06-2159
12 मीन	16-06-2128	7 तुला	15-06-2140	2 वृष	15-12-2150	9 धनु	16-03-2160
1 मेष	16-06-2129	6 कन्या	16-06-2141	3 मिथुन	16-10-2151	8 वृश्चिक	15-12-2160
2 वृष	16-06-2130	5 सिंह	16-06-2142	4 कर्क	15-08-2152	7 तुला	15-09-2161



## नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (9व)	०व ०म	मिथुन (12व)	९व ०म	मकर (5व)	२१व ०म	सिंह (२व)	२६व ०म
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1989	आरम्भ	16-06-2001	आरम्भ	16-06-2006
अन्त	16-06-1989	अन्त	16-06-2001	अन्त	16-06-2006	अन्त	15-06-2008
8 वृश्चिक	16-06-1980	3 मिथुन	16-06-1989	4 कर्क	16-06-2001	5 सिंह	16-06-2006
7 तुला	17-03-1981	4 कक्ष	16-06-1990	3 मिथुन	15-11-2001	6 कन्या	16-08-2006
6 कन्या	16-12-1981	5 सिंह	16-06-1991	2 वृष	16-04-2002	7 तुला	16-10-2006
5 सिंह	15-09-1982	6 कन्या	16-06-1992	1 मेष	15-09-2002	8 वृश्चिक	16-12-2006
4 कर्क	16-06-1983	7 तुला	16-06-1993	12 मीन	15-02-2003	9 धनु	14-02-2007
3 मिथुन	16-03-1984	8 वृश्चिक	16-06-1994	11 कुंभ	17-07-2003	10 मकर	16-04-2007
2 वृष	15-12-1984	9 धनु	16-06-1995	10 मकर	16-12-2003	11 कुंभ	16-06-2007
1 मेष	15-09-1985	10 मकर	16-06-1996	9 धनु	16-05-2004	12 मीन	16-08-2007
12 मीन	16-06-1986	11 कुंभ	16-06-1997	8 वृश्चिक	15-10-2004	1 मेष	16-10-2007
11 कुंभ	17-03-1987	12 मीन	16-06-1998	7 तुला	16-03-2005	2 वृष	16-12-2007
10 मकर	16-12-1987	1 मेष	16-06-1999	6 कन्या	16-08-2005	3 मिथुन	15-02-2008
9 धनु	15-09-1988	2 वृष	16-06-2000	5 सिंह	15-01-2006	4 कर्क	16-04-2008
मीन (7व)	२७व ११म	तुला (8व)	३५व ०म	वृष (१व)	४३व ०म	धनु (८व)	४३व ११म
आरम्भ	15-06-2008	आरम्भ	16-06-2015	आरम्भ	16-06-2023	आरम्भ	15-06-2024
अन्त	16-06-2015	अन्त	16-06-2023	अन्त	15-06-2024	अन्त	15-06-2032
6 कन्या	15-06-2008	1 मेष	16-06-2015	8 वृश्चिक	16-06-2023	3 मिथुन	15-06-2024
5 सिंह	15-01-2009	2 वृष	15-02-2016	7 तुला	17-07-2023	4 कर्क	14-02-2025
4 कर्क	16-08-2009	3 मिथुन	15-10-2016	6 कन्या	16-08-2023	5 सिंह	15-10-2025
3 मिथुन	17-03-2010	4 कक्ष	16-06-2017	5 सिंह	15-09-2023	6 कन्या	16-06-2026
2 वृष	16-10-2010	5 सिंह	14-02-2018	4 कर्क	16-10-2023	7 तुला	14-02-2027
1 मेष	17-05-2011	6 कन्या	16-10-2018	3 मिथुन	15-11-2023	8 वृश्चिक	16-10-2027
12 मीन	16-12-2011	7 तुला	16-06-2019	2 वृष	16-12-2023	9 धनु	15-06-2028
11 कुंभ	16-07-2012	8 वृश्चिक	15-02-2020	1 मेष	15-01-2024	10 मकर	14-02-2029
10 मकर	14-02-2013	9 धनु	15-10-2020	12 मीन	15-02-2024	11 कुंभ	15-10-2029
9 धनु	15-09-2013	10 मकर	16-06-2021	11 कुंभ	16-03-2024	12 मीन	16-06-2030
8 वृश्चिक	16-04-2014	11 कुंभ	14-02-2022	10 मकर	15-04-2024	1 मेष	14-02-2031
7 तुला	15-11-2014	12 मीन	16-10-2022	9 धनु	16-05-2024	2 वृष	16-10-2031
कर्क (12व)	५१व ११म	कुंभ (6व)	६३व ११म	कन्या (३व)	७०व ०म	मेष (४व)	७२व ११म
आरम्भ	15-06-2032	आरम्भ	15-06-2044	आरम्भ	16-06-2050	आरम्भ	15-06-2053
अन्त	15-06-2044	अन्त	16-06-2050	अन्त	15-06-2053	अन्त	15-06-2057
4 कर्क	15-06-2032	5 सिंह	15-06-2044	6 कन्या	16-06-2050	1 मेष	15-06-2053
3 मिथुन	16-06-2033	6 कन्या	15-12-2044	5 सिंह	15-09-2050	2 वृष	15-10-2053
2 वृष	16-06-2034	7 तुला	15-06-2045	4 कर्क	15-12-2050	3 मिथुन	14-02-2054
1 मेष	16-06-2035	8 वृश्चिक	15-12-2045	3 मिथुन	17-03-2051	4 कक्ष	16-06-2054
12 मीन	15-06-2036	9 धनु	16-06-2046	2 वृष	16-06-2051	5 सिंह	15-10-2054
11 कुंभ	15-06-2037	10 मकर	15-12-2046	1 मेष	15-09-2051	6 कन्या	14-02-2055
10 मकर	16-06-2038	11 कुंभ	16-06-2047	12 मीन	15-12-2051	7 तुला	16-06-2055
9 धनु	16-06-2039	12 मीन	16-12-2047	11 कुंभ	16-03-2052	8 वृश्चिक	16-10-2055
8 वृश्चिक	15-06-2040	1 मेष	15-06-2048	10 मकर	15-06-2052	9 धनु	14-02-2056
7 तुला	15-06-2041	2 वृष	15-12-2048	9 धनु	14-09-2052	10 मकर	15-06-2056
6 कन्या	16-06-2042	3 मिथुन	15-06-2049	8 वृश्चिक	15-12-2052	11 कुंभ	15-10-2056
5 सिंह	16-06-2043	4 कक्ष	15-12-2049	7 तुला	16-03-2053	12 मीन	14-02-2057



## नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (9व)	76व 11म	मकर (5व)	79व 11म	सिंह (2व)	87व 0म	सिंह (2व)	96व 11म
आरम्भ	15-06-2057	आरम्भ	16-10-2063	आरम्भ	15-06-2068	आरम्भ	15-06-2074
अन्त	16-10-2063	अन्त	15-06-2068	अन्त	15-06-2074	अन्त	14-02-2082
8 वृश्चिक	15-06-2057	8 वृश्चिक	16-10-2063	11 कुंभ	15-06-2068	11 कुंभ	15-06-2074
7 तुला	16-03-2058	7 तुला	16-03-2064	12 मीन	15-08-2068	12 मीन	16-04-2075
6 कन्या	15-12-2058	6 कन्या	15-08-2064	1 मेष	15-10-2068	1 मेष	14-02-2076
5 सिंह	15-09-2059	5 सिंह	14-01-2065	2 वृष	15-12-2068	2 वृष	15-12-2076
4 कर्क	15-06-2060	4 कर्क	15-06-2065	3 मिथुन	13-02-2069	6 कन्या	15-06-2077
3 मिथुन	14-11-2060	3 मिथुन	14-01-2066	4 कर्क	15-04-2069	5 सिंह	14-01-2078
2 वृष	15-04-2061	2 वृष	15-08-2066	5 सिंह	15-06-2069	4 कर्क	15-08-2078
1 मेष	15-09-2061	1 मेष	16-03-2067	6 कन्या	16-04-2070	3 मिथुन	16-03-2079
12 मीन	14-02-2062	7 तुला	15-10-2067	7 तुला	14-02-2071	2 वृष	15-10-2079
11 कुंभ	16-07-2062	8 वृश्चिक	15-12-2067	8 वृश्चिक	15-12-2071	1 मेष	15-05-2080
10 मकर	15-12-2062	9 धनु	14-02-2068	9 धनु	15-10-2072	12 मीन	15-12-2080
9 धनु	16-05-2063	10 मकर	15-04-2068	10 मकर	15-08-2073	11 कुंभ	16-07-2081

मीन (7व)	101व 11म	वृष (1व)	105व 11म	वृष (1व)	116व 11म	कुंभ (6व)	121व 0म
आरम्भ	14-02-2082	आरम्भ	15-11-2086	आरम्भ	15-01-2092	आरम्भ	16-06-2101
अन्त	15-11-2086	अन्त	15-01-2092	अन्त	16-06-2101	अन्त	16-06-2107
10 मकर	14-02-2082	3 मिथुन	15-11-2086	3 मिथुन	15-01-2092	5 सिंह	16-06-2101
1 मेष	15-06-2082	2 वृष	15-12-2086	2 वृष	14-12-2092	6 कन्या	16-12-2101
2 वृष	14-02-2083	1 मेष	14-01-2087	1 मेष	14-11-2093	7 तुला	16-06-2102
3 मिथुन	15-10-2083	12 मीन	14-02-2087	12 मीन	15-10-2094	8 वृश्चिक	16-12-2102
4 कर्क	15-06-2084	11 कुंभ	16-03-2087	11 कुंभ	15-09-2095	9 धनु	16-06-2103
5 सिंह	13-02-2085	10 मकर	16-04-2087	10 मकर	15-08-2096	10 मकर	16-12-2103
6 कन्या	15-10-2085	9 धनु	16-05-2087	3 मिथुन	15-06-2097	11 कुंभ	16-06-2104
8 वृश्चिक	15-06-2086	8 वृश्चिक	16-06-2087	4 कर्क	14-02-2098	12 मीन	15-12-2104
7 तुला	16-07-2086	7 तुला	15-05-2088	5 सिंह	15-10-2098	1 मेष	16-06-2105
6 कन्या	15-08-2086	6 कन्या	15-04-2089	6 कन्या	16-06-2099	2 वृष	16-12-2105
5 सिंह	15-09-2086	5 सिंह	16-03-2090	7 तुला	14-02-2100	3 मिथुन	16-06-2106
4 कर्क	15-10-2086	4 कर्क	14-02-2091	8 वृश्चिक	15-10-2100	4 कर्क	16-12-2106

कन्या (3व)	127व 0म	कन्या (3व)	136व 0म	मेष (4व)	144व 0म	मेष (4व)	153व 0म
आरम्भ	16-06-2107	आरम्भ	16-06-2110	आरम्भ	16-10-2117	आरम्भ	15-02-2123
अन्त	16-06-2110	अन्त	16-10-2117	अन्त	15-02-2123	अन्त	16-12-2131
6 कन्या	16-06-2107	6 कन्या	16-06-2110	5 सिंह	16-10-2117	5 सिंह	15-02-2123
5 सिंह	16-09-2107	5 सिंह	17-03-2111	6 कन्या	14-02-2118	6 कन्या	16-10-2123
4 कर्क	16-12-2107	4 कर्क	16-12-2111	7 तुला	16-06-2118	8 वृश्चिक	16-06-2124
3 मिथुन	16-03-2108	3 मिथुन	15-09-2112	8 वृश्चिक	16-10-2118	7 तुला	16-03-2125
2 वृष	16-06-2108	2 वृष	16-06-2113	9 धनु	15-02-2119	6 कन्या	15-12-2125
1 मेष	15-09-2108	1 मेष	17-03-2114	10 मकर	16-06-2119	5 सिंह	15-09-2126
12 मीन	15-12-2108	12 मीन	16-12-2114	11 कुंभ	16-10-2119	4 कर्क	16-06-2127
11 कुंभ	17-03-2109	11 कुंभ	16-09-2115	12 मीन	15-02-2120	3 मिथुन	16-03-2128
10 मकर	16-06-2109	1 मेष	16-06-2116	1 मेष	16-06-2120	2 वृष	15-12-2128
9 धनु	15-09-2109	2 वृष	15-10-2116	2 वृष	14-02-2121	1 मेष	15-09-2129
8 वृश्चिक	16-12-2109	3 मिथुन	14-02-2117	3 मिथुन	16-10-2121	12 मीन	16-06-2130
7 तुला	17-03-2110	4 कर्क	16-06-2117	4 कर्क	16-06-2122	11 कुंभ	17-03-2131



## लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (9व)	०व ०म	सिंह (2व)	९व ०म	वृष (1व)	११व ०म	कुंभ (6व)	१२व ०म
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1989	आरम्भ	16-06-1991	आरम्भ	16-06-1992
अन्त	16-06-1989	अन्त	16-06-1991	अन्त	16-06-1992	अन्त	16-06-1998
8 वृश्चिक	16-06-1980	5 सिंह	16-06-1989	8 वृश्चिक	16-06-1991	5 सिंह	16-06-1992
7 तुला	17-03-1981	6 कन्या	16-08-1989	7 तुला	17-07-1991	6 कन्या	15-12-1992
6 कर्क	16-12-1981	7 तुला	16-10-1989	6 कर्क	16-08-1991	7 तुला	16-06-1993
5 सिंह	15-09-1982	8 वृश्चिक	15-12-1989	5 सिंह	16-09-1991	8 वृश्चिक	15-12-1993
4 कर्क	16-06-1983	9 धनु	14-02-1990	4 कर्क	16-10-1991	9 धनु	16-06-1994
3 मिथुन	16-03-1984	10 मकर	16-04-1990	3 मिथुन	16-11-1991	10 मकर	16-12-1994
2 वृष	15-12-1984	11 कुंभ	16-06-1990	2 वृष	16-12-1991	11 कुंभ	16-06-1995
1 मेष	15-09-1985	12 मीन	16-08-1990	1 मेष	15-01-1992	12 मीन	16-12-1995
12 मीन	16-06-1986	1 मेष	16-10-1990	12 मीन	15-02-1992	1 मेष	16-06-1996
11 कुंभ	17-03-1987	2 वृष	16-12-1990	11 कुंभ	16-03-1992	2 वृष	15-12-1996
10 मकर	16-12-1987	3 मिथुन	15-02-1991	10 मकर	16-04-1992	3 मिथुन	16-06-1997
9 धनु	15-09-1988	4 कर्क	16-04-1991	9 धनु	16-05-1992	4 कर्क	15-12-1997
<b>तुला (8व)</b>	<b>१८व ०म</b>	<b>कर्क (12व)</b>	<b>२६व ०म</b>	<b>मेष (4व)</b>	<b>३८व ०म</b>	<b>मकर (5व)</b>	<b>४२व ०म</b>
आरम्भ	16-06-1998	आरम्भ	16-06-2006	आरम्भ	16-06-2018	आरम्भ	16-06-2022
अन्त	16-06-2006	अन्त	16-06-2018	अन्त	16-06-2022	अन्त	16-06-2027
1 मेष	16-06-1998	4 कर्क	16-06-2006	1 मेष	16-06-2018	4 कर्क	16-06-2022
2 वृष	15-02-1999	3 मिथुन	16-06-2007	2 वृष	16-10-2018	3 मिथुन	15-11-2022
3 मिथुन	16-10-1999	2 वृष	15-06-2008	3 मिथुन	14-02-2019	2 वृष	16-04-2023
4 कर्क	16-06-2000	1 मेष	16-06-2009	4 कर्क	16-06-2019	1 मेष	15-09-2023
5 सिंह	14-02-2001	12 मीन	16-06-2010	5 सिंह	16-10-2019	12 मीन	15-02-2024
6 कर्क	16-10-2001	11 कुंभ	16-06-2011	6 कर्क	15-02-2020	11 कुंभ	16-07-2024
7 तुला	16-06-2002	10 मकर	15-06-2012	7 तुला	15-06-2020	10 मकर	15-12-2024
8 वृश्चिक	15-02-2003	9 धनु	16-06-2013	8 वृश्चिक	15-10-2020	9 धनु	16-05-2025
9 धनु	16-10-2003	8 वृश्चिक	16-06-2014	9 धनु	14-02-2021	8 वृश्चिक	15-10-2025
10 मकर	15-06-2004	7 तुला	16-06-2015	10 मकर	16-06-2021	7 तुला	17-03-2026
11 कुंभ	14-02-2005	6 कन्या	15-06-2016	11 कुंभ	15-10-2021	6 कन्या	16-08-2026
12 मीन	15-10-2005	5 सिंह	16-06-2017	12 मीन	14-02-2022	5 सिंह	15-01-2027
<b>कन्या (3व)</b>	<b>४७व ०म</b>	<b>मिथुन (12व)</b>	<b>५०व ०म</b>	<b>मीन (7व)</b>	<b>६२व ०म</b>	<b>धनु (8व)</b>	<b>६८व ११म</b>
आरम्भ	16-06-2027	आरम्भ	16-06-2030	आरम्भ	16-06-2042	आरम्भ	15-06-2049
अन्त	16-06-2030	अन्त	16-06-2042	अन्त	15-06-2049	अन्त	15-06-2057
6 कर्क	16-06-2027	3 मिथुन	16-06-2030	6 कर्क	16-06-2042	3 मिथुन	15-06-2049
5 सिंह	15-09-2027	4 कर्क	16-06-2031	5 सिंह	15-01-2043	4 कर्क	14-02-2050
4 कर्क	16-12-2027	5 सिंह	15-06-2032	4 कर्क	16-08-2043	5 सिंह	15-10-2050
3 मिथुन	16-03-2028	6 कन्या	16-06-2033	3 मिथुन	16-03-2044	6 कन्या	16-06-2051
2 वृष	15-06-2028	7 तुला	16-06-2034	2 वृष	15-10-2044	7 तुला	14-02-2052
1 मेष	15-09-2028	8 वृश्चिक	16-06-2035	1 मेष	16-05-2045	8 वृश्चिक	15-10-2052
12 मीन	15-12-2028	9 धनु	15-06-2036	12 मीन	15-12-2045	9 धनु	15-06-2053
11 कुंभ	16-03-2029	10 मकर	15-06-2037	11 कुंभ	16-07-2046	10 मकर	14-02-2054
10 मकर	16-06-2029	11 कुंभ	16-06-2038	10 मकर	14-02-2047	11 कुंभ	15-10-2054
9 धनु	15-09-2029	12 मीन	16-06-2039	9 धनु	15-09-2047	12 मीन	16-06-2055
8 वृश्चिक	15-12-2029	1 मेष	15-06-2040	8 वृश्चिक	15-04-2048	1 मेष	14-02-2056
7 तुला	16-03-2030	2 वृष	15-06-2041	7 तुला	14-11-2048	2 वृष	15-10-2056



## लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

सिंह (2व)	76व 11म	सिंह (2व)	87व 0म	वृष (1व)	97व 11म	वृष (1व)	103व 11म
आरम्भ	15-06-2057	आरम्भ	16-06-2059	आरम्भ	15-12-2067	आरम्भ	15-12-2073
अन्त	16-06-2059	अन्त	15-12-2067	अन्त	15-12-2073	अन्त	15-12-2081
5 सिंह	15-06-2057	5 सिंह	16-06-2059	2 वृष	15-12-2067	2 वृष	15-12-2073
6 कन्या	15-08-2057	6 कन्या	15-04-2060	1 मेष	15-01-2068	1 मेष	15-11-2074
7 तुला	15-10-2057	7 तुला	14-02-2061	12 मीन	14-02-2068	12 मीन	15-10-2075
8 वृश्चिक	15-12-2057	8 वृश्चिक	15-12-2061	11 कुंभ	16-03-2068	11 कुंभ	14-09-2076
9 धनु	14-02-2058	9 धनु	15-10-2062	10 मकर	15-04-2068	10 मकर	15-08-2077
10 मकर	16-04-2058	10 मकर	16-08-2063	9 धनु	16-05-2068	5 सिंह	15-06-2078
11 कुंभ	16-06-2058	11 कुंभ	15-06-2064	8 वृश्चिक	15-06-2068	6 कन्या	15-12-2078
12 मीन	15-08-2058	12 मीन	15-04-2065	7 तुला	16-05-2069	7 तुला	16-06-2079
1 मेष	15-10-2058	1 मेष	14-02-2066	6 कन्या	16-04-2070	8 वृश्चिक	15-12-2079
2 वृष	15-12-2058	2 वृष	15-12-2066	5 सिंह	16-03-2071	9 धनु	15-06-2080
3 मिथुन	14-02-2059	4 कर्क	15-10-2067	4 कर्क	14-02-2072	10 मकर	15-12-2080
4 कर्क	16-04-2059	3 मिथुन	15-11-2067	3 मिथुन	14-01-2073	11 कुंभ	15-06-2081
कुंभ (6व)	107व 0म	मेष (4व)	115व 0म	मेष (4व)	122व 0म	मकर (5व)	126व 0म
आरम्भ	15-12-2081	आरम्भ	15-06-2088	आरम्भ	15-06-2093	आरम्भ	16-03-2099
अन्त	15-06-2088	अन्त	15-06-2093	अन्त	16-03-2099	अन्त	16-10-2105
12 मीन	15-12-2081	4 कर्क	15-06-2088	4 कर्क	15-06-2093	7 तुला	16-03-2099
1 मेष	15-06-2082	5 सिंह	15-10-2088	5 सिंह	14-02-2094	6 कन्या	15-08-2099
2 वृष	15-12-2082	6 कन्या	13-02-2089	6 कन्या	15-10-2094	5 सिंह	15-01-2100
3 मिथुन	16-06-2083	7 तुला	15-06-2089	4 कर्क	16-06-2095	4 कर्क	16-06-2100
4 कर्क	15-12-2083	8 वृश्चिक	15-10-2089	3 मिथुन	15-11-2095	3 मिथुन	15-01-2101
8 वृश्चिक	15-06-2084	9 धनु	14-02-2090	2 वृष	15-04-2096	2 वृष	16-08-2101
7 तुला	16-03-2085	10 मकर	15-06-2090	1 मेष	14-09-2096	1 मेष	17-03-2102
6 कन्या	15-12-2085	11 कुंभ	15-10-2090	12 मीन	13-02-2097	1 मेष	16-06-2102
5 सिंह	15-09-2086	12 मीन	14-02-2091	11 कुंभ	15-07-2097	2 वृष	15-02-2103
1 मेष	16-06-2087	1 मेष	16-06-2091	10 मकर	15-12-2097	3 मिथुन	16-10-2103
2 वृष	15-10-2087	2 वृष	14-02-2092	9 धनु	16-05-2098	4 कर्क	16-06-2104
3 मिथुन	14-02-2088	3 मिथुन	15-10-2092	8 वृश्चिक	15-10-2098	5 सिंह	14-02-2105
तुला (8व)	131व 0म	धनु (8व)	135व 0म	कन्या (3व)	144व 0म	वृष (1व)	145व 0म
आरम्भ	16-10-2105	आरम्भ	15-10-2112	आरम्भ	16-06-2117	आरम्भ	16-06-2124
अन्त	15-10-2112	अन्त	16-06-2117	अन्त	16-06-2124	अन्त	16-06-2125
6 कन्या	16-10-2105	5 सिंह	15-10-2112	10 मकर	16-06-2117	8 वृश्चिक	16-06-2124
6 कन्या	16-06-2106	6 कन्या	16-06-2113	9 धनु	15-09-2117	7 तुला	16-07-2124
5 सिंह	15-01-2107	7 तुला	14-02-2114	8 वृश्चिक	15-12-2117	6 कन्या	15-08-2124
4 कर्क	16-08-2107	8 वृश्चिक	16-10-2114	7 तुला	17-03-2118	5 सिंह	15-09-2124
3 मिथुन	16-03-2108	6 कन्या	16-06-2115	6 कन्या	16-06-2118	4 कर्क	15-10-2124
2 वृष	15-10-2108	5 सिंह	16-09-2115	5 सिंह	17-03-2119	3 मिथुन	15-11-2124
1 मेष	16-05-2109	4 कर्क	16-12-2115	4 कर्क	16-12-2119	2 वृष	15-12-2124
12 मीन	16-12-2109	3 मिथुन	16-03-2116	3 मिथुन	15-09-2120	1 मेष	15-01-2125
11 कुंभ	17-07-2110	2 वृष	16-06-2116	2 वृष	16-06-2121	12 मीन	14-02-2125
10 मकर	15-02-2111	1 मेष	15-09-2116	1 मेष	17-03-2122	11 कुंभ	16-03-2125
3 मिथुन	16-06-2111	12 मीन	15-12-2116	12 मीन	16-12-2122	10 मकर	16-04-2125
4 कर्क	15-02-2112	11 कुंभ	17-03-2117	11 कुंभ	16-09-2123	9 धनु	16-05-2125



## शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (9व)	०व ०म	धनु (9व)	९व ०म	मकर (9व)	१८व ०म	कुंभ (9व)	२७व ०म
आरम्भ	16-06-1980	आरम्भ	16-06-1989	आरम्भ	16-06-1998	आरम्भ	16-06-2007
अन्त	16-06-1989	अन्त	16-06-1998	अन्त	16-06-2007	अन्त	15-06-2016
8 वृश्चिक	16-06-1980	9 धनु	16-06-1989	10 मकर	16-06-1998	11 कुंभ	16-06-2007
7 तुला	17-03-1981	10 मकर	17-03-1990	9 धनु	17-03-1999	12 मीन	16-03-2008
6 कन्या	16-12-1981	11 कुंभ	16-12-1990	8 वृश्चिक	16-12-1999	1 मेष	15-12-2008
5 सिंह	15-09-1982	12 मीन	16-09-1991	7 तुला	15-09-2000	2 वृष	15-09-2009
4 कर्क	16-06-1983	1 मेष	16-06-1992	6 कन्या	16-06-2001	3 मिथुन	16-06-2010
3 मिथुन	16-03-1984	2 वृष	17-03-1993	5 सिंह	17-03-2002	4 कर्क	17-03-2011
2 वृष	15-12-1984	3 मिथुन	15-12-1993	4 कर्क	16-12-2002	5 सिंह	16-12-2011
1 मेष	15-09-1985	4 कर्क	15-09-1994	3 मिथुन	16-09-2003	6 कन्या	15-09-2012
12 मीन	16-06-1986	5 सिंह	16-06-1995	2 वृष	15-06-2004	7 तुला	16-06-2013
11 कुंभ	17-03-1987	6 कन्या	16-03-1996	1 मेष	16-03-2005	8 वृश्चिक	17-03-2014
10 मकर	16-12-1987	7 तुला	15-12-1996	12 मीन	15-12-2005	9 धनु	16-12-2014
9 धनु	15-09-1988	8 वृश्चिक	15-09-1997	11 कुंभ	15-09-2006	10 मकर	15-09-2015
<b>मीन (9व)</b>	<b>३५व ११म</b>	<b>मेष (9व)</b>	<b>४५व ०म</b>	<b>वृष (9व)</b>	<b>५४व ०म</b>	<b>मिथुन (9व)</b>	<b>६३व ०म</b>
आरम्भ	15-06-2016	आरम्भ	16-06-2025	आरम्भ	16-06-2034	आरम्भ	16-06-2043
अन्त	16-06-2025	अन्त	16-06-2034	अन्त	16-06-2043	अन्त	15-06-2052
12 मीन	15-06-2016	1 मेष	16-06-2025	2 वृष	16-06-2034	3 मिथुन	16-06-2043
11 कुंभ	16-03-2017	2 वृष	17-03-2026	1 मेष	17-03-2035	4 कर्क	16-03-2044
10 मकर	15-12-2017	3 मिथुन	15-12-2026	12 मीन	16-12-2035	5 सिंह	15-12-2044
9 धनु	15-09-2018	4 कर्क	15-09-2027	11 कुंभ	15-09-2036	6 कन्या	15-09-2045
8 वृश्चिक	16-06-2019	5 सिंह	15-06-2028	10 मकर	15-06-2037	7 तुला	16-06-2046
7 तुला	16-03-2020	6 कन्या	16-03-2029	9 धनु	16-03-2038	8 वृश्चिक	17-03-2047
6 कन्या	15-12-2020	7 तुला	15-12-2029	8 वृश्चिक	15-12-2038	9 धनु	16-12-2047
5 सिंह	15-09-2021	8 वृश्चिक	15-09-2030	7 तुला	15-09-2039	10 मकर	14-09-2048
4 कर्क	16-06-2022	9 धनु	16-06-2031	6 कन्या	15-06-2040	11 कुंभ	15-06-2049
3 मिथुन	17-03-2023	10 मकर	16-03-2032	5 सिंह	16-03-2041	12 मीन	16-03-2050
2 वृष	16-12-2023	11 कुंभ	15-12-2032	4 कर्क	15-12-2041	1 मेष	15-12-2050
1 मेष	15-09-2024	12 मीन	15-09-2033	3 मिथुन	15-09-2042	2 वृष	15-09-2051
<b>कर्क (9व)</b>	<b>७१व ११म</b>	<b>सिंह (9व)</b>	<b>८०व ११म</b>	<b>कन्या (9व)</b>	<b>८९व ११म</b>	<b>तुला (9व)</b>	<b>९९व ०म</b>
आरम्भ	15-06-2052	आरम्भ	15-06-2061	आरम्भ	15-06-2070	आरम्भ	16-06-2079
अन्त	15-06-2061	अन्त	15-06-2070	अन्त	16-06-2079	अन्त	15-06-2088
4 कर्क	15-06-2052	5 सिंह	15-06-2061	6 कन्या	15-06-2070	7 तुला	16-06-2079
3 मिथुन	16-03-2053	6 कन्या	16-03-2062	5 सिंह	16-03-2071	8 वृश्चिक	16-03-2080
2 वृष	15-12-2053	7 तुला	15-12-2062	4 कर्क	15-12-2071	9 धनु	15-12-2080
1 मेष	15-09-2054	8 वृश्चिक	15-09-2063	3 मिथुन	14-09-2072	10 मकर	14-09-2081
12 मीन	16-06-2055	9 धनु	15-06-2064	2 वृष	15-06-2073	11 कुंभ	15-06-2082
11 कुंभ	16-03-2056	10 मकर	16-03-2065	1 मेष	16-03-2074	12 मीन	16-03-2083
10 मकर	15-12-2056	11 कुंभ	15-12-2065	12 मीन	15-12-2074	1 मेष	15-12-2083
9 धनु	15-09-2057	12 मीन	15-09-2066	11 कुंभ	15-09-2075	2 वृष	14-09-2084
8 वृश्चिक	16-06-2058	1 मेष	16-06-2067	10 मकर	15-06-2076	3 मिथुन	15-06-2085
7 तुला	17-03-2059	2 वृष	16-03-2068	9 धनु	16-03-2077	4 कर्क	16-03-2086
6 कन्या	15-12-2059	3 मिथुन	15-12-2068	8 वृश्चिक	15-12-2077	5 सिंह	15-12-2086
5 सिंह	14-09-2060	4 कर्क	15-09-2069	7 तुला	15-09-2078	6 कन्या	15-09-2087



## त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ६व ५म ५दि

जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
बुध		
केतु		
शुक्र	16-06-1980	15-11-1980
सूर्य	15-11-1980	04-07-1981
चन्द्र	04-07-1981	25-07-1982
मंगल	25-07-1982	21-04-1983
राहु	21-04-1983	15-03-1985
गुरु	15-03-1985	21-11-1986

## बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-11-1986	30-06-1988
केतु	30-06-1988	26-02-1989
शुक्र	26-02-1989	17-01-1991
सूर्य	17-01-1991	12-08-1991
चन्द्र	12-08-1991	22-07-1992
मंगल	22-07-1992	21-03-1993
राहु	21-03-1993	02-12-1994
गुरु	02-12-1994	05-06-1996
शनि	05-06-1996	23-03-1998

## केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	23-03-1998	30-06-1998
शुक्र	30-06-1998	10-04-1999
सूर्य	10-04-1999	05-07-1999
चन्द्र	05-07-1999	24-11-1999
मंगल	24-11-1999	02-03-2000
राहु	02-03-2000	13-11-2000
गुरु	13-11-2000	28-06-2001
शनि	28-06-2001	25-03-2002
बुध	25-03-2002	21-11-2002

## शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-11-2002	10-02-2005
सूर्य	10-02-2005	11-10-2005
चन्द्र	11-10-2005	21-11-2006
मंगल	21-11-2006	01-09-2007
राहु	01-09-2007	01-09-2009
गुरु	01-09-2009	12-06-2011
शनि	12-06-2011	22-07-2013
बुध	22-07-2013	12-06-2015
केतु	12-06-2015	22-03-2016

## सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	22-03-2016	03-06-2016
चन्द्र	03-06-2016	03-10-2016
मंगल	03-10-2016	27-12-2016
राहु	27-12-2016	03-08-2017
गुरु	03-08-2017	14-02-2018
शनि	14-02-2018	04-10-2018
बुध	04-10-2018	28-04-2019
केतु	28-04-2019	23-07-2019
शुक्र	23-07-2019	22-03-2020

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	22-03-2020	11-10-2020
मंगल	11-10-2020	02-03-2021
राहु	02-03-2021	02-03-2022
गुरु	02-03-2022	21-01-2023
शनि	21-01-2023	11-02-2024
बुध	11-02-2024	21-01-2025
केतु	21-01-2025	12-06-2025
शुक्र	12-06-2025	22-07-2026
सूर्य	22-07-2026	21-11-2026

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-11-2026	01-03-2027
राहु	01-03-2027	11-11-2027
गुरु	11-11-2027	26-06-2028
शनि	26-06-2028	22-03-2029
बुध	22-03-2029	19-11-2029
केतु	19-11-2029	26-02-2030
शुक्र	26-02-2030	07-12-2030
सूर्य	07-12-2030	03-03-2031
चन्द्र	03-03-2031	23-07-2031

## राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-07-2031	10-05-2033
गुरु	10-05-2033	15-12-2034
शनि	15-12-2034	08-11-2036
बुध	08-11-2036	22-07-2038
केतु	22-07-2038	04-04-2039
शुक्र	04-04-2039	03-04-2041
सूर्य	03-04-2041	09-11-2041
चन्द्र	09-11-2041	09-11-2042
मंगल	09-11-2042	23-07-2043

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	23-07-2043	23-12-2044
शनि	23-12-2044	01-09-2046
बुध	01-09-2046	06-03-2048
केतु	06-03-2048	19-10-2048
शुक्र	19-10-2048	30-07-2050
सूर्य	30-07-2050	10-02-2051
चन्द्र	10-02-2051	01-01-2052
मंगल	01-01-2052	15-08-2052
राहु	15-08-2052	22-03-2054



## त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ६व ५म ५दि

जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	22-03-2054	24-03-2056
बुध	24-03-2056	08-01-2058
केतु	08-01-2058	05-10-2058
शुक्र	05-10-2058	14-11-2060
सूर्य	14-11-2060	04-07-2061
चन्द्र	04-07-2061	24-07-2062
मंगल	24-07-2062	20-04-2063
राहु	20-04-2063	14-03-2065
गुरु	14-03-2065	21-11-2066

## बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-11-2066	29-06-2068
केतु	29-06-2068	26-02-2069
शुक्र	26-02-2069	17-01-2071
सूर्य	17-01-2071	12-08-2071
चन्द्र	12-08-2071	22-07-2072
मंगल	22-07-2072	20-03-2073
राहु	20-03-2073	01-12-2074
गुरु	01-12-2074	05-06-2076
शनि	05-06-2076	22-03-2078

## केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	22-03-2078	30-06-2078
शुक्र	30-06-2078	10-04-2079
सूर्य	10-04-2079	04-07-2079
चन्द्र	04-07-2079	23-11-2079
मंगल	23-11-2079	01-03-2080
राहु	01-03-2080	12-11-2080
गुरु	12-11-2080	27-06-2081
शनि	27-06-2081	24-03-2082
बुध	24-03-2082	21-11-2082

## शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-11-2082	09-02-2085
सूर्य	09-02-2085	11-10-2085
चन्द्र	11-10-2085	21-11-2086
मंगल	21-11-2086	01-09-2087
राहु	01-09-2087	31-08-2089
गुरु	31-08-2089	12-06-2091
शनि	12-06-2091	22-07-2093
बुध	22-07-2093	12-06-2095
केतु	12-06-2095	22-03-2096

## सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	22-03-2096	03-06-2096
चन्द्र	03-06-2096	02-10-2096
मंगल	02-10-2096	27-12-2096
राहु	27-12-2096	03-08-2097
गुरु	03-08-2097	14-02-2098
शनि	14-02-2098	03-10-2098
बुध	03-10-2098	28-04-2099
केतु	28-04-2099	22-07-2099
शुक्र	22-07-2099	23-03-2100

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	23-03-2100	11-10-2100
मंगल	11-10-2100	03-03-2101
राहु	03-03-2101	03-03-2102
गुरु	03-03-2102	21-01-2103
शनि	21-01-2103	11-02-2104
बुध	11-02-2104	21-01-2105
केतु	21-01-2105	12-06-2105
शुक्र	12-06-2105	23-07-2106
सूर्य	23-07-2106	22-11-2106

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-11-2106	01-03-2107
राहु	01-03-2107	12-11-2107
गुरु	12-11-2107	26-06-2108
शनि	26-06-2108	23-03-2109
बुध	23-03-2109	19-11-2109
केतु	19-11-2109	27-02-2110
शुक्र	27-02-2110	08-12-2110
सूर्य	08-12-2110	03-03-2111
चन्द्र	03-03-2111	23-07-2111

## राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-07-2111	10-05-2113
गुरु	10-05-2113	16-12-2114
शनि	16-12-2114	09-11-2116
बुध	09-11-2116	23-07-2118
केतु	23-07-2118	04-04-2119
शुक्र	04-04-2119	04-04-2121
सूर्य	04-04-2121	09-11-2121
चन्द्र	09-11-2121	09-11-2122
मंगल	09-11-2122	23-07-2123

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	23-07-2123	23-12-2124
शनि	23-12-2124	01-09-2126
बुध	01-09-2126	06-03-2128
केतु	06-03-2128	19-10-2128
शुक्र	19-10-2128	31-07-2130
सूर्य	31-07-2130	11-02-2131
चन्द्र	11-02-2131	01-01-2132
मंगल	01-01-2132	15-08-2132
राहु	15-08-2132	23-03-2134



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ३व २म १८दि

जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
बुध		
केतु		
शुक्र	16-06-1980	31-08-1980
सूर्य	31-08-1980	24-12-1980
चन्द्र	24-12-1980	05-07-1981
मंगल	05-07-1981	17-11-1981
राहु	17-11-1981	30-10-1982
गुरु	30-10-1982	04-09-1983

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	04-09-1983	23-06-1984
केतु	23-06-1984	22-10-1984
शुक्र	22-10-1984	01-10-1985
सूर्य	01-10-1985	13-01-1986
चन्द्र	13-01-1986	04-07-1986
मंगल	04-07-1986	02-11-1986
राहु	02-11-1986	09-09-1987
गुरु	09-09-1987	11-06-1988
शनि	11-06-1988	04-05-1989

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	04-05-1989	23-06-1989
शुक्र	23-06-1989	12-11-1989
सूर्य	12-11-1989	25-12-1989
चन्द्र	25-12-1989	06-03-1990
मंगल	06-03-1990	24-04-1990
राहु	24-04-1990	30-08-1990
गुरु	30-08-1990	22-12-1990
शनि	22-12-1990	06-05-1991
बुध	06-05-1991	04-09-1991

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	04-09-1991	13-10-1992
सूर्य	13-10-1992	12-02-1993
चन्द्र	12-02-1993	03-09-1993
मंगल	03-09-1993	23-01-1994
राहु	23-01-1994	23-01-1995
गुरु	23-01-1995	14-12-1995
शनि	14-12-1995	02-01-1997
बुध	02-01-1997	13-12-1997
केतु	13-12-1997	04-05-1998

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	04-05-1998	10-06-1998
चन्द्र	10-06-1998	10-08-1998
मंगल	10-08-1998	21-09-1998
राहु	21-09-1998	09-01-1999
गुरु	09-01-1999	16-04-1999
शनि	16-04-1999	10-08-1999
बुध	10-08-1999	22-11-1999
केतु	22-11-1999	03-01-2000
शुक्र	03-01-2000	04-05-2000

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-05-2000	13-08-2000
मंगल	13-08-2000	23-10-2000
राहु	23-10-2000	24-04-2001
गुरु	24-04-2001	03-10-2001
शनि	03-10-2001	14-04-2002
बुध	14-04-2002	04-10-2002
केतु	04-10-2002	14-12-2002
शुक्र	14-12-2002	05-07-2003
सूर्य	05-07-2003	03-09-2003

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-09-2003	23-10-2003
राहु	23-10-2003	28-02-2004
गुरु	28-02-2004	21-06-2004
शनि	21-06-2004	03-11-2004
बुध	03-11-2004	03-03-2005
केतु	03-03-2005	22-04-2005
शुक्र	22-04-2005	11-09-2005
सूर्य	11-09-2005	24-10-2005
चन्द्र	24-10-2005	03-01-2006

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-01-2006	27-11-2006
गुरु	27-11-2006	16-09-2007
शनि	16-09-2007	28-08-2008
बुध	28-08-2008	04-07-2009
केतु	04-07-2009	09-11-2009
शुक्र	09-11-2009	09-11-2010
सूर्य	09-11-2010	27-02-2011
चन्द्र	27-02-2011	28-08-2011
मंगल	28-08-2011	03-01-2012

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	03-01-2012	19-09-2012
शनि	19-09-2012	24-07-2013
बुध	24-07-2013	26-04-2014
केतु	26-04-2014	18-08-2014
शुक्र	18-08-2014	09-07-2015
सूर्य	09-07-2015	14-10-2015
चन्द्र	14-10-2015	24-03-2016
मंगल	24-03-2016	16-07-2016
राहु	16-07-2016	04-05-2017



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ३व २म १८दि  
 जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	04-05-2017	05-05-2018
बुध	05-05-2018	29-03-2019
केतु	29-03-2019	11-08-2019
शुक्र	11-08-2019	30-08-2020
सूर्य	30-08-2020	24-12-2020
चन्द्र	24-12-2020	05-07-2021
मंगल	05-07-2021	17-11-2021
राहु	17-11-2021	30-10-2022
गुरु	30-10-2022	03-09-2023

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-09-2023	22-06-2024
केतु	22-06-2024	21-10-2024
शुक्र	21-10-2024	01-10-2025
सूर्य	01-10-2025	13-01-2026
चन्द्र	13-01-2026	04-07-2026
मंगल	04-07-2026	02-11-2026
राहु	02-11-2026	08-09-2027
गुरु	08-09-2027	10-06-2028
शनि	10-06-2028	04-05-2029

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	04-05-2029	23-06-2029
शुक्र	23-06-2029	12-11-2029
सूर्य	12-11-2029	24-12-2029
चन्द्र	24-12-2029	05-03-2030
मंगल	05-03-2030	24-04-2030
राहु	24-04-2030	30-08-2030
गुरु	30-08-2030	22-12-2030
शनि	22-12-2030	05-05-2031
बुध	05-05-2031	03-09-2031

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	03-09-2031	13-10-2032
सूर्य	13-10-2032	12-02-2033
चन्द्र	12-02-2033	03-09-2033
मंगल	03-09-2033	23-01-2034
राहु	23-01-2034	23-01-2035
गुरु	23-01-2035	14-12-2035
शनि	14-12-2035	02-01-2037
बुध	02-01-2037	13-12-2037
केतु	13-12-2037	04-05-2038

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	04-05-2038	10-06-2038
चन्द्र	10-06-2038	10-08-2038
मंगल	10-08-2038	21-09-2038
राहु	21-09-2038	09-01-2039
गुरु	09-01-2039	16-04-2039
शनि	16-04-2039	10-08-2039
बुध	10-08-2039	21-11-2039
केतु	21-11-2039	03-01-2040
शुक्र	03-01-2040	04-05-2040

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-05-2040	13-08-2040
मंगल	13-08-2040	23-10-2040
राहु	23-10-2040	24-04-2041
गुरु	24-04-2041	03-10-2041
शनि	03-10-2041	14-04-2042
बुध	14-04-2042	03-10-2042
केतु	03-10-2042	13-12-2042
शुक्र	13-12-2042	04-07-2043
सूर्य	04-07-2043	03-09-2043

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-09-2043	23-10-2043
राहु	23-10-2043	28-02-2044
गुरु	28-02-2044	20-06-2044
शनि	20-06-2044	02-11-2044
बुध	02-11-2044	03-03-2045
केतु	03-03-2045	22-04-2045
शुक्र	22-04-2045	11-09-2045
सूर्य	11-09-2045	23-10-2045
चन्द्र	23-10-2045	02-01-2046

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	02-01-2046	27-11-2046
गुरु	27-11-2046	15-09-2047
शनि	15-09-2047	27-08-2048
बुध	27-08-2048	04-07-2049
केतु	04-07-2049	09-11-2049
शुक्र	09-11-2049	09-11-2050
सूर्य	09-11-2050	26-02-2051
चन्द्र	26-02-2051	28-08-2051
मंगल	28-08-2051	03-01-2052

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	03-01-2052	19-09-2052
शनि	19-09-2052	24-07-2053
बुध	24-07-2053	26-04-2054
केतु	26-04-2054	18-08-2054
शुक्र	18-08-2054	08-07-2055
सूर्य	08-07-2055	14-10-2055
चन्द्र	14-10-2055	24-03-2056
मंगल	24-03-2056	16-07-2056
राहु	16-07-2056	04-05-2057



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ३व २म १८दि  
 जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	04-05-2057	05-05-2058
बुध	05-05-2058	29-03-2059
केतु	29-03-2059	11-08-2059
शुक्र	11-08-2059	30-08-2060
सूर्य	30-08-2060	24-12-2060
चन्द्र	24-12-2060	05-07-2061
मंगल	05-07-2061	17-11-2061
राहु	17-11-2061	30-10-2062
गुरु	30-10-2062	03-09-2063

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-09-2063	22-06-2064
केतु	22-06-2064	21-10-2064
शुक्र	21-10-2064	01-10-2065
सूर्य	01-10-2065	12-01-2066
चन्द्र	12-01-2066	04-07-2066
मंगल	04-07-2066	02-11-2066
राहु	02-11-2066	08-09-2067
गुरु	08-09-2067	10-06-2068
शनि	10-06-2068	04-05-2069

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	04-05-2069	22-06-2069
शुक्र	22-06-2069	11-11-2069
सूर्य	11-11-2069	24-12-2069
चन्द्र	24-12-2069	05-03-2070
मंगल	05-03-2070	24-04-2070
राहु	24-04-2070	30-08-2070
गुरु	30-08-2070	21-12-2070
शनि	21-12-2070	05-05-2071
बुध	05-05-2071	03-09-2071

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	03-09-2071	13-10-2072
सूर्य	13-10-2072	11-02-2073
चन्द्र	11-02-2073	02-09-2073
मंगल	02-09-2073	22-01-2074
राहु	22-01-2074	23-01-2075
गुरु	23-01-2075	13-12-2075
शनि	13-12-2075	02-01-2077
बुध	02-01-2077	13-12-2077
केतु	13-12-2077	04-05-2078

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	04-05-2078	09-06-2078
चन्द्र	09-06-2078	09-08-2078
मंगल	09-08-2078	21-09-2078
राहु	21-09-2078	08-01-2079
गुरु	08-01-2079	16-04-2079
शनि	16-04-2079	09-08-2079
बुध	09-08-2079	21-11-2079
केतु	21-11-2079	03-01-2080
शुक्र	03-01-2080	03-05-2080

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	03-05-2080	13-08-2080
मंगल	13-08-2080	23-10-2080
राहु	23-10-2080	23-04-2081
गुरु	23-04-2081	03-10-2081
शनि	03-10-2081	14-04-2082
बुध	14-04-2082	03-10-2082
केतु	03-10-2082	13-12-2082
शुक्र	13-12-2082	04-07-2083
सूर्य	04-07-2083	03-09-2083

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	03-09-2083	23-10-2083
राहु	23-10-2083	27-02-2084
गुरु	27-02-2084	20-06-2084
शनि	20-06-2084	02-11-2084
बुध	02-11-2084	03-03-2085
केतु	03-03-2085	21-04-2085
शुक्र	21-04-2085	10-09-2085
सूर्य	10-09-2085	23-10-2085
चन्द्र	23-10-2085	02-01-2086

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	02-01-2086	27-11-2086
गुरु	27-11-2086	15-09-2087
शनि	15-09-2087	27-08-2088
बुध	27-08-2088	03-07-2089
केतु	03-07-2089	08-11-2089
शुक्र	08-11-2089	08-11-2090
सूर्य	08-11-2090	26-02-2091
चन्द्र	26-02-2091	28-08-2091
मंगल	28-08-2091	02-01-2092

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	02-01-2092	18-09-2092
शनि	18-09-2092	24-07-2093
बुध	24-07-2093	26-04-2094
केतु	26-04-2094	17-08-2094
शुक्र	17-08-2094	08-07-2095
सूर्य	08-07-2095	13-10-2095
चन्द्र	13-10-2095	24-03-2096
मंगल	24-03-2096	15-07-2096
राहु	15-07-2096	03-05-2097



## षोडशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य ५व ७म ०दि  
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
मंगल		
गुरु		
शनि		
केतु	16-06-1980	17-03-1981
चन्द्र	17-03-1981	22-09-1982
बुध	22-09-1982	03-05-1984
शुक्र	03-05-1984	16-01-1986

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	16-01-1986	15-04-1987
गुरु	15-04-1987	18-08-1988
शनि	18-08-1988	29-01-1990
केतु	29-01-1990	19-08-1991
चन्द्र	19-08-1991	14-04-1993
बुध	14-04-1993	16-01-1995
शुक्र	16-01-1995	27-11-1996
सूर्य	27-11-1996	16-01-1998

## गुरु (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	16-01-1998	02-07-1999
शनि	02-07-1999	25-01-2001
केतु	25-01-2001	01-10-2002
चन्द्र	01-10-2002	17-07-2004
बुध	17-07-2004	13-06-2006
शुक्र	13-06-2006	19-06-2008
सूर्य	19-06-2008	12-09-2009
मंगल	12-09-2009	16-01-2011

## शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	16-01-2011	24-09-2012
केतु	24-09-2012	18-07-2014
चन्द्र	18-07-2014	22-06-2016
बुध	22-06-2016	11-07-2018
शुक्र	11-07-2018	12-09-2020
सूर्य	12-09-2020	10-01-2022
मंगल	10-01-2022	23-06-2023
गुरु	23-06-2023	16-01-2025

## केतु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	16-01-2025	25-12-2026
चन्द्र	25-12-2026	19-01-2029
बुध	19-01-2029	02-04-2031
शुक्र	02-04-2031	30-07-2033
सूर्य	30-07-2033	31-12-2034
मंगल	31-12-2034	20-07-2036
गुरु	20-07-2036	26-03-2038
शनि	26-03-2038	16-01-2040

## चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	16-01-2040	01-04-2042
बुध	01-04-2042	05-08-2044
शुक्र	05-08-2044	29-01-2047
सूर्य	29-01-2047	05-08-2048
मंगल	05-08-2048	01-04-2050
गुरु	01-04-2050	16-01-2052
शनि	16-01-2052	22-12-2053
केतु	22-12-2053	16-01-2056

## बुध (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	16-01-2056	14-07-2058
शुक्र	14-07-2058	04-03-2061
सूर्य	04-03-2061	13-10-2062
मंगल	13-10-2062	17-07-2064
गुरु	17-07-2064	13-06-2066
शनि	13-06-2066	01-07-2068
केतु	01-07-2068	12-09-2070
चन्द्र	12-09-2070	15-01-2073

## शुक्र (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	15-01-2073	02-11-2075
सूर्य	02-11-2075	17-07-2077
मंगल	17-07-2077	28-05-2079
गुरु	28-05-2079	03-06-2081
शनि	03-06-2081	05-08-2083
केतु	05-08-2083	02-12-2085
चन्द्र	02-12-2085	27-05-2088
बुध	27-05-2088	16-01-2091

## सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	16-01-2091	01-02-2092
मंगल	01-02-2092	22-03-2093
गुरु	22-03-2093	16-06-2094
शनि	16-06-2094	13-10-2095
केतु	13-10-2095	16-03-2097
चन्द्र	16-03-2097	21-09-2098
बुध	21-09-2098	03-05-2100
शुक्र	03-05-2100	16-01-2102



## द्वादशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध ६व ७म ६दि  
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
राहु		
मंगल		
शनि	16-06-1980	27-06-1981
चन्द्र	27-06-1981	05-12-1983
सूर्य	05-12-1983	26-09-1984
गुरु	26-09-1984	13-10-1985
केतु	13-10-1985	22-01-1987

## राहु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	22-01-1987	25-01-1989
मंगल	25-01-1989	07-05-1991
शनि	07-05-1991	21-11-1993
चन्द्र	21-11-1993	13-09-1996
सूर्य	13-09-1996	22-08-1997
गुरु	22-08-1997	05-11-1998
केतु	05-11-1998	26-04-2000
बुध	26-04-2000	22-01-2002

## मंगल (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-01-2002	21-08-2004
शनि	21-08-2004	11-07-2007
चन्द्र	11-07-2007	17-09-2010
सूर्य	17-09-2010	10-10-2011
गुरु	10-10-2011	20-02-2013
केतु	20-02-2013	23-10-2014
बुध	23-10-2014	12-10-2016
राहु	12-10-2016	22-01-2019

## शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	22-01-2019	13-04-2022
चन्द्र	13-04-2022	04-11-2025
सूर्य	04-11-2025	12-01-2027
गुरु	12-01-2027	23-07-2028
केतु	23-07-2028	04-06-2030
बुध	04-06-2030	18-08-2032
राहु	18-08-2032	05-03-2035
मंगल	05-03-2035	22-01-2038

## चन्द्र (21व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	22-01-2038	30-12-2041
सूर्य	30-12-2041	23-04-2043
गुरु	23-04-2043	30-12-2044
केतु	30-12-2044	22-01-2047
बुध	22-01-2047	30-06-2049
राहु	30-06-2049	22-04-2052
मंगल	22-04-2052	01-07-2055
शनि	01-07-2055	22-01-2059

## सूर्य (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	22-01-2059	01-07-2059
गुरु	01-07-2059	22-01-2060
केतु	22-01-2060	29-09-2060
बुध	29-09-2060	23-07-2061
राहु	23-07-2061	30-06-2062
मंगल	30-06-2062	23-07-2063
शनि	23-07-2063	29-09-2064
चन्द्र	29-09-2064	21-01-2066

## गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	21-01-2066	13-10-2066
केतु	13-10-2066	31-08-2067
बुध	31-08-2067	16-09-2068
राहु	16-09-2068	30-11-2069
मंगल	30-11-2069	13-04-2071
शनि	13-04-2071	22-10-2072
चन्द्र	22-10-2072	30-06-2074
सूर्य	30-06-2074	22-01-2075

## केतु (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	22-01-2075	20-02-2076
बुध	20-02-2076	01-06-2077
राहु	01-06-2077	21-11-2078
मंगल	21-11-2078	22-07-2080
शनि	22-07-2080	04-06-2082
चन्द्र	04-06-2082	26-06-2084
सूर्य	26-06-2084	04-03-2085
गुरु	04-03-2085	21-01-2086

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-01-2086	26-07-2087
राहु	26-07-2087	22-04-2089
मंगल	22-04-2089	13-04-2091
शनि	13-04-2091	27-06-2093
चन्द्र	27-06-2093	04-12-2095
सूर्य	04-12-2095	26-09-2096
गुरु	26-09-2096	12-10-2097
केतु	12-10-2097	21-01-2099



## द्विसप्ततिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य ४व म २४दि  
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल		
बुध	16-06-1980	12-07-1980
गुरु	12-07-1980	27-08-1981
शुक्र	27-08-1981	11-10-1982
शनि	11-10-1982	26-11-1983
राहु	26-11-1983	10-01-1985

## चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-01-1985	25-02-1986
मंगल	25-02-1986	12-04-1987
बुध	12-04-1987	27-05-1988
गुरु	27-05-1988	12-07-1989
शुक्र	12-07-1989	27-08-1990
शनि	27-08-1990	12-10-1991
राहु	12-10-1991	26-11-1992
सूर्य	26-11-1992	10-01-1994

## मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-01-1994	25-02-1995
बुध	25-02-1995	11-04-1996
गुरु	11-04-1996	27-05-1997
शुक्र	27-05-1997	12-07-1998
शनि	12-07-1998	27-08-1999
राहु	27-08-1999	11-10-2000
सूर्य	11-10-2000	26-11-2001
चन्द्र	26-11-2001	11-01-2003

## बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	11-01-2003	26-02-2004
गुरु	26-02-2004	11-04-2005
शुक्र	11-04-2005	27-05-2006
शनि	27-05-2006	12-07-2007
राहु	12-07-2007	26-08-2008
सूर्य	26-08-2008	11-10-2009
चन्द्र	11-10-2009	26-11-2010
मंगल	26-11-2010	11-01-2012

## गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	11-01-2012	25-02-2013
शुक्र	25-02-2013	12-04-2014
शनि	12-04-2014	27-05-2015
राहु	27-05-2015	11-07-2016
सूर्य	11-07-2016	26-08-2017
चन्द्र	26-08-2017	11-10-2018
मंगल	11-10-2018	26-11-2019
बुध	26-11-2019	10-01-2021

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-01-2021	25-02-2022
शनि	25-02-2022	12-04-2023
राहु	12-04-2023	27-05-2024
सूर्य	27-05-2024	12-07-2025
चन्द्र	12-07-2025	26-08-2026
मंगल	26-08-2026	11-10-2027
बुध	11-10-2027	25-11-2028
गुरु	25-11-2028	10-01-2030

## शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	10-01-2030	25-02-2031
राहु	25-02-2031	11-04-2032
सूर्य	11-04-2032	27-05-2033
चन्द्र	27-05-2033	12-07-2034
मंगल	12-07-2034	27-08-2035
बुध	27-08-2035	11-10-2036
गुरु	11-10-2036	25-11-2037
शुक्र	25-11-2037	10-01-2039

## राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	10-01-2039	25-02-2040
सूर्य	25-02-2040	11-04-2041
चन्द्र	11-04-2041	27-05-2042
मंगल	27-05-2042	12-07-2043
बुध	12-07-2043	26-08-2044
गुरु	26-08-2044	11-10-2045
शुक्र	11-10-2045	26-11-2046
शनि	26-11-2046	11-01-2048

## सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	11-01-2048	24-02-2049
चन्द्र	24-02-2049	11-04-2050
मंगल	11-04-2050	27-05-2051
बुध	27-05-2051	11-07-2052
गुरु	11-07-2052	26-08-2053
शुक्र	26-08-2053	11-10-2054
शनि	11-10-2054	26-11-2055
राहु	26-11-2055	10-01-2057



## द्विसप्तति समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 4व 6म 24दि  
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## चन्द्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-01-2057	25-02-2058
मंगल	25-02-2058	11-04-2059
बुध	11-04-2059	26-05-2060
गुरु	26-05-2060	11-07-2061
शुक्र	11-07-2061	26-08-2062
शनि	26-08-2062	11-10-2063
राहु	11-10-2063	25-11-2064
सूर्य	25-11-2064	10-01-2066

## मंगल (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-01-2066	25-02-2067
बुध	25-02-2067	11-04-2068
गुरु	11-04-2068	27-05-2069
शुक्र	27-05-2069	11-07-2070
शनि	11-07-2070	26-08-2071
राहु	26-08-2071	10-10-2072
सूर्य	10-10-2072	25-11-2073
चन्द्र	25-11-2073	10-01-2075

## बुध (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-01-2075	25-02-2076
गुरु	25-02-2076	11-04-2077
शुक्र	11-04-2077	27-05-2078
शनि	27-05-2078	12-07-2079
राहु	12-07-2079	26-08-2080
सूर्य	26-08-2080	10-10-2081
चन्द्र	10-10-2081	25-11-2082
मंगल	25-11-2082	10-01-2084

## गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	10-01-2084	24-02-2085
शुक्र	24-02-2085	11-04-2086
शनि	11-04-2086	27-05-2087
राहु	27-05-2087	11-07-2088
सूर्य	11-07-2088	26-08-2089
चन्द्र	26-08-2089	11-10-2090
मंगल	11-10-2090	26-11-2091
बुध	26-11-2091	09-01-2093

## शुक्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	09-01-2093	24-02-2094
शनि	24-02-2094	11-04-2095
राहु	11-04-2095	26-05-2096
सूर्य	26-05-2096	11-07-2097
चन्द्र	11-07-2097	26-08-2098
मंगल	26-08-2098	11-10-2099
बुध	11-10-2099	26-11-2100
गुरु	26-11-2100	11-01-2102

## शनि (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	11-01-2102	26-02-2103
राहु	26-02-2103	11-04-2104
सूर्य	11-04-2104	27-05-2105
चन्द्र	27-05-2105	12-07-2106
मंगल	12-07-2106	27-08-2107
बुध	27-08-2107	11-10-2108
गुरु	11-10-2108	26-11-2109
शुक्र	26-11-2109	11-01-2111

## राहु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	11-01-2111	26-02-2112
सूर्य	26-02-2112	12-04-2113
चन्द्र	12-04-2113	27-05-2114
मंगल	27-05-2114	12-07-2115
बुध	12-07-2115	26-08-2116
गुरु	26-08-2116	11-10-2117
शुक्र	11-10-2117	26-11-2118
शनि	26-11-2118	11-01-2120

## सूर्य (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	11-01-2120	25-02-2121
चन्द्र	25-02-2121	12-04-2122
मंगल	12-04-2122	28-05-2123
बुध	28-05-2123	12-07-2124
गुरु	12-07-2124	26-08-2125
शुक्र	26-08-2125	11-10-2126
शनि	11-10-2126	26-11-2127
राहु	26-11-2127	10-01-2129

## चन्द्र (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-01-2129	25-02-2130
मंगल	25-02-2130	12-04-2131
बुध	12-04-2131	27-05-2132
गुरु	27-05-2132	12-07-2133
शुक्र	12-07-2133	27-08-2134
शनि	27-08-2134	12-10-2135
राहु	12-10-2135	25-11-2136
सूर्य	25-11-2136	10-01-2138



## षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल ८व ४म ९दि  
 जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

## मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	16-06-1980	25-06-1980
चन्द्र	25-06-1980	26-06-1981
बुध	26-06-1981	26-06-1982
शुक्र	26-06-1982	26-06-1983
शनि	26-06-1983	25-06-1984
राहु	25-06-1984	26-06-1985
गुरु	26-06-1985	24-02-1987
सूर्य	24-02-1987	25-10-1988

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-10-1988	01-06-1989
बुध	01-06-1989	06-01-1990
शुक्र	06-01-1990	13-08-1990
शनि	13-08-1990	21-03-1991
राहु	21-03-1991	26-10-1991
गुरु	26-10-1991	25-10-1992
सूर्य	25-10-1992	25-10-1993
मंगल	25-10-1993	25-10-1994

## बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	25-10-1994	02-06-1995
शुक्र	02-06-1995	07-01-1996
शनि	07-01-1996	13-08-1996
राहु	13-08-1996	20-03-1997
गुरु	20-03-1997	20-03-1998
सूर्य	20-03-1998	21-03-1999
मंगल	21-03-1999	20-03-2000
चन्द्र	20-03-2000	25-10-2000

## शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	25-10-2000	01-06-2001
शनि	01-06-2001	06-01-2002
राहु	06-01-2002	13-08-2002
गुरु	13-08-2002	14-08-2003
सूर्य	14-08-2003	13-08-2004
मंगल	13-08-2004	13-08-2005
चन्द्र	13-08-2005	20-03-2006
बुध	20-03-2006	25-10-2006

## शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	25-10-2006	01-06-2007
राहु	01-06-2007	07-01-2008
गुरु	07-01-2008	06-01-2009
सूर्य	06-01-2009	06-01-2010
मंगल	06-01-2010	06-01-2011
चन्द्र	06-01-2011	14-08-2011
बुध	14-08-2011	20-03-2012
शुक्र	20-03-2012	25-10-2012

## राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	25-10-2012	01-06-2013
गुरु	01-06-2013	01-06-2014
सूर्य	01-06-2014	01-06-2015
मंगल	01-06-2015	01-06-2016
चन्द्र	01-06-2016	06-01-2017
बुध	06-01-2017	13-08-2017
शुक्र	13-08-2017	20-03-2018
शनि	20-03-2018	25-10-2018

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	25-10-2018	25-06-2020
सूर्य	25-06-2020	24-02-2022
मंगल	24-02-2022	25-10-2023
चन्द्र	25-10-2023	25-10-2024
बुध	25-10-2024	25-10-2025
शुक्र	25-10-2025	25-10-2026
शनि	25-10-2026	25-10-2027
राहु	25-10-2027	25-10-2028

## सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	25-10-2028	25-06-2030
मंगल	25-06-2030	24-02-2032
चन्द्र	24-02-2032	23-02-2033
बुध	23-02-2033	24-02-2034
शुक्र	24-02-2034	24-02-2035
शनि	24-02-2035	24-02-2036
राहु	24-02-2036	23-02-2037
गुरु	23-02-2037	25-10-2038

## मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	25-10-2038	25-06-2040
चन्द्र	25-06-2040	25-06-2041
बुध	25-06-2041	25-06-2042
शुक्र	25-06-2042	26-06-2043
शनि	26-06-2043	25-06-2044
राहु	25-06-2044	25-06-2045
गुरु	25-06-2045	24-02-2047
सूर्य	24-02-2047	25-10-2048



## षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 8व 4म 9दि  
 जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-10-2048	01-06-2049
बुध	01-06-2049	06-01-2050
शुक्र	06-01-2050	13-08-2050
शनि	13-08-2050	20-03-2051
राहु	20-03-2051	25-10-2051
गुरु	25-10-2051	24-10-2052
सूर्य	24-10-2052	25-10-2053
मंगल	25-10-2053	25-10-2054

## बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	25-10-2054	01-06-2055
शुक्र	01-06-2055	06-01-2056
शनि	06-01-2056	12-08-2056
राहु	12-08-2056	20-03-2057
गुरु	20-03-2057	20-03-2058
सूर्य	20-03-2058	20-03-2059
मंगल	20-03-2059	19-03-2060
चन्द्र	19-03-2060	24-10-2060

## शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-10-2060	01-06-2061
शनि	01-06-2061	06-01-2062
राहु	06-01-2062	13-08-2062
गुरु	13-08-2062	13-08-2063
सूर्य	13-08-2063	12-08-2064
मंगल	12-08-2064	13-08-2065
चन्द्र	13-08-2065	20-03-2066
बुध	20-03-2066	25-10-2066

## शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	25-10-2066	01-06-2067
राहु	01-06-2067	06-01-2068
गुरु	06-01-2068	05-01-2069
सूर्य	05-01-2069	06-01-2070
मंगल	06-01-2070	06-01-2071
चन्द्र	06-01-2071	13-08-2071
बुध	13-08-2071	19-03-2072
शुक्र	19-03-2072	24-10-2072

## राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	24-10-2072	31-05-2073
गुरु	31-05-2073	01-06-2074
सूर्य	01-06-2074	01-06-2075
मंगल	01-06-2075	31-05-2076
चन्द्र	31-05-2076	05-01-2077
बुध	05-01-2077	13-08-2077
शुक्र	13-08-2077	20-03-2078
शनि	20-03-2078	25-10-2078

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	25-10-2078	25-06-2080
सूर्य	25-06-2080	23-02-2082
मंगल	23-02-2082	25-10-2083
चन्द्र	25-10-2083	24-10-2084
बुध	24-10-2084	24-10-2085
शुक्र	24-10-2085	25-10-2086
शनि	25-10-2086	25-10-2087
राहु	25-10-2087	24-10-2088

## सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-10-2088	25-06-2090
मंगल	25-06-2090	24-02-2092
चन्द्र	24-02-2092	23-02-2093
बुध	23-02-2093	23-02-2094
शुक्र	23-02-2094	23-02-2095
शनि	23-02-2095	24-02-2096
राहु	24-02-2096	23-02-2097
गुरु	23-02-2097	25-10-2098

## मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	25-10-2098	25-06-2100
चन्द्र	25-06-2100	26-06-2101
बुध	26-06-2101	26-06-2102
शुक्र	26-06-2102	26-06-2103
शनि	26-06-2103	25-06-2104
राहु	25-06-2104	26-06-2105
गुरु	26-06-2105	24-02-2107
सूर्य	24-02-2107	25-10-2108

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-10-2108	01-06-2109
बुध	01-06-2109	06-01-2110
शुक्र	06-01-2110	13-08-2110
शनि	13-08-2110	21-03-2111
राहु	21-03-2111	26-10-2111
गुरु	26-10-2111	25-10-2112
सूर्य	25-10-2112	25-10-2113
मंगल	25-10-2113	26-10-2114



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ३व ०म १८दि  
 जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
शुक्र		
राहु 16-06-1980	02-01-1981	
चन्द्र 02-01-1981	04-03-1981	
सूर्य 04-03-1981	03-07-1981	
गुरु 03-07-1981	02-01-1982	
मंगल 02-01-1982	02-09-1982	
बुध 02-09-1982	04-07-1983	

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	04-07-1983	12-11-1984
राहु	12-11-1984	03-06-1986
चन्द्र	03-06-1986	13-08-1986
सूर्य	13-08-1986	02-01-1987
गुरु	02-01-1987	03-08-1987
मंगल	03-08-1987	13-05-1988
बुध	13-05-1988	03-05-1989
शनि	03-05-1989	03-07-1990

## राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-07-1990	13-04-1992
चन्द्र	13-04-1992	03-07-1992
सूर्य	03-07-1992	12-12-1992
गुरु	12-12-1992	13-08-1993
मंगल	13-08-1993	03-07-1994
बुध	03-07-1994	13-08-1995
शनि	13-08-1995	12-12-1996
शुक्र	12-12-1996	03-07-1998

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र 03-07-1998	14-07-1998	
सूर्य 14-07-1998	03-08-1998	
गुरु 03-08-1998	02-09-1998	
मंगल 02-09-1998	13-10-1998	
बुध 13-10-1998	03-12-1998	
शनि 03-12-1998	01-02-1999	
शुक्र 01-02-1999	13-04-1999	
राहु 13-04-1999	04-07-1999	

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य 04-07-1999	13-08-1999	
गुरु 13-08-1999	13-10-1999	
मंगल 13-10-1999	02-01-2000	
बुध 02-01-2000	13-04-2000	
शनि 13-04-2000	12-08-2000	
शुक्र 12-08-2000	01-01-2001	
राहु 01-01-2001	13-06-2001	
चन्द्र 13-06-2001	03-07-2001	

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु 03-07-2001	02-10-2001	
मंगल 02-10-2001	01-02-2002	
बुध 01-02-2002	03-07-2002	
शनि 03-07-2002	02-01-2003	
शुक्र 02-01-2003	03-08-2003	
राहु 03-08-2003	03-04-2004	
चन्द्र 03-04-2004	03-05-2004	
सूर्य 03-05-2004	03-07-2004	

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल 03-07-2004	12-12-2004	
बुध 12-12-2004	03-07-2005	
शनि 03-07-2005	04-03-2006	
शुक्र 04-03-2006	13-12-2006	
राहु 13-12-2006	02-11-2007	
चन्द्र 02-11-2007	13-12-2007	
सूर्य 13-12-2007	03-03-2008	
गुरु 03-03-2008	03-07-2008	

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध 03-07-2008	13-03-2009	
शनि 13-03-2009	12-01-2010	
शुक्र 12-01-2010	02-01-2011	
राहु 02-01-2011	12-02-2012	
चन्द्र 12-02-2012	02-04-2012	
सूर्य 02-04-2012	13-07-2012	
गुरु 13-07-2012	12-12-2012	
मंगल 12-12-2012	03-07-2013	

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि 03-07-2013	03-07-2014	
शुक्र 03-07-2014	02-09-2015	
राहु 02-09-2015	01-01-2017	
चन्द्र 01-01-2017	03-03-2017	
सूर्य 03-03-2017	03-07-2017	
गुरु 03-07-2017	02-01-2018	
मंगल 02-01-2018	02-09-2018	
बुध 02-09-2018	03-07-2019	



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ३व ०८ १८दि  
 भोग्य दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शुक्र (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	०३-०७-२०१९	१२-११-२०२०
राहु	१२-११-२०२०	०३-०६-२०२२
चन्द्र	०३-०६-२०२२	१३-०८-२०२२
सूर्य	१३-०८-२०२२	०२-०१-२०२३
गुरु	०२-०१-२०२३	०३-०८-२०२३
मंगल	०३-०८-२०२३	१३-०५-२०२४
बुध	१३-०५-२०२४	०३-०५-२०२५
शनि	०३-०५-२०२५	०३-०७-२०२६

## राहु (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	०३-०७-२०२६	१२-०४-२०२८
चन्द्र	१२-०४-२०२८	०३-०७-२०२८
सूर्य	०३-०७-२०२८	१२-१२-२०२८
गुरु	१२-१२-२०२८	१२-०८-२०२९
मंगल	१२-०८-२०२९	०३-०७-२०३०
बुध	०३-०७-२०३०	१३-०८-२०३१
शनि	१३-०८-२०३१	१२-१२-२०३२
शुक्र	१२-१२-२०३२	०३-०७-२०३४

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	०३-०७-२०३४	१३-०७-२०३४
सूर्य	१३-०७-२०३४	०३-०८-२०३४
गुरु	०३-०८-२०३४	०२-०९-२०३४
मंगल	०२-०९-२०३४	१३-१०-२०३४
बुध	१३-१०-२०३४	०२-१२-२०३४
शनि	०२-१२-२०३४	०१-०२-२०३५
शुक्र	०१-०२-२०३५	१३-०४-२०३५
राहु	१३-०४-२०३५	०३-०७-२०३५

## सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	०३-०७-२०३५	१३-०८-२०३५
गुरु	१३-०८-२०३५	१३-१०-२०३५
मंगल	१३-१०-२०३५	०२-०१-२०३६
बुध	०२-०१-२०३६	१२-०४-२०३६
शनि	१२-०४-२०३६	१२-०८-२०३६
शुक्र	१२-०८-२०३६	०१-०१-२०३७
राहु	०१-०१-२०३७	१३-०६-२०३७
चन्द्र	१३-०६-२०३७	०३-०७-२०३७

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	०३-०७-२०३७	०२-१०-२०३७
मंगल	०२-१०-२०३७	०१-०२-२०३८
बुध	०१-०२-२०३८	०३-०७-२०३८
शनि	०३-०७-२०३८	०२-०१-२०३९
शुक्र	०२-०१-२०३९	०३-०८-२०३९
राहु	०३-०८-२०३९	०२-०४-२०४०
चन्द्र	०२-०४-२०४०	०३-०५-२०४०
सूर्य	०३-०५-२०४०	०३-०७-२०४०

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	०३-०७-२०४०	१२-१२-२०४०
बुध	१२-१२-२०४०	०३-०७-२०४१
शनि	०३-०७-२०४१	०३-०३-२०४२
शुक्र	०३-०३-२०४२	१२-१२-२०४२
राहु	१२-१२-२०४२	०२-११-२०४३
चन्द्र	०२-११-२०४३	१३-१२-२०४३
सूर्य	१३-१२-२०४३	०३-०३-२०४४
गुरु	०३-०३-२०४४	०३-०७-२०४४

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	०३-०७-२०४४	१३-०३-२०४५
शनि	१३-०३-२०४५	१२-०१-२०४६
शुक्र	१२-०१-२०४६	०२-०१-२०४७
राहु	०२-०१-२०४७	११-०२-२०४८
चन्द्र	११-०२-२०४८	०२-०४-२०४८
सूर्य	०२-०४-२०४८	१३-०७-२०४८
गुरु	१३-०७-२०४८	१२-१२-२०४८
मंगल	१२-१२-२०४८	०३-०७-२०४९

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	०३-०७-२०४९	०३-०७-२०५०
शुक्र	०३-०७-२०५०	०२-०९-२०५१
राहु	०२-०९-२०५१	०१-०१-२०५३
चन्द्र	०१-०१-२०५३	०३-०३-२०५३
सूर्य	०३-०३-२०५३	०३-०७-२०५३
गुरु	०३-०७-२०५३	०१-०१-२०५४
मंगल	०१-०१-२०५४	०२-०९-२०५४
बुध	०२-०९-२०५४	०३-०७-२०५५

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	०३-०७-२०५५	११-११-२०५६
राहु	११-११-२०५६	०२-०६-२०५८
चन्द्र	०२-०६-२०५८	१२-०८-२०५८
सूर्य	१२-०८-२०५८	०२-०१-२०५९
गुरु	०२-०१-२०५९	०३-०८-२०५९
मंगल	०३-०८-२०५९	१३-०५-२०६०
बुध	१३-०५-२०६०	०३-०५-२०६१
शनि	०३-०५-२०६१	०३-०७-२०६२



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ३व ०उ १८क  
जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## राहु (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-07-2062	12-04-2064
चन्द्र	12-04-2064	02-07-2064
सूर्य	02-07-2064	12-12-2064
गुरु	12-12-2064	12-08-2065
मंगल	12-08-2065	03-07-2066
बुध	03-07-2066	13-08-2067
शनि	13-08-2067	12-12-2068
शुक्र	12-12-2068	03-07-2070

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	03-07-2070	13-07-2070
सूर्य	13-07-2070	02-08-2070
गुरु	02-08-2070	02-09-2070
मंगल	02-09-2070	12-10-2070
बुध	12-10-2070	02-12-2070
शनि	02-12-2070	01-02-2071
शुक्र	01-02-2071	13-04-2071
राहु	13-04-2071	03-07-2071

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	03-07-2071	13-08-2071
गुरु	13-08-2071	13-10-2071
मंगल	13-10-2071	02-01-2072
बुध	02-01-2072	12-04-2072
शनि	12-04-2072	12-08-2072
शुक्र	12-08-2072	01-01-2073
राहु	01-01-2073	12-06-2073
चन्द्र	12-06-2073	03-07-2073

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	03-07-2073	02-10-2073
मंगल	02-10-2073	01-02-2074
बुध	01-02-2074	03-07-2074
शनि	03-07-2074	01-01-2075
शुक्र	01-01-2075	02-08-2075
राहु	02-08-2075	02-04-2076
चन्द्र	02-04-2076	02-05-2076
सूर्य	02-05-2076	02-07-2076

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	02-07-2076	12-12-2076
बुध	12-12-2076	03-07-2077
शनि	03-07-2077	03-03-2078
शुक्र	03-03-2078	12-12-2078
राहु	12-12-2078	02-11-2079
चन्द्र	02-11-2079	12-12-2079
सूर्य	12-12-2079	02-03-2080
गुरु	02-03-2080	02-07-2080

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-07-2080	13-03-2081
शनि	13-03-2081	11-01-2082
शुक्र	11-01-2082	01-01-2083
राहु	01-01-2083	11-02-2084
चन्द्र	11-02-2084	02-04-2084
सूर्य	02-04-2084	12-07-2084
गुरु	12-07-2084	12-12-2084
मंगल	12-12-2084	02-07-2085

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	02-07-2085	03-07-2086
शुक्र	03-07-2086	02-09-2087
राहु	02-09-2087	01-01-2089
चन्द्र	01-01-2089	03-03-2089
सूर्य	03-03-2089	02-07-2089
गुरु	02-07-2089	01-01-2090
मंगल	01-01-2090	02-09-2090
बुध	02-09-2090	03-07-2091

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	03-07-2091	11-11-2092
राहु	11-11-2092	02-06-2094
चन्द्र	02-06-2094	12-08-2094
सूर्य	12-08-2094	01-01-2095
गुरु	01-01-2095	02-08-2095
मंगल	02-08-2095	12-05-2096
बुध	12-05-2096	02-05-2097
शनि	02-05-2097	03-07-2098

## राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-07-2098	13-04-2100
चन्द्र	13-04-2100	03-07-2100
सूर्य	03-07-2100	12-12-2100
गुरु	12-12-2100	13-08-2101
मंगल	13-08-2101	04-07-2102
बुध	04-07-2102	13-08-2103
शनि	13-08-2103	12-12-2104
शुक्र	12-12-2104	04-07-2106



## पंचोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ८व १म १५दि  
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

## शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
चन्द्र		
गुरु		
सूर्य	16-06-1980	08-03-1982
बुध	08-03-1982	01-03-1984
शनि	01-03-1984	19-04-1986
मंगल	19-04-1986	01-08-1988

## चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	01-08-1988	03-05-1991
गुरु	03-05-1991	02-04-1994
सूर्य	02-04-1994	11-03-1996
बुध	11-03-1996	19-04-1998
शनि	19-04-1998	25-07-2000
मंगल	25-07-2000	29-12-2002
शुक्र	29-12-2002	01-08-2005

## गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	01-08-2005	01-09-2008
सूर्य	01-09-2008	22-09-2010
बुध	22-09-2010	14-12-2012
शनि	14-12-2012	10-05-2015
मंगल	10-05-2015	04-12-2017
शुक्र	04-12-2017	01-09-2020
चन्द्र	01-09-2020	01-08-2023

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	01-08-2023	14-12-2024
बुध	14-12-2024	10-06-2026
शनि	10-06-2026	15-01-2028
मंगल	15-01-2028	02-10-2029
शुक्र	02-10-2029	01-08-2031
चन्द्र	01-08-2031	11-07-2033
गुरु	11-07-2033	01-08-2035

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-08-2035	11-03-2037
शनि	11-03-2037	04-12-2038
मंगल	04-12-2038	12-10-2040
शुक्र	12-10-2040	06-10-2042
चन्द्र	06-10-2042	13-11-2044
गुरु	13-11-2044	05-02-2047
सूर्य	05-02-2047	31-07-2048

## शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	31-07-2048	13-06-2050
मंगल	13-06-2050	13-06-2052
शुक्र	13-06-2052	01-08-2054
चन्द्र	01-08-2054	06-11-2056
गुरु	06-11-2056	01-04-2059
सूर्य	01-04-2059	06-11-2060
बुध	06-11-2060	01-08-2062

## मंगल (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	01-08-2062	21-09-2064
शुक्र	21-09-2064	04-01-2067
चन्द्र	04-01-2067	09-06-2069
गुरु	09-06-2069	04-01-2072
सूर्य	04-01-2072	22-09-2073
बुध	22-09-2073	01-08-2075
शनि	01-08-2075	31-07-2077

## शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	31-07-2077	08-01-2080
चन्द्र	08-01-2080	11-08-2082
गुरु	11-08-2082	09-05-2085
सूर्य	09-05-2085	08-03-2087
बुध	08-03-2087	28-02-2089
शनि	28-02-2089	18-04-2091
मंगल	18-04-2091	31-07-2093

## चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	31-07-2093	02-05-2096
गुरु	02-05-2096	01-04-2099
सूर्य	01-04-2099	12-03-2101
बुध	12-03-2101	19-04-2103
शनि	19-04-2103	25-07-2105
मंगल	25-07-2105	29-12-2107
शुक्र	29-12-2107	01-08-2110



## शताब्दीका महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र २व ६म १४दि  
 जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

## चन्द्र (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
शुक्र		
बुध		
गुरु		
मंगल	16-06-1980	31-03-1981
शनि	31-03-1981	30-09-1982
सूर्य	30-09-1982	30-12-1982

## शुक्र (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	30-12-1982	30-12-1983
बुध	30-12-1983	30-12-1984
गुरु	30-12-1984	30-12-1986
मंगल	30-12-1986	30-12-1988
शनि	30-12-1988	30-12-1991
सूर्य	30-12-1991	30-06-1992
चन्द्र	30-06-1992	30-12-1992

## बुध (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	30-12-1992	30-12-1993
गुरु	30-12-1993	30-12-1995
मंगल	30-12-1995	30-12-1997
शनि	30-12-1997	30-12-2000
सूर्य	30-12-2000	30-06-2001
चन्द्र	30-06-2001	30-12-2001
शुक्र	30-12-2001	30-12-2002

## गुरु (२०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	30-12-2002	30-12-2006
मंगल	30-12-2006	30-12-2010
शनि	30-12-2010	29-12-2016
सूर्य	29-12-2016	30-12-2017
चन्द्र	30-12-2017	30-12-2018
शुक्र	30-12-2018	29-12-2020
बुध	29-12-2020	30-12-2022

## मंगल (२०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	30-12-2022	30-12-2026
शनि	30-12-2026	29-12-2032
सूर्य	29-12-2032	30-12-2033
चन्द्र	30-12-2033	30-12-2034
शुक्र	30-12-2034	29-12-2036
बुध	29-12-2036	30-12-2038
गुरु	30-12-2038	30-12-2042

## शनि (३०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-12-2042	30-12-2051
सूर्य	30-12-2051	30-06-2053
चन्द्र	30-06-2053	30-12-2054
शुक्र	30-12-2054	29-12-2057
बुध	29-12-2057	29-12-2060
गुरु	29-12-2060	30-12-2066
मंगल	30-12-2066	29-12-2072

## सूर्य (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	29-12-2072	30-03-2073
चन्द्र	30-03-2073	30-06-2073
शुक्र	30-06-2073	29-12-2073
बुध	29-12-2073	30-06-2074
गुरु	30-06-2074	30-06-2075
मंगल	30-06-2075	29-06-2076
शनि	29-06-2076	29-12-2077

## चन्द्र (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	29-12-2077	31-03-2078
शुक्र	31-03-2078	29-09-2078
बुध	29-09-2078	31-03-2079
गुरु	31-03-2079	30-03-2080
मंगल	30-03-2080	30-03-2081
शनि	30-03-2081	29-09-2082
सूर्य	29-09-2082	29-12-2082

## शुक्र (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	29-12-2082	30-12-2083
बुध	30-12-2083	29-12-2084
गुरु	29-12-2084	29-12-2086
मंगल	29-12-2086	29-12-2088
शनि	29-12-2088	30-12-2091
सूर्य	30-12-2091	29-06-2092
चन्द्र	29-06-2092	29-12-2092



## चतुर्शीतिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ६व १म ५दि  
 जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल	16-06-1980	29-05-1981
बुध	29-05-1981	15-02-1983
गुरु	15-02-1983	02-11-1984
शुक्र	02-11-1984	21-07-1986

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	21-07-1986	07-04-1988
चन्द्र	07-04-1988	24-12-1989
मंगल	24-12-1989	11-09-1991
बुध	11-09-1991	29-05-1993
गुरु	29-05-1993	14-02-1995
शुक्र	14-02-1995	02-11-1996
शनि	02-11-1996	21-07-1998

## चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	21-07-1998	07-04-2000
मंगल	07-04-2000	24-12-2001
बुध	24-12-2001	11-09-2003
गुरु	11-09-2003	29-05-2005
शुक्र	29-05-2005	14-02-2007
शनि	14-02-2007	01-11-2008
सूर्य	01-11-2008	21-07-2010

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-07-2010	07-04-2012
बुध	07-04-2012	24-12-2013
गुरु	24-12-2013	11-09-2015
शुक्र	11-09-2015	29-05-2017
शनि	29-05-2017	14-02-2019
सूर्य	14-02-2019	01-11-2020
चन्द्र	01-11-2020	21-07-2022

## बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-07-2022	07-04-2024
गुरु	07-04-2024	24-12-2025
शुक्र	24-12-2025	11-09-2027
शनि	11-09-2027	29-05-2029
सूर्य	29-05-2029	14-02-2031
चन्द्र	14-02-2031	01-11-2032
मंगल	01-11-2032	20-07-2034

## गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-07-2034	07-04-2036
शुक्र	07-04-2036	24-12-2037
शनि	24-12-2037	11-09-2039
सूर्य	11-09-2039	29-05-2041
चन्द्र	29-05-2041	14-02-2043
मंगल	14-02-2043	01-11-2044
बुध	01-11-2044	20-07-2046

## शुक्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	20-07-2046	06-04-2048
शनि	06-04-2048	24-12-2049
सूर्य	24-12-2049	11-09-2051
चन्द्र	11-09-2051	29-05-2053
मंगल	29-05-2053	14-02-2055
बुध	14-02-2055	01-11-2056
गुरु	01-11-2056	20-07-2058

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	20-07-2058	06-04-2060
सूर्य	06-04-2060	23-12-2061
चन्द्र	23-12-2061	11-09-2063
मंगल	11-09-2063	29-05-2065
बुध	29-05-2065	14-02-2067
गुरु	14-02-2067	01-11-2068
शुक्र	01-11-2068	20-07-2070

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-07-2070	06-04-2072
चन्द्र	06-04-2072	23-12-2073
मंगल	23-12-2073	11-09-2075
बुध	11-09-2075	29-05-2077
गुरु	29-05-2077	14-02-2079
शुक्र	14-02-2079	01-11-2080
शनि	01-11-2080	20-07-2082



## शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः।  
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुःखैर्युतो भवेत्॥

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि कर्क है, अतः शनि जब मिथुन, कर्क व सिंह राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन द्वैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढाई वर्षों तक चलता है।

प्रायः जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

साढ़ेसाती चक्र	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	सर्व
<b>प्रथम चक्र की साढ़े साती</b>						
प्रथम द्वैया (जन्म राशि से द्वादश)	मिथुन			--	4	32
	मिथुन (व)			--		
<b>द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)	कर्क			--	4	21
	कर्क (व)			--		
<b>तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)	सिंह			--	1	28
	सिंह (व)	27-07-1980	0-1-12			
<b>द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती</b>						
प्रथम द्वैया (जन्म राशि से द्वादश)	मिथुन	23-07-2002	08-01-2003	0-5-15	4	32
	मिथुन (व)	07-04-2003	05-09-2004	1-4-28		
<b>द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)	कर्क	05-09-2004	13-01-2005	0-4-8	4	21
	कर्क (व)	26-05-2005	01-11-2006	1-5-5		
<b>तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)	सिंह	01-11-2006	10-01-2007	0-2-9	1	28
	सिंह (व)	15-07-2007	09-09-2009	2-1-24		
<b>तृतीय चक्र की साढ़ेसाती</b>						
प्रथम द्वैया (जन्म राशि से द्वादश)	मिथुन	30-05-2032	12-07-2034	2-1-12	4	32
	मिथुन (व)			--		
<b>द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय द्वैया (जन्म राशि पर)	कर्क	12-07-2034	27-08-2036	2-1-15	4	21
	कर्क (व)			--		
<b>तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय द्वैया (जन्म राशि से द्वितीय)	सिंह	27-08-2036	22-10-2038	2-1-25	1	28
	सिंह (व)	05-04-2039	12-07-2039	0-3-7		

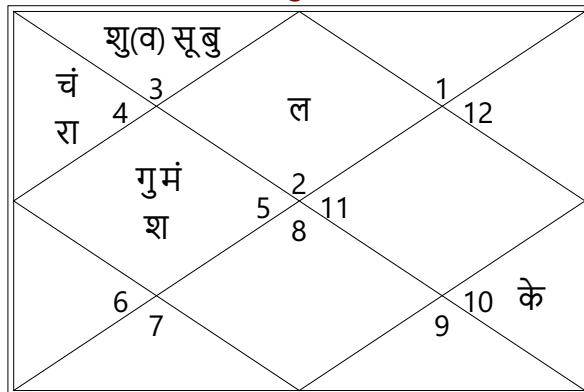


## कृष्णमूर्ति पद्धति

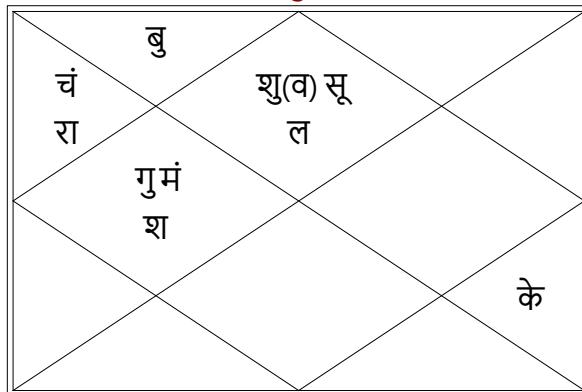
16 जून 1980 • 04:20 घंटे • Jabalpur, Madhya Pradesh, India

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
लग्न		वृष	14:52:56	रोहिणी	2	शु	चं	गु	शु
सूर्य		मिथुन	00:29:10	मृगशिरा	3	बु	मं	बु	शु
चन्द्र		कर्क	09:59:28	पुष्य	2	वं	श	शु	बु
मंगल		सिंह	23:30:03	पूर्वाफाल्युनी	4	सू	शु	रा	रा
बुध		मिथुन	25:52:52	पुनर्वसु	2	बु	गु	के	शु
गुरु		सिंह	10:21:15	मघा	4	मू	के	श	शु
शुक्र	(व)	(अ)मिथुन	00:27:09	मृगशिरा	3	मू	मं	बु	शु
शनि		सिंह	27:12:58	उत्तराफाल्युनी	1	मू	सू	सू	के
राहु		कर्क	28:07:06	आश्लेषा	4	चं	बु	श	श
केतु		मकर	28:07:06	धनिष्ठा	2	श	मं	श	श
यूरेनस	(व)	तुला	28:48:08	विशाखा	3	शु	गु	सू	सू
नेपच्यून	(व)	वृश्चिक	27:42:49	ज्येष्ठा	4	मं	बु	रा	रा
प्लूटो	(व)	कन्या	25:31:48	चित्रा	1	बु	मं		शु

## जन्म कुण्डली



## कस्प कुण्डली



## भाव विवरण

भाव कस्प	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
1. प्रथम	वृष	14:52:56	रोहिणी	2	शु	च	गु	शु
2. द्वितीय	मिथुन	10:07:12	आर्द्रा	2	बु	रा	गु	मं
3. तृतीय	कर्क	04:19:54	पुष्य	1	वं	श	श	शु
4. चतुर्थ	सिंह	01:02:02	मघा	1	सू	के	शु	शु
5. पंचम	कन्या	02:49:03	उत्तराफाल्युनी	2	बु	सू	गु	रा
6. षष्ठ	तुला	09:07:22	स्वाति	1	शु	रा	गु	श
7. सप्तम	वृश्चिक	14:52:56	अनुराधा	4	मं	श	रा	मं
8. अष्टम	धनु	10:07:12	मूल	4	गु	के	श	शु
9. नवम	मकर	04:19:54	उत्तराषाढ़ा	3	श	सू	श	चं
10. दशम	कुंभ	01:02:02	धनिष्ठा	3	श	मं	बु	मं
11. एकादश	मीन	02:49:03	पूर्वाभाद्रपद	4	गु	रा	शु	शु
12. द्वादश	मेष	09:07:22	अश्विनी	3	मं	के	गु	रा



## कृष्णमूर्ति पद्धति

## भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी
1. प्रथम	श, मं	सू, शु	मं	शु
2. द्वितीय	रा	ब्रु	रा	ब्रु
3. तृतीय		च, रा		च
4. चतुर्थ	सू, शु, के, ब्रु, चं	मं, गु, श	श	सू
5. पंचम			रा	ब्रु
6. षष्ठ			मं	शु
7. सप्तम			सू, शु, के	मं
8. अष्टम			ब्रु	गु
9. नवम	गु	के	चं	श
10. दशम			चं	श
11. एकादश			ब्रु	गु
12. द्वादश			सू, शु, के	मं

## ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	ग्रहों से अभिप्राय भाव			
	अत्यधिक बली कारक	बली कारक	सामान्य कारक	निर्बल कारक
सूर्य		4	1	7 12
चन्द्र		3	4	9 10
मंगल		1	4	6 7 12
बुध		2	4	5 8 11
गुरु			4 9	8 11
शुक्र	1		4	6 7 12
शनि	4		1	9 10
राहु		2	3	5
केतु			4 9	7 12

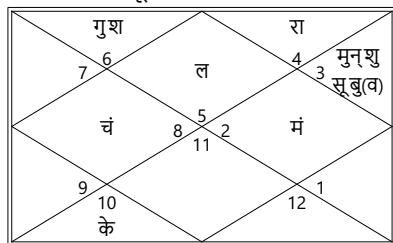
## स्वामी ग्रह

वारेश	:	सूर्य	फॉरच्यूना	:	मिथुन 23:24:27
लग्नेश	:	शुक्र	भोग्य दशा	:	शनि 9व.-6म.-4दि.
लग्न नक्षत्र स्वामी	:	चन्द्र	के.पी. आयनांश	:	-23:29:04
लग्न नक्षत्र उपस्वामी	:	गुरु			
चन्द्र राशि स्वामी	:	चन्द्र			
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	:	शनि			
चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी	:	शुक्र			



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:1

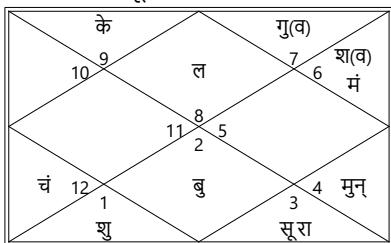
16 जून 1981 10:33 घंटे



लग्र	09:11	मंगल	14:12	शुक्र	19:46
सूर्य	01:22	बुध	10:02	शनि	09:30
चन्द्र	15:38	गुरु	07:24	राहु	08:33
वर्षश	बुध		मुन्धा	मिथुन	14:47:09

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:2

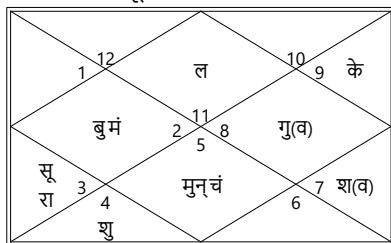
16 जून 1982 16:37 घंटे



लग्र	01:27	मंगल	13:37	शुक्र	25:44
सूर्य	01:22	बुध	13:14	शनि	21:53
चन्द्र	22:29	गुरु	07:01	राहु	19:51
वर्षश	बुध		मुन्धा	कर्क	14:47:08

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:3

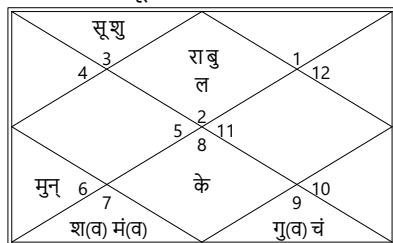
16 जून 1983 22:40 घंटे



लग्र	00:06	मंगल	27:50	शुक्र	16:43
सूर्य	01:22	बुध	09:35	शनि	04:16
चन्द्र	16:50	गुरु	10:01	राहु	01:28
वर्षश	शनि		मुन्धा	सिंह	14:47:07

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:4

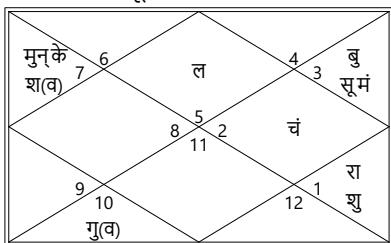
16 जून 1984 04:54 घंटे



लग्र	23:26	मंगल	18:09	शुक्र	01:22
सूर्य	01:22	बुध	22:43	शनि	16:39
चन्द्र	29:54	गुरु	16:09	राहु	12:53
वर्षश	बुध		मुन्धा	कन्या	14:47:08

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5

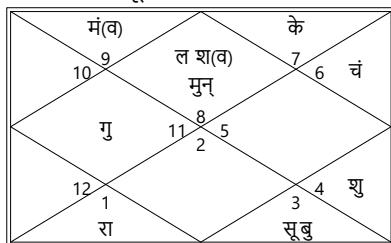
16 जून 1985 11:03 घंटे



लग्र	16:03	मंगल	10:51	शुक्र	15:39
सूर्य	01:22	बुध	11:41	शनि	29:00
चन्द्र	05:45	गुरु	23:06	राहु	24:12
वर्षश	शुक्र		मुन्धा	तुला	14:47:08

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:6

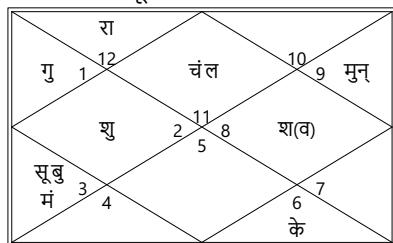
16 जून 1986 17:07 घंटे



लग्र	08:03	मंगल	29:05	शुक्र	07:09
सूर्य	01:22	बुध	24:26	शनि	11:20
चन्द्र	13:39	गुरु	28:05	राहु	04:37
वर्षश	शुक्र		मुन्धा	वृश्चिक	14:47:07

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:7

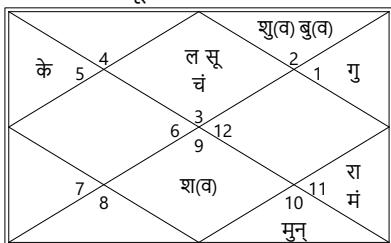
16 जून 1987 23:14 घंटे



लग्र	10:34	मंगल	23:31	शुक्र	13:02
सूर्य	01:22	बुध	22:23	शनि	23:38
चन्द्र	09:11	गुरु	00:00	राहु	14:27
वर्षश	गुरु		मुन्धा	द्वंद्वा	14:47:06

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:8

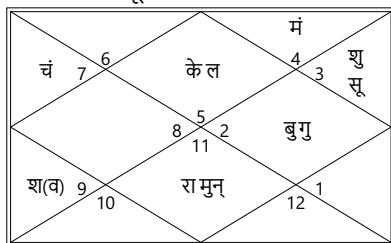
16 जून 1988 05:25 घंटे



लग्र	00:39	मंगल	21:30	शुक्र	26:38
सूर्य	01:22	बुध	27:06	शनि	05:52
चन्द्र	20:19	गुरु	29:11	राहु	24:01
वर्षश	शनि		मुन्धा	मकर	14:47:07

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:9

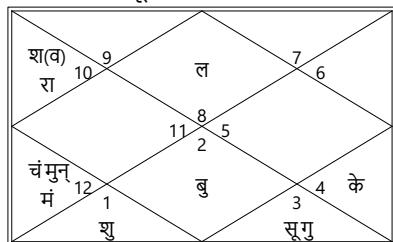
16 जून 1989 11:40 घंटे



लग्र	24:28	मंगल	06:04	शुक्र	20:23
सूर्य	01:22	बुध	08:50	शनि	18:05
चन्द्र	25:58	गुरु	26:23	राहु	04:16
वर्षश	बुध		मुन्धा	कुंभ	14:47:08

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:10

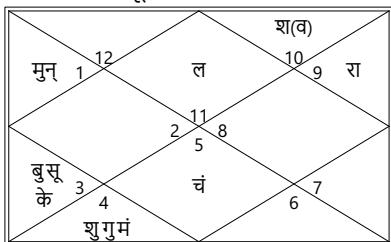
16 जून 1990 17:48 घंटे



लग्र	16:55	मंगल	18:02	शुक्र	26:14
सूर्य	01:22	बुध	13:43	शनि	00:14
चन्द्र	05:21	गुरु	22:22	राहु	14:23
वर्षश	बुध		मुन्धा	मीन	14:47:08

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:11

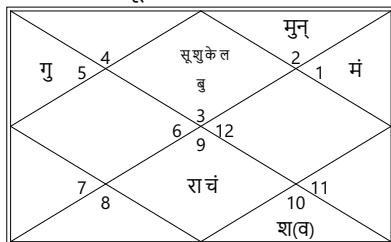
16 जून 1991 23:54 घंटे



लग्र	23:43	मंगल	18:49	शुक्र	16:41
सूर्य	01:22	बुध	00:50	शनि	12:22
चन्द्र	00:35	गुरु	17:55	राहु	25:21
वर्षश	सूर्य		मुन्धा	मेष	14:47:07

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:12

16 जून 1992 06:08 घंटे



लग्र	10:41	मंगल	07:14	शुक्र	02:00
सूर्य	01:22	बुध	18:22	शनि	24:27
चन्द्र	10:45	गुरु	13:54	राहु	06:53
वर्षश	बुध		मुन्धा	वृष्ट	14:47:08

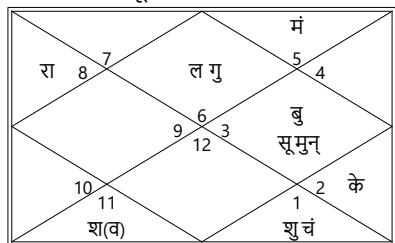
Akhil Chawla



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:13

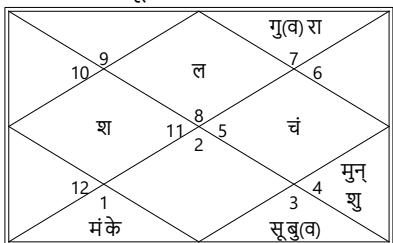
16 जून 1993 12:20 घंटे



लग्र	03:32	मंगल	02:12	शुक्र	15:43
सूर्य	01:22	बुध	26:00	शनि	06:31
चन्द्र	16:11	गुरु	11:19	राहु	18:24
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन	14:47:09	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:14

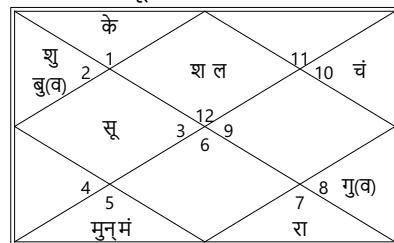
16 जून 1994 18:23 घंटे



लग्र	24:45	मंगल	23:41	शुक्र	07:39
सूर्य	01:22	बुध	14:06	शनि	18:35
चन्द्र	27:34	गुरु	11:20	राहु	29:35
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कर्क	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:15

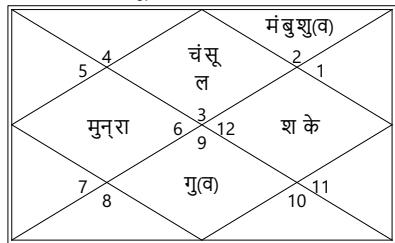
17 जून 1995 00:30 घंटे



लग्र	05:44	मंगल	16:58	शुक्र	13:38
सूर्य	01:22	बुध	16:01	शनि	00:38
चन्द्र	22:02	गुरु	14:49	राहु	10:29
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	सिंह	14:47:07	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:16

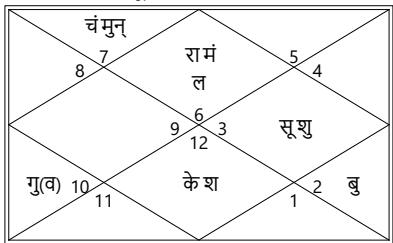
16 जून 1996 06:41 घंटे



लग्र	18:00	मंगल	08:38	शुक्र	22:58
सूर्य	01:22	बुध	08:46	शनि	12:41
चन्द्र	01:10	गुरु	21:13	राहु	20:42
वर्षश	शनि	मुन्धा	कन्या	14:47:07	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:17

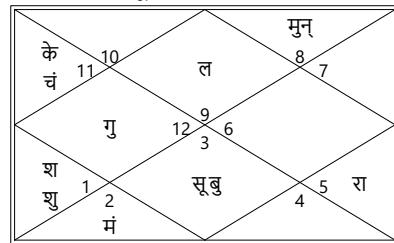
16 जून 1997 12:51 घंटे



लग्र	10:42	मंगल	04:52	शुक्र	20:59
सूर्य	01:22	बुध	20:04	शनि	24:46
चन्द्र	05:55	गुरु	28:03	राहु	00:31
वर्षश	बुध	मुन्धा	तुला	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:18

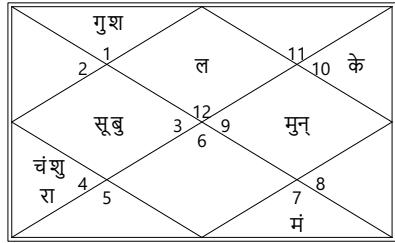
16 जून 1998 18:56 घंटे



लग्र	02:06	मंगल	22:36	शुक्र	26:45
सूर्य	01:22	बुध	09:00	शनि	06:51
चन्द्र	19:53	गुरु	02:39	राहु	10:05
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृश्चिक	14:47:07	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:19

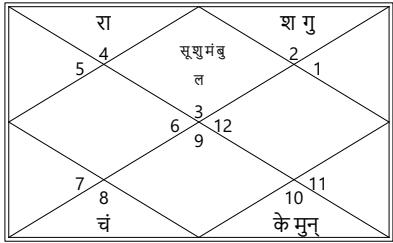
17 जून 1999 01:02 घंटे



लग्र	16:23	मंगल	01:35	शुक्र	16:37
सूर्य	01:22	बुध	23:14	शनि	18:58
चन्द्र	12:55	गुरु	04:11	राहु	20:05
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	द्वितीय	14:47:06	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:20

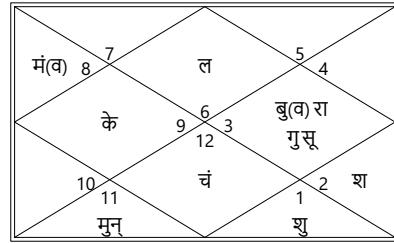
16 जून 2000 07:17 घंटे



लग्र	25:52	मंगल	05:50	शुक्र	02:38
सूर्य	01:22	बुध	24:06	शनि	01:06
चन्द्र	21:55	गुरु	03:03	राहु	00:56
वर्षश	बुध	मुन्धा	मकर	14:47:07	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:21

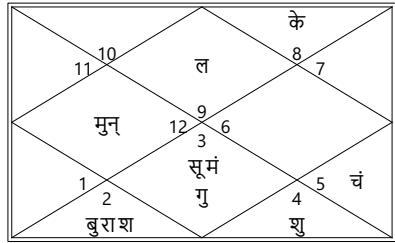
16 जून 2001 13:32 घंटे



लग्र	20:12	मंगल	28:02	शुक्र	15:48
सूर्य	01:22	बुध	01:42	शनि	13:17
चन्द्र	26:14	गुरु	00:03	राहु	12:32
वर्षश	बुध	मुन्धा	कुम्भ	14:47:09	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:22

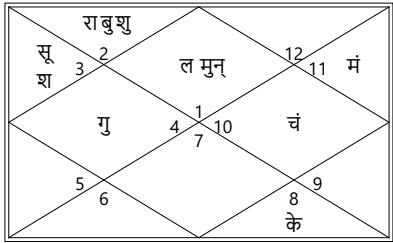
16 जून 2002 19:37 घंटे



लग्र	11:34	मंगल	18:37	शुक्र	08:09
सूर्य	01:22	बुध	09:50	शनि	25:29
चन्द्र	12:25	गुरु	25:55	राहु	23:56
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:23

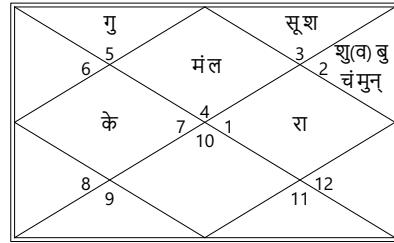
17 जून 2003 01:44 घंटे



लग्र	00:14	मंगल	05:59	शुक्र	14:15
सूर्य	01:22	बुध	11:58	शनि	07:44
चन्द्र	03:29	गुरु	21:26	राहु	05:22
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष	14:47:07	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:24

16 जून 2004 07:57 घंटे



लग्र	04:40	मंगल	01:11	शुक्र	19:25
सूर्य	01:22	बुध	27:54	शनि	20:00
चन्द्र	12:21	गुरु	17:30	राहु	16:40
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	वृष्टि	14:47:08	

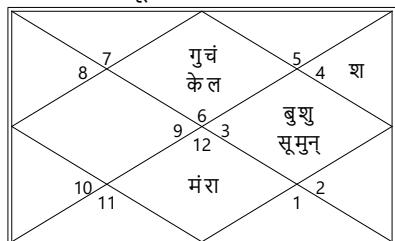
Akhil Chawla



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:25

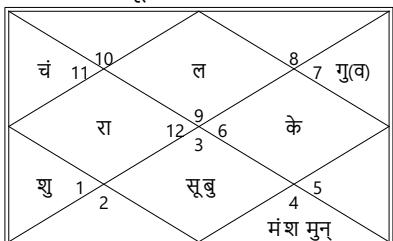
16 जून 2005 14:05 घंटे



लग्र	27:35	मंगल	09:01	शुक्र	21:36
सूर्य	01:22	बुध	16:11	शनि	02:19
चन्द्र	16:15	गुरु	15:10	राहु	26:35
वर्षश	बुध	मुन्हा	मिथुन	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:26

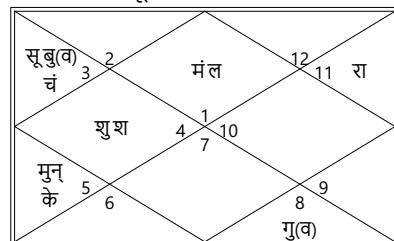
16 जून 2006 20:11 घंटे



लग्र	19:31	मंगल	13:49	शुक्र	27:16
सूर्य	01:22	बुध	25:47	शनि	14:38
चन्द्र	05:13	गुरु	15:36	राहु	06:14
वर्षश	शुक्र	मुन्हा	कर्क	14:47:07	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27

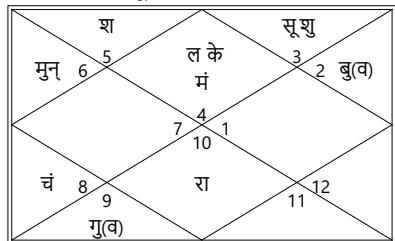
17 जून 2007 02:16 घंटे



लग्र	10:18	मंगल	00:10	शुक्र	16:29
सूर्य	01:22	बुध	17:36	शनि	26:59
चन्द्र	24:16	गुरु	19:34	राहु	15:59
वर्षश	मंगल	मुन्हा	सिंह	14:47:06	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:28

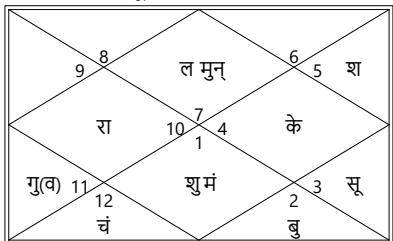
16 जून 2008 08:28 घंटे



लग्र	11:22	मंगल	26:52	शुक्र	03:15
सूर्य	01:22	बुध	19:26	शनि	09:20
चन्द्र	02:52	गुरु	26:17	राहु	26:07
वर्षश	बुध	मुन्हा	कन्या	14:47:07	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:29

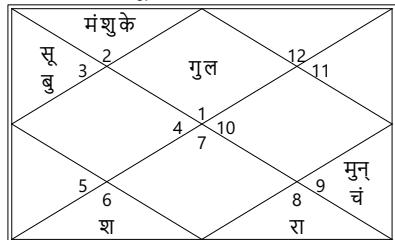
16 जून 2009 14:41 घंटे



लग्र	05:45	मंगल	17:29	शुक्र	15:56
सूर्य	01:22	बुध	08:22	शनि	21:41
चन्द्र	06:42	गुरु	03:01	राहु	06:45
वर्षश	शुक्र	मुन्हा	तुला	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:31

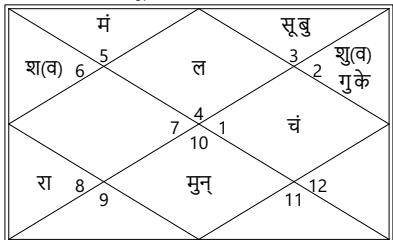
17 जून 2011 02:52 घंटे



लग्र	20:54	मंगल	02:56	शुक्र	14:51
सूर्य	01:22	बुध	06:10	शनि	16:26
चन्द्र	14:43	गुरु	08:24	राहु	29:24
वर्षश	गुरु	मुन्हा	द्वंद्वा	14:47:06	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:32

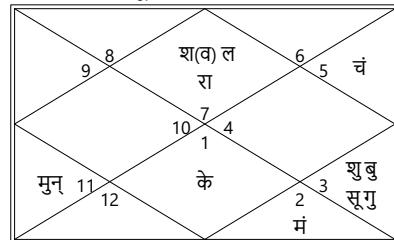
16 जून 2012 09:09 घंटे



लग्र	20:24	मंगल	27:18	शुक्र	16:01
सूर्य	01:22	बुध	21:45	शनि	28:47
चन्द्र	23:18	गुरु	06:58	राहु	11:01
वर्षश	शुक्र	मुन्हा	मकर	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33

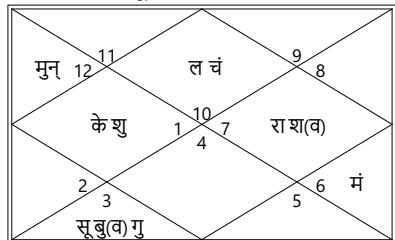
16 जून 2013 15:20 घंटे



लग्र	14:28	मंगल	17:15	शुक्र	22:12
सूर्य	01:22	बुध	25:14	शनि	11:09
चन्द्र	27:37	गुरु	03:44	राहु	22:02
वर्षश	शनि	मुन्हा	कुण्डली	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:34

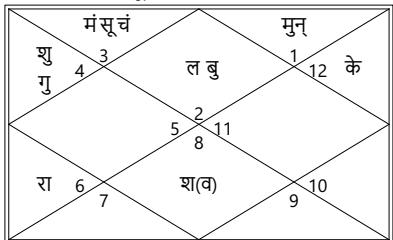
16 जून 2014 21:27 घंटे



लग्र	09:13	मंगल	19:19	शुक्र	27:48
सूर्य	01:22	बुध	06:20	शनि	23:29
चन्द्र	19:50	गुरु	29:28	राहु	02:28
वर्षश	शुक्र	मुन्हा	मीन	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:35

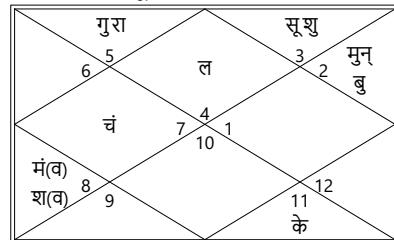
17 जून 2015 03:35 घंटे



लग्र	03:12	मंगल	00:44	शुक्र	16:18
सूर्य	01:22	बुध	11:25	शनि	05:48
चन्द्र	05:30	गुरु	25:00	राहु	12:31
वर्षश	बुध	मुन्हा	मेष	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:36

16 जून 2016 09:45 घंटे

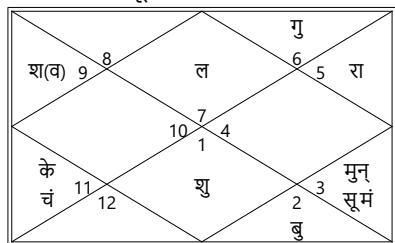


लग्र	28:24	मंगल	00:16	शुक्र	03:53
सूर्य	01:22	बुध	10:31	शनि	18:05
चन्द्र	13:17	गुरु	21:12	राहु	22:33
वर्षश	बुध	मुन्हा	वृष्टि	14:47:08	



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:37

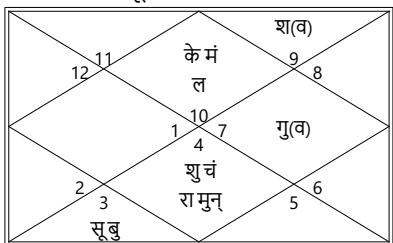
16 जून 2017 15:58 घंटे



लग्र	22:45	मंगल	13:41	शुक्र	16:05
सूर्य	01:22	बुध	25:02	शनि	00:20
चन्द्र	18:42	गुरु	19:11	राहु	01:56
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मिथुन	14:47:08	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38

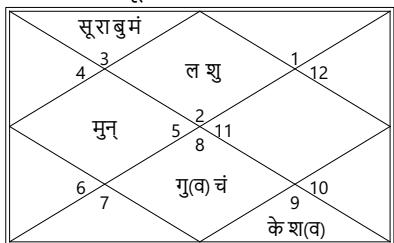
16 जून 2018 22:00 घंटे



लग्र	18:23	मंगल	14:28	शुक्र	09:07
सूर्य	01:22	बुध	13:48	शनि	12:32
चन्द्र	11:33	गुरु	20:05	राहु	12:22
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कर्क 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:39

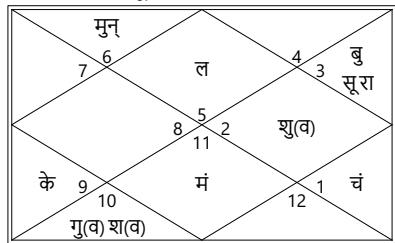
17 जून 2019 04:04 घंटे



लग्र	10:41	मंगल	26:17	शुक्र	15:28
सूर्य	01:22	बुध	25:11	शनि	24:41
चन्द्र	26:25	गुरु	24:33	राहु	23:32
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	सिंह 14:47:06		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:40

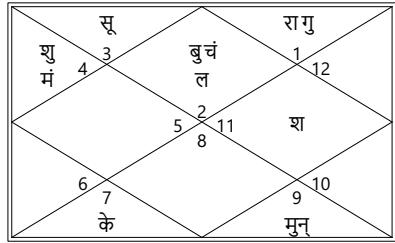
16 जून 2020 10:18 घंटे



लग्र	05:45	मंगल	28:28	शुक्र	12:49
सूर्य	01:22	बुध	20:28	शनि	06:49
चन्द्र	03:29	गुरु	01:29	राहु	04:59
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कन्या 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:43

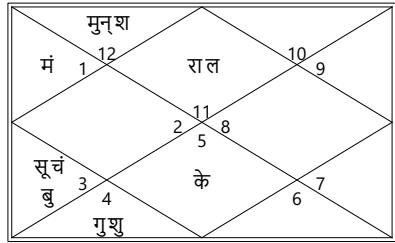
17 जून 2023 04:40 घंटे



लग्र	19:50	मंगल	21:42	शुक्र	16:04
सूर्य	01:22	बुध	15:22	शनि	13:01
चन्द्र	17:10	गुरु	12:30	राहु	08:44
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	द्विनु 14:47:06		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:46

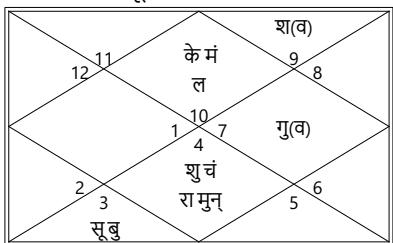
16 जून 2026 23:16 घंटे



लग्र	11:31	मंगल	27:04	शुक्र	09:35
सूर्य	01:22	बुध	25:50	शनि	19:11
चन्द्र	24:25	गुरु	02:56	राहु	07:49
वर्षश	बुध	मुन्धा	मीन 14:47:08		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:41

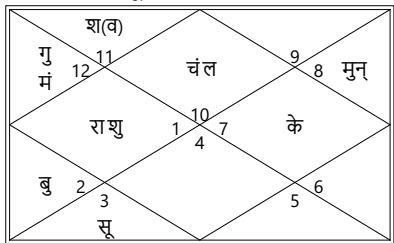
16 जून 2021 22:25 घंटे



लग्र	28:51	मंगल	08:51	शुक्र	22:48
सूर्य	01:22	बुध	23:26	शनि	18:54
चन्द्र	10:08	गुरु	08:00	राहु	16:29
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:42

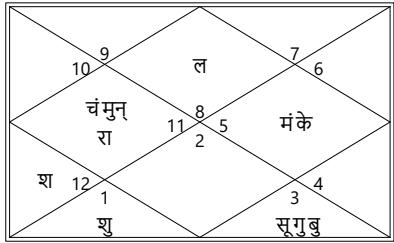
16 जून 2022 22:29 घंटे



लग्र	26:51	मंगल	22:35	शुक्र	28:19
सूर्य	01:22	बुध	08:25	शनि	00:58
चन्द्र	02:52	गुरु	11:48	राहु	27:57
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	वृश्चिक 14:47:05		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:45

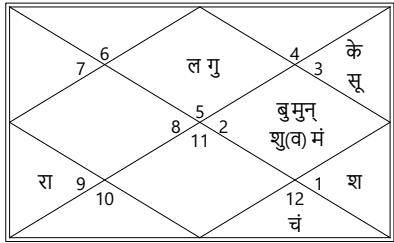
16 जून 2025 17:09 घंटे



लग्र	08:20	मंगल	05:17	शुक्र	16:16
सूर्य	01:22	बुध	20:00	शनि	07:07
चन्द्र	02:12	गुरु	07:17	राहु	28:04
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कुम्भ 14:47:08		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:48

16 जून 2028 11:38 घंटे



लग्र	23:54	मंगल	11:47	शुक्र	09:48
सूर्य	01:22	बुध	13:38	शनि	13:22
चन्द्र	13:09	गुरु	24:54	राहु	29:18
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	वृष्ट 14:47:08		

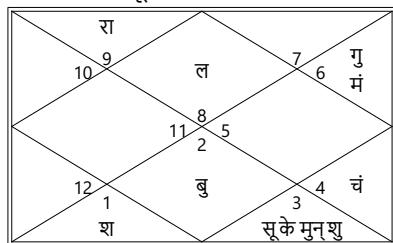
Akhil Chawla



वर्षफल कुण्डलियां - 5

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:49

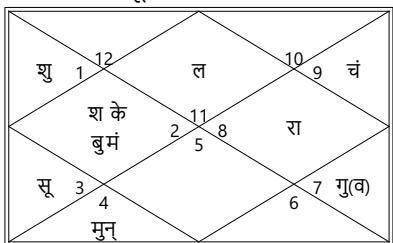
16 जून 2029 17:45 घंटे



लग्र	16:11	मंगल	09:38	शुक्र	23:24
सूर्य	01:22	बुध	09:25	शनि	25:30
चन्द्र	23:56	गुरु	23:14	राहु	10:25
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन 14:47:08		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

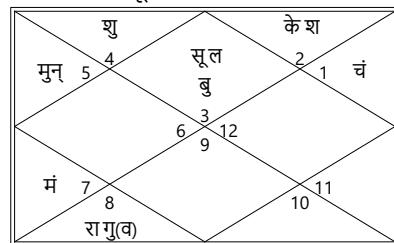
16 जून 2030 23:47 घंटे



लग्र	21:32	मंगल	25:33	शुक्र	28:52
सूर्य	01:22	बुध	22:15	शनि	07:40
चन्द्र	15:11	गुरु	24:39	राहु	22:03
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कर्क 14:47:06		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:51

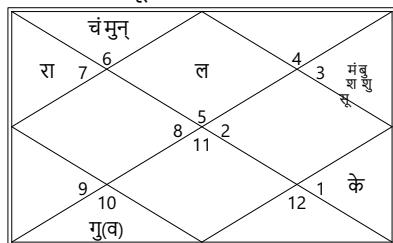
17 जून 2031 05:57 घंटे



लग्र	08:03	मंगल	10:13	शुक्र	15:46
सूर्य	01:22	बुध	11:14	शनि	19:52
चन्द्र	29:16	गुरु	29:36	राहु	03:43
वर्षश	बुध	मुन्धा	सिंह 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:52

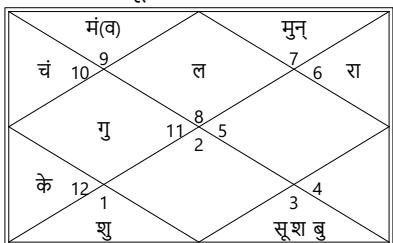
16 जून 2032 12:04 घंटे



लग्र	29:51	मंगल	08:40	शुक्र	05:09
सूर्य	01:22	बुध	24:15	शनि	02:07
चन्द्र	03:01	गुरु	06:39	राहु	14:11
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या 14:47:06		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:53

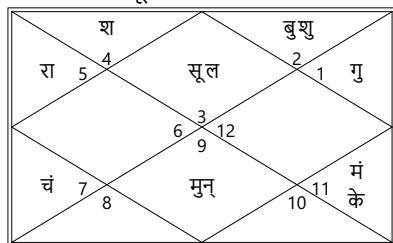
16 जून 2033 18:16 घंटे



लग्र	23:07	मंगल	15:36	शुक्र	16:28
सूर्य	01:22	बुध	22:42	शनि	14:23
चन्द्र	16:16	गुरु	12:51	राहु	24:24
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:55

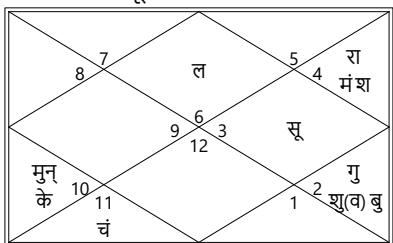
17 जून 2035 06:24 घंटे



लग्र	14:07	मंगल	15:12	शुक्र	16:41
सूर्य	01:22	बुध	08:57	शनि	09:01
चन्द्र	19:52	गुरु	16:29	राहु	14:18
वर्षश	गुरु	मुन्धा	द्विनु 14:47:05		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:56

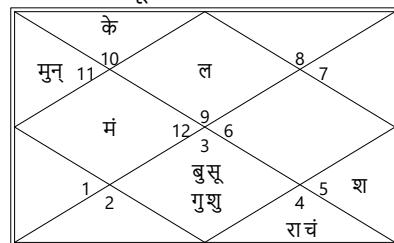
16 जून 2036 12:45 घंटे



लग्र	09:19	मंगल	03:57	शुक्र	07:01
सूर्य	01:22	बुध	13:24	शनि	21:22
चन्द्र	23:03	गुरु	14:26	राहु	24:08
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मकर 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:57

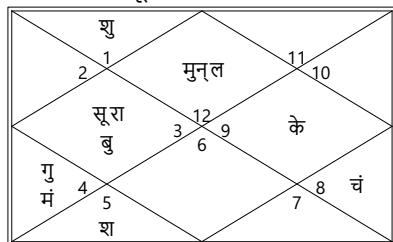
16 जून 2037 18:55 घंटे



लग्र	01:51	मंगल	14:12	शुक्र	24:00
सूर्य	01:22	बुध	00:20	शनि	03:44
चन्द्र	08:10	गुरु	10:49	राहु	04:47
वर्षश	शनि	मुन्धा	कुंभ 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:58

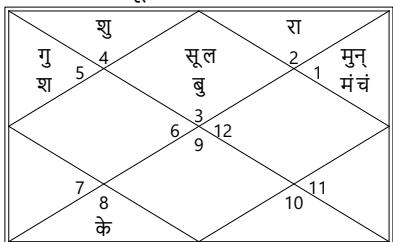
17 जून 2038 00:59 घंटे



लग्र	15:44	मंगल	16:38	शुक्र	29:24
सूर्य	01:22	बुध	18:00	शनि	16:07
चन्द्र	27:26	गुरु	06:26	राहु	15:58
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन 14:47:06		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:59

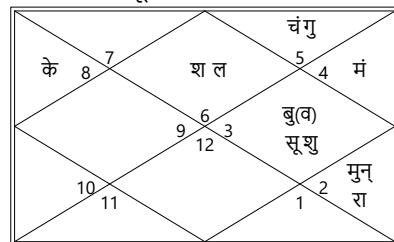
17 जून 2039 07:12 घंटे



लग्र	24:50	मंगल	04:11	शुक्र	15:24
सूर्य	01:22	बुध	25:59	शनि	28:30
चन्द्र	10:49	गुरु	02:04	राहु	27:37
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष 14:47:07		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:60

16 जून 2040 13:20 घंटे



लग्र	17:21	मंगल	29:52	शुक्र	05:47
सूर्य	01:22	बुध	14:43	शनि	10:53
चन्द्र	13:25	गुरु	28:41	राहु	09:07
वर्षश	बुध	मुन्धा	वृष्ट 14:47:07		

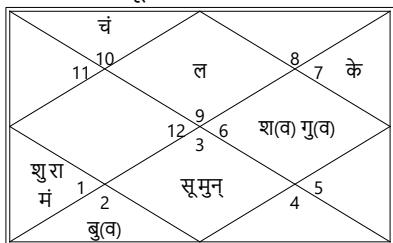
Akhil Chawla



वर्षफल कुण्डलियां - 6

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:61

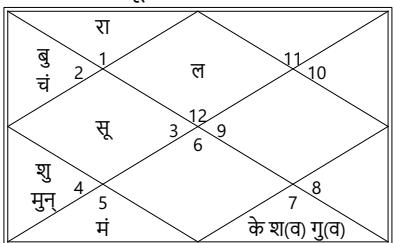
16 जून 2041 19:32 घंटे



लग्र	10:16	मंगल	20:59	शुक्र	16:42
सूर्य	01:22	बुध	16:32	शनि	23:16
चन्द्र	00:01	गुरु	27:25	राहु	20:10
वर्षश	शनि	मुन्या	मिथुन	14:47:07	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62

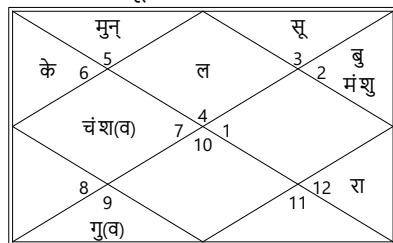
17 जून 2042 01:39 घंटे



लग्र	28:41	मंगल	14:19	शुक्र	10:31
सूर्य	01:22	बुध	08:40	शनि	05:39
चन्द्र	18:30	गुरु	29:19	राहु	00:44
वर्षश	शुक्र	मुन्या	कर्क	14:47:07	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:63

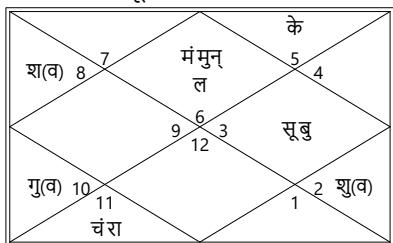
17 जून 2043 07:40 घंटे



लग्र	00:52	मंगल	06:09	शुक्र	17:18
सूर्य	01:22	बुध	19:38	शनि	18:01
चन्द्र	00:55	गुरु	04:38	राहु	10:48
वर्षश	शुक्र	मुन्या	सिंह	14:47:05	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:64

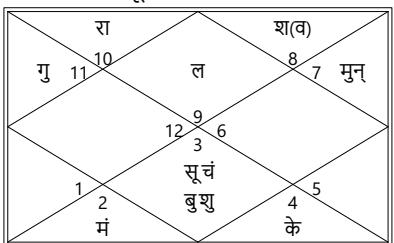
16 जून 2044 13:58 घंटे



लग्र	25:57	मंगल	01:28	शुक्र	04:27
सूर्य	01:22	बुध	08:31	शनि	00:22
चन्द्र	04:08	गुरु	11:40	राहु	19:48
वर्षश	शुक्र	मुन्या	कन्या	14:47:07	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:65

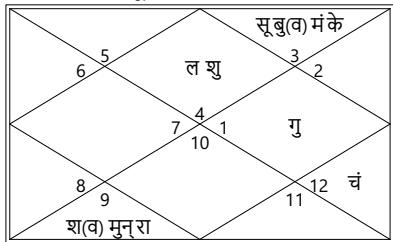
16 जून 2045 20:06 घंटे



लग्र	18:18	मंगल	20:16	शुक्र	24:36
सूर्य	01:22	बुध	23:00	शनि	12:41
चन्द्र	21:48	गुरु	17:28	राहु	29:50
वर्षश	बुध	मुन्या	तुला	14:47:07	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:67

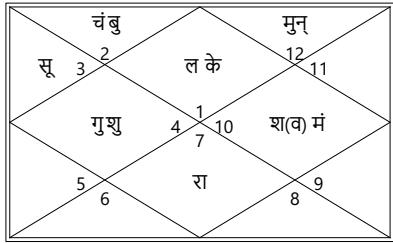
17 जून 2047 08:20 घंटे



लग्र	09:41	मंगल	03:37	शुक्र	14:58
सूर्य	01:22	बुध	02:29	शनि	07:12
चन्द्र	21:13	गुरु	20:17	राहु	21:38
वर्षश	गुरु	मुन्या	द्विन	14:47:06	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:70

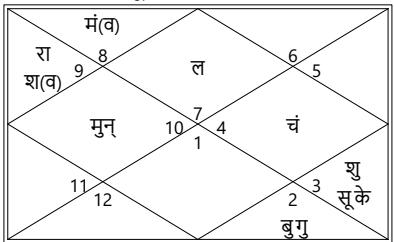
17 जून 2050 02:53 घंटे



लग्र	21:25	मंगल	27:23	शुक्र	10:57
सूर्य	01:22	बुध	27:24	शनि	13:41
चन्द्र	01:35	गुरु	09:54	राहु	26:01
वर्षश	शुक्र	मुन्या	मीन	14:47:07	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:68

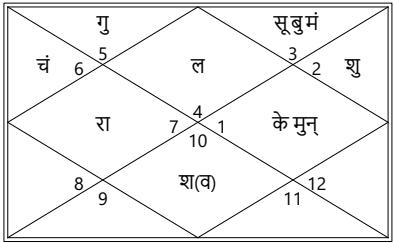
16 जून 2048 14:31 घंटे



लग्र	03:25	मंगल	14:58	शुक्र	06:24
सूर्य	01:22	बुध	10:03	शनि	19:24
चन्द्र	24:51	गुरु	18:01	राहु	03:04
वर्षश	शुक्र	मुन्या	मकर	14:47:06	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:71

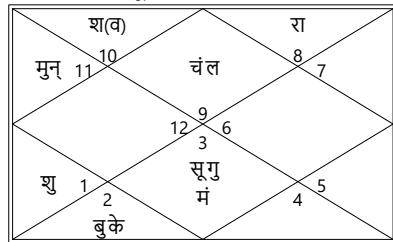
17 जून 2051 08:54 घंटे



लग्र	16:58	मंगल	29:03	शुक्र	17:56
सूर्य	01:22	बुध	15:47	शनि	25:46
चन्द्र	11:08	गुरु	05:39	राहु	06:27
वर्षश	शुक्र	मुन्या	मेष	14:47:05	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:69

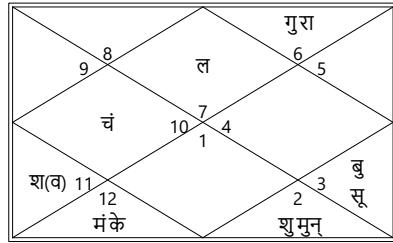
16 जून 2049 20:43 घंटे



लग्र	27:40	मंगल	16:28	शुक्र	16:57
सूर्य	01:22	बुध	11:42	शनि	01:33
चन्द्र	12:58	गुरु	14:18	राहु	14:49
वर्षश	शुक्र	मुन्या	कुम्भ	14:47:07	

## वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:72

16 जून 2052 15:11 घंटे



लग्र	12:17	मंगल	04:35	शुक्र	02:06
सूर्य	01:22	बुध	25:42	शनि	07:50
चन्द्र	16:18	गुरु	02:30	राहु	16:20
वर्षश	बुध	मुन्या	वृष	14:47:07	



## जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महषिर्यों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पढ़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

### अवकहडा चक्र

लग्न	:	वृष
चन्द्र राशि	:	कर्क
चन्द्र राशि स्वामी	:	चन्द्र
जन्मकालीन नक्षत्र	:	पुष्य
नक्षत्र चरण	:	2
नामाक्षर	:	हे
राशि पाया	:	ताँबा
नक्षत्र पाया	:	चाँदी
वर्ण	:	ब्राह्मण
वश्य	:	जलचर
नाड़ी	:	मध्य
योनि	:	मेष
गण	:	देव

### जन्मकालीन पंचांगादि

विक्रम संवत्	:	2037
मास	:	ज्येष्ठ
जन्मकालीन तिथि	:	शुक्ल चतुर्थी
जन्मकालीन योग	:	व्याघात
जन्मकालीन करण	:	वणिज
आधुनिक जन्म वार	:	सोमवार
ज्योतिषिय जन्म वार	:	रविवार

### घात चक्र

घात मास	:	पौष
घात तिथि	:	2/7/12
घात वार	:	बुधवार
घात नक्षत्र	:	अनुराधा
घात योग	:	व्याघात
घात करण	:	नाग
घात प्रहर	:	1
घात चन्द्र	:	सिंह



## कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमशः प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

### प्रकृति एवं स्वभाव

- 1 - आप स्थिर और पक्के स्वभाव के होंगे तथा कार्य में धैर्य और लगन के साथ समर्पित होंगे।
- 2 - आप में प्रबल शारीरिक एवं मानसिक सहनशक्ति एवं सहिष्णुता होगी।
- 3 - आप को बहुधा गुस्सा नहीं आता लेकिन यदि गुस्सा दिला दिया जाये तो भूकंप की तरह खतरनाक और हिंसक होगा।
- 4 - आप सांसारिक सुख-सुविधायें खूब पाना और एकत्रित करना चाहेंगे।
- 5 - आप के स्वभाव में अधिकार की भावना होगी। अपने प्रेम-पात्र के लिये बड़े से बड़े बलिदान करने की तथा जिनसे घृणा करेंगे उन्हें कभी न क्षमा करने की प्रवृत्ति होगी।
- 6 - आप अत्यंत सामाजिक होंगे। मित्रों, बांधवों तथा प्रियजनों का सक्कार करने में विशेष आनंद का अनुभव करेंगे।
- 7 - आप सौदर्य, संगीत, कला तथा अच्छे वस्त्रों के शौकीन होंगे।
- 8 - आप सुख और विलास का जीवन पसंद करेंगे। आनंदोपभोग हेतु सचेष्ट रहेंगे।
- 9 - आप स्वभाव से हठी तथा अपनी योजनाओं को पूर्ण करने की योग्यता रखेंगे।
- 10 - आप छोटे-छोटे कामों में भी लम्बे-लम्बे विचार करेंगे, अतः जो भी काम लेंगे उसे देरी से करेंगे।
- 11 - आप धन के मामले में यथार्थवादी होंगे, धन कमाने की आपकी प्रबल इच्छा होगी, साध्य पर ध्यान देंगे, साधन पर नहीं।
- 12 - आप काफी सोच-विचार कर किसी से मित्रता करेंगे और अंत तक समर्पित रहेंगे। प्रणय संबंधों एवं दाम्पत्य जीवन के प्रति जिम्मेदार होंगे।
- 13 - आप सामाजिक जीवन में दिखावट पसंद करेंगे जबकि प्रेम प्रदर्शन के मामले में संकोची होंगे।
- 14 - आप गंभीर, विचारशील, शांतिप्रिय और दयालु होंगे।
- 15 - आप आलस्य, स्वार्थ, कामुकता, भौतिकवादिता आदि दुर्गणों के कारण कई बार निराशा एवं चिंताओं से पीड़ित होंगे।



### शास्त्रों के अनुसार फल

आप लम्बे कद, मध्यम शरीर, स्थूल गर्दन, मध्य ललाट में रेखा, दुबली देह, सिर छोटा अधिक बालयुक्त, स्थूल कण्ठ, मोटी कमर है, उन्नति कटि अर्थात् उँची जाँघ युक्त, बगल, पैर में या पैर के उपर काले तिल आदि का निशान होता है। परोपकारी, गुणी, साधु स्वभाव, मिलनसार, वस्तुओं के संग्रह में कुशल, माता-पिता में भक्ति, गुरु एवं साधुओं में भक्ति, ज्योतिष शास्त्र में रुचि, कार्यों में कुशल, राजा के सचिव या मंत्री, प्रेम से वशीभूत, अधिक कामवासना से युक्त, जलाशय व बगीचों के प्रेमी, जलयात्रा प्रेमी, अधिक जल पीने में रुचि, जल-विहार के शौकन, चंद्रमा के समान हानि-वृद्धि अर्थात् कभी धनी-कभी निर्धन, अच्छे मित्र युक्त, गृहादि निर्माण कार्य में रुचि, एक से अधिक मकान का सुख, भाइयों का सुख, कई संतान किंतु कोई एक विशेष योग्य, बाल्यावस्था में कम सुखी, युवावस्था में विशेष सुखी, वद्धावस्था में धर्म में आसक्त, तीर्थ-यात्रा में तत्पर, प्रवासी (घर से दूर निवास), घर में अनासक्त, कुटिल, अपने परिश्रम से स्ववंश की उन्नति करने में समर्थ हैं। सिर में रोग या पीड़ा, बांये अंग में अग्नि का भय, जल से भय, उँचे स्थान से गिरने का खतरा होता है, हृदय रोग तथा खून की बीमारी का भय होता है।

### आधुनिक मत से फल

आप अत्यंत संवेदनशील, अत्यधिक भावुक, कल्पनाशील तथा परिवर्तनशील विचारों से युक्त, बाहर से कठोर किंतु भीतर से बेहद कोमल हैं। प्रेम-पात्रों, कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान और पूज्यजनों के प्रति श्रद्धावान हैं। गान विद्या में स्वाभाविक रुचि होती है और संगीत सुनने में अति आनंदित होते हैं। चित्त वृत्ति अस्थिर किंतु किंचित मात्रा में अंतर्दृष्टि से संपन्न होती है। अपने परिवार से, विशेष रूप से माँ से अगाध लगाव होता है। अपमान से डरनेवाले, कभी महा कठोर, तथा कई परिस्थितियों में घबराये हुआ असहाय दिखेंगे। मिष्ठान विशेष प्रिय है। यात्रायें प्रिय हैं, जन्मभूमि एवं देश से लगाव होने के बावजूद भी प्रवासी एवं भ्रमणशील हैं। देखने में खुले हुआ और स्पष्टवादी हैं किंतु वास्तव में आप ऐसे नहीं हैं, आप दूसरों से बहुत सी बातें छिपा लेते हैं। व्यक्तित्व में कम या अधिक मात्रा में जो दुरुर्ण सम्भव हैं वे हैं - अधैर्य, परिवर्तनशीलता, अतिसंवेदनशीलता, निष्क्रियता, क्रोधी मिजाज।

### शारीरिक लक्षण

- 1 - आप मध्यम कद तथा हृष्ट-पुष्ट शरीर के होते हैं।
- 2 - कंधे बलशाली और उन्नत, गर्दन मोटी तथा हाथ-पैर कुछ छोटे होते हैं।
- 3 - चेहरा गोल, नेत्र विशाल, होंठ कुछ स्थूल और मस्तक चौड़ा होता है।
- 4 - पीठ अथवा चेहरे पर मस्से, लहसन या ब्रण का चिन्ह होता है।



## महत्त्वपूर्ण जानकारी

**आपका मूल वाक्य है**  
मेरे पास है।

**सबसे बड़ा गुण है**  
धैर्य और लगनशीलता।

**सबसे बड़ी कमी है**  
अनम्यता और दुराग्रह।

**महत्वाकांक्षा है**  
यश और व्यापक सामाजिक प्रतिष्ठा।

**शुभ दिन**  
शुक्रवार, शनिवार।

**शुभ रंग**  
सफेद, हरा, गुलाबी, शुभ हैं।

**शुभ अंक**  
6, 5, 8 सर्वाधिक शुभ हैं।

**शुभ रक्त**  
पत्रा, फिरोजा, मोती।

**शुभ उपराज**  
सफेद पुखराज, चन्द्रमणि।

### अशुभ मास तारीखें

प्रतिवर्ष जनवरी मास, प्रतिमास 6, 9, 18, 27 तारीखें तथा काले रंग के वस्त्रादिपदार्थ ठीक नहीं हैं।

### अशुभ तिथि

प्रतिपदा, सप्तमी और द्वादशी तिथि जातक के लिए अनिष्टकर होते हैं।

### शुभ राशि

सिंह, मिथुन और कन्या राशि का मनुष्य उत्तम तथा शेष राशियों के मनुष्य साधारण मित्र होते हैं।

### शुभ दिवस

सोमवार शुभ, बुधवार का दिन ठीक नहीं हैं।

### अरिष्ट समय

यवनाचार्य के मतानुसार वैशाख मास, शुक्लपक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, हस्तनक्षत्र एवं मध्याह्न समय अरिष्टकारी होता है।



## ग्रह फल

सूर्य



### सूर्य द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** धनभाव का सूर्य राजयोग करता है। जन्मलग्न से दूसरे स्थान में सूर्य होने से जातक उदार, त्यागी (दानी) होता है। अपने व्यवहार तथा बर्ताव से शत्रुओं को भी अपने अनुकूल कर लेने वाला होता है। भाषण मधुर और तर्कनुकूल होता है। दूसरे भाव या धन भवन में सर्व होने से जातक धनवान्, भाग्यवान् होता है। मूल्यवान धातु-सोना-चाँदी और ताँबे आदि का स्वामी होता है। पैसा बहुत जल्दी खर्च करनेवाला, शुभकर्म में खर्च करता है। घरपर नौकर-चाकर होते हैं। चतुष्पात् अर्थात् चौपायां गाय-भैंस बकरी हाथी-घोड़ा आदि का सुख रहता है। शरीर मे उष्णता रहती है, आँख, हाथ और पाव हमेशा गर्म रहते हैं। उत्तम-उत्तम अन्न खाने में विशेष रुचि, कपड़ों की उत्तमता-इन्हें साफ रखने की ओर विशेष ध्यान रहता है। धनस्थान का रवि वकीलों और डाक्टरों के लिये अनुकूल रहता है।

धनेश बलवान् हो, अर्थात् वक्री, अस्तंगत, मंदगामी, अतिचारी न हो और किसी पापग्रह से युक्त भी न हो तो जातक की स्वतंत्र धन्या करने सम्बन्धी इच्छाएँ पूरी होती हैं।

मिथुन, तुला वा कुंभ का सूर्य होने से जातक स्वयं रुपया खूब कमाता है।

**अशुभ फल :** धनभाव में सूर्य होने से जातक क्रोधी, वाचाल, कृपण, दांभिक होता है अतः अहंकारवश कोई स्थायी शुभ कार्य नहीं होता है। विनयभाव नहीं होता, अर्थात् उद्धत और घमंडी होता है। शरीर दुबला-पतला होता है। आँखे लाल होती हैं। केश बुरे होते हैं। जातक ज्ञानहीन, मंदबुद्धि अर्थात् मूर्ख होता है। सब कुछ भूलजाने वाला होता है। धनभाव में सूर्य होने से जातक विद्वान नहीं होता है। शिक्षा अधूरी रह जाती है। सौजन्य तथा सौहार्दहीन होता है अतएव अपने लोग और मित्रवर्ग छोड़कर चले जाते हैं। धन का अपहरण भूमिपति अर्थात् राजा कर लेता है। बेफिक्र और संपत्ति खत्म कर देनेवाला होता है। धन का विशेषतया पैतृक सम्पदा का नाश करता है। द्रव्यलाभ के निमित्त जातक जो काम करता है वह व्यर्थ होता है। धनस्थानगत सूर्य के प्रभाव में उत्पन्न मनुष्य भाग्योदय पिता पर ही अवलंबित रहता है। स्वयं नौकरी वा कोई धन्या नहीं कर सकता है। बाप-बेटे में परस्पर सौमनस्य नहीं रहता है। जातक का धन राजदंड से और चोरों से अपहृत हो जाता है। 25 वें वर्ष में राजदण्ड द्वारा धनहानि होती है। उत्तम वाहन घोड़ा-गाड़ी-पालकी आदि का सुख नहीं मिलता है। मुख के रोग, कर्ण-दन्तरोग भी इसके कारण हो जाया करते हैं। वाणी स्पष्ट नहीं होती-अर्थात् यह अटक-अटक कर बोलता है और अपने भाव कष्ट से प्रकट कर सकता है। तेजस्तत्व का सीधा सम्बन्ध आँखों से है इसलिये दूसरे भाव में स्थित सूर्य आँखों की बीमारी का भी कारण बनता है। दृष्टि कमजोर होती है। स्त्री के निमित्त सै अपने कुटुम्ब में भी कलह-क्लेश होता है। स्त्री से कलह भी कराता है। बन्धुओं के साथ वैमनस्य और झगड़ा रहता है। स्त्री सुख और पुत्र-सुख नहीं मिलता है। गृहस्थी होकर, कहीं एक स्थान में घर बनाकर नहीं रहता है अतएव दुःखी होता है। दूसरों के घर में रहता है। कोई चिरस्थायी शुभकर्म नहीं हो पाता जो कीर्तिघजा को फहराता रहे। छोटे-छोटे शुभकर्म कुछ काल में अनन्तर नष्ट-भ्रष्ट हो जाते हैं। ज्योतिषियों के लिए धनभावस्थ रवि अनुकूल नहीं होता है। इनके बतलाए हुजुए अशुभफल शीघ्र ही अनुभव में आते हैं शुभफलों का अनुभव देर से होता है-अतः परिणाम अपयश होता है।

सूर्य के साथ कोई पापग्रह युति करे तो नेत्रविकार होते हैं।

सूर्य के साथ बुध भी हो तो मनुष्य अटक-अटक कर, धीरे-धीरे बोलता है।

मिथुन, तुला, कुंभ का सूर्य होने से जातक खर्च के विषय में कृपण होता है लोगों की सहानुभूति से वंचित रहता है।



ॐ

चन्द्र

ॐ

### चन्द्र तृतीय भाव में

**शुभ फल :** चन्द्रमा तृतीय स्थान में होने से जातक प्रसन्नचित्त, तपस्वी, आस्तिक, मधुरभाषी, कफरोगी एवं पेरमी होता है। सहजभाव में स्थित चन्द्रमा व्यक्ति को सहोदरों से सुख, अपने पराक्रम से उन्नतिशील और स्वजनों से सुखी रहनेवाला बनाता है। जातक अपने पराक्रम द्वारा द्रव्य लाभ कर पाता है। जातक के प्रताप की उत्तरोत्तर वृद्धि होती है। अपने भाई बन्धुओं से अधिक सुख मिलता है। जातक की प्रवृत्ति धर्मिक कार्यों में होती है। संसार में इसका आदर सम्मान होता है। जातक अपने वंश में एक मुख्य पुरुष होता है। तीसरे स्थान में चन्द्रमा होने से जातक को भाई-बहिनों का सुख अच्छा मिलता है। दो भाई-और तीन बहिनें होती हैं और ये सब नीरोग होते हैं। पड़ोसियों से सम्बन्ध अच्छे रहते हैं। और उनसे लाभ होता है। 28 वें वर्ष के करीब बहुत प्रवास करना होता है। कीर्ति और प्रसिद्धि का आरम्भ होता है, और सकलत्य किये जाते हैं। चन्द्रमा शुभग्रह की राशि में होने से जातक सुखभोक्ता होता है। चन्द्रमा अपनी ही राशि में अथवा अपनी उच्चराशि में होने से जातक सभी प्रकार से धन से परिपूर्ण होता है और शास्त्रव्यसनी तथा काव्यशास्त्रसास्वाद लेनेवाला होता है।

**अशुभ फल :** तृतीय स्थान का चन्द्रमा भ्राताओं के विषय में अच्छा नहीं है। बहिनों से सुख प्राप्ति कराता है। तृतीय स्थान में चन्द्रमा के साथ रवि होने से बहिनों का वैधव्य संभावित है-या तो गृहकलह से संसार-सुख नहीं मिलता, या मृत्यु होती है अथवा बोझ होती हैं। जातक का अनिश्चयी स्वभाव होता है। चुगुलखोर होता है। अजीब तरह की रुचि होती है। जातक को कफ सम्बन्धी रोग अधिकता से होते हैं। वायु - प्रधान शरीर वाला होता है। भाई-बंधुओं को हानि पहुँचाने वाला होता है। स्त्रीसुख के लिए भी तृतीय चन्द्र सामान्य है। तृतीयभाव में चन्द्रमा होने से जातक कामासक्त रहता है तथा अनेक स्त्रियों का उपभोग करता है किन्तु इतना मधुरभाषी होता है कि चरित्र पर स्पष्टतया सन्देह नहीं किया जाता। तृतीय भाव में चन्द्रमा होने से जातक जीवहिंसक, अल्पसुखवान्, स्वबन्धुपालक, और निर्दयी होता है। घर में गाय-भैंस आदि पशुधन का अभाव रहता है। भरपुर अन्न नहीं मिलता है। अभाग होता है। 24 वें वर्ष में राजदंड से धनहानि होती है। व्यवसाय में बार-बार परिवर्तन होता है। इस भाव के चन्द्रमा से प्रवास बहुत होते हैं किन्तु इनमें सुखप्राप्ति बहुत थोड़ी होती है।



## मंगल



## मंगल चतुर्थ भाव में

**शुभ फल :** राजा की कृपा से तथा धनी श्रेष्ठी आदि धनाद्यव्यक्तियों की कृपा से जातक को सम्मान और वस्त्र तथा भूमि का लाभ अवश्य होता है। राज्य से लाभ मिलता है, यदि जातक राजकीय सेवा में हो तो मंगल की दशा में विशेष लाभ मिलता है, तरक्की होती है अथवा अन्य ग्रहों की दशा में भी जब-जब मंगल का अन्तर आता है, तब-तब उन ग्रहों के साथ स्थापित सम्बन्ध के अनुसार उन्नति के अवसर मिलते हैं। साहसी, पराक्रमी होता है। रण में धीरज रखता है। युद्ध विजयी होता है। सवारी हो, घर हो, माता दीर्घायु होती है। चतुर्थ स्थानस्थ भौम होने से आजीविका खेती से होती है। जमीन से लाभ होता है। मंगल स्त्रीराशियों में होने से उपर दिये शुभ फल अधिक मिलते हैं। चौथे स्थान में मंगल सवारी की सुविधा देता है। मंगल चतुर्थभाव में होने से जातक के हाथ और पाँव लम्बे होते हैं। शरीर मजबूत होता है।

**अशुभफल :** चतुर्थभाव से जिन-जिन बातों का विचार किया जाता है (माता, मित्र, सुख, भूमि, गृह तथा वाहन) उन सबके सुख में कमी हो जाती है। चौथे स्थान का मंगल होने से अन्य अनुकूल ग्रहों के शुभ फल मंगल के आगे व्यर्थ हो जाते हैं। जातक दुराग्रही होता है। जातक को दुष्ट स्वभाव वाला बनाता है। चतुर्थभावस्थ मंगल होने से जातक की बुद्धि पर पर्दा पड़ जाता है अर्थात् विचार बुद्धि नहीं रहती। स्वभाव उद्धत होता है। शरीर सुख नहीं होता है। शरीर बहुत रोग तथा दुर्बलता एवं प्रसूति के समय कष्ट होता है। शरीर में पित्त का आधिक्य होता है। जातक का शरीर बलवान् होकर भी उस पर रोग टूट पड़ते हैं और शरीर में भारी निर्बलता होती है। सहनशक्ति का अभाव होता है। शरीर में व्रण होते हैं। विशेषतः पीठ में या जलने से व्रण होते हैं। मां को हानि पहुंचाता है। मातृपक्ष से सुख नहीं मिलता। माता-पिता के साथ विरोध होता है। जातक को अपने मित्र वर्ग से तथा अपने घर के लोगों से भी सगे संबंधियों से भी किसी प्रकार का सुख प्राप्त नहीं होता। भाई और कुटुम्बियों से वैर होता है। जातक अपना देश छोड़ परदेश में वास करता है। तथा वस्त्रहीन भी होता है। कहीं पर भी स्थिरता और चित्तशान्ति नहीं मिलती। जातक किसी का अप्रिय नहीं होता पर स्वयं दूसरों के प्रति द्वेषभाव रखने के कारण द्वेष का पात्र हो जाता है। वाहन से दुःख होता है। शत्रुओं से भय की प्राप्ति अवश्य होती है। परदेश में निवास होता है। पुराने टूटे-फूटे घर में वास होता है। और वह भी जलता है। चौथेभाव में मंगल हो तो घर में कलह होता है। घर के झांझाटों में व्यस्त रहता है। घर गिरना या आग लगने का भय होता है। दया से हीन और सदा ऋण लेनेवाला होता है। 18 वें, 28 वें, 36 वें तथा 48 वें वर्ष में शारीरिक कष्ट होता है। जातक का उत्कर्ष जन्मभूमि में नहीं होता बहुत कष्ट ही होते हैं। जन्मभूमि से दूर परदेश में उत्कर्ष होता है। अपने उद्योग से ही घर-बार प्राप्त करना होता है। व्यर्थ के कार्मों में इधर-उधर भटकना पड़ता है। पुत्र नहीं होता है। जातक महाकामी होता है। जातक का अपनी पत्नी के साथ विरोधभाव रहता है। दूसरे के धन की ओर, दूसरे की स्त्री की ओर चित्त लालायित रहता है। चौथे भौम होने से सुख नहीं होता। मानसिक पीड़ा रहती है। चतुर्थ मंगल होने से परिवार नहीं होता, जातक स्त्रीवशवर्ती होता है। निर्दय तथा ऋणग्रस्त होता है। बहुत घूमनेवाला, झगड़ालू, मां-बाप का घाट करनेवाला तथा सुखहीन होता है। व्यवहार में झांझटें और झगड़े बहुत होते हैं। जातक पागल जैसा मालूम होता है, और बहुत गलतियां करता है। किसी को सम्पत्ति का सुख मिलता है तो संतति का सुख नहीं होता है। संतति कष्टदायक होती है। जातक का उत्कर्ष 28 वें वर्ष से 36 वर्ष तक होता है।

शुभग्रह युक्त हो तो वाहन की इच्छा उत्पन्न होती है।

चतुर्थ में बलवान् मंगल हो तो माता को पित्तज्वर या व्रणरोग होता है।

यदि मंगल नीच (कर्क) में होकर पापग्रहयुक्त होने से अथवा अष्टम स्थान के स्वामी से युक्त होने से माता की मृत्यु होती है।

मंगल पुरुषराशियों में होने से अशुभ फल मिलते हैं।

पापग्रह की दृष्टि होने से या पापग्रह युक्त होने से दुर्घटनाओं का भय होता है।

Akhil Chawla



मंगल के साथ शुभग्रह बैठे हों तो दूसरे के घर में रहना होता है।  
अप्तिराशि का मंगल होने से घर जल जाता है।  
मंगल शुभ सम्बन्ध में हो तो जीवन में कभी दुःखी नहीं होता।  
माता-पिता की मृत्यु, तथा द्विभर्यायोग होता है।



## बुध



## बुध द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** घनभावगत बुध के शुभ तथा अशुभ-दोनों प्रकार के फल शास्त्रकारों ने कहे हैं। दूसरे स्थान में बुध जातक को निरोगिता, चेहरा सौम्य, मधुर और सुन्दर वाणी, नेत्र और मस्तक पर तिलक जैसा चिन्ह दिया करता है। घनभाव का बुध शुभयोग में होने से बहुत बलवान् होता है। जातक सुशील, गुणी, उदार, सदाचारी होता है। स्वभाव नम्र होता है। घनस्थ बुध प्रभावान्वित जातक बुद्धिमान् होता है। वाणी निर्मल होती है, जातक मीठा बोलता है। जातक बोलने में चतुर, वाचाल तथा निर्दोष वाणी बोलने वाला होता है। दूसरे भाव में स्थित बुध जातक को विचारक एवं वक्ता बनाता है। सभा में जातक का भाषण सिंहतुल्य तेजस्वी तथा प्रभावशाली होता है। नीतिमान्-अन्तर्ज्ञानी, शास्त्रचर्चा में प्रवीण, कविता करनेवाला होता है। जातक की दानशक्ति भी असीमित होती है और इसकी दानशक्ति की प्रशंसा विद्वान् भी करते हैं। जातक मितव्ययी, संग्रही होता है। सल्कार्यकारक, उद्योगप्रिय, न्याय करने में कुशल होता है। साहसी, अपने ही भुजबल से प्रतापी होता है। शास्त्रीयज्ञान, व्यापार और शिक्षा विषयक व्यवहार में प्रवीण होता है। कार्यशक्ति तीव्र होती है। 15 वें वर्ष बहुत ज्ञान प्राप्त होता है। जातक संगीत को जाननेवाला होता है। खान पान का सुख अच्छा मिलता है। भोजन में मिष्ठान प्राप्त होते रहते हैं। घन भावगत बुध जातक को घनवान् बनाता है। जातक अपनी बुद्धि से घनार्जन करनेवाला होता है। चतुरता से घनोपार्जन करके कोट्याधीश -करोड़ों रूपयों का मालिक होता है। स्त्री-घन प्राप्त होता है। 'षट्त्रिशकैर्घनकृतिम्'। 36 वें वर्ष घनलाभ होता है। अकस्मात् घन प्राप्ति होती। जातक घन-घान्य से युक्त, सुन्दर वस्त्र अलंकारादि की प्राप्ति करता है। एक बार घन नष्ट हुआ तो फिर प्राप्त होता है। लेखन-वाचन-दलाल-लिपिक का काम-हिसाब का काम आदि व्यवसायों में घन प्राप्त करता है। जातक प्रायः उन्हीं व्यवसायों में जाते हैं जिनमें बोली का (भाषण कला का) महत्व रहता है। वकील का पेशा करनेवाला होता है। व्यापारी वर्ग को घनस्थान में बुध के होने से अच्छा घन मिलता है। घनभाव के बुध के प्रभाव से प्रोफेसर-प्रिन्सिपल-डाइरेक्टर आदि अफसरों को अच्छा वेतन मिलता है। द्रव्य तथा स्त्रियों का उपभोक्ता होता है। भ्रमर की भाँति सर्वप्रकार के भोंगों का उपभोक्ता होता है। जातक सल्कर्म, शुभकर्म करनेवाला, सुखी तथा राजमान्य होता है। घनभाव में बुध होने से पिता का भक्त, गुरुभक्त होता है। द्वितीयभाव में बुध होने से जातक कुशल तथा सभी का मित्र होता है।

शुभफल पुरुषराशियों में बुध के होने से अधिक मिलते हैं।

**अशुभ फल :** जातक को हमेशा त्वचा के रोग होते रहते हैं। वकृत्वशक्ति में दोष संभव है।

पापग्रहसाथ अथवा पापग्रह की राशि में, या नीचराशि में होने से विद्याभ्यास नहीं होता। स्वभाव कूरर होता है। वातरोग होते हैं।



4

## बृहस्पति

4

## बृहस्पति चतुर्थ भाव में

**शुभ फल :** चौथे स्थान में बृहस्पति होने से जातक रूपवान्, बली, बुद्धिमान्, अच्छे हृदयवाला तथा मेधावी होता है। वाक्पटु, महत्वाकांक्षी और शुभकर्म करनेवाला होता है। जातक उद्यमी, कार्यरत, उद्योगी, यशस्वी और कुल में मुख्य होता है। लोक में आदर पानेवाला होता है। सब लोग जातक की प्रशंसा करते हैं। ब्राह्मणों का आदर-सम्मान करने वाला होता है। गुरुजनों का भक्त होता है। नौकरों-चाकरों और सवारी का सुख मिलता है। नानाप्रकार के वाहन आदि की प्राप्ति से सदैव आनंद मिलता है। कई प्रकार के वाहन चलाने की योग्यता रखता है। घर के दरवाजे पर बँधे हुए घोड़ों की हिनहिनाहट सुनाई देती है। जातक के पास सवारी के लिए घोड़ा होता है। जातक का घर बड़ा विस्तृत और सुख-सुविधा युक्त होता है। राजा द्वारा दिए गए घर (राजकीय आवास) के सुख से युक्त होता है। जातक के घर पर पाण्डित्य पूर्ण शास्त्रार्थ-वाद-विवाद होते हैं। माता का सुख एवं स्नेह का पात्र बनता है। माता-पिता की सेवा करने वाला होता है। माता-पिता पर भक्ति होती है। और उनसे अच्छा लाभ होता है। बृहस्पति अपरिमित सुख देता है। माता, मित्र, वस्त्र, स्त्री, धान्य आदि का सुख प्राप्त होता है। जातक को भूमि का सुख मिलता है। राजा की कृपा से (सरकार से) जातक को धन मिलता है। जातक के पास अच्छा दूध देने वाले दुधारू पशु होते हैं। अर्थात् यह पशु-धन संपत्र होता है। मित्रों से सुख मिलता है। वचपन के मित्र प्राप्त होते हैं। उत्तम वस्त्र और पुष्पमालाएँ प्राप्त होती हैं। आयु के अंतिमभाग में विजय प्राप्त होती है।

पुरुषराशियों में शुभफल मिलते हैं।

गुरु बलवान् होने से पिता की स्थिति बहुत अच्छी होती है। पिता सुखी होते हैं।

चतुर्थश्च बलवान् ग्रहों से युक्त होने से, या शुक्र और चंद्र से युक्त होने से, अथवा शुभवर्ग में होने से मनुष्य की सवारी करने वाला होता है, अर्थात् ऐसे वाहन पर बैठता है जिसको उठानेवाले मनुष्य हों जैसे पालकी।

**अशुभफल :** सन्तानाभाव के कारण दुखी रहता है। जातक का अन्तष्करण चिन्तायुक्त रहता है। वैद्यनाथ ने "जातक कपटी होता है" ऐसा अशुभफल कहा है। पूर्वजों की संपत्ति का नाश-अथवा अभाव, परिश्रम और कष्ट से स्वयं धन का उपार्जन, उत्तर आयुष्यकुछ अच्छा, आयु के पूर्वार्ध में कष्ट, पूर्वाजित संपत्ति का नाश अपने ही हाथों से होना, अथवा किसी ट्रस्टी द्वारा इसका हड्डप हो जाना। पितृसुख शीघ्रनष्ट होता है। मातृजीवन में भाग्योदय नहीं होता है। माता-पिता जीवित रहें तो इन्हें पुत्रोपार्जित धन का सुख नहीं मिलता-जातक स्वयं भी प्रगतिशील नहीं होता-नौकरी हो तो इसमें शीघ्र उत्त्रिति नहीं होती। व्यापार हो तो प्रगति बहुत धीमी होती है। जातक उतार-चढ़ाव के चक्र में पड़ा रहता है-कभी 12 वर्ष अच्छे, तो कभी 12 वर्ष बुरे बीतते हैं।

मेष, सिंह या धनु में चतुर्थभाव का गुरु होने से घर-बाग-बगीचा हो ऐसी प्रबल इच्छाएँ होती हैं, किन्तु इस विषय में व्यक्ति चिंताग्रस्त ही रहता है। आयु के अंत में घर तो हो जाता है किन्तु अन्य इच्छाएँ बनी रहती हैं, पूर्ण नहीं होती है।

चतुर्थश्च के साथ पापग्रह होने से, या पापग्रहों की दृष्टि होने से घर और वाहन नहीं होते। दूसरे के घर रहना पड़ता है-जमीन नहीं होती माता की मृत्यु होती है। भाई-बंधुओं से द्वेष होता है।



♀

शुक्र

♀

### शुक्र द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** शास्त्रकारों ने प्रायः शुभफल बताये हैं क्योंकि नैसर्गिक कुण्डली में शुक्र धनस्थान का स्वामी है। द्वितीय स्थान में स्थित शुक्र के प्रभाव से जातक सुन्दर दाँत वाला, शोभन मुख, बुद्धिमान, मधुरभाषी होता है। मुख से मधुर वचन बोलने वाला, नीतिपूर्ण बात कहने वाला और मिलनसार होता है। जातक की बुद्धि कुशाग्र और धार्मिकभावपूर्ण होती है। घर में परम्परा से चली हुई देवताओं की पूजा चालू रखता है। विद्यावान् और बहुश्रुत होता है। कई प्रकार की विद्याओं को जानता है। विद्वान्, बन्धुमान्य, नृपपूज्य, यशस्वी, गुरुभक्त और कृतज्ञ होता है। धर्म, नम्रता, सौंदर्य, दया, परोपकार इन गुणों वाला होता है। दान-पुण्य आदि करने वाला, दयालु, कीर्तिमान्, सुशील, राजपूजित होता है। सदाचार भरे चरित्रों से जातक का उज्ज्वल यश विश्व में फैलता है। विदेशों में यशस्वी होता है। रुचि अच्छे खाने-पीने की ओर होती है। मिष्टान्नभोजी, उत्तम भोजन, खाना-पीना अच्छा मिलता है। विविध खेलों और मनोरंजनों में भाग लेता है। अपनी विलासी प्रकृति और सुन्दर देह के कारण सुन्दर स्त्रियों का प्रिय बना रहता है। सर्वविध सौन्दर्यसम्पन्न स्त्रियों के उपभोग लेने का इच्छुक रहता है। जातक का चित्त स्त्रियों की ओर रहता है। जातक के कुटुम्ब में सभी कुछ सुन्दर अर्थात् उत्तम होता है। वस्त्र, अलंकार, धन और वाहन सभी उत्तम होते हैं। वस्त्र तथा धनादि से भंडार परिपूर्ण रहता है। उत्तम वस्त्र, अलंकार, जवाहरात आदि का शौकीन होता है। उत्तम, विविध रंगों के स्वच्छ वस्त्र पहनता है। श्रृंगारसाधन बहुत प्रिय होते हैं। जातक को विविध रीतियों से धन का संचय होता है। विद्या द्वारा या स्त्री से धन प्राप्त करता है। पैतक सम्पत्ति बहुत मिलती है। चाँदी और सीसा के व्यापार से और धनी होता है। जौहरी, रत्नों का पारखी होता है। क्रय-विक्रय का व्यापार करनेवाला होता है। जातक का कोश भरपूर होता है। मित्रों से व्यवसाय में अच्छा लाभ होता है। जातक का कुटुम्ब बड़ा होता है। बांधवों में सुखी और बहुपालक होता है। 32 वें वर्ष उत्तम स्त्री तथा भूमि का लाभ होता है। द्वितीय स्थान के शुक्र का सामान्य फल है कि धनार्जन में स्थिरत नहीं, किन्तु धनाभाव भी नहीं। विवाह के बाद भग्योदय होता है। स्त्री भी धनार्जन करती है या ससुराल से धन मिलता है। आयु का पूर्वार्ध कष्टमय, मध्यकाल में सुख-समृद्धि।

मिथुन, तुला वा कुंभ में शुक्र होने से व्यापार से उन्नति किन्तु पुत्राभाव से चिन्ताग्रस्त रहता है।

**अशुभ फल :** वस्त्र, अलंकार, मनोरंजन आदि में खूब खर्च करता है। द्वितीय स्थान का शुक्र द्विभार्या योग करता है। जातक मित्र को दिलभर शराब पिलाकर अपने काम बना लेता है।

पापग्रह से युक्त होने से शराबी होता है।



ॐ

शनि

ॐ

## शनि चतुर्थ भाव में

**शुभ फल :** चतुर्थ भाव के शनि के प्रभाव से जातक प्रायः उदार, शान्त, गम्भीर, उदात्त, धैर्यसम्पन्न, निर्लोभी, न्यायी, व्यसनहीन, अतिथि-सत्कार कर्ता, बड़ी-बड़ी संस्थाओं के लिए सम्पत्ति अर्पण करनेवाला होता है। अत्यन्त उदार होने से उत्तरावस्था में दरिद्र भी हो जाता है। किन्तु परोपकार से विमुख नहीं होता। गुणी स्वभाव वाला होता है। चतुर्थ शनि हो तो जातक बहुत धनी प्रचुर धन प्राप्त करता है। जातक को घोड़े या पालकी की सवारी मिलती है। शनि लग्नेश होने से माता दीर्घायु होती है और जातक सुखी होता है। चौथे भाव का शनि जातक के लिए दत्तक पुत्र होने का योग बनाता है। चौथे भाव में शनि के प्रभाव से जातक किसी दूर देशान्तर में प्रगति कर पाता है। आयु के 16।22।24।27।36 वर्ष भाग्यकारक वर्ष है। इन वर्षों में नौकरी, विवाह, सन्तति आदि सम्भावित होते हैं। शनि से पूर्व आयु में 36 वें वर्ष तक कष्ट रहता है, तदनन्तर 56 वें वर्ष तक स्थिति अच्छी रहती है। चतुर्थभावगत शनि से शत्रुओं से सम्पर्क होकर सुख मिलता है।

शुभफलों का अनुभव पुरुष राशियों में होता है।

चतुर्थभावस्थ शनि मेष, कर्क, सिंह, तुला, धनु, वृश्चिक, मीन या मिथुन में होने से सरकारी नौकरी के लिए अच्छा होता है। मैजिस्ट्रेट-जज आदि नौकरियाँ अच्छी रहती हैं। शिक्षाविभाग में बी०एस-सी०, एम०एस-सी०, आदि उपाधियों की प्राप्ति के लिए शनि अच्छा है। चौथे भाव का शनि द्विभाग्ययोग करता है।

चतुर्थभाव का शनि मेष, सिंह, धनु, कर्क, वृश्चिक या मीन में होने से सन्तति विपुल होती है।

अन्य राशियों में उत्तर की ओर देशान्तर प्रगति के लिए अनुकूल होता है।

**अशुभ फल :** चतुर्थभावस्थ शनि होने से जातक पित्त और बात के प्रकोप से कृशदेही-निर्बल और दुर्बल शरीर होता है। नाखून और रोम बड़े होते हैं। चतुर्थभाव में शनि के होने से जातक के शरीर में सुख नहीं होता। जातक कुस्तित-स्वभाववाला, मलिन, आलसी, शीघ्रकोपी, झगड़ालू, धूर्त, दुराचारी और कपटी होता है। दुष्टों की संगति में रहनेवाला और दुर्जनों से घिरा हुआ रहता है। जातक चिन्ता से युक्त, मानसिक व्यथावाला होता है। चतुर्थस्थ शनि होने से जातक गृहीन, मानवीन और मातृहीन होता है। चौथे भाव में स्थित शनि जातक की माता को कष्टप्रद रहता है, अथवा माता से विरोध भाव कराता है। जातक अपने माता-पिता के लिए सन्ताप का कारण होता है। माता पिता को कष्ट देता रहता है। चतुर्थभावस्थ शनि सौतेली मां का अस्तित्व सूचित करता है। द्विभाग्ययोग के कई एक अर्थ हैं:- 1- एक का निर्याण-द्वितीय का आगमन, प्रथमा में सन्तान के अभाव में द्वितीया का परिणय। 2- एक ही समय में जीवित दो स्त्रियों का घर में होना। 3- निर्धन माता-पिता का दो कन्याओं को एक ही वर से विवाहसूत्र से बांध देना। चौथे स्थान का शनि जातक को पिता के धन से वंचित करता है। जिस जातक के लग्न से चतुर्थभाव में शनि हो तो उसे पिता का धन, पिता का घर प्राप्त नहीं होता है। चतुर्थभाव में शनि होने से उत्तराधिकारी के नाते मिलनेवाली पैतृक सम्पत्ति से वंचित रहना पड़ता है। जातक को पितृसंचित धन नहीं मिलता है। स्थावर सम्पत्ति में पिता का घर आदि नहीं मिलता है। अर्थात् चतुर्थभाव के शनि के प्रभाव में उत्पन्न जातक चल-अचल दोनों प्रकार की पैतृक सम्पत्ति से वंचित रहता है। चतुर्थभाव में शनि होने से पूर्वार्जित चल सम्पत्ति या स्थावर सम्पत्ति का नाश होता है। चतुर्थभाव में शनि होने से कभी-कभी पूर्वार्जित इस्टेट के नष्ट हो जाने पर ही भाग्योदय होता है। चतुर्थभाव गत शनि के होने बैठने के लिए अच्छा आसन और रहने के लिए अच्छा घर नहीं मिलता है। अपने स्थान से हटना पड़ता है। जातक अपना गांव छोड़कर दूसरे गांव में जाता है वहां पर भी वह दुःखी ही रहता है। चतुर्थस्थान सुख स्पान है। चतुर्थभावस्थ शनि सुख को नष्ट करता है। जातक सुखरहित होता है। इसलिए दुःखी और चिन्तातुर होता है। चतुर्थभाव में शनि होने से एक यौवन सम्पन्न पुत्र की मृत्यु संभव होती है। जातक चतुर्थभाव में शनि स्थित होने से पित्त और वायु दोष से अस्वस्थ और दुःखी रहता है। जातक बचपन में रोगी



रहता है। चतुर्थस्थ शनि होने से जातक को हृदयरोग से पीड़ा होती है। आयु के 8।18।22।28।40।52 वें वर्ष में शारीरिक कष्ट बहुत होता है। जातक को जीवन में बदनामी और उदासीनता मिलती है। भाई-बन्धुओं से, विरादरी से व्यर्थ का कलंक लगता है। जातक के अपने लोग निन्दा करते हैं और यह मिथ्यापवाद जातक के लिए असह्य मानसिक पीड़ा का कारण होता है। घोड़ा आदि वाहनों में हानियाँ होती हैं। पशुभय होता है। जातक का धन भाई-बंधु चोरी कर ले जाते हैं। जातक का अपने भाई-बंदों से बिरादरी के लोगों से वैर रहता है। चतुर्थ में शनि शुभ हो या न हो उत्तर आयु में एकांतप्रिय और संन्यासी वृत्ति होती है। जीवन के आखरी दिन बहुत अशुभ होते हैं।

शनि निर्बल तथा पीड़ित होने से माता या पिता का मृत्युयोग जल्दी होता है।

शनि अष्टमेश होने से या शनि के साथ अष्टमेश होने से माता की मृत्यु होती है और और विमाता (सौतेली मां) होती है।

चतुर्थभावस्थ शनि पुरुषराशि में होने से पहले पिता की मृत्यु होती है माता की मृत्यु क्वचित् ही होती है।

जिसकी मृत्यु बाद में होती है उसके संबंध परिवार से ठीक नहीं रहते क्योंकि उसके जीवित रहने पर भाग्योदय नहीं होता, सभी प्रकार के कष्ट चलते रहते हैं।

पुरुषराशियों में साधारणतया 48 से 52 वर्ष में पती का देहान्त सम्भावित होता है।

शनि निर्बल तथा पीड़ित होने से जातक गृहहीन होता है। गृहसौख्य नहीं मिलता है। जमीन, खेती, इस्टेट का नुकसान होता है।

चतुर्थभाव का शनि मार्ग्ग होने से बंधु नाशक होता है और जातक रोगी होता है।

चतुर्थ शनि बहुत दूषित हो तो वचपन में पिता की मृत्यु सौतेली माता से कष्ट, धन का संग्रह न होना, जन्मभूमि में उन्नति का अभाव, ये अशुभफल होते हैं।



॥

राहु

॥

### राहु तृतीय भाव में

**शुभ फल :** तीसरे स्थान का राहु अरिष्टनाशक, और दुःखनाशक माना गया है। तीसरे स्थान के राहु से व्यक्ति दृढ़ शरीर नीरोग, बलवान् होता है। बाहुबल बहुत होता है। जातक पराक्रमी, साहसी, उद्योगी, प्रतापी, दृढ़विवेकी, प्रवासी, विद्वान् एवं भाग्यवान् होता है। तृतीयभावगत राहु प्रभावान्वित जातक त्वरितबुद्धि और चपल होता है। संसार में कीर्तिमान होता है। यशस्वी, प्रतिष्ठित और दानी होता है। सर्वदा सब से मैत्री और सभी के साथ सम्भाव से आदर पूर्ण व्यवहार करता है। किसी से भेदभाव नहीं करता और शुद्ध अंतस्करण से व्यवहार करता है। भाग्योदय द्वारा द्रव्य लाभ सहज ही होता है, और यत्न करने की विशेष आवश्यकता नहीं रहती है। जातक लक्षाधीश, सुखी और चिरकाल तक धन पाने वाला होता है। जातक का उत्तम भाग्य होता है। वह भाइयों को सहयोग प्रदान करता है। कई प्रकार के सुखों का उपभोग करता है। विलास आदि का सुख प्राप्त होता है। वाहन और नौकर प्राप्त होते हैं। राजबल से युक्त, राजा द्वारा सम्मानित होता है। योगाभ्यासी होता है। शत्रुओं के ऐश्वर्य का नाश करता है। स्वयं शुभ मार्ग पर चलता है। मित्रसुख सम्पन्न होता है। जातक परदेश में जाता है। जातक के घर में तिल, निष्ठाव, मूंग, कोदव आदि धान्य होते हैं। निष्ठाव एक प्रकार की दाल है।

राहु बलवान् होने से शत्रुओं का नाशक, शत्रुभय रहित होता है।

शुभफल का अनुभव स्त्रीराशियों में प्राप्त होता है।

**अशुभ फल :** तृतीयभाव में राहु होने से शरीर में व्यंग रहता है। जातक अभिमानी, भीरु, संशयी वृत्ति का, आलसी होता है। भाइयों का विरोध करने वाला होता है। जातक के भाइयों की मृत्यु होती है। इस स्थान के राहु से किसी भाई का संसार नहीं चलेगा, किसी की अपघात से मृत्यु होगी। कोई लापता होगा। किसी से अदालत में मुकदमें लड़ने पड़ेंगे। इस तरह तृतीयभावस्थ राहु भ्रातृ सुख का बाधक है। इस स्थान का राहु पहले पुत्र का भी मारक है। इस स्थान के राहु से दो भाई एक स्थान पर नहीं रह सकते। पशुओं की मृत्यु होती है। पशुधन नष्ट होता है। जातक मानसिक रोगों से युक्त होता है। बहुत स्वप्न आते हैं।

स्त्रीराशि का तृतीयस्थ राहु भाइयों को मारक नहीं होता।

बहनों को मारक होता है।



४

## केतु

४

## केतु नवम भाव में

**शुभ फल :** नवम में केतु होने से जातक पराक्रमी, सदा शस्त्रधारण करनेवाला होता है। जातक को कांति, कीर्ति, बुद्धि, उदारता, दयालुता, धार्मिकता प्राप्त होती है। तपस्या और दान से हर्ष आनन्द की वृद्धि होती है। नवमस्थान में केतु होने से जातक के क्लेशों का नाश होता है। सदा म्लेच्छों से लाभ और कष्टों का नाश होता है। म्लेच्छों या विदेशियों द्वारा भाग्य की वृद्धि, भाग्योदय होता है। नवें भाव में होने से जातक समाज में विशेष आदरणीय नहीं होता पर सुखी और भाग्यवान होता है। दुष्टों के साथ मित्रता रखने के कारण अनैतिक धन्धों से धन लाभ करता है। पुत्रसुख और धन का लाभ होता है। यह राजा अथवा राजमंत्री होता है।

**अशुभ फल :** केतु नवम होने से बचपन में पिता को कष्ट होता है। पिता के सुख से हीन होता है। धर्म नष्ट होता है। धर्मात्मक करने में रुचि होती है। तीर्थयात्रा की इच्छा नहीं होती। जातक की तपस्या और दान आदि धर्मिक कृत्यों में सदा उपहास होता है। अर्थात् जातक का तप और दान दंभ (ढोंग) समझा जाता है। अर्थात् जातक की तपश्चर्या तथा दान शास्त्रविधि के अनुसार न होने से उपहासास्पद होता है। भाग्योदय में विघ्न होता है। अच्छे लोगों से निन्दित होता है। सहीदर भाइयों को कष्ट होता है। जातक को सगे भाइयों से पीड़ होती है। पुत्र प्राप्ति की इच्छा रहती है। अर्थात् पुत्र संतान का अभाव रहता है। बन्धु और पुत्र के विषय में चिंतित होता है। विधर्मी से लाभ पाने की इच्छा होती है। भुजाओं में अनेक प्रकार के रोग होते हैं।





## भावेश फल

### लग्रेश - द्वितीय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लग्रेशो द्वितीये लाभे स लाभी प्रणितो नरः।

सुशीलो धर्मविन्मानी बहुदारगुणैर्युतः॥

मानसागरी के अनुसार -

लग्नपतिर्धनभवने धनवन्तं विपुलजीविनं स्थूलम्।

अतिबल भवनीशं वा भूलाभं वा सुधर्मरतं कुरुते॥

यवन जातक के अनुसार -

तनुपतिर्धनभागवतो भवेत् धनयुतं पृथुदीर्घशरीरिणम्।

विलघुजीवितमन्त्कुटुम्बिनं विविधंदकधर्मयुतं कुरुते नरम्॥

लग्रेश धनस्थान में हो तो वह मनुष्य कई प्रकार से लाभ प्राप्त करने वाला, धनवान, पण्डित, अच्छा आचरण करनेवाला, धर्म का जानकार, कई प्रकार से धर्मिक आचरण करनेवाला, धर्म के अनुसार चलनेवाला, अभिमानी, बहुत स्त्रियों से युक्त, ऊंचा तथा मोटा, बहुत बलवान, दीर्घायु, होता है। जातक राजा जैसा, भूमि प्राप्त करनेवाला, कुल का प्रमुख, अपने गांव में मुख्य अधिकारी, धन का संग्रह करनेवाला, लेनदेन में कुशल, कुटुम्बसुख प्राप्त करनेवाला, सुखादु अन्न खानेवाला होता है। धन की चिन्ता रहती है।  
अनुभवः लग्रेश शुक्र होने के कारण जातक को लाभ, कुटुम्ब का सुख होगा।

### धनेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनेशो धनभे सोऽथ धनवान गर्वसंयुतः।

भार्याद्वयं त्रयं चापि सुतहीनोऽपि जायते॥

मानसागरी के अनुसार -

व्यवसायी च सूलाभी उत्पन्नभुगलिककारको नीचः।

अलीककृद् विदितः पूर्णद्विग्नी धनपतौ धनगे॥

गर्व संहिता के अनुसार -

धनपो धनाभावस्यो धनवन्तं धर्मकर्मनिरतं च।

लाभाधिकं सलोभं कुरुते पुरुष सदादानम्॥

धनेश धन स्थान में होने से जातक धनवान, गर्व वाला होता है, उसके दो या तीन विवाह होते हैं, पुत्र नहीं होता। वह व्यापारी, लाभ प्राप्त करनेवाला, जो मिले उतना भोग करनेवाला, झूठे काम करनेवाला, नीच, प्रसिद्ध, घबराने वाला होता है। जातक धनवान, धार्मिक कार्य करनेवाला होता है, इसे बहुत लाभ होता है किन्तु यह लोभी होता है, कभी दान नहीं देता। पिता द्वारा कमाये हुए या अन्य किसी से बिना मेहनत के प्राप्त हुए धन की प्राप्ति होती है, ब्याज तथा व्यापार से धन मिलता है, बहुत मनुष्यों को वह आश्रय देता है, अच्छा अन्न खाता है तथा उसे कुटुम्ब का सुख मिलता है।

अनुभवः धनेश बुध स्वगृह में होने के कारण उपर्युक्त शुभ फल अनुभव में आते हैं।



### तृतीयेश - तृतीय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

तृतीयेशो तृतीयस्थे विक्रमीभृत्यसंयुतः।  
धनयुक्तो महादृष्टे भुनक्ति सुखमद्वंतम्॥

यवन जातक के अनुसार -

सहजगते सहजपतौ पृथमन्ती सौहृदेतिनिपुणश्च।  
गुरुपूजननिरतो वै नृपतौ लाभं परं नरं कुरुते॥

मानसागरी के अनुसार -

**यवनजातक का ही श्लोक दिया गया है।**

तृतीयेश तृतीय में होने से जातक पराक्रमी, नौकरों से युक्त धनवान, अद्भुत सुख प्राप्त करनेवाला होता है। राजा का मंत्री, मित्रता जोड़ने में कुशल, बड़े लोगों का आदर करनेवाला तथा राजा से लाभ प्राप्त करनेवाला होता है। साहसी, पराक्रमी, आग्रही, सिपाही जैसी प्रवृत्तिवाला, उद्योगी, स्वतन्त्र व्यवसाय करनेवाला तथा कुल की इज्जत बढ़ानेवाला होता है। धनवान होता है।

**अनुभवः**: तृतीयेश चन्द्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल सही सिद्ध नहीं होते हैं।

### चतुर्थेश - धन स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सर्वसम्पद्युतो मानी साहसो कृ (भूमि) सुखन्वितः।  
कुटुम्बैः संयुतो भोगी सुखेशो च द्वितीयगो॥

यवन जातक के अनुसार -

सुखपतौ धनगे खलखेचरैः पितृविरोधकरः कृपणः शुचिः।  
शुभं खगैः पितृभक्तिधनाश्रयः शुभयुतः श्रुतिशास्त्रविशारदः॥

चतुर्थेश धनस्थान में होने से जातक सब सम्पत्ति से युक्त, अभिमानी, साहसी, जमीन-जायदाद के सुख से युक्त, परिवार से सुक्त तथा उपभोग प्राप्त करनेवाला होता है। कुटुम्ब व सम्बन्धियों का सुख अच्छा मिलता है, साहूकार होता है, धन का संग्रह करता है। चतुर्थेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो पिता से विरोध होता है, कंजूस तथा पवित्र रहता है। चतुर्थेश शुभ ग्रह हो तो पिता का भक्त, धनवान तथा इसके साथ शुभग्रह हो तो वेदशास्त्रों का पंडित होता है। पिता का पालन करता है किन्तु पिता को जातक का धन नहीं मिलता।

**अनुभवः**: चतुर्थेश रवि होने के कारण जातक कंजूस तथा पवित्र रहता है।



### पंचमेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

**सुतेशो चायुषि वित्ते बहुमैत्रो न सशयः।**

**उदरव्याधिसंयुक्तः क्रोधयुक्तो धनान्वितः॥**

यवन जातक के अनुसार -

**सुतेशो गते द्रव्यभावे नरः स्यात् कुलेशाप्तवितः कुटुम्बे विरोधी।**

**भवेद्वानिकारी जनो भोगसक्तः शुभैर्जीवपुत्रो भवेद् द्रव्यनाथ॥**

पंचमेश धन स्थान में होने से जातक को बहुत मित्र मिलते हैं, पेट की बीमारी होती है, क्रोधी तथा धनी होता है। पिता से संपत्ति मिलती है किन्तु कुटुम्ब से विरोध तथा उसकी हानि करता है, उपभोगों में आसक्त होता है, शुभग्रह युक्त हो (चन्द्र, बुध, शुक्र तथा गुरु) तो जातक के पुत्र होते हैं, वह धनवान होता है। पंचमेश पापग्रह हो (रवि, मंगल तथा शनि) तो वह निर्धन होता है, कवि या गायक होता है, दुःख सहन करना पड़ता है तथा अपने स्थान में बड़े प्रयत्न से स्थिरता मिलती है। जातक विद्वान तथा हमेशा ज्ञानप्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहता है, बुद्धिजीवी होकर कीर्ति प्राप्त करता है।

**अनुभवः** पंचमेश बुध होने के कारण जातक विद्वान तथा हमेशा ज्ञानप्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहता है, बुद्धिजीवी होकर कीर्ति प्राप्त करता है।

### षष्ठेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

**षष्ठेशो कर्मवित्तस्य साहसी कुलविश्वृतः।**

**परदेशी शुचिवंकता स्वधर्मस्वेकानिष्ठकः॥**

यवन जातक के अनुसार -

**रिपुपतौ द्रविणे चतुरो नरः कठिनता धनसग्रहणक्षमः।**

**निजपदप्रवरौ विदितश्वलो गदयुतः कृशगात्रयुतो नरः॥**

गर्ग जातक के अनुसार -

**षष्ठपतौ द्रविणस्ये दुष्टश्वतुरो हि संग्रहवान्।**

**स्थानप्रवरो विदितः सव्याधिस्तनुजहवितः॥**

षष्ठेश धनस्थान में होने से जातक साहसी, घराने में प्रसिद्ध, विदेश जानेवाला, पवित्र, अच्छा बोलनेवाला, अपने धर्म में एकनिष्ठ होता है। चतुर, धन का संग्रह करने में समर्थ, कठोर, अपने पद में ऊँचा, प्रसिद्ध, चंचल, रोगी, दुबला होता है। पुत्रों द्वारा धन का हरण किया जाता है, मित्रों का धन नष्ट करनेवाला इतना होता है। जातक कुटुम्ब में फूट डालता है, पैतृक संपत्ति के बारे में झागड़े होते हैं, अच्छा अन्न खाने का योग नहीं मिलता।

**अनुभवः** षष्ठेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित धनसंबंधी फल अनुभव होते हैं।



### सप्तमेश - चतुर्थ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

दृयनेशोदशमेतुर्ये तस्य जाया पतिव्रता।  
धर्मात्मा सत्यसंयुक्तः केवल वातरोगवान्॥

यवन जातक के अनुसार -

स्मरपतिस्तनुते सुखभावगो विबलिनं पितृवैरकरं खलम्।  
भवति वादयिता परिपालकः स्वपतिवाक्ययुता महिला सदा॥

गर्ग जातक के अनुसार -

जायेशो तुर्यस्ये लोलः पितृवैरसाधकः स्त्रेही।  
अस्य पिता दुर्वाक्यस्तद्वार्या पालयेच्च पिता॥

सप्तमेश चतुर्थ स्थान में होने से जातक की पत्नी पतिव्रता होती है, यह धर्मात्मा तथा सत्यप्रिय होता है, इसे वातरोग होते हैं। जातक दुर्बल, पिता से शत्रुता करनेवाला, दुष्ट होता है, पत्नी का पालन करता है तथा पत्नी इस की बात मानती है। जातक चंचल, पिता से वैर करनेवाला, प्रेमी होता है, इस का पिता कठोर बोलनेवाला होता है तथा इसकी पत्नी का पालन पिता द्वारा होता है। जातक की पत्नी सदुगणी होती है, सुख व ऐश-आराम मिलता है, खेत आदि सम्पत्ति मिलती है।

### अष्टमेश - चतुर्थ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

अष्टमेशो सुखे कर्मे पिशुनो बन्धुवर्जितः।  
मातापित्रोर्भवेन्मृतयुः स्वल्पकगलेन भीतियुक्॥

यवन जातक के अनुसार -

मृतिपतौ सुखभावगते नरो जनकसंचितवैभवनाशकृत्।  
गदयतश्च सूते जनकेऽथवा कलह एवं मिथश्च सदैव हि॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

निधनेशो तुर्यगते पितृतोऽन्यायाल्लभेत तल्लक्ष्मीम्।  
पितृपुत्रयोश्च युद्धं पिता च रोगाच्चितो भवति॥

अष्टमेश चतुर्थ में होने से जातक चुगली करनेवाला, बन्धुओं से रहित होता है, माता-पिता की मृत्यु जल्द होती है, थोड़े-थोड़े समय से भय उत्पन्न होता है। पिता द्वारा एकत्रित धन का नाश करता है, रोगी होता है, पुत्र या पिता से हमेशा झागड़ता है। पिता का धन अन्याय से प्राप्त करता है, पिता-पुत्र में लड़ाई होती है इस का पिता रोगी होता है।

**अनुभव :** अष्टमेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



### नवमेश - चतुर्थ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

भाग्येशो दशमे तुर्ये मन्त्री सेनापतिभवित्।

पुण्यवान् पशुमांश्वापि साहसी क्रोधवजितः॥

यवन जातक के अनुसार -

हिबुकभावगते सुकृतेश्वरे बुधसुहत्पितृपूजनतत्परः।

भवति तीर्थकरः सुरभक्तिमान् निखिलमित्रपरः सुसमृद्धिमान्॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है।

नवमेश चतुर्थ स्थान में होने से जातक मंत्री या सेनापति होता है, पुण्यवान्, पशुओं से युक्त, साहसी व क्रोध रहित होता है। पिता, मित्र तथा विद्वानों का आदर करता है, तीर्थयात्रा करता है, ईश्वरभक्त होता है, सबसे मित्रता रखता है व अच्छा संपन्न होता है। जातक धनवैभव का उपभोग प्राप्त करता है, बड़ी इमारतें बनवाता है, खेती व बगीचों से धनलाभ प्राप्त करता है। वक्ता व संतोषी होता है।

अनुभव : नवमेश शनि होने के कारण जातक साहसी, मंत्री या सेनापति होता है।

### दशमेश - चतुर्थ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

दशमेशो सुखे कर्म ज्ञानवान् सहविक्रमी।

गृहदेवार्चनरतो धर्मात्मा सत्यसंयुतः॥

यवन जातक के अनुसार -

दशमपेऽम्बुगते नितरां सुखी पितरि मातरि पोषणतत्परः।

सकललोकदशामपि तापकृत् नृपतिसंभवलाभविभूषितः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक का ही वर्णन है, सिर्फ़

अपि तापकृत् की जगह अमृतायते इतना भिन्न शब्द दिया है।

दशमेश चतुर्थ में होने से जातक ज्ञानी, पराक्रमी, धर्मात्मा, सत्यपरायण, गुप्त रूप से किसी देवता की पूजा करनेवाला होता है। सुखी, माता-पिता का पालन करनेवाला, लोगों का कष्ट सहन करनेवाला, राजा से लाभ प्राप्त करनेवाला होता है। जातक माता-पिता से सुख पायेगा, राजा जैसा वैभव मिलेगा, खेतों से जीविका प्राप्त होगी, सम्बन्धियों को प्रिय होगा।

अनुभव : दशमेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं तथा राजा से लाभ प्राप्त होगा।



## लाभेश - चतुर्थ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

**लाभेशो सहजे चित्ते तीर्थेषु तत्परो भवेत्।**

कुशलः सर्वकार्येषु केवलं शूलरोगवान्॥

यवन जातक के अनुसार -

**अमितजीवनयुक् पितृपंक्तियुक् तनयकर्मरतः सुभगः शुभः।**

सुकृतकर्मवशादतिलाभवान् सुखगते भवभावपतौ भवेत्॥

मानसागरी के अनुसार -

**यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ स्वधर्मरतः इतना शब्द अधिक है।**

लाभेश चतुर्थ में होने से जातक तीर्थयात्रा करनेवाला, सब कामों में कुशल होता है, उसे शूल रोग होता है।

दीर्घायु, पिता से युक्त, पुत्र के काम को पसंद करनेवाला, सुंदर, अच्छे कामों से बहुत लाभ पानेवाला होता है।

धनलाभ के कारणों में मन लगानेवाला होता है। जातक बड़ी जायदाद प्राप्त करेगा, बड़ी इमारतें बनवायेगा,

मातृभक्त होगा, हाथी घोड़े-पालकी (वाहन) के वैभव से संपन्न बड़ा जमीनदार होगा।

**अनुभव :** लाभेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

## व्ययेश - चतुर्थ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

**व्ययेशो तुर्यगो यस्य पितृसौख्यं भवेत्र हि।**

**बन्धुहीनः पुत्रहीनो द्विभार्यो मतिमान् सुखी॥।**

यवन जातक के अनुसार -

कठिनकर्मयुतः शुभकर्मकृत् व्ययपतौ सुखगे च सुखन्तिः।

सुतजनान्मरणं च दृव्रती दिविचरे स भवेदुपकारकः॥।

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

**तुर्यगते व्ययनाथे कृपणो रोगोज्जितः सुकर्मा च।**

**मृतिमाप्नोति हि सुततः सततं मनुजो महादुःखी॥।**

व्ययेश चतुर्थ स्थान में होने से जातक को पिता, बन्धु तथा पुत्र का सुख नहीं मिलता है, दो विवाह होते हैं

यह बुद्धिमान व सुखी होता है। कठिन व अच्छे काम करता है, नियमों का दृढ़ता से पालन करनेवाला,

उपकार करनेवाला, प्रवास करनेवाला होता है। कंजूस, निरोग, अच्छे काम करनेवाला, हमेशा दुखी, विना

रोग से मृत्यु प्राप्त करने वाला होता है। रिश्टेदार धन का नाश करते हैं, गाड़ी-घोड़ों (वाहन) के व्यापार में भी

धन का नाश होता है।

**अनुभव :** व्ययेश मंगल होने के कारण ऊपर वर्णित फल अधिक अनुभव होते हैं।



## मंगली-दोष विचार

1. अगस्त्य संहिता के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
भार्या भर्तु विनाशाय भर्तुश्च स्त्री विनाशनम्॥

2. मानसागरी के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
कन्या भर्तुविनाशाय भर्तुः कन्या विनश्यति॥

3. बृहत् ज्योतिषसार के अनुसार -

लग्रे व्यये चतुर्थे च सप्तमे वा अष्टमे कुजः।  
भर्तरं नाशयेद् भार्या भर्ताभार्या विनाशयेत्॥

4. भावदीपिका के अनुसार -

लग्रे व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
स्त्रीणां भर्तु विनाशः स्यात् पुंसां भार्या विनश्यति॥

5. बृहत् पाराशर होरा के अनुसार -

लग्रे व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे।  
शुभ द्वग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम्॥

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ यह है कि जन्म लग्र से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश स्थान में मंगल स्थित होने पर मंगल दोष या कुज दोष होता है।

कुछ आचार्यों के अनुसार लग्र के अतिरिक्त चन्द्र लग्र, शुक्र या सप्तमेश से इन्हीं स्थानों में मंगल स्थित होने पर भी मंगली दोष होता है।

शास्त्रोक्ति है -

लग्रेन्दु शुक्राद् दुःस्थाने यद्यस्ति क्षिति संभवः।  
तदशापाक समये दोषमाहर्मनीषिणः॥

यदि मंगल लग्र, चंद्रमा या शुक्र से दुःस्थान में स्थित हो तो उसकी दशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

सामान्यतः मंगल दोष को लग्र व चन्द्र से देखा जाता है।

**Akhil Chawla** की कुण्डली में मंगल लग्र से चतुर्थ भाव में स्थित है और चन्द्र लग्र से द्वितीय भाव में स्थित है। अतः **Akhil Chawla** जन्म लग्र से मांगलिक हैं मगर चन्द्र लग्र से नहीं।



## मंगली दोष का फल

मंगली दोष वैवाहिक जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करता है - विवाह में विप्लव, विलम्ब, व्यवधान या धोखा, विवाहोपरान्त दम्पति में से किसी एक अथवा दोनों को शारीरिक, मानसिक अथवा आर्थिक कष्ट, पारस्परिक मन-मुटाव, आरोप-प्रत्यारोप तथा विवाह-विच्छेद। अगर दोष अत्यधिक प्रबल हुआ तो दोनों अथवा किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

फिर भी मंगली दोष से भयभीत या आतंकित नहीं होना चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि मंगली का विवाह मंगली से ही हो क्योंकि मंगल-दोष साम्य होने से वह प्रभावहीन हो जाता है तथा दोनों सुखी रहते हैं।

दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे लग्नरस्ते। लग्नाच्चन्द्राच्च शुक्रादपि भवति यदा भूमिपुत्रो द्वयोर्वै॥  
तत्साम्यात्पुत्रमित्रप्रचुरधनपतां दंपती दीर्घ-काला। जीवेतामेकहा न भवति मश्तिरिति प्राहुरत्रात्रिमुख्याः॥

अर्थात् यदि वर और कन्या के जन्मांग में मंगल द्वितीय, द्वादश, चतुर्थ, सप्तम अथवा अष्टम भाव में लग, चंद्रमा अथवा शुक्र से सम्भाव में स्थित हो तो समता का मंगल दोष होने के कारण वह प्रभावहीन हो जाता है। परस्पर सुख, धनधार्य, संतानि, स्वास्थ्य एवं मित्रादि की उपलब्धि रहती है।

कुज दोष वत्ति देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्यो सुखवर्धनम्॥  
मंगल दोष वाली कन्या का विवाह मंगल दोष वाले वर के साथ करने से मंगल का अनिष्ट दोष नहीं होता तथा वर-वधू के मध्य दाम्पत्य-सुख बढ़ता है।

## मंगली दोष परिहार के उपाय

मंगली दोष की शान्ति के लिये प्रमुख उपाय हैं -

\* मंगलवार का व्रत रखें। दिन में नमक के बिना तरल भोज्य पदार्थ (चाय, काफी, दूध, लस्सी, फलों के रस) लें। सायंकाल थाली में रोली से त्रिकोण बनाएँ तथा पंचोपचार (लाल चंदन, लाल पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य) से पूजन करें। तत्पश्चात् सूर्यास्त से पूर्व ही गेहूँ की रोटी, घी, गुड़ ग्रहण करें।

\* मंगल दोष अधिक प्रबल हो तो मंगल चंडिका स्तोत्र का 108 दिन तक नित्यप्रति 21 बार जप करें। प्रातः काल पूर्वाभिमुख होकर बैठें व पंचमुखी दीप प्रज्वलित करके अपने इष्ट तथा मंगल ग्रह का पंचोपचार से पूजन करें, फिर निम्नलिखित जप करें -

रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके ।  
हारिके विपदां राशो हर्षमंगलकारिके ॥  
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके ।  
शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥  
मंगले मंगलाहें च सर्वमंगलमंगले ।  
सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥



## साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अप्ति से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

**कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थै में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम्॥**

**राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिनानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पश्चन् पीडनम्॥**

**हानिःस्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकृतं तुर्याष्टमै वाथवा॥**

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लड़ाई विदेश में प्रवास, कष्ट, चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में) सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती है, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

### प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

(से 27-07-1980 तक)

शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

### द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(23-07-2002 से 09-09-2009 तक)

द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उत्तेजित होगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

### तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(30-05-2032 से 12-07-2039 तक)

तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपको प्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।



## साढ़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय फैया का फल

यह सामान्यतः पाया गया है कि साढ़ेसाती की तीन फैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान् (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

### साढ़ेसाती की प्रथम फैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक

द्वितीय चक्र 23-07-2002 से 08-01-2003 तक व 07-04-2003 से 05-09-2004 तक

तृतीय चक्र 30-05-2032 से 12-07-2034 तक व से तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बाहरवे भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठे, नवे भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम फैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्में आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाय पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अतः सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

### साढ़ेसाती की द्वितीय फैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक

द्वितीय चक्र 05-09-2004 से 13-01-2005 तक व 26-05-2005 से 01-11-2006 तक

तृतीय चक्र 12-07-2034 से 27-08-2036 तक व से तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस फैया में उदर भाग में रहता है। अतः शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं। भाईयों से तथा व्यापार में सांदर्भ से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्देलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दुःखी करते हैं, व्यवधान प्रबल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

### साढ़ेसाती की तृतीय फैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से 27-07-1980 तक

द्वितीय चक्र 01-11-2006 से 10-01-2007 तक व 15-07-2007 से 09-09-2009 तक

तृतीय चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, ग्यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उत्तरती साढ़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अतः इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।



## लघु कल्पाणी दैया व कंटक शनि का फल

### शनि की चतुर्थ स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 06-10-1982 से 21-12-1984 तक व 31-05-1985 से 16-09-1985 तक  
द्वितीय चक्र 15-11-2011 से 16-05-2012 तक व 04-08-2012 से 02-11-2014 तक  
तृतीय चक्र 27-01-2041 से 06-02-2041 तक व 26-09-2041 से 11-12-2043 तक  
चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्न पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सूख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्बन्ध होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सूख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अतः शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अतः कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्न पर रहती है। अतः मन में घबड़ाहट रहती है।

### शनि के सप्तम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 20-03-1990 से 20-06-1990 तक व 14-12-1990 से 14-12-1990 तक  
द्वितीय चक्र 24-01-2020 से 29-04-2022 तक व 12-07-2022 से 17-01-2023 तक  
तृतीय चक्र 06-03-2049 से 09-07-2049 तक व 04-12-2049 से 24-02-2052 तक  
जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्न एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर अंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पूथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

### शनि के अष्टम स्थान की दैया का फल

प्रथम चक्र 05-03-1993 से 15-10-1993 तक व 09-11-1993 से 02-06-1995 तक  
द्वितीय चक्र 29-04-2022 से 12-07-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक  
तृतीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक  
जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

### शनि के दशम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 17-04-1998 से 06-06-2000 तक व से तक  
द्वितीय चक्र 02-06-2027 से 20-10-2027 तक व 23-02-2028 से 08-08-2029 तक  
तृतीय चक्र 07-04-2057 से 27-05-2059 तक व से तक  
शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।



## शनि की साढ़ेसाती तथा ढैया के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

### 1. मन्त्र

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगच्छि पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

ॐ शत्रोदेवीरभिष्ठय आपो भवन्तु पीतये । शंयोरभिस्त्वन्तु नः । ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

### 2. स्तोत्र

- शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बध्नुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः । सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः ॥

तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्यसन्निधौ । शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति ॥

साढ़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्पलाद उवाच -

नमस्ते कोणसंस्थय पिङ्गलाय नमोस्तुते । नमस्ते बधूरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते ॥

नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चान्तकाय च । नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो ॥

नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते । प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च ॥

### 3. रत्न / धातु

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।

आपकी कुण्डली में शनि योगकारक है।

न्यूनतम 4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में अंगूठी बनवा कर मध्यमा में धारण करने से लाभ होगा।

### 4. क्रत

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दिन में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सांयकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

### 5. औषधि

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से स्नान करें।

### 6. दान

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

### 7. अन्य उपाय

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटें, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहां गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिछू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।



## रत्न परामर्श

रत्न धारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

**माणिक्यं तरणे: सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोमहियस्य च विद्रुमो निगदितः सौम्यस्य गारुत्मतं ।  
देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचार्ण्यसय वत्रं शनेर्नालं निर्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्यकं ॥**

"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूँगा, बुध के लिए पत्रा, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया धारण करना चाहिए।"- मणि माला भाग 2, 79

**धन्यं यशस्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ॥**

**ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दुःखप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ॥**

"रत्न जडित आभूषण को धारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ट होता है तथा दुःख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।"- मणि माला, भाग 2, 121-122

### जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश शुक्र है अतः शुक्र का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। शुक्र के लिए रत्न हैं - हीराए सफेद जिरकॉन, सफेद टौपाज़, स्फटिक।

"हीरा सभी छः रसों का मिश्रण है, सभी प्रकार के रोगों का नाश करता है तथा अजीर्ण का नाश करता है, सभी प्रकार का सुख देता है, शरीर को वृद्धता देता है तथा रासायनिक कार्यों में बहुत उपयोगी है।"- मणि माला, भाग 2, 67

"जो व्यक्ति अपने पास एक नुकीला, साफ तथा निर्दोष हीरा संभाल कर रखता है, वह जिंदगी भर सम्पन्न, पुत्रवान्, भाग्यवान्, धनधान्य, गौ और पशु का मालिक रहेगा।"- मणि माला, भाग 1, 102

"जो व्यक्ति भीष्मरत्न 1/4 स्फटिक 1/2 सोने में जड़ कर गले अथवा हाथ में पहने वह सदा सफलता प्राप्त करता है।"- मणि माला, भाग 1, 447

"स्फटिक मणि बल देने वाली, पित्त, दाह, फुला आदि का नाश करने वाली होती है। इसकी माला अन्य किसी भी माला से कहीं अधिक प्रभावशाली होती है।"- मणि माला, भाग 2, 74

**धारण करने की विधि** - शुक्र के लिए रत्न प्लेटिनम, सफेद स्वर्ण अथवा चांदी में जडित किया जाना चाहिए। रत्न जडित अंगूठी को मध्यमा अथवा कनिष्ठा में शुक्रवार के दिन सूर्योदय के समय पहनें। शुक्र के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ शुं शुक्राय नमः।



## पूर्ण रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी है। आपका पंचमेश बुध है, अतः बुध का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बुध के लिए रत्न है - पत्रा, पेरिडाट, जेड।

"पत्रा शीतल, विष का नाश करने वाला, मधुर, अतिसार, अजीर्ण तथा पित्त का नाश करने वाला, शूल और गुल्म रोगों का नाश करने वाला तथा घारण करने पर भूत-पिशाच के भय से मुक्ति दिलाता है।" - मणि माला, भाग 2, 70

"ऐसे सारे गुणों से युक्त पत्रा मनुष्य के सब पापों का नाश करता है।" - मणि माला, भाग 1, 375

"पण्डितों के अनुसार, पत्रा घनघान्य बढ़ाने वाला, युद्ध में विजय दिलाने वाला, विष जन्य रोगों का उपचार करने वाला तथा अथवैद में उल्लेखित कर्मों को करने में सफलता दिलाने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 376

**धारण करने की विधि** - बुध के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को कनिष्ठा में बुधवार के दिन सूर्योदय के दो घन्टे पश्चात धारण करें।

बुध के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ बुं बुधाय नमः।

## भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश शनि है, अतः शनि का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। शनि के लिए रत्न है - नीलम, नीला स्पाइनल, राजवर्त मणि, नीलमणि, बिल्लौर।

"नीलम कड़वा एंव उष्ण होता है तथा यह कफ, पित्त एंव वायु तीनों का नाश करता है तथा घारण करने पर शनि के दोष का निवारण करता है।" - मणि माला, भाग 2, 68

"जो व्यक्ति स्वच्छ नीलम धारण करता है, नारायण उससे खुश रहते हैं, उसकी उम्र, परिवार प्रतिष्ठा, यश तथा ऐश्वर्य में वृद्धि होती है।" - मणि माला, भाग 1, 419

"राजवर्त मणि कोमल, स्निघ, शीतल तथा पित्त का नाश करने वाली होती है, तथा घारण करने पर सौभाग्य की वृद्धि करने वाली होती है।" - मणि माला, भाग 2, 69

**धारण करने की विधि** - शनि के लिए रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए पर इसे लोहे में भी जड़ाया जा सकता है। रत्न जड़ित अंगूठी को मध्यमा में शनिवार के दिन सूर्योदय से दो घन्टे 40 मिनट पहले धारण करें।

शनि के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ शं शनैश्चराय नमः।

## सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिए। उपरत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे दूध और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।



## कुण्डली में शुभ योग

### दुरुधरा योग

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश में सूर्य के अतिरिक्त कोई ग्रह हो तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

**फल :** दुरुधरोत्पन्न मनुष्य धनी, वाहनयुक्त, दानी, सुखी, नौकरों से युक्त तथा शत्रुहन्ता होता है। दुरुधरोत्पन्न मनुष्य वाणी बुद्धि पराक्रम व गुणों से भूमि (संसार) में ख्याति प्राप्त करने वाला, स्वतन्त्र सुख लक्ष्मी वाहन सवारी आदि के सुख को भोगने वाला, दानी, पारिवारिक पालन से दुःख प्राप्त करने वाला, अच्छे व्यवहार वाला व प्रधान होता है। योगजनक ग्रह : मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

### दुरुधरा योग (भौम शुक्र)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश भौम शुक्र ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

**फल :** जातक उत्तम स्त्री वाला, पाठान्तर से अच्छी कामना (इच्छा) करने वाला सुन्दर ऐश्वर्य से युत, विवादी, पवित्र, कुशल कार्यकर्ता, व्यायाम (कसरत) करने वाला और युद्ध में वीर होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 22)

### दुरुधरा योग (बुध गुरु)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश बुध गुरु ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

**फल :** बुध गुरु से दुरुधरा योग हो तो जातक धर्मपरायण, शास्त्रज्ञाता, वाचाल, सुन्दर कवि, धनी, त्यागी और प्रसिद्ध होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 24)

### दुरुधरा योग (गुरु शुक्र)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश गुरु शुक्र ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

**फल :** यदि गुरु शुक्र से दुरुधरा योग हो तो जातक धैर्य बुद्धि व पराक्रम से युत नीति ज्ञाता, सुवर्ण रक्तों से परिपूर्ण, विष्णात, राजा का कार्य करने वाला होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 27)

### दुरुधरा योग (शुक्र शनि)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश शुक्र शनि ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

**फल :** जातक प्रबुद्ध, परिपक्व, कुल में प्रधान, निपुण (चतुर), स्त्रियों का प्यारा, धनी व राजा से सल्कार प्राप्त होने पर अधिक धन पाने वाला होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 29)

### पर्वतयोग

○ठाष्टम स्थान ग्रहरहित या शुभग्रहयुक्त हो और केन्द्रस्थान शुभग्रहयुत हो तो पर्वतयोग होता है।

**फल :** पर्वतयोगोत्पन्न जातक यशस्वी, तेजस्वी, भाग्यवान्, दानी, वक्ता, विनोदी, पुरनायक, शास्त्रवेता तथा कामी होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 7, 8) योगजनक ग्रह : सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि



## शंख योग

पंचमेश और षष्ठेश यदि एक दूसरे से केन्द्र में हों और लग्नेश बलवान हो तो 'शंख' योग बनता है।

**फल :** शंखयोगोत्पन्न जातक दयालु, पृण्यवान, विद्वान, पुत्र, धन, स्त्री से युक्त, दीर्घायु, तथा शुभ आचरण वाला होता है। मानवतावादी, सत्कर्म में रुचि, धार्मिक, विद्वान तथा अनंदप्रिय, पतीणसंतान और भूमि से युक्त दीर्घायु होता है। दूसरों के प्रति व्यवहार मधुर और सौम्य होता है तथा पारिवारिक दृष्टि से सफल होता है। योगजनक ग्रहः सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि।

## कर्मसिद्धि योग

दशमेश लग्न, चतुर्थ, सप्तम या दशम में शुभ ग्रह के साथ हो तो कर्मसिद्धि योग होता है।

**फल :** ज्योतिषार्णव नवनीतम् (अध्याय 2, श्लोक 329) जातक के कर्म एवं प्रयास सफल होते हैं।

## केन्द्र त्रिकोण राज योग

लग्नेश का सम्बन्ध केन्द्र (4, 7, 10) या त्रिकोण (5, 9) भावों के स्वामियों से हो तो 'राजयोग' बनता है।

**फल :** ग्रहों के योग चार प्रकार से बनते हैं - 1. जब दो ग्रह परस्पर देखते हों। 2. जब एक ग्रह दूसरे को देखता हो। 3. जब दो ग्रहों में राशि परिवर्तन हो। 4. जब दो ग्रह एक ही राशि में हों। राजसी स्वभाव, सम्मान तथा सभी प्रकार के वैभव से युक्त होता है। योगजनक ग्रहः के स्वामीण्सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, चन्द्रमा।

## केन्द्र त्रिकोण राज योग

यदि चतुर्थेश (केन्द्र) का सम्बन्ध पंचमेश या नवमेश (त्रिकोण) से हो तो राजयोग होता है।

**फल :** सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

## राज योग

सप्तमेश तथा नवमेश में परस्पर सम्बन्ध हो तो राजयोग बनता है।

**फल :** सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

## राज योग

सुखेश व कर्मेश, पंचमेश या नवमेश के साथ संयुक्त हो तो राज योग होता है। (बृहत्पाराशर होराशास्त्र, अध्याय 40, श्लोक 37)

**फल :** राजा या राजसी पद प्राप्त होता है। सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। आधुनिक संदर्भ में उच्च राजकीय पद मिलता है।

## राजयोग

नवमांश राशि के स्वामी यदि चन्द्र के आधिपत्य में हो और केन्द्र अथवा लग्न अथवा बुध से त्रिकोण में हो



**फल :** जातक सेनापति अथवा शासक के समान होता है।

### धन योग

लग्न के स्वामी का यदि द्वितीय या पंचम या नवम् या एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

**फल :** जातक धनवान होगा।

### धन योग

यदि नवम् स्थान के स्वामी का एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

**फल :** जातक धनवान होता है।

### दान योग

नवम् भाव का स्वामी यदि चतुर्थ भाव में हो, दशमेश यदि केन्द्र में हो, द्वादशेश यदि बृहस्पति से वृष्ट हो तो दान योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 7/2/50)

**फल :** जातक अति दानशील होता है यदि सम्पन्न न हो तब भी दान पुण्य से जुड़ा रहता है। भाग्य योग और राजयोग इसके परिणाम में अभिवृद्धि करते हैं।

### स्वरीर्थ धन योग

द्वितीयेश लग्ने से केन्द्र अथवा त्रिकोण में हो या स्वाभाविक शुभ ग्रह (मित्र ग्रह) द्वितीयेश उच्च का हो या उच्च के ग्रह के साथ हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3)

**फल :** जातक स्वयं के पराक्रम से अर्थ अर्जित करता है।

### कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्र या सूर्य से दशम स्थान का स्वामी यदि मंगल हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक)

**फल :** ग्रहों की स्थिति मंगल से सम्बन्धित व्यवसायों खनिज तत्वों, अग्नि तत्वों (पटाखे, रसोई, इंजन चालक, अग्नि और ताप से सम्बन्धित कार्य) शस्त्रों, रोमांचकारी कार्यों और बाहुबल कार्यों में सहायक होती है।

### कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्र या सूर्य से दशम स्थान का स्वामी मंगल से युत हो या वृष्ट हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक) (यह अन्य कर्मजीव योग से कम अंश का है)

**फल :** यह योग मंगल से सम्बन्धित व्यवसायों, खनिज तत्वों, अग्नि (पटाखे, रसोई, इंजन चालन एवं अग्नि और ताप), हथियार, रोमांचकारी एवं बाहुबल से जुड़े व्यवसाय में सहायक है।

### कर्मजीव योग



नवमांश का स्वामी बृहस्पति दशमेश हो तो यह योग होता है । (बृहत् जातक 10/3)

**फल :** जातक को सम्पदा और उपजीविका शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान से, कानून, धर्म, मन्दिरों, दानण्पुण्य एवं साधना, तीर्थ यात्रा, आध्यात्मिक अनुसरण आदि से प्राप्त होती है । जातक को धनार्जन अगली पीढ़ी से, बच्चों से हो सकती है ।

### कर्मजीव योग

लग्र, चन्द्र या सूर्य से दशम भाव का स्वामी बृहस्पति हो तो यह योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह कम अंश का है)

**फल :** ग्रहों की स्थिति जातक को बृहस्पति से जुड़े व्यवसाय में सहायक होती है जैसे शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान से, कानून से, धर्म से, मन्दिरों से, दान से, साधना से, तीर्थ यात्राओं से तथ आध्यात्म से जुड़े व्यवसाय ।

### कर्मजीव योग

लग्र, चन्द्र या सूर्य से दशमेश से बृहस्पति युत हो या वृष्ट हो तो यह योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह कम अंश का है)

**फल :** यह ग्रह स्थिति जातक को बृहस्पति से जुड़े व्यवसाय में सहायक होती है, जैसे शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान, धर्म, मंदिर, दान, साधना, तीर्थ यात्रा तथ आध्यात्म से जुड़े व्यवसाय ।

### कर्मजीव योग

लग्र, सूर्य या चन्द्र से दसवें भाव में शनि की उपस्थिति से कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

**फल :** ग्रहों की स्थिति शनि से सम्बन्धित व्यवसायों का संकेत देती है । जैसे - कर्म से जुड़े व्यवसाय, भार वहन करना अथवा पारिवारिक प्रतिष्ठा के विरुद्ध निम्न स्तर का व्यापार करना ।

### कर्मजीव योग

लग्र, सूर्य या चन्द्र से दशमेश की यदि शनि से युति हो अथवा वृष्ट हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

**फल :** जातक को यह ग्रह स्थिति शनि से जुड़े व्यवसाय से जोड़ती है - जैसे परिश्रमी कार्य, भर वहन करना अथवा निम्न स्तर के व्यापार जो परिवार के मान के विरुद्ध हों ।

### शरीर सुख्य योग

लग्रेश बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में हों तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/98)

**फल :** जातक को दीर्घ जीवन एवं सम्पदा मिलती है तथा राजनीतिक शक्तियों द्वारा सम्बन्ध बनता है ।

### देहास्थूल्य योग

लग्र में जलीय राशि हो तथा शुभ ग्रह से युत हो अथवा लग्रेश जलीय ग्रह हो तब यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/87)



फल : जातक बलिष्ठ शरीर वाला होगा ।

### सुमुख योग

द्वितीयेश यदि केन्द्र में हो शुभ ग्रहों से वृष्ट हो या शुभ ग्रह द्वितीय भाव में हों तो सुमुख योग होता है ।  
(सर्वर्थ चिन्तामणि 3/26)

फल : जातक खुश मिजाज और आकर्षक चेहरे वाला होता है ।

### भ्रातृवृद्धि योग

तृतीयेश या मंगल या तृतीय स्थान शुभ ग्रहों से वृष्ट हो या युत हो और शक्तिशाली हो तो यह योग होता है ।  
(सर्वर्थ चिन्तामणि 4/16)

फल : जातक भाईयों या आश्रितों द्वारा अच्छा भाग्य बनेगा जो कि बेहद सम्पन्न होंगे ।

### बंधु पूज्य योग

चतुर्थ भाव या चतुर्थेश (बृहस्पति) गुरु से युत हों या गुरु से वृष्ट हों तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/65)

फल : जातक परिवार एवं मित्रजनों से आदर प्राप्त करता है ।

### निष्कपट योग

चतुर्थ भाव में शुभ ग्रह हो या स्वक्षेत्री या मित्र राशि में या उच्च का हो या चतुर्थ भाव में शुभ राशि हो तो निष्कपट योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/143)

फल : जातक निष्कपट सरल हृदयी होता है और गुप्त मंत्रणाओं एवं पाखण्ड से सदा दूर रहता है ।

### सत्कलत्र योग

सप्तमेश या शुक्र, बृहस्पति या ब्रुध से युत हों या वृष्ट हों तो यह योग होता है । (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक का जीवन साथी (पत्नी) कुलीन और नैतिक चरित्र वाला होता है ।

### भाग्य योग

लग्र, तृतीय भाव या पंचम भाव में बली और शुभ ग्रह हो और नवम् भाव को देखे तो यह योग होता है ।  
(मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक अत्यधिक भाग्य सम्पदा और आनन्द का उपभोग करता है ।

### अरिष्ट भंग योग

बृहस्पति लग्र में हों और बली हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग को, जिससे नवजात शिशु को मौत का संकट रहता है, निरस्त या भंग





करता है।

### अरिष्ट भंग योग

बली बुध, बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में किसी भी भाव में स्थित हों तो अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग बालारिष्ट योग को जो नवजात शिशु भी मौत का संकेत देता है, को भंग करता है।

### अरिष्ट भंग योग

राहु लग्र से तृतीय भाव में हो या षष्ठम भाव में हो या एकादश भाव में हो तो अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग बालारिष्ट योग, जो कि नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है।

### पूर्णायु योग

लग्नेश और अष्टमेश दोनों चर राशि में हों या एक द्विस्वभाव राशि में, दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग जातक की दीर्घायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

### ज्योतिषिका योग

सूर्य और बुध द्वितीय भाव में साथ हों तो ज्योतिषिका योग होता है। (भावार्थ रत्नाकर - 2/2/3)

**फल :** जातक को ज्योतिष विज्ञान की क्रिया (फलित) व (गणित) मूलाधार का विशद ज्ञान होगा।

### राज सम्बन्ध योग

लग्र से दशमेश यदि अमात्यकारक से युत या दृष्ट हो या स्वयं अमात्यकारक दशम भाव में स्थित हो या दशमेश से युत हो तो यह योग होता है। (बृहत्-पाराशर होरा शास्त्र - 42/1)

**फल :** जातक राज सभा का प्रमुख होता है। आधुनिक सन्दर्भ में सरकार उच्च पद प्राप्त करता है।

### सूर्य बुध योग

सूर्य और बुध एक ही भाव में हो तो बुधादित्य योग कहलाता है। (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक मधुर भाषी, चतुर, विद्वान, अध्ययनशील धनवान, अनुशासित, स्वयं के धनोपार्जन से सेवा करने वाला होता है। विद्वान एवं प्रतिष्ठित अपने सभी कार्यों से होता है।

### मंगल गुरु योग

मंगल तथा गुरु की युति किसी भाव में हो तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक ज्ञानी, धनवान, बेहद चतुर, दक्ष, व्याख्याता, शिल्पकार, शास्त्रों के प्रयोग में दक्ष, केवल



सुनने मात्र से याद कर लेने वाला, नेता तथा आदर प्राप्त करने वाला होता है।

### बुध शुक्र योग

बुध तथा शुक्र की युति यदि किसी भाव में हो तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक वक्ता, ईमानदार, वेदों का ज्ञाता, अत्यन्त धनी, एक अच्छा मूर्तीकार, संगीत में निपुण, सही प्रकार के वस्त्र धारण करने वाला, भूमि का मालिक, हमेशा प्रसन्न रहने वाला होता है।

### गुरु शनि योग

तथा शनि यदि किसी भाव में युत हों तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक बलवान, प्रसिद्ध, सेना या किसी समूह विशेष का नेता, कलाकार, नाइ, कूम्हार, बावर्ची, धनी, अपने जीवन-साथी के प्रति शंकालु घुमकड़, पशुओं की देख-रेख करने वाला होता है।



## कुण्डली में सम योग

### आश्रय योग - मुसलयोग

यदि लग्र स्थिर राशि में हो तथा कई ग्रह स्थिर राशि में हों तो मुसलयोग होता है।

**फल :** मुसल योगोत्तर जातक मानी, ज्ञानी, धनसम्पत्तियुक्त, राजप्रिय, विख्यात, अनेक पुत्रवान् तथा स्थिर बुद्धि वाला होता है। जातक विश्वसनीय, निश्चित, दृढ़, और स्थायित्व युक्त होता है। जो भी हो जातक दुराग्रही (जिद्दी), शीघ्र निर्णय लेने में असमर्थ, और परिवर्तन स्वीकार करने में कठिनाई महसूस करता है। बृहत्पाराशार होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 7, 20)

### दुरुधरा (भौम बुध) योग

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश भौम बुध ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

**फल :** जातक असत्यवादी, धनी, चतुर, अत्यन्त दुष्ट, अधिक, लोभी, वृद्ध कुलटा स्त्री में आसक्त व कुल में प्रधान होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 20)

### दुरुधरा योग

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश बुध शनि ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

**फल :** जातक अल्पविद्या ज्ञान से देश से विदेश में जाकर धन पैदा करने वाला, दूसरों से वन्दनीय व अपने मनुष्यों का विरोध करने वाला होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 26)

### सम योग

सूर्य से पणकर स्थान (2, 5, 8, 11) में चन्द्रमा हो तो सम योग होता है।

**फल :** यदि सम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निपुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका मध्यम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

### मध्यायु योग

लग्र और चन्द्र दोनों द्विस्वभाव राशि में या एक चर राशि में और दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग जातक की मध्यायु 70 वर्ष तक को दर्शाता है।

### मध्यायु योग

लग्र और होरा लग्र दोनों द्विस्वभाव राशि में हो या एक चर राशि में और दूसरी स्थिर राशि में हों तो मध्यायु योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग जातक की मध्यायु 70 वर्ष तक को दर्शाता है।

### मूकबधिरांध योग

शुक्र या मंगल द्वितीय या द्वादश भाव में हों तो मूकबधिरांध योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14)



फल : जातक को कर्ण रोग हो सकता है ।

### सूर्य शुक्र योग

सूर्य तथा शुक्र की युति किसी भाव में होने पर सूर्य-शुक्र योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक बुद्धिमान, शस्त्र, संचालन में निपुण, आदर्शवादी, स्त्री द्वारा कमाने वाला (अपने द्वारा नहीं), नाट्य, अभिनय तथा संगीत द्वारा लाभान्वित तथा कारावास भोगने वाला, वृद्धावस्था में दृष्टि से कमज़ोर होता है ।

### मंगल शनि योग

मंगल तथा शनि की युति किसी भाव में होने पर यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक दुःखी, झगड़ालू, दण्डनीय, धोखेबाज, बोलने में चतुर, हथियारों के उपयोग में लीन, अपने परिवार के विश्वास से अलग पथ अपनाने वाला होता है तथा उसे विष या किसी प्रकार की चोट से खतरा रहता है ।

### सूर्य बुध शुक्र योग

सूर्य, बुध तथा शुक्र यदि किसी भाव में साथ हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक बातूनी, घुमक्कड़, छरहरे शारीरिक गठन वाला, ज्ञानी, अभिभावकों तथा शिक्षकों द्वारा अपमानित तथा अपने जीवन साथी द्वारा दी गई यातना सहने वाला होता है ।

### मंगल गुरु शनि योग

मंगल, गुरु तथा शनि यदि किसी भाव में साथ हों तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक शरीर से नत, क्लूर, धूर्त, मित्रहीन, अहंकारी तथा शासक का कृपापात्र होता है ।



## कुण्डली में अशुभ योग

### संख्यायोग - शूल योग

सब ग्रह जब तीन स्थानों में होते हैं, तब 'शूल' योग बनता है।

फल : शूलयोगोत्पन्न जातक प्रखरस्वभाव, आलसी, दरिद्र, हिंसक, समाज से बहिष्कृत, शूर, तथा युद्ध में विख्यात होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 17, 48) मतान्तर से स्वभाव से क्रोधी, धन-लोभी, बहादुर, क्षत छिद्रों से युक्त तथा निर्धन होता है। शिक्षित किंतु स्वतंत्र व्यवसाय में रुचि, जन्मभूमि से दूर प्रवास, माता-पिता का भरपूर सुख मिलता है।

### देहकष्ट योग

लग्नेश यदि पापग्रह के साथ हो या अष्टम भाव में हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/109)

फल : जातक को शारीरिक सुख के अभाव में जीवन यापन करना होगा।

### कृसंग योग

लग्नेश यदि शुष्क राशि में हो या उस राशि में हो जिसका स्वामी शुष्क ग्रह हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/83)

फल : जातक को शारीरिक कष्ट और पीड़ा होगी तथा जातक कृशकाय होगा।

### जड़ योग

द्वितीयेश दशम भाव में पापग्रहों के साथ हो या द्वितीय स्थान पर सूर्य और मांदी या द्वितीयेश सूर्य और मांदी के साथ हो तो जड़ योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/4)

फल : जातक विफल हो जाता है। समूह के समक्ष बोलने पर अपना संतुलन खो बैठता है।

### अंध योग

चन्द्र और बुध द्वितीय भाव में हो या लग्नेश और द्वितीयेश सूर्य के साथ द्वितीय भाव में हों तब अंध योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 9/2/9)

फल : जातक या तो रत्नौधी से पीड़ित होता है अथवा जन्मांध होता है।

### दुर्मुख योग

पापग्रह द्वितीय भाव में हो और द्वितीयेश निर्बल हो या पापग्रह से युत हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/27)

फल : जातक का चेहरा अनाकर्षक और बिगड़ा हुआ होगा। (या तो जन्म से अथवा दुर्घटनावश होगा) उसके चेहरे के भाव आसानी से उसमें नकारात्मक भावों को व्यक्त कर देते हैं।

### विषप्रयोग योग

द्वितीय भाव में पापग्रह हो अथवा पापग्रह से दृष्ट हो और द्वितीयेश क्लूर नवमांश में पापग्रह द्वारा दृष्ट हो तो



विषप्रयोग योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/143)

फल : जातक को दूसरों से विषपान सम्बन्धी संकट उत्पन्न हो सकता है । (दूसरों द्वारा उसे जहर दिया जा सकता है)

### बंधुभीष्यकता योग

यदि चतुर्थश पापग्रहों से जुड़ा हो या नीच षष्ठिमांश में हो या शत्रु राशि में या दुर्बल राशि में हो तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/68)

फल : जातक अपने निकटवर्ती परिजनों के कारण संकटप्रस्त होगा तथा गलतफहमी का शिकार हो उनके द्वारा त्याग दिया जाएगा ।

### मातृशां योग

चन्द्रमा यदि पापग्रहों के बीच पीडित (फँस) जा, या पापग्रहों से युत हो या वृष्ट हो तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/133)

फल : जातक की माँ का निधन शीघ्र हो जाता है ।

### कपट योग

चतुर्थश पापग्रहों से वृष्ट हो या युत हो और चतुर्थ भाव में यदि पाप ग्रह हो तो कपट योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/139)

फल : जातक पाखण्डी होगा अपनी भावनाओं को गुप्त रखेगा और कभी अपनी मानसिक स्थिति को प्रकट कर देगा ।

### अरिष्ट योग

अष्टमेश द्वादशश से युत हो या आपस में एक दूसरे से वृष्ट हो तो यह योग होता है । (द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा । (वे ग्रह जो यह योग बनाते हैं उनसे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी मिल सकती है)

### अरिष्ट मतिभ्रम योग

षष्ठमेश पापग्रहों से वृष्ट या युत हो षष्ठम भाव में पापग्रह स्थित हों या षष्ठम भाव पापग्रह से वृष्ट हो ब्रुध व चन्द्र दुःस्थान पर हो या पापग्रहों से वृष्ट हों तो यह योग होता है । (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रस्त रहेगा ।

### अरिष्ट हर्षमोहा योग

चन्द्र राह या शनि से युत और ब्रुध दुर्बल या पीडित हो तो यह योग होता है । (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक हिस्टीरिया से असुरक्षित होता है ।

### दरिद्र योग



लग्नेश यदि दुःस्थान के स्वामी से युत हो शनि के साथ हो और किसी शुभ ग्रह से वृष्टि न हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** जातक गरीबी, कृपणता और खराब सेहत का शिकार हो सकता है।

### दरिद्र योग

नवमांश का स्वामी चन्द्र मारक ग्रह से युत या मारक भाव में स्थित हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित होता है।

### दरिद्र योग

आत्मकारक या लग्न से अष्टम या द्वादश लग्नेश और आत्मकारक नवमांश के स्वामी से वृष्टि हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित रहेगा।

### अल्पायु योग

पंचम भाव, अष्टम भाव और अष्टमेश पीड़ित हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग अल्प आयु या जातक की 32 वर्ष तक आयु का संकेत देता है।

### अल्पायु योग

तृतीयेश और मंगल अस्त, पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

### मूकबधिरांध योग

शुक्र द्वितीय भाव में पाप ग्रह से युत हो और शुक्र राशि के प्रथम द्रेष्कोण में हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14)

**फल :** जातक भेंगा या कमजोर दृष्टि वाला होगा।

### हिल्लजा नेत्र दोष योग

मंगल यदि पाप राशि में हो या केन्द्र में पाप राशि से वृष्टि हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/67)

**फल :** जातक को अंधा होने का संकट उत्पन्न हो सकता है।

### कामातुर योग

शुक्र दंडव (द्विस्वभाव) राशि (दंडव केवल मिथुन राशि में हो सकती है।) में अपने नवमांश में हो तो यह



**फल :** जातक अत्यधिक कामुक, कामवासना में लिप्त और कामातुर हो सकता है।

### कुलपमशला योग

पापग्रह और शुभ ग्रह केन्द्र में हो लग्ने पर चन्द्र की वट्टि न हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश)

**फल :** जातक मातृभूमि से दूर जाकर रहता है। उसके अपने परिवारजनों द्वारा निष्कासित किया जाता है। पत्नी और बच्चों को खो देता है और गरीबी में जीवन बिताता है।



## जीवन फलादेश



आपकी असाधारण एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व है। अकेलेपन के कारण आप दूसरों का सानिध्य चाहते हैं। आप हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति हैं, लेकिन आपका ये स्वभाव शैतानी की ओर उन्मुख है। आपका व्यक्तित्व प्रसन्नचित तथा जिन्दादिल है।

आप उदार हैं। आप संतुष्ट व्यक्ति हैं और जीवन को रुचि के साथ जीते हैं। आप आन्तरिक रूप से संतुष्ट हैं।

आप बहुत दृढ़ता से कार्य करते हैं, जो आपको सफलता दिलाती है। आप अपने से बड़े व्यक्तियों के प्रति बचन बद्ध रहते हैं। यदि वर्तमान परिस्थिति आपकी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सहायक है, तो आप इसे तब तक बनाए रखते हैं, जब तक कि दूसरा नया समाधान आपको नहीं मिल जाता। सुरक्षा आपके लिए महत्वपूर्ण बिन्दु है। आप परम्परा वादी रुख अपनाकर स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं।

आप परिष्कृत अभि रुचि वाले हैं। आप में नैतिकता है। आपका जीवन प्रबल नैतिक मूल्यों व सकारात्मक सोच पर आधारित है। आप दार्शनिक व्यक्ति हैं, जो कि स्वाभाविक खिन्नता की स्थिति में भी प्रसन्नता का गतावरण बना लेते हैं। आप धरती से जुड़े व्यक्ति हैं आप अपने सभी कार्यों को बहुत योग्यता से पूर्ण करते हैं। आप सहज हैं।

आप ऊर्जावान हैं। आप आत्म विश्वासी हैं। आपकी इच्छाएँ प्रबल एवं अशोष हैं। आप साहसी हैं। आप बहुत साहसी हैं, परन्तु कभी कभी आप असफल हो जाने पर प्रति विस्फोटक हो जाते हैं। आप बहुदर हैं। आप बहुत आवेगशील हैं। आप अनुशासित हैं। आप साहसी तथा स्वतः प्रेरित व्यक्ति हैं। जीवन में सफलता अर्जित करने के लिए आपमें दृढ़ इच्छा शक्ति है। आप आत्म निर्भर सोच वाले व्यक्ति हैं।

आप किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं।

आप आत्मकेन्द्रित व्यक्ति हैं। आप भौतिक संसाधनों का रसास्वादन करते हैं। आप वस्तुओं का मूल्य पहचानते हैं।

आप अपने कष्ट और दुःख दूसरों को प्रदर्शित नहीं करते हैं। जिस कार्य प्रणाली से आप अपने कर्म करते हैं, वह सदा किसी निश्चित या सीधे प्रकार की नहीं होती है। किसी भी पद्धति से आपको कार्य सम्पन्न करना है, चाहे इसमें आपको कुछ नियमों का उल्लंघन ही क्यों न करना पड़े। आपकी सामयिक प्रयोजनाओं के समकक्ष रहना कठिन है। आप कभी - कभी निन्दा करने वाले हो सकते हैं, व स्वयं को कानून से ऊँचा मानते हुए।

जो आपके शत्रु हैं, उनके प्रति आप आलोचनात्मक बन सकते हैं।

आप अमिलनसार प्रवृत्ति रखते हैं। आप अधिक तनाव न लें क्योंकि आप उदासीनता से ग्रस्त होने को प्रवृत्त हैं। अकेलापन, दुःख या अप्रसन्नता आपके चारित्रिक लक्षण हैं।



आप आराम करना व आनन्द लेने में नहीं समझते हैं। आपकी सुविधा एवं बुनियादी सुरक्षा की अनुभूति कुछ इस तरह से आहत एवं मुश्किलों में है कि आप स्वयं को उन्हें देखने तक की इजाजत नहीं देते।

आप सदा बहुत अधिक मांगों को पूर्ण करने वाले प्रतीत होते हैं। आप पा सकते हैं कि आपको असामंजस्य या भटकने की प्रवृत्ति को दूर करने के लिए कुछ कार्य करने पड़ते हैं।

आप प्रसन्न जीवन से सौभाग्यवान हैं। आप एक आनंदित एवं संतुष्ट व्यक्ति हैं। जीवन के सर्वोत्तम सुविधाओं व वासनाओं का आनन्द लेते हैं। आप आध्यात्म का खोजक बन सकते हैं, व समस्त समस्याओं के लिए अन्तिम, सच्चा व संतोषप्रद उपाय खोजना, आपको सच्ची प्रसन्नता देता है। आप कई वस्तुएं व पदार्थ एकत्र करने में प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। आप जिम्मेदारियों के साथ प्रसन्नतादायी व्यवहार करते हैं। आपको उन मामलों में असमंजस एवं अव्यवस्था हो सकती, है जो जीवन में आपके लिए सुविधा एवं संतोष लाते हैं।



आप सुन्दर तथा मृदु भाषी हैं। आपका डील-डौल बड़ा है। आपकी लम्बाई मध्यम है। आप डील-डौल में छोटे या नाटे हैं। आपका चहरा गोलाकार है। आपका चहरा भरा हुआ है। आपका चहरा शानदार है। आपका मुखमण्डल धूँधल है। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपकी आँखे मनोहर हैं। आपकी आँखे विशिष्ट व आकर्षक हैं। आपके नेत्र भाव धौतक हैं। आपके चेहरे पर कुछ चिन्ह या दाग हो सकते हैं।

आप स्वयं को सजाना पसंन करते हैं। आप सुन्दर वस्त्र तथा आभूषणों को पहनने में आनन्द लेते हैं। आप सुन्दर वस्त्र तथा रख पहनना पसंद करते हैं।

आप अपने लाभ के लिए, अपनी निद्राकारक आवाज का उपयोग करेंगे। आपकी उत्तम समझदारी को शब्दों में अभिव्यक्त करना प्राकृतिक है तथा आपको श्रेष्ठ शिक्षण सामर्थ्य प्रदान करता है। सामान्यतः आपका भाषण तथा आत्म-अभिव्यक्ति, अस्पष्टता के बिना, बहुत सही उच्चारित तथा प्रवीण है।। आप जिस तरह से बोलते हैं वह प्रसन्नतादायी होता है। चाहे कुछ हो, तब भी आपकी वाणी कुछ नम्र व सभ्य होगी। आप जोश तथा भावनाओं के साथ बोलते हैं।

आप एक आकर्षक वक्ता हैं। आप एक निपुण तथा व्यवहारिक वक्ता हैं।

आप बातूनी हैं।

आप जब बोलते हैं तो अहंकारी प्रतीत होते हैं। आपका कठाक्षपूर्ण वचन बोल सकते हैं। आपका वाणी प्रबल हो सकती है और आप दूसरों के प्रति बुरा बोलने की प्रवृत्ति रख सकते हैं। आपकी वाणी बहुत नर्म व सरल नहीं होगी। आप बिना, यह बिचारे की दूसरे कैसा महसूस करेंगे, उनके प्रति नकारात्मक बातें बोलते हैं।

आपके जीवन में हकलाहट परेशानी का कारण बन सकती है। आपका चेहरा भाव प्रधान है आप शरारत भरे या मस्ती भरे चेहरे बना सकते हैं। आपका चेहरा आपको प्रभुत्वशाली स्वभाव का व्यक्ति सिद्ध करता है। आपके चेहरे के भाव व भाषा आपको प्रभुत्वशाली सिद्ध करते हैं। आप स्वयं को चिढ़-चिढ़े रूप में अभिव्यक्त करने से बचें।



आपका जीवन संतुलित मानस का है, जो आपको महत्वपूर्ण व सकारात्मक दृष्टि का बनाता है। आपका दिमाग व्यवहारिक व चतुर है। आप योजनाशील हैं तथा लम्बी दूरी के या बड़े स्वपनों को साकार करने के विचार बनाते हैं।

आप काफी सशक्त दिमाग के हैं। आप में काफी मानसिक ताकत है। आप अपनी मानसिक शक्ति की ताकत को समझते हैं। आप दूसरों से अलग सोचना पसन्द करते हैं। आप अपेन प्रसन्न, मरमानन्दायक स्वभाव के कारण जाने जाते हैं। आप गम्भीर व शिक्षित हैं। आप अति भौतिक हैं। आप में छठी इन्द्री है।

आप स्वतंत्र विचारक हैं जो बड़े व्यापार व कार्यों पर अपनी दृष्टि रखते हैं। आप कल्पनाशील हैं। आप अपने पति/पति, मित्रों, सीमाओं और ग्राहकों के प्रति गहरी सोच रखते हैं। आप स्वप्रशील व रहस्यमय विचारों के स्वामी हैं।

आप नई चीजें सीखने को आतुर रहते हैं। आपको अनावश्यक चिन्ताएं सताती हैं।

आपकी मानसिक शान्ति घरेलू क्लेशलपूर्ण परिस्थितिओं से खो जाती है जिससे आर्थिक व अन्य समस्याएं आती हैं।

आप कई बार शारीरिक मँग, आपके दिमाग पर विजय प्राप्त कर लेती है।

आप में पर्यावरण के प्रति गहरे भाव हैं। आप संतोष व आनन्द की भावना को महसूस करते हैं। भावनात्मक रूप से आप संवेदनशील हैं। आपके चारों ओर का वातावरण व व्यक्ति आपको प्रभावित करते हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि आपके लिये आरामदायक वस्तु दूर है व प्राप्त करना कठिन है। अच्छी, खुबसूरत यादों से आप भावुक हो उठते हैं, तथा अपने भूतकाल से चिपके रहते हैं।

आप अपनी मौज में चले जाते हैं। आप कभी-कभी महसूस करते हैं कि आपके सहकर्मी या पड़ोसी आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। भावनात्मक रूप से आप प्रसन्न होने से ज्यादा क्षतिग्रस्त होने के लिए तैयार हैं। जब आप किसी चीज को लेकर परेशान होते हैं तब आप कम समन्वय महसूस करते हैं और तर्क संगत में सक्षमता के कार्य करने में असमर्थ होते हैं।

इससे आप बेचैन होते हैं व घर मे आपको सुकून नहीं मिलता है। भावनात्मक रूप से व्यथित होने पर आप अपने गुजरे वक्त के बारे में सोचते हैं। चूँकि आप अत्यधिक संवेदनशील हैं अतः आप चुनौतियों, प्रतियोगिताओं को भी उसी प्रकार ग्रहण करते हैं। जीत आपके लिए अत्यधिक उत्साही व हार अत्यधिक कष्टदायक होती है।

पर्याप्त धन के बावजूद भी आप में अधिक की चाह समाप्त नहीं होती। आपका ध्यान एक वस्तु पर ज्यादा समय केन्द्रित नहीं रहता। आप विषयपरक मुद्दों के बारे में अपने विचार स्वयं तक रखते हैं तथा अपनी भावनाओं के द्वारा ही अपना मार्ग प्रशस्त करते हैं। आप में परेशानियों से भागने की प्रवृत्ति है परन्तु जब तक आप अन्तर्मन में इन्हें हल नहीं करेंगे आप अन्यत्र भी परेशानियों में फंसते जायेंगे। आप दूसरों से किए सभी वार्तालाप व कार्यों को दिल से लगाते हैं।

आप प्रखर व चतुर हैं।

आपमें अच्छी तार्किक क्षमता व बुद्धिमानी है।

आप कठिन से कठिन कार्य भी शोध से आसानी से पूरा करते हैं।



आप उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे। आपको शिक्षा में आपकी भाषा, लेखन व अभिव्यक्ति में स्पष्टता का लाभ मिलेगा।

आप अपने से बड़ों व शिक्षकों के प्रति आदर भाव रखते हैं। आप शिक्षा के लिए बाहर जा सकते हैं।

आप में विज्ञान, कानून या एकाउन्टेंसी की ओर रुझान है। तार्किक होने के कारण आप गणित में अच्छे हो सकते हैं। आप शिक्षा को एक बहुत पैमाने पर बढ़ावा देंगे। आप स्कूल की अपेक्षा कार्यस्थल पर प्रशिक्षित किए जा सकते हैं।

परिस्थिति वश आपकी शिक्षा अधूरी रहेगी। आपका शैक्षणिक जीवन काफी कम है या उसमें कई बाधाएं हैं। आपकी शिक्षा एकाग्रता की कमी से पीड़ित होगी। उच्च शिक्षा में आपकी रुचि नहीं होगी। आपकी शिक्षा में कुछ अन्तराल होंगे। आप अपना विद्यालय व विषय कई बार बदलेंगे।

आपका शिक्षण संस्थानों में अच्छा अनुभव रहेगा। आप शिक्षा को गंभीरता से लेते हैं तथा प्राइमरी व सैकण्डरी शिक्षा में सफल रहेंगे, परन्तु महाविद्यालयी शिक्षा में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। आपकी शिक्षा असामान्य हो सकती है।

शिक्षा से आप विशेष प्रेम रखते हैं, जीवन में संतोष की भावना के लिये यह जरुरी है। आप कुछ विषयों के गहरे ज्ञानी हैं।



आप अति कुशल हैं। आप में अस्वाभाविक हुनर तथा शिल्प प्रतिभा है जो आपके प्रयासों में आपकी मदद करती है।

आप लागो को आसानी से आकर्षित कर सकते हैं व अपने कार्यों में उनका सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। आप में विशेष योग्यताएँ हैं जो आपको जिम्मेदारीपूर्ण पद जैसे सेना का नेतृत्व या मंत्री पद दिलवा सकती है। आपकी संपर्क कला अत्यंत युक्तिसंगत व जटिल है।

आप पूर्वविचार करके अपने कार्यों को तय करते हैं। आप अच्छे संचालक व व्यवस्थापक हैं तथा पैसे के मामले में अति सावधान व व्यवहारिक हैं।

आप आसानी से वित्तिय सिद्धान्त समझ लेते हैं और हिसाब-किताब रखने का तरीका सीख लेते हैं। आप में कदाचित गणित सम्बन्धी या हिसाब-किताब सम्बन्धी कौशल है।

आपको कम्प्यूटर क्षेत्र या साहित्यिक भाषा का ज्ञान है। आप कम्प्यूटर के या साहित्य के क्षेत्र में भाषाप्रवीण हो सकते हैं। आप में विदेशी भाषा सीखने की जन्मजात प्रवृत्ति है।



आप वास्तविक सम्पदा हासिल करेंगे। आप अपने स्पष्ट सोच व संसाधनों के चतुर उपयोग से अपनी आय को सुधार लेंगे। आपकी स्वभिव्यक्ति श्रेष्ठ है तथा आप लोगों के मध्य अच्छा बोल लेते हैं। आपमें उपचार कौशल है व आप मालिश, योगाभ्यास या चिकित्सा में दक्ष हैं।

आपमें कविता, गायन या अन्य भाषा संबंधी कलात्मक योग्यता हैं। आपकी सफलता कवि, चित्रकार, गायक या वादक के रूप में आपकी सृजनात्मक प्रतिभा से ही आती हैं। आप एक अच्छे गायक व कवि हो सकते हैं। आप में किसी भी प्रकार की कला जैसे गायन, नृत्य, नाट्य आदि का प्रतिभा हैं। आपमें ध्यान देने योग्य वाक शक्ति, संगीतिय प्रतिभाएँ हैं जो कि आपके लग्नशील स्वभाव से जुड़ी हैं। आप में लेखन प्रतिभा या कोई अन्य सम्पर्क योग्यता हो सकती हैं। लेखन एक मजबूत प्रतिभा है जो कि आय लायेगी।

आपको विभिन्न वस्तुओं का संग्रहण अति आनंदित करता है।

आप खेलप्रेमी तथा अच्छे टीम कप्तान हो सकते हैं। आप एकल खेल जैसे टेनिस व कार दौड़ पसन्द करते हैं।



आप बाहरी रूप से अपने व्यवहार में कठोर व अक्खड़ दिखाई देते हैं, पर अन्दर से कोमल व निर्मल हैं। आप स्व पेरित हैं।

आपका व्यवहार व जीवन विभिन्न प्रकार का है।

आपमें कुछ अच्छे गुण हैं, जैसे उदारता, दयालुता, समर्पण-भाव। आपकी अन्य लोगों के लिए अच्छी चीजें करने की प्रवृत्ति हैं। आप हमेशा अच्छे कार्यों और परियोजनाओं को करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। आप शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए उदारतापूर्वक दान करेंगे।

आप अपने शिक्षक या पिता की सलाह के विरुद्ध भी कार्य कर सकते हैं। आपकी प्रवृत्ति विनम्र व्यवहार के नियमों की पालना करना नहीं है। आपके लिए दूसरों के प्रति संवेदनशील और पोषक होना तनावपूर्ण और कभी-कभी समस्या खड़ी करने वाला हो सकता है, आप अपने से कमजोर लोगों को आहत कर सकते हैं। आपकी दयालुता दिखाने की प्रवृत्ति हैं। आप में अनुदविकसित मार्ग चुनने की प्रवृत्ति है।

आप कभी-2 अच्छे लोगों के प्रति नकारात्मक सोच बना लेते हैं।



आप वातावरण के संरक्षण में रुचि रखते हैं। आपके ऐसे लोगों के प्रति आकृष्ट होने की संभावना है जो आपको आराम और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

आप वस्तुओं की विस्तृत विविधता के बारे में ज्ञान संकलित करने में रुचि रखते हैं।



आप सेए लोगों के साथ बात करना, स्वयं को व्यक्त करना और संसूचित करना पसंद करते हैं जो आपके नजदीक है। आप चाहे संपत्ती, वस्तुओं या लोगों को अर्जित, संरक्षित और परिष्कृत करना पसंद करते हैं। आप अपने घर से प्यार करते हैं और ध्यान से इसकी देखभाल करते हैं। आपको मछलियां और मछली पकड़ना पसंद है। आप संभवतया पानी के नजदीक रहना पसंद करते हैं। अपनी सहायता के लिए तकनीकी का उपयोग आपको पसंद है। आपकी रुचि गुप्त और छद्म ज्ञान में है। आपको कोई भी असामान्य या विचित्र बात पसंद है।

आपको ल्वरित परिणाम पसंद है। आपको उच्च तकनीकी पसंद है। आप परिवार के अन्य सदस्यों की भाँति समाज में महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हैं।

आपकी कला में रुचि है और इस संबंध में आपके अनुभव अद्भुत है। आपको कला और फिल्म इत्यादि से लगाव है। आपको प्रकृति, सौन्दर्य, कविता और साहित्य से लगाव है।

आप भौतिकतावादी हैं और थोड़े से धन से ही विलासितापूर्ण वस्तुएं एकत्र करना चाहते हैं। आपका धार्मिक आडम्बर के प्रति झुकाव हो सकता है। आपको धन और उससे प्राप्त होने वाली प्रशंसा प्रिय है।

आपको जीवन में परिवर्तन पसंद नहीं है।

आप संभवतया धूम्रपान करते हैं।



आपको युवावस्था में फेफड़ों संबंधी परेशानियाँ हो सकती हैं। आपकी शारीरिक ताकत समय के साथ घट-बढ़ सकती है। आप यदा कदा स्वयं को शारीरिक रूप से कमज़ोर पायेंगे। आपकी शारीरिक परिस्थिति अनुकूल नहीं है और आपका मानसिक अवसाद आपके स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। आप शरीर में असहनीय दर्द महसूस कर सकते हैं।

आपकी निद्रा में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। आपका गला सूख जाता है। आपको हृदय रोग जैसी शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं किन्तु आप दीघर्या होगें। आपको विशेषतः दाँये नेत्र की ओर ध्यान देना चाहिये। आपके दाँत पीले और धब्बेदार हो सकते हैं। आपको उष्मा की अधिकता से मुँह में कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। आपका स्वास्थ्य, आँख, मुँह, दाँत और गले की व्याधियों के कारण प्रभावित हो सकता है। विषाक्त भोजन और एलर्जी की समस्या संभव है। आप अपने हाथों, कंधों या भुजाओं एवं विशेष रूप से त्वचा का ध्यान रखें। आपके हाथों, कंधों एवं भुजाओं की त्वचा, त्वचा विकार से पीड़ित हो सकती हैं।

आपको यात्रा करते समय सावधान रहना चाहिए क्योंकि आपके साथ दुर्घटनाएँ घट सकती हैं।



आप, अपने अभिभावकों और परिवार के अन्य सदस्यों के दुलारे हैं। आपके अभिभावक और पारिवारिक वातावरण, आपकी



वित्तीय उन्नति और सफलता में सहायक हैं। आपको भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होने पर अभिभावकों के सहारे की कमी हो सकती है। आप ऐसा अनुभव नहीं कर सके कि आपके और अभिभावकों के सामाजिक विचार समान है।

एक बेहतर रंगकर्मी होने की लालसा, नैसर्गिक ख्याति के साथ आपकी माता आदेशात्मक स्वरूप में प्रसन्न रहती है। वे उनका सम्मान करती हैं जो उनका सम्मान करते हैं। वे सम्मानप्राप्ति की अपेक्षा रखती है। आपकी माता अच्छे नेताओं के प्रति आदरभाव रखती हैं वे उत्तम सोच रखती है जिससे लोग उनका सम्मान करते हैं। वे उच्च शिक्षा और विचार के प्रति उन्मुख हैं और जीवन की समस्त अच्छी बातें जैसे बच्चे, प्रेम, खेल-कूद और मनोरंजन को वे भरपूर जीती हैं। वे परिस्थितियों में आनन्द लेती हैं। उन्हे अपने पिता और गुरुजनों का आर्शीवाद प्राप्त है। आपकी माता जब ठान लेती है और मानसिक तौर पर तल्लीन हो जाती हैं तो कार्य स्वयं ही हो जाते हैं। वे ज्ञान के उच्चतम स्तर पर पहुंचना चाहती है और जीवन की बातों की उनके उच्चतम मूल्य पर व्याख्या करती हैं। उनके जीवन में अच्छे पुरुषों और पिता से अलगाव हुआ है। उनका नौकरी पेशा जीवन असंतुलित रहा है और वे अपने नियोक्ता की नजरों में नहीं चढ़ पायीं। आपकी माता, स्त्रियोंचित वस्तुओं से कम निकटता होने के साथ-साथ एक योद्धा है। आपकी माता एक सशक्त और बुद्धिमान योद्धा है। आपकी माता एक मजबूत महिला है। आपकी माता का व्यक्तित्व सरल है। आपकी माताजी दार्शनिक और मानवप्रेमी है। यह संभव है कि आपकी माताजी कठोर महिला हों। आपकी माताजी सक्रिय और घर की मालिक हैं। आपकी माताजी शाही रूप में जाने के लिए, अपने पक्ष में अन्य के अनुरोध के लिए अत्यधिक आतुर हैं। आपकी माताजी सदैव बड़ा भवन बनाने और बड़ी प्रसिद्धि का कार्य करती रहती है। आपकी माताजी को अन्य द्वारा किये गये आदेशों का पालन करना दुःखी करता है, चरम मामलों में आपकी माताजी ऐसा पक्ष समर्थन स्वीकार करने की बजाय गरीबी और असुविधा का चुनाव करेगी जो उन्हे किसी के समादेशों का पालन करने के लिए मजबूर करते हैं। आपकी माता की जीवन शैली सुरुचिपूर्ण और अच्छी है।

आपकी माता धनवान हो सकती है या कम से कम अपनी जरुरतें पूरी कर सकती है। आपकी माता स्वयं को जानती है और चाहती है कि लोग भी उन्हें जानें। आपकी माता का अशांत मस्तिष्क प्रत्येक बात और संबंध को सदैव तरीके से निर्वचन कर सकता है। आपकी माता स्वयं की महता को ध्यान में रखते हुए उसको बढ़ा चढ़ाकर बताने में होशियर है।

आपकी माता अपने सर्वाधिक बुरे समय में, स्वयं को घमण्डी और प्रत्येक को प्रभावित करने के लिए इच्छुक महसूस कर सकती है। आपकी माता आक्रामक हो सकती है। आपकी माता कभी-कभी असमझोतावादी हो सकती है। आपकी माता की पृष्ठभूमि सांस्कृतिक है अपने जीवन काल में वह गहरे संपरिवर्तनों से गुजर चुकी है और छुटपूट क्षेत्रों जैसे ध्यान, योग, भविष्यदर्शन और समय आपन कला एवं निरोग इत्यादि। आपकी माता का मानना है कि व्यक्ति को आध्यात्मिक नियों का पालन करना चाहिये। आपकी माता अलग जाति या देश से संबंधित हो सकती है। आपकी माता का स्वास्थ्य और दिमागी अवस्था आपके बचपन में एक मुद्दा हो सकती है। आपकी माता को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं निरंतर रह सकती है। आपकी माता उन लोगों से नाराज हो सकती है जो समाज के कल्याण के लिए निःस्वार्थ रूप से चलाये जा रहे उसके कार्य में बाधा पहुंचते हैं। आपकी माता अधिकारिक स्वभाव की होने के बावजूद अच्छी माता है। आपकी माता को बचपन में अवसरों के अभाव से गुजरना पड़ा हो सकता है। आपको सैद्धान्तिक ज्ञान अपनी माता या किसी नजदीकी रिश्तेकार से प्राप्त हुआ है। आपका माता के प्रति भावनात्मक लगाव है और आपने उनसे बहुत कुछ सीखा है। आप अपनी माता के प्रति समर्पित हैं। आपकी माता बहुत सहायता करती है। आप और आपकी माता के संबंध बहुत सकारात्मक और सोहार्दपूर्ण है। आप और आपकी माता में बहुत मेल मिलाप है। आप अपनी माता के समान हैं। आपकी अपनी माता के हितों का ध्यान रखते हैं। आपके माता पिता की और आपका मित्रवत व्यवहार है। आपकी माता का साथ संभवतया छूट चुका है। आपके और आपकी माता के वित्तीय हित जुड़े हुए हैं। आपकी माता, भले ही हालात साथ न दे पर सदैव आपका ध्यान रखती है। आपकी माता से आपका संबंध कष्टकारक या दुखदायी हो सकता है। आपकी माता का जीवन कष्ट में रहा है इसलिए वे आपको भावनात्मक समर्थन नहीं दे पाती हैं या वे एकान्त में रही हैं। आपकी माता भावनात्मक स्तर पर आपसे दूर है। अपनी माता और परिवार की इच्छाओं के प्रतिकूल आप अपने हिसाब से कार्य करते हैं।

आपके पिता उत्तेजक प्रवृत्ति के होने के बावजूद प्रायोगिक तकनीकी और वित्तीय मामलों में बड़े संतुलित ढंग से कार्य करते हैं। वे कर्तव्यनिष्ठ हैं और आपने कार्य में समृद्ध ज्ञान का प्रयोग करते हैं। उनका झुकाव आध्यात्म की ओर है जो दूसरे जानते हैं वे अपनी बुद्धिमत्ता का प्रयोग अपने बच्चों, छात्रों और स्वयं से जुड़े लोगों के लिए करते हैं। आपके पिता को यद्यपि संघर्ष करना पड़ा है पर समय के साथ वे समृद्ध हुए हैं। वे कमजोर तबके का ध्यान रखते हैं और जहां कहीं वे कुछ अच्छा करना चाहते हैं कर देते हैं। वे परम्परागत बातों का विरोध कर सकते हैं पर जिस किसी पक्ष का वे साथ देते हैं वे विधि और परम्परा का



पूरा ध्यान रखते हैं। अपने काम में वे अच्छे विचार और योजनाएँ उपयोग में लेते हैं। वे प्रभावशील व्यक्तियों के साथ कार्य करते हैं और उनसे भी सम्मान पाते हैं। वे परिवार का ध्यान रखते हैं और साथ ही समृद्धि का भी। आपके पिता में नेतृत्व के गुण हैं क्योंकि जितनी मेहनत, उत्तरदायित्वपूर्ण और समाधानप्रद रूप में वे कार्य करते हैं दूसरे नहीं कर सकते हैं। वे अति अनुशासित, समानित स्वच्छ और सही हैं। उन्हें शालीनता, संगीत अच्छी वस्तुएं और महंगी कारें पसंद हैं पर इससे भी ज्यादा उन्हें योजनाबद्ध और नियोजित रूप से कार्य करना पसंद है वं एक बेहतरीन वक्ता है और एकान्त भी पसंद करते हैं। आपके पिता को परम्परागत और आसान रास्ते बहुदा रास नहीं आते। उन्हें दो पिवरीत परिस्थितियों में सामंजस्य बिठाना पड़ता है। कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं पर वे कभी नहीं रुकते क्योंकि वे जानते हैं क्षितिज कभी नहीं आता। उन्हें संचार के नवीन माध्यम पसंद हैं। आपके पिता सामान्यतः व्यवस्थित हैं। आपके पिता एक अनुशासित ढंग से दूसरों के द्वारा अपने लक्ष्यों को पूरा करने में मदद लेते हैं। आपके पिता धीमे एंव दृढ़ हैं। आपके पिता की कार्य शैली महत्वकांक्षी एंवं मजबूत है लेकिन उनका व्यक्तित्व न तो उसमें सहयोग देता है और न ही उसे स्वीकार करता है। आपके पिता का अपनी मातृभूमि व इसके दर्शन से गहरा जुड़ाव है।

आपके पिता धन से अत्यधिक लगाव रखने वाले तथा उसकी सावधानीपूर्वक रक्षा करने वाले हो सकते हैं। आपके पिता अक्सर धन व भौतिक खुशहाली के बारे में सोचते रहते हैं। आपके पिता आत्मनिर्भर होने के अपेक्षा किसी के यहां रोजगार करेंगे।

आपके पिता अपनी जिहा पर नियंत्रण न होने के कारण जो कुछ चाहते हैं उसे बिना विचार किये बोले देते हैं। आपके पिता अक्सर यात्रा करने वाले तथा विदेश में रहने वाले हो सकते हैं। आप एक पितृसत्तात्मक परिवार से होंगे जहां आपके पिता प्रभुत्व रखते होंगे तथा वे आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे। आपके पिता का कार्यकारी मस्तिष्क होने के कारण सरकार के व्यवहार के बारे में अपनी राय व्यक्त की है जोकि आपतौर पर पक्ष में नहीं है। आपके पिता को भावनाओं के प्रति प्रतिक्रिया करे बिना अनुभव करने में मुश्किल होती है। आपके पिता को पश्चाताप एंव गलतियों की अनुभूति से उबरने में लम्बा समय लग सकता है।

आपके पिता दूसरों के अच्छे इरादों की तुलना में बुरे इरादों को अधिक भांपने वाले हो सकते हैं। आपके पिता शायद सनकी है तथा उनके दिमाग को समझना कठिन है।

आपके पिता को उच्च शक्तियों के साथ रचनात्मक ढंग से सहयोग को सीखने की जरूरत है जो कि उनकी बाह्य अभिव्यक्ति को मार्गदर्शन करती है। आपके पिता को अपने बारे में कम गंभीर होने व चीजों के बाहरी स्वरूप की कम परवाह करने की जरूरत है।

आपके पिता का आपके स्कूल के चयन में संभवतः महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा होगा।

आप के परिवार की महिलाएं विशिष्ट हैं। आप ऐसे परिवार में पैदा हुए हैं जो कि आर्थिक रूप से ज्ञानवान है अथवा उनके पास अत्यधिक जायदाद है। आप अपने परिवार व बच्चों की तरफ से अत्यधिक भाग्यशाली हैं। आप महिलाओं से जिनमें आपकी माँ और बहिन भी शामिल हैं। अन्तसम्बन्ध रखने में कुशल हैं। आपके परिवार में अच्छा संवाद है तथा सदस्यों की बीच में होने वाली अतः क्रिया सरलता पूर्वक चलने वाली है। आप अपने परिवार व घर के प्रति समर्पित हैं तथा आपका परिवार आपके पूरे जीवन भर निर्भर होने योग्य सहारा रहेगा। आप अपने परिवार के केन्द्रिय भाग हो सकते हैं जिसके चारों ओर परिवार की सम्पूर्ण गतिविधियां होती हैं चाहे आप उस के लिए इच्छुक हो या न हो। आपका चरित्र उच्च है आप अपने परिवार के मूल्यों व परम्पराओं का सम्मान करते हैं। आप अक्सर घरेलू वातावरण में नियमों को बनाये रखने वाले मुख्य सहयोग देने वाले होंगे जिसे आप दूसरों के लिए अनिवार्य समझते हैं।

आप अपने घर को प्यार करने वाले हैं व अपने परिवार से अत्यधिक जुड़े हुए हैं। आप के परिवार के सदस्य सहयोगी प्रवृत्ति के हैं। आपके रिश्तेदार आपकी धन से सहायता नहीं करेंगे। आप घर व परिवार की बहुत बड़ी जिम्मेदारियां अपने ऊपर ले लेते हैं। आप गर्व करते हैं तथा परिवार के बंधनों को अपने उद्देश्यों के मार्ग में नहीं आने देते। आपकी अपने भाई या मां से कुछ अनबन हो सकती है। आप परिवार के सदस्यों अथवा करीबी रिश्तेदारों में मनमुटाव पैदा कर सकते हैं तथा आपके पिता की जायदाद के ऊपर भी कुछ मनमुटाव हो सकता है।



आप अपने छोटे भाई-बहिनों की मदद करते हैं आपके बड़े भाई-बहिन आपके बहुत करीब नहीं हैं। आपके भाई-बहिन आपके जीवन में सहायोगी हो सकते हैं लेकिन फिर भी उनके बारे में आपकी राय बहुत अच्छी नहीं होगी। आप अपने बड़े भाई बहिनों के साथ प्रसन्न रहेंगे लेकिन कुछ आपको अपने छोटे भाई बहिनों से दूर रख सकता है। आप अपने भाई या बहिनों से दूर जा सकते हैं। आपके अपने भाई या बहिन से कोई अन्तर्द्वन्द्व हो सकता है। आपके भाई बहिन आपको स्वार्थी तथा घमंडी समझ सकते हैं जबकि आप यह महसूस करते हैं कि आप उन्हें ठीक दिशा में रखने का प्रयास कर रहे हैं। आपकी बहन प्रोत्साहित करने वाली, रुचिर व स्त्रियोचित है। आप के अनेक भाई-बहिन हो सकते हैं।

आपके कोई छोटा भाई/बहिन नहीं होगा अगर होगा तो उसके साथ आपके रिश्तों में परेशानी हो सकती है।

आपकी माँ का परिवार आपको अवसर देकर आपकी मदद कर सकता है।



आप के आस पास रहने वाली महिलाएं अत्यधिक आकर्षक व्यक्तित्व की धनी हैं। आपका घरेलू जीवन बहुत अच्छा है तथा आपकी मित्र मंडली में आकर्षक महिलाएं होगी। आपके जीवन में रिश्ते हमेशा अनुभव व ज्ञान का एक बड़ा स्रोत होंगे तथा अनेक प्रकार के लोगों से मिलेंगे। आप अपने साथी के स्तर के बारे में विचार करते हैं।

आप हालांकि महिलाओं से संबंध बनाने में अत्यधिक रुचि दिखा सकते हैं लेकिन फिर भी यह आपके जीवन का द्वन्द्वात्मक व समस्या भरा क्षेत्र हो सकता है। आपके लिये समर्पण मुश्किल है क्योंकि आप किसी एक साथी से संतुष्ट नहीं होते। आपके लिये किसी एक साथी से स्थाई रूप से जुड़े रहना मुश्किल है। आपके लिये किसी व्यक्ति से प्रतिबद्ध होना मुश्किल हो सकता है इसलिये आप विवाह करने से पहले अनेक बार सोचेंगे यद्यपि अन्त में आपको एक आकर्षक जीवन साथी मिल जाएगा। आप में तीव्र कामवासना है।

आपका वैवाहिक जीवन आनन्दमय होगा। आप अपने जीवन साथी के साथ प्रसन्न हैं। आपके लिए विवाह बहुत महत्वपूर्ण है। आप अपने साथी की देखभाल करेंगे व उसकी सलाह मानेंगे।

आपके पति/पत्नी द्वारा आपके लिये कुछ समस्याएं पैदा की जा सकती हैं। आपकी शादी एक से अधिक बार हो सकती है। आपको अगर किसी कारणवश दूसरी शादी करनी पड़े तो सफल रहेगी। विवाह एक अज्ञात भूभाग की भाँति लगता है। ऐसा कोई भी स्थान ढूँढ़ना कठिन है, जहाँ आप और आपका जीवनसाथी बिना किसी व्यवधान के अपना समय गुजार सके। आपका वैवाहिक जीवन अच्छा होगा यद्यपि आप अपने जीवनसाथी को अपने से थोड़ा भावनात्मक रूप से दूर रख सकते हो। आप किसी तरह अपनी सर्वाधिक ऊर्जा को अपने वैवाहिक सम्बन्धों में खर्च करने में असमर्थ रहते हैं। आपको अपने पति/पत्नी से तनाव महसूस हो सकता है।

आपके विवाह से सम्पन्नता आएगी। आप अपने पिति/पत्नी के धन का नियंत्रण कर सकते हैं।

आप अपने जीवनसाथी के चयन से भाग्यशाली व खुश होंगे। आपका साथी आपको किसी यात्रा के दौरान मिलेगा तथा उसके साथ आपका अच्छा सामंजस्य होगा। आपकी पत्नी की शारीरिक बनावट अत्यधिक प्रभावशाली है। आपको सुन्दर जीवन साथी मिलेगा। आपके जीवनसाथी में अत्यधिक स्वाभीमान होगा। आपका जीवनसाथी आपके लिये पवित्र व भाग्यशाली है तथा आप उसकी इज्जत करेंगे। आपकी पत्नी को युद्ध, घेराबंदी, महामारी, अपराध तथा रहस्यों की कहानियां आनन्द देती है। आपकी



पत्नी में अत्यधिक सहनशीलता गरिमा व दृढ़ता है। आपकी पत्नी दृढ़ता के साथ बाधाओं से अन्त तक लड़ती है तथा परिणाम को भगवान पर छोड़ देती है। आपकी पत्नी दुखी लोगों की मदद करने में सक्षम है। आपकी पत्नी दूसरों के मामलों में दखल अंदाजी नहीं करती हाँलांकि इससे वे दूसरों की मदद करने के मौके गंवा देती है। आपका जीवनसाथी आपके साथ शामिल है परन्तु वह आप निर्भर व आपकी अधीनता स्वीकार करने वाला नहीं है। आपकी पत्नी स्वभाव से दृढ़ है व उन्हें घर काम व रिश्तों में स्थायित्व प्रसन्न है। आपकी पत्नी में प्रबल अनुभूति व गहरी अन्तर्दृष्टि है। आपकी पत्नी अपनी अभिलाषाओं की प्राप्ति के लिए वर्षों पूर्व योजना बना सकती है। आपकी पत्नी अपनी अधिकाशंतः जब अशान्ति एवं ज्वारभाटा उत्पन्न करने वाले विचारों पर नियंत्रण रखती है, तो प्रसन्न रहती है। आपकी पत्नी अपनी सामरिक शक्ति का शारीरिक स्तर पर उपयोग करने को उन्मुख रहती है, भले ही हंसी में हो। आपकी पत्नी के सफल एवं प्रसिद्ध मित्र हो सकते हैं परंतु उनके साथ घनिष्ठ एवं निकट संबंध रखने में आपकी पत्नी को कठिनाई हो सकती है। आपकी पत्नी के लिए मोक्ष का अर्थ अच्छी एवं ऐसे व्यक्तियों की संगति है जो उनकी प्रबल भावनाओं के उबाल के प्रभाव को उलट दें। आपके जीवन-साथी को एवं आपको संभवतः लंबी विदेश यात्राओं का आनंद प्राप्त होगा।

आपके जीवन-साथी के उच्च-शिक्षित एवं उद्यमी होने की संभावना है। आपका साथी भलि-भाँति शिक्षित एवं आपके व्यवसाय की उन्नति में सहायक हो सकता है। आपकी पत्नी एक श्रेष्ठ अध्यापिका हो सकती हैं। आपका जीवन-साथी अत्यधिक स्वतंत्र स्वभाव का एवं व्यवसायोन्मुख हो सकता है। वह बड़ों के साथ व्यवसाय में हो सकते/सकती हैं अथवा किसी वैधानिक कार्य का आरम्भ कर सकते/सकती हैं।

आपकी पत्नी पुनर्जन्म एवं दीर्घ-आयु के रहस्यों पर चिंतन करती हैं। उनका रुझान आध्यात्म के प्रति हो सकता है एवं वह दार्शनिक स्वभाव के/की हो सकते/सकती हैं। आपका जीवन-साथी उच्चाशय है एवं आध्यात्मोन्मुख है। उनके वफादार एवं धार्मिक होने की संभावना है। आपकी पत्नी के आध्यात्मिक विकास की भूमिका गहन चिंतन, कल्पना, आत्म-चेतना, अति-संवेदनशीलता एवं अज्ञात भयों से ग्रस्त होना हो सकती है।

आपकी पत्नी आदर्शवादी नहीं हैं और न ही वह बाधाओं के प्रति सावधान हैं। आपकी पत्नी बाह्य रूप से उदार एवं सहनशील प्रतीत होने पर भी आंतरिक रूप से शंकालु हैं। आपकी पत्नी अतिशीघ्रता एवं अनेक बार आवेगपूर्ण ढंग से प्रतिक्रिया करती हैं। आपकी पत्नी को यदि कोई आघात पहुँचाए तो वे उसे आसानी से नहीं भूलती। आपकी पत्नी साईदारी में अत्यधिक नियंत्रणकारी हो सकती हैं। आपकी पत्नी भौतिक स्तरों के प्रति आकर्षण को दुर्बल करना प्रारंभ कर रहा है। आपके जीवन-साथी का पूर्व से विवाहित होना संभव है।

आपकी पत्नी को व्यायाम एवं शारीरिक स्वास्थ्य में रुचि है। आपके जीवन-साथी का स्वास्थ्य ठीक न रहे ऐसा संभव है। आपकी पत्नी का सबसे बुरा दौर वह है जब वे एक प्रकार के भाग्यवादी समर्पण के द्वारा स्वयं को पूर्णतः निष्क्रिय होने की अनुमति दे देते हैं। आपका जीवन-साथी उत्तरोत्तर समृद्धिशाली है एवं वह गृह, भू-संपत्ति अथवा वाहन संग्रह करता है। आपकी पत्नी को सदा भविष्य की ओर देखने एवं किसी प्रशंसनीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। आपकी पत्नी स्वयं को हानि देने एवं बदला न लेने के अभ्यास करने से सब पुनः प्राप्त करती दिखेंगी जो उन्होंने खोया है। अपने अंतर में स्थित शक्तिशाली ऊर्जाओं को नियंत्रित करने के लिए आपकी पत्नी को अत्यंत सतर्क रहने की आवश्यकता है।



आपकी लोगों से घनिष्ठ मित्रता है एवं उनसे आपके संबंध मधुर एवं सद्भावनापूर्ण हैं। आप ज्ञान-संपत्ति, विद्वान एवं सदुगणी व्यक्तियों की तलाश करते हैं एवं उनसे आकर्षित होते हैं।



आपके मित्रों के अत्यधिक व्यस्त होने के कारण आपको वह भावनात्मक अवलंबन नहीं प्राप्त होगा जिसकी आपको आवश्यकता है।

आपको सम्मान प्राप्त है। आपकी पहचान सब से विलक्षण होने के कारण आपको पहचानने में गलती हो ही नहीं सकती।

आप जिन्हें अपने विविध उद्देश्यों में सम्मिलित करते हैं, उनमें आपके प्रति उच्च आदर एवं आपके प्रति प्रबल वफादारी है। आप जिस समूह की भी संगति करते हैं, वहाँ आप दृढ़ व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। आप अनुकूल एवं आतिथ्यकारी होने के कारण अत्यंत मिलनसार हैं एवं आपको पड़ासियों, मित्रों एवं संबंधियों का सल्कार करने में आनंद आता है।

आप अत्यंत आतिथ्यकारी हैं एवं लोगों का सल्कार करना पसंद करते हैं। कभी-कभी अन्य लोग आपकी जीवन-शैली के अनुकूल होने में समय लेते हैं। संभव है कि आप उन लोगों से स्वयं को दूर कर ले जो प्रारंभिक वर्षों में आपके निकट रहे हैं। आपके निकट के लोग यह शिकायत कर सकते हैं कि आप कठोर-हृदय हैं। माता-पिता, मित्रों एवं शिक्षित लोगों के प्रति आपका व्यवहार सम्मानपूर्ण है। लोगों के प्रति संवेदनशीलता का विकास करें अन्यथा आप कठोर-हृदय हो जाएंगे। यदि लोग आपसे घनिष्ठ संबंध नहीं बनाते, तो आपको अत्यंत सावधान रहना होगा एवं झुंझलाहट एवं क्रोध को अच्छी भावनाओं को बिगड़ने से रोकना होगा। आप किसी समुदाय एवं संगठन के ऐसे लोगों के साथ विवादों में पड़ जाते हैं जिन्हें कभी आप मित्र समझते थे।

आप विदेशियों के अच्छे सम्पर्क में हैं। आपको विदेशी सम्पर्कों व अलग धर्म और संस्कृति के लोगों से लाभ प्राप्त होगा।



आप अपने कार्यों में परिश्रमी हैं तथा आपको अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकारने में कोई परेशानी नहीं है।

आप अपनी तरक्की के लिए थका देने व अधिक परेशानी वाला कार्य करने को भी तत्पर रहते हैं। आपका कार्य दूसरों को प्रभावित करेगा। आप बड़े प्रोजेक्ट लेना चाहते हैं जिसमें ज्यादा ऊर्जा की आवश्यकता होगी। आपके उलिए जल महत्वपूर्ण कारक है, जैसे कुँआ खोदना, समुद्र के किनारे रहना व रसायनों के साथ कार्य करना।

आप दुनियादार हैं।

आप साझेदारी या स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगे।

जब आप विक्रय के क्षेत्र में स्वव्यवसायी हों तो श्रेष्ठ कार्य करते हैं। जब तक आपके पास पर्याप्त स्वतंत्रता न हो आप कार्यकर्ता नहीं बनना चाहते। आप ऐसे सौदे में नाप-तौल करेंगे जो अल्प कालिक होते हैं।

आप दूसरों की सेवा में रहेंगे।

कई लोग आपके लिए कार्य करेंगे। जो लोग आपके साथ कार्य करेंगे वे स्वयं में काफी परिवर्तन महसूस करेंगे।

आपके पास कई नौकरियाँ हैं आप इसे एक ध्येय की तरह लेते हैं। आपके जीवन में अस्थिर भावनात्मक स्थिति न होने के कारण आप व्यवसायिक जीवन में भी प्रभावपूर्ण कार्य नहीं कर पायेंगे। आप व्यर्थ बातों में ज्यादा वक्त नष्ट करते हैं अतः महत्वपूर्ण कार्य में आपको हमेशा विलम्ब हो जाती है।



आप भविष्य में ऊँचा स्थान प्राप्त कर सकते हैं व आपके बहुत सारे अनुयायी व प्रशसंक हो सकते हैं। आप उच्च स्थान प्राप्त लोग, कम्पनियां एवं सरकार से लाभ प्राप्त करेंगे। आप या तो प्रख्यात होंगे या कुख्यात। आपकी सफलता आपके शारीरिक प्रयासों का क्रमिक परिणाम होगी।

आपका काम आपको विदेश ले लाएगा।

आपकी प्रतिष्ठा को जीवन में किसी समय नुकसान हो सकता है।



आप अपना मस्तिष्क एक बहुत व्यवहारिक प्रकार से प्रयुक्त करते हैं और विवेकपूर्ण शक्तियों से धन एकत्र करेंगे। आप में व्यापारिक प्रतिभा है व आप दूसरों के साथ संबंधों के मदद से धनवृद्धि करेंगे। आप सत्तासीन शक्तियों से आय प्राप्त कर सकते हैं। आपके आय के साधनों में उत्तराधिकार, रेस्टोरेन्ट, फूट एप्पोरियम, वित्तीय संस्थाएं, जवाहरात या अन्य व्यक्तिगत संपति सम्मिलित हो सकती है। आप आसानी से संपति प्राप्त करेंगे और बहुत संभव है विभिन्न प्रकार के भवन निर्माण परियोजनाओं में संलग्न होंगे।

आपको धन-सम्पदा का वरदान प्राप्त है। आप समृद्ध हैं। किन्तु आपको लोभी होने से बचना है। आप वित्तीय उत्तार-चढ़ाव का सामना करेंगे। धन संपदा के संग्रहण में उत्तार-चढ़ाव हो सकते हैं। आपके वित्त संसाधनों में उत्तार-चढ़ाव हो सकते हैं। आप स्वभाविक रूप से धन से संबंध है और धन को आकर्षित करते हैं।

आप स्वयं अपने व्यक्तिगत प्रयासों से धन अर्जित करेंगे। वित्तीय समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं।

आप अपनी बचत को इस प्रकार रखेंगे जिससे आप उसे सरलता से उपयोग कर सकें। आप बहुत अच्छी आय अर्जित करते हैं और अपने धन का ध्यानपूर्वक प्रबंधन करते हैं।

आप संपति व भूमि अर्जित करते हैं और भोज्य पदार्थों, कृषि और किराये से लाभ प्राप्त करते हैं।

आप भोजन और पाक कला के पारखी हैं और इन क्षेत्रों से कुछ अर्जित कर सकते हैं। कला के साथ आपका संबंध आपको धनोपार्जन का अवसर प्रदान कर सकता है। आप धनवान होने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि यह वे संभावनाएं प्रदान करता है जिससे समाज में आप वांछित स्थान बना सकें। आप सदैव किसी भी धनोपार्जन उद्यम में तल्लीन रहते हैं। आपका मस्तिष्क सदैव और अधिक अर्जित करने के विचारों में व्यस्त रहता है।

वित्तीय अवसर स्वयं कृषि, जमीन जायदाद, वाहनों की बिक्री, भूमि या अन्य प्रकार की संपति के रूप में प्रस्तुत होंगे।

आपकी व्यक्तिगत वस्तुएं संभवतः लचीली और परिवर्तनशील प्रकृति की होंगी। आप आनन्दित करने वाली वस्तुएं या संचार संबंधी वस्तुएं रख सकते हैं। आप बड़ी और विलासितापूर्ण वाहनों के स्वामी हो सकते हैं। पुरानी गाड़ी के मॉडल आपकी मज़बूरी हैं। आप के स्वामित्व वाले वाहन अच्छी गुणवत्ता के होंगे और आप प्रायः मशीनी समस्या का सामना नहीं करेंगे। आपके वाहन खराब हो जाने की समस्याएं होंगी।

आप भाग्यशाली होगे और प्रचुर संपति, जमीन-जत्रयदाद या भूमि और वाहन का स्वामित्व करेंगे। आप अचल संपति पर अपने प्रयास केन्द्रित करें और आप प्रचुर लाभ अर्जित करेंगे। वास्तुकला, सिविल इंजीनियरिंग, भवन निर्माण आदि क्षेत्रों से



अच्छे वित्तीय परिणामों की अपेक्षा की जा सकती है। आपको भू स्वामित्व या अचल संपति के सुअवसर मिलेंगे और कभी-कभी आप भवन निर्माण में संलग्न हो सकते हैं। आप अनेक मकानों के स्वामी होंगे। आप सहज ही संपति जैसे भवन और भूमि प्राप्त करेंगे या उनका विस्तार करेंगे। आप संभवतः किसी बड़ी संपति का उत्तराधिकार प्राप्त करेंगे। अचल संपति में निवेश लाभदायक नहीं हो सकता है।

आप प्रचुर वित्तीय लाभ प्राप्त करेंगे किन्तु अत्यधिक व्यय के कारण उसे खो देंगे। संभव है आप पुरानी गाड़ी क्रय करने पर अपना धन व्यय करेंगे।

आप अनुचित करों के माध्यम से अपनी संपति के ह्लास के प्रति सावधान रहें। सरकारी संस्थाओं द्वारा आरोपित दण्ड राशियाँ हानि में परिणीत होंगी। आप प्रायः ऋण देंगे। आप चोरी के प्रति सुरक्षा का प्रबंध करें। आपके मित्र भी आप की संपति छीन सकते हैं। कार एवं आवास जैसी परिसंपत्तियां क्रय करने हेतु ऋण लेना सर्वथा उचित नहीं होगा। आप जुआं खेलने की ओर आकर्षित होते हैं।



आपके असामान्य आध्यात्मिक जीवन में कुछ ऐसे घटनाक्रम होंगे जो आपमें आध्यात्मिक अथवा धार्मिक रुचि उत्पन्न करेंगे। आप धार्मिक हैं, व सत्य की खोज में रत हैं एवं व्यक्तिगत रूप से अत्यन्त समर्पित हैं यद्यपि यह बाहर से दृश्य नहीं है।

यदि आप अपनी आध्यात्मिक तीक्ष्णता का पोषण करते हैं, तो ज्ञानातीत के उच्चतर तल आपकी प्रतीक्षा करते हैं। पराविद्या के विषय आपको मोहित करते हैं।

आप अपने अध्यापक, अग्रज, और पिता से शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। आप तीक्ष्ण बुद्धि के स्वामी हैं और अध्ययन के रहस्यपूर्ण एवं आध्यात्मिक विषयों में रुचि है। आपकी आध्यात्मिकता एवं स्वतंत्रता की खोज आपको उच्चतर तल पर स्थित होने की अनुभूति प्रदान करता है। आप आत्म परिवर्तन की ओर उत्तमुख हैं। आध्यात्मिक अथवा धार्मिक सिद्धान्त एवं व्यवहार आपके हृदय को प्रसन्न करते हैं एवं सुख प्रदान करते हैं।

आप सर्वथा जिस धर्म में जन्मे हैं उसी के प्रति निष्ठावान रहेंगे। आप सम्माननीय हैं एवं पारंपरिक धर्म का सम्मान करते हैं। आप बहुत मनोविज्ञानी हो सकते हैं एवं आपकी रुचि धर्मग्रन्थों के अध्ययन में है। आपका ईश्वर में पूर्ण विश्वास का अभाव संभव है।

आपके धर्म मार्ग में दुर्बलता कठिनाई अथा विरोध के अन्तराल संभव है।



आप किसी पुराने घर में निवास कर सकते हैं। अपने वातावरण को सुधारने हेतु आपको प्रयास करना होगा।



आपको परिवर्तन बहुत पसंद है। आप परिवर्तनशील हैं और धूमना फिरना पसंद करते हैं, आपके जीवन में कई परिवर्तन आएंगे। आपको यात्रा पसंद है। आपको जल और जल यात्राएं पसंद हैं पर उतना ही सुखकर घर वापस लौटना भी लगता है। आपको जल के करीब छुटियां गुजारना अच्छा लगता है। आपको भूमि और जल से मोह है और उनके भीतर यात्रा आपको पसंद है। आप माल के परिवहन या एजेन्ट के रूप से अपने समीप के स्थानों की खूब यात्रा करते हैं। आप कुछ समय विदेशों में व्यतीत कर सकते हैं। आप कुछ समय विदेशों में व्यतीत कर सकते हैं। आप विदेश में निवास कर सकते हैं। आप आध्यात्मिक ज्ञान के लिए विस्तृत यात्राएं करेंगे। आप धार्मिक यात्राएं कर सकते हैं। आपकी यात्रा आनन्द से दूर कर देती है।



आपका जीवन खुशहाल है। आप जीवन को भरपूर जीते हैं और अच्छा वातावरण बनाये रखते हैं। आशावाद और खुलापन आपको संतुष्टि देगा और जीवन में सहजता लाएगा। आपकी स्वयं की ताकत और संसाधन विपुलता पर आप यकीन कर सकते हैं।

आपका लालन पालन एक अच्छे घर में होगा। आप अपने अतीत व जड़ों से जुड़े रहेंगे यद्यपि आप अपना जन्मस्थान छोड़ देंगे। आपने बचपन में विशेष रूप से देखा होगा कि किसी कार्य में तब तक सफलता नहीं मिलती जब तक इसे आप खुद न करें।

आप ब्रह्माण्ड की सकारात्मक शक्तियों के द्वारा सुरक्षित महसूस करते हैं। आप भाग्य की तुलना में अपने स्वयं के प्रयासों पर अधिक यकीन करते हैं। आप अच्छा लिखते हैं तथा यह गुण आपके लिए भाग्यशाली है। आपकी लेखनकला आपके लिए सौभाग्य लेकर आएगी। आप अनेक अच्छी चीजों को जीवन में प्राप्त करने को लेकर अत्यधिक भाग्यशाली हैं। आप बच्चों, धन, निवेश, पारिवारिक जीवन व तार्किक कुशलता के संबंध में भाग्यशाली हैं।

आपके वाहन के इंजन में तकनीकी खराबी व विद्युत उपकरणों में परेशानी की संभावना है।

आपको कैडिट कार्ड के मामले में बहुत सावधान रहना चाहिये। आपकी योजनाएं कभी-कभी आपको खतरे में डाल सकती हैं, इसलिये यदि आपके कार्य में कोई घातक जोखिम है तो आपको इस ओर ध्यान देना चाहिये। आप अपने सूक्ष्म आन्तरिक ज्ञान का विकास कर एवं कठिन प्रयासों के द्वारा अपने धार्मिक कार्य क्षेत्र में सुरक्षित स्थान बना सकते हैं।

आपके लिए शारीरिक व्यायाम में पर्याप्त समय देना लाभदायक है।

नीलम, लाजवर्त व पन्ना आपके लिए शुभ हैं। हीरा, पुखराज व लाल मूँगे से बचे।



## गोचर फल

### जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2025 04:19:51 से 14 जनवरी 2026 15:07:05)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है। आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं। यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है। आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है। आपके प्रयासों की साराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है। शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा।

### जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (20 दिसम्बर 2025 07:45:14 से 13 जनवरी 2026 03:57:50)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है। आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं। शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है। यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है।

### जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2025 07:23:42 से 17 जनवरी 2026 10:23:51)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती हैं।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

### जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (13 जनवरी 2026 03:57:50 से 6 फरवरी 2026 01:11:24)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है। स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें। यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रूप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है। आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं।

धन की वृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है। वित्तीय नुकसान न हो अतःस्त्रियों के सम्पर्क से बचें।



आपको यह अग्रीस भी हो सकता है कि कुछ दृष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है। यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

व्यावसायिक रूप में भी यह समय सुचारू रूप से कार्य - संचालन का नहीं है। दृष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उत्तरि के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं। आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (14 जनवरी 2026 15:07:05 से 13 फरवरी 2026 04:08:43)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है। कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें। कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है। आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है। उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती हैं जिसे पाना आपका सपना था।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं। आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है। इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (16 जनवरी 2026 04:28:18 से 23 फरवरी 2026 11:50:08)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है। आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकता है। आप व आपकी पति/पत्नी को कोई गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है। आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें। यदि बुद्धि चारुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रूप ले सकता है। अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें। आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं। अपने व्यवहार को नियंत्रित रखें क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें। व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं। रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (17 जनवरी 2026 10:23:51 से 3 फरवरी 2026 21:51:48)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कंजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रूप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पती/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (3 फरवरी 2026 21:51:48 से 11 अप्रैल 2026 01:15:51)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके



समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (6 फरवरी 2026 01:11:24 से 2 मार्च 2026 00:56:50)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधु / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अतः आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उत्सुकि करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अतः सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा । किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (13 फरवरी 2026 04:08:43 से 15 मार्च 2026 01:02:48)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रूप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रान्त हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (23 फरवरी 2026 11:50:08 से 2 अप्रैल 2026 15:29:21)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठुव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बस्थी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना



करना पड़ सकता है। जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें। अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (2 मार्च 2026 00:56:50 से 26 मार्च 2026 05:09:04)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके नवम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है। इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है। व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा। आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं। आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अतः आपके नए मित्र बनाने की संभावना है। आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है। कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी। आपके सदुगणों सत्कृत्यों की ओर स्वतः ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा। अतः आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी। यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है। आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (15 मार्च 2026 01:02:48 से 14 अप्रैल 2026 09:32:23)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके नवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके जीवन पर विशेष महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों। हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्या आरोप लगने की भी संभावना है। स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रहें।

आर्थिक रूप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है। पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से बचें। आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है। आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा। आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं। यात्रा का योग है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (26 मार्च 2026 05:09:04 से 19 अप्रैल 2026 15:46:39)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है। इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें।



अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है। अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (2 अप्रैल 2026 15:29:21 से 11 मई 2026 12:38:24)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके नवम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है। इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकता है। आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं।

मानसिक रूप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे। आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रूप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है। आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है। अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छावेशी शत्रु पर नजर रखें। आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (11 अप्रैल 2026 01:15:51 से 30 अप्रैल 2026 06:52:20)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रूप से आप इल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (14 अप्रैल 2026 09:32:23 से 15 मई 2026 06:21:46)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय शुभ है। यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है। आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रूप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा। आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी



सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (19 अप्रैल 2026 15:46:39 से 14 मई 2026 10:53:32)**

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह मूल रूप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है। आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रक्त व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है। आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं।

सामाजिक रूप से यह समय सुखद रहेगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं। यदि विवाहित हैं तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (30 अप्रैल 2026 06:52:20 से 15 मई 2026 00:31:50)**

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सुख के समय व संतोष का सूचक है। आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं। आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है। आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं। आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं। इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है। आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है। आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है। शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (11 मई 2026 12:38:24 से 20 जून 2026 23:59:19)**

इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है। इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दुःख, निराशा, थकान आदि। फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है। आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे। हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है। आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा। ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है। कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (14 मई 2026 10:53:32 से 8 जून 2026 17:42:45)**



इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है। एक और जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्तों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है। यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी दौतक है।

इस समय आप बढ़िया वस्त फहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (15 मई 2026 00:31:50 से 29 मई 2026 11:11:41)**

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है। यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है। आप व्यभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं। आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं। यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है। आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए। आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे। आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं। आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आप भौतिक सुविधाओं से धिरे रहेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है। समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा। आपकी वाकपटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (15 मई 2026 06:21:46 से 15 जून 2026 12:52:44)**

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है। यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ोस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा। आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान आदि का भी वितरण होगा। कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (29 मई 2026 11:11:41 से 22 जून 2026 15:30:21)**

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का द्योतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है।

इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।



कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से गुरु का प्रथम भाव से गोचर (2 जून 2026 01:49:46 से 31 अक्टूबर 2026 12:02:02)**

इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके जीवन में कुछ महत्वपूर्ण नकारात्मक परिणामों का सूचक है। किसी भी प्रकार के रोग से बचने को स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने व सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य का प्रश्न हो तो जीवन को खतरे में न डालें।

वित्त की दृष्टि से भी समय कठिन है और कुछ अनावश्यक खर्चों के कारण धन हाथ से जा सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि वांछित परिणाम मिलने की संभावना नहीं है व कष्ट झेलना पड़ सकता है। आपके मातृभूमि से दूर रहने की भी संभावना है।

यदि आप बेरोजगार हैं तो निराशा ही हाथ लग सकती है। व्यवसाय में भी कठिन समय से गुजरना पड़ सकता है। वरिष्ठ व्यक्तियों से विवाद से बचें क्योंकि यह मानसिक कष्ट का कारण बन सकता है। अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक पूरी करने हेतु अतिरिक्त श्रम करें।

इस समय आपको सरकार का आक्रोश, अपमान व अवनति भी झेलनी पड़ सकती है। अपने पद व प्रतिष्ठा को बनाए रखें व किसी भी मूल्य पर उन्हें खतरे में न डालें।

साथ ही परिवार में भी विवाद से बचें व शान्त रहें। अन्य व्यक्तियों से व्यवहार करते समय अपने निर्णयों का ध्यान रखें। यह समय मानसिक यातना व अवसाद ला सकता है अतः अपना उत्साह व जोश बनाए रखें।

फिर भी, आपमें से कुछ को इस विशेष समय में पुरानी समस्याओं का हल मिलेगा। आपको बालक के गर्भाधान का समाचार भी मिल सकता है। धार्मिक कृत्यों में सुचि बढ़ेगी।

विद्यार्थियों को उत्तम सफलता मिलने की संभावना है। आपका सामाजिक सम्मान भी इस दौरान बढ़ सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (8 जून 2026 17:42:45 से 4 जुलाई 2026 19:13:41)**

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए भौतिक व ऐन्ड्रिक भो विलास सुख का सूचक है। आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा। आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं। सामाजिक रूप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है। समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है। आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढेर सारे अवसर मिलेंगे। इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे। आप वस्त्र, सुगम्यियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है। आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं। ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (15 जून 2026 12:52:44 से 16 जुलाई 2026 23:39:06)**

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह काल विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों से परिपूर्ण है। अतः कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं। अधिकारी आपके कार्य की सराहना



नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें। यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है। किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे। ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं। अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है। इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (20 जून 2026 23:59:19 से 2 अगस्त 2026 22:51:12)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा। इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवम् व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा। संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है। सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है। आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है। आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे। आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है। आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी। संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्ना अनुभव करेंगे। आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (22 जून 2026 15:30:21 से 7 जुलाई 2026 10:46:15)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपनै दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्व व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। सभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (4 जुलाई 2026 19:13:41 से 1 अगस्त 2026 09:28:03)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ का समय है। इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा। यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है।

आर्थिक रूप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है। व्यक्तिगत रूप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं। अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं। कला व संगीत



में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (7 जुलाई 2026 10:46:15 से 5 अगस्त 2026 19:54:01)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का द्योतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है। इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।

कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 जुलाई 2026 23:39:06 से 17 अगस्त 2026 07:58:29)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा। इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं। अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा। आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं। आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं। अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है। इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं। जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुनौतीपूर्ण है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (1 अगस्त 2026 09:28:03 से 2 सितम्बर 2026 13:44:14)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवितीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा है। आपके सहयोगी व परिचारों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्तु पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।



फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (2 अगस्त 2026 22:51:12 से 18 सितम्बर 2026 16:35:19)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके बाहरवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है। यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा। स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रूप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं। पैरों का भी ध्यान रखें। इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है। आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दुःस्वप्न आ सकते हैं।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है। यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झ़िलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें। उनसे विवाद में न पड़ें। शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरूप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (5 अगस्त 2026 19:54:01 से 22 अगस्त 2026 19:31:37)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रु का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्त्व व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (17 अगस्त 2026 07:58:29 से 17 सितम्बर 2026 07:52:41)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुनौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे। आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़िचिड़ेपन का व्यवहार करेंगे। आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं। आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें। यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है। इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (22 अगस्त 2026 19:31:37 से 7 सितम्बर 2026 13:32:41)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है। विशेष रूप



से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे।

यह सब कुछ होते हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (2 सितम्बर 2026 13:44:14 से 6 नवम्बर 2026 01:04:17)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है। आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में हैं तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (7 सितम्बर 2026 13:32:41 से 26 सितम्बर 2026 12:38:19)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है। आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें। फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी। वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है। धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (17 सितम्बर 2026 07:52:41 से 17 अक्टूबर 2026 19:51:25)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है। व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं। आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित सेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रूप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा। इस दौरान धन लाभ भी होगा। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा। बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्तोत होंगे। कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (18 सितम्बर 2026 16:35:19 से 12 नवम्बर 2026 20:18:16)**

इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह कठिनाइयों का सूचक है। व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है। आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है। अच्छा हो इन दिनों



आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें। यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवं गलतफहमियों से बचें। आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अतः धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें। धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें।

इस अवधि में यात्रों के अनेक अवसर हैं। अतः आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहीन अनुभव कर सकते हैं। आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है। अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (26 सितम्बर 2026 12:38:19 से 2 दिसम्बर 2026 17:27:16)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन के हर क्षेत्र में उत्त्रांति का सूचक है। व्यक्तिगत रूप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा। समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वित्तीय रूप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रूप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है। आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है। आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है। आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2026 19:51:25 से 16 नवम्बर 2026 19:42:56)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं। अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है। गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सर्वक रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है। अतः उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते।

#### **जन्म चंद्रमा से गुरु का द्वितीय भाव से गोचर (31 अक्टूबर 2026 12:02:02 से 25 जनवरी 2027 01:31:44)**

इस अवधि में बृहस्पति चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह कुल मिलाकर शुभ समय का सूचक है। यह दौर आपकी वर्तमान आयु, कृषि, व्यापार में लाभ प्राप्ति व प्रसन्नतापूर्वक दान कार्यों में व्यय किए जाने वाले धन आदि की वृद्धि में वरदानस्वरूप सिद्ध हो सकता है। इसमें भूमि, जायदाद या सम्पदा में आप निवेश कर सकते हैं व यदि कोई ऋण है तो उसे चुकाने में यह समय सहायक होगा।

घर के लिए भी यह सुखमय दौर है व परिवार के लिए आनन्द लेकर आया है। दाम्पत्य जीवन में आप सुख की आशा कर सकते हैं। परिवार में नए सदस्य का आगोचर हो सकता है।

कामकाज में आप अधिकारियों का विश्वास प्राप्त करेंगे व दूसरे आपसे प्रभावित होंगे।



इस समय आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। सामाजिक रूप से यह समय तुष्टिकारक है क्योंकि आपको और अधिक आदर मिलने की संभावना है व आपको उच्च कोटि की शान-शौकत व मान का अनुभव होने वाला है।

मानसिक रूप से आप शान्ति अनुभव करेंगे तथा अपनी बुद्धि को इस समय और भी प्रखर करने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (6 नवम्बर 2026 01:04:17 से 22 नवम्बर 2026 17:20:45)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवितीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा है। आपके सहयोगी व परिचारों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्तु पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (12 नवम्बर 2026 20:18:16 से 10 मार्च 2027 00:13:26)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह हानि उठाने का समय है। अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है। कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा। विवाद से दूर रहें। किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें। यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें। आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं। अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति संघेत रहें। इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2026 19:42:56 से 16 दिसम्बर 2026 10:24:46)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा। यह समय विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विश्व पड़ने का सूचक है। अपने व्यवसाय कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों। कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें। कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं। इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें। अतः स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है। ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है। उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए। मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (22 नवम्बर 2026 17:20:45 से 1 जनवरी 2027 23:22:36)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का घोतक है। आप समृद्धि बढ़ने



की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में हैं तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से केतु का प्रथम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)**

इस अवधि में केतु चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय आपके लिए संघषपूर्ण रहेगा। शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि उनके और्ध्व शक्तिशाली व आक्रामक होने की संभावना है।

वित्तीय दृष्टि से भी यह नाजुक समय हो सकता है। खर्चे अत्यधिक बढ़ सकते हैं। जबकि धन संचय आपके लिए कठिन हो सकता है। फिर भी, इस दौरान किसी भी प्रकार का ऋण लेने से बचें। संभव है आपके प्रयासों का मनोवांछित फल न मिले। ऐसे क्रिया-कलापों से दूर रहें जिनसे समाज में आपकी बदनामी हो।

स्वास्थ्य को कुछ झटका लग सकता है विशेष रूप से कृष्ण - पक्ष में। जीवन जोखिम में डालने वाले कार्यों से दूर रहें।

आपके उत्तेजित व अशान्त होकर मानसिक रूप से आक्रान्त होने की संभावना है। अतः चित्त को शान्त रखें। सिर से सम्बन्धित रोग आपको पीड़ित कर सकते हैं।

घर के वातावरण को अरुचिकर बनाने से बचें अतः परिवारजनों से विवाद न होने दें। आपके इन दिनों परिवार के सदस्यों से झगड़ा होने की भी संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से राहु का सप्तम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)**

इस अवधि में राहु चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय आपके लिए थकान व विनाश लेकर आएगा। यही समय है जब आप जायदाद सम्बन्धी किसी भी प्रकार के मुकदमे व व्यापार से दूर रहें क्योंकि जायदादा हाथ से निकल जाने की संभावना ह। फिर भी आप में से कुछ के व्यापार क्षेत्र में अचानक प्रगति संभव है।

घर पर भी आपने पति / पत्नी से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है। मित्रों व सम्बन्धियों से स्वेच्छा सम्बन्ध बनाए रखने की चेष्टा करें जिससे वे आपको छोड़कर न चले जायें। आप के किसी विपरीत लिंग वाले व्यक्ति से अवैध सम्बन्ध होने का खतरा है। इस प्रकार के सम्बन्ध से बचें क्योंकि इसका अंत समाज में आपकी प्रतिष्ठा नष्ट करके होगा।

आपको कोई यौन रोग लग सकता है। अतः स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आपको पित्त अथवा वायु जनित रोग हो सकते हैं। इस विशेष समय में पति / पत्नी का स्वास्थ्य भी चिंता का कारण बन सकता है।

अपने व्यवहार के प्रति सतर्क रहें व शत्रुओं से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आप इस समय किसी व्यर्थ के मुकदमे में लिप्त हो सकते हैं। अपमान व बदनामी से बचने हेतु हर प्रकार की मुकदमेबाजी से दूर रहें।

आपको किसी सुदूर स्थान पर जाना पड़ सकता है जो आपके लिए मुसीबत का कारण बन सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2026 17:27:16 से 22 दिसम्बर 2026 07:39:26)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है। इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें। यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें। अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

Akhil Chawla



स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है। खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं। ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो।

मानसिक रूप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो वढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें।



## दशा फल

**शुक्र महादशा: 8 फरवरी 2014 से 8 फरवरी 2034 तक**

### शुक्र महादशा फल

#### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से शुक्र की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- शुक्र की महादशा में रत, आभूषण, वस्त्र आदि से सुख प्राप्त होगा।
- स्त्री, सन्तान, धन, समृद्धि और राज द्वारा से सम्मान की प्राप्ति होगी।
- विद्या-लाभ, गान और नृत्यादि में रुचि की वृद्धि होगी।
- शुभ स्वभाव तथा दान आदि करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- क्रय-विक्रय में दक्षता, कार्य-व्यवसाय में लाभ तथा नवीन कार्यारम्भ का योग बनेगा।
- शुक्र की दशा में वाहन, पुत्र-पौत्र और पूर्वजों द्वारा उपार्जित धन आदि से सुख मिलेगा।
- निर्बल शुक्र की महादशा में घर में झांगड़ा, वात-कफ-प्रकोप-जनित-रोगों से निर्बलता, चित्त-सन्ताप, नीच जनों से कंदाचित् मैत्री तथा कभी विरोध होगा।

#### विशेषफल

शुक्र के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- शुक्र की महादशा में आचार-विचार-हीन, स्वधर्म विरुद्ध कार्य करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- कलह, बन्धुजनों का विरोध, स्थान से च्युत अथवा परिवर्तन और कृषि, भूमि से कष्ट संभव है।
- स्त्री एवं सन्तान आदि से दुख हो सकता है।
- शुक्र की महादशा में अनेक प्रकार की आपत्ति, तथा रोग के उद्वेग से तप्त रहेंगे।
- जीर्ण एवं टूटे-फूटे मकानों में निवास और स्त्री एवं भाइयों को अरिष्ट संभव है।
- शुक्र की महादशा में कुआँ, तालाब और बगीचा इत्यादि के निर्माण में प्रवृत्ति रहेगी।
- ईश्वर पूजा में रुचि और बहुत सुख होगा।
- शुक्र की महादशा में राजा से अनेक प्रकार का सम्मान, राजसी आडम्बर (अर्थात् मृदंग, भेरी आदि बाजाओं से सुसज्जित) और नाना प्रकार के वस्त्र-भूषण आदि की प्राप्ति हो सकती है।
- शुक्र की महादशा के आरंभ में उल्कर्ष के लिये परिश्रम तथा सल्कर्मों में धन का व्यय होगा।
- दशा के अन्त में प्रचुर धन लाभ, सम्मान, उद्योग एवं अन्य क्षेत्रों में सफलता मिलेगी।
- उत्तम वाणी, अन्न आदि सुख से सम्पन्न, उत्तम भोजन का सुख प्राप्त होगा।
- परोपकार की प्रवृत्ति तथा राजा से लाभ प्राप्त होगा।
- शुक्र की महादशा में काव्य कला में अभिरुचि, हास्य-विलास में रुचि रहेगी।
- विद्वानों से मैत्री, ग्रंथ आदि लेखन की प्रवृत्ति रहेगी।
- व्यवसाय में उन्नति, धन लाभ, उत्साह एवं प्रसन्नता रहेगी।
- परदेश यात्रा में उत्सुकता रहेगी।

**शुक्र-गुरु : 9 अप्रैल 2024 से 9 दिसम्बर 2026 तक**

**शुक्र की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

शुक्र की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -



- अनेक कार्यों की सिद्धि और अधिकार की प्राप्ति होगी।
- विद्या लाभ, यज्ञ आदि शुभ कर्मों में आसक्ति तथा यश व कीर्ति में वृद्धि होगी।
- धन-धान्य, वस्त्र एवं आभूषण की प्राप्ति, अचल संपत्ति का लाभ संभव है।
- स्त्री तथा सन्तान से सुख परन्तु स्त्री तथा सन्तान को कष्टकर रोग होना सम्भव है।
- नष्ट राज्य से धनप्राप्ति, अभीष्ट धन वस्त्र तथान्य सम्पत्तियों की प्राप्ति, मित्र तथा राजा से सम्मान, धनधान्यागम, राजा का सम्मान सुयश, घोड़ा पालकी आदि की सुख, विद्वान् प्रभु का शुभगम, शास्त्र-पाठ में श्रम, पुत्रोत्सवप्रयुक्त सन्तोष, इष्ट बन्धु का समागम, माता, पिता, पुत्र, भई प्रभृति का सुख प्राप्त होंगे।
- राजा चोर आदि से कष्ट, शारीरिक पीड़ा, अपने को रोग, बन्धुओं का कष्ट, कलह से मनोव्यथा, स्थानभ्रूश प्रवास तथा अनेक रोग हो सकते हैं।
- देहबाधा संभव है।
- दोषपरिहार के लिए मृत्युन्जय करना चाहिए।

### शुक्र-गुरु-शुक्र : 1 अगस्त 2025 से 11 जनवरी 2026 तक

गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

### शुक्र-गुरु-सूर्य : 11 जनवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक

गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

### शुक्र-गुरु-चन्द्र : 28 फरवरी 2026 से 21 मई 2026 तक

गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

### शुक्र-गुरु-मंगल : 21 मई 2026 से 16 जुलाई 2026 तक

गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शास्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्रिमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।



## शुक्र-गुरु-राहु : 16 जुलाई 2026 से 9 दिसम्बर 2026 तक

गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

## शुक्र-शनि : 9 दिसम्बर 2026 से 8 फरवरी 2030 तक

शुक्र की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल

शुक्र की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -

- ग्राम अथवा नगर का आधिपत्य, उच्च पद की प्राप्ति का योग बनेगा।
- धन, भूमि और गृह की प्राप्ति होगी। मित्रों द्वारा उत्तरति होगी।
- अनैतिक कर्मों में प्रवृत्ति, अधिक उम्र की स्त्री से प्रेम, आलस्य, अधिक व्यय सम्भव है।
- शत्रुओं का नाश, संतान को कष्ट हो सकता है।
- बहुत सुख, इष्टमित्र-बच्चुओं का सम्मेलन, राजभवन में सम्मान, शुभप्रद कन्याजन्म पुण्यतीर्थ फलप्राप्ति, दान धर्म के द्वारा पुण्यलाभ, अपने स्वामी के यहां पदोन्नति होगी।
- अन्तर्दशा के समय क्लेशकारक होगा।
- देहालस्य, आय से अधिक खर्च, अन्तर्दशा के आरम्भ में शरीरपीड़ा, पिता माता को भी शरीरकष्ट, स्त्री-पुत्र को भी कष्ट, भ्रमण, व्यावसायिक फल का अभाव, गाय, भैंस आदि पशुओं का विनाश संभव है।
- जातक को देह-बाधा होगी।
- दोषपरिहार के लिए तिलहोमादि करना चाहिए।

## शुक्र-शनि-शनि : 9 दिसम्बर 2026 से 11 जून 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दुःख, संभव है।

## शुक्र-शनि-बुध : 11 जून 2027 से 21 नवम्बर 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

## शुक्र-शनि-केतु : 21 नवम्बर 2027 से 28 जनवरी 2028 तक



शनि की अन्तर्देशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्देशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

### शुक्र-शनि-शुक्र : 28 जनवरी 2028 से 8 अगस्त 2028 तक

शनि की अन्तर्देशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्देशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

### शुक्र-शनि-सूर्य : 8 अगस्त 2028 से 4 अक्टूबर 2028 तक

शनि की अन्तर्देशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्देशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

### शुक्र-शनि-चन्द्र : 4 अक्टूबर 2028 से 9 जनवरी 2029 तक

शनि की अन्तर्देशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्देशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

### शुक्र-शनि-मंगल : 9 जनवरी 2029 से 17 मार्च 2029 तक

शनि की अन्तर्देशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्देशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

### शुक्र-शनि-राहु : 17 मार्च 2029 से 7 सितम्बर 2029 तक

शनि की अन्तर्देशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्देशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

### शुक्र-शनि-गुरु : 7 सितम्बर 2029 से 8 फरवरी 2030 तक



शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झागड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

### शुक्र-बुध : 8 फरवरी 2030 से 9 दिसम्बर 2032 तक

शुक्र की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल

शुक्र की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- राजा से मैत्री, राजा द्वारा सम्मान की प्राप्ति होगी।
- वृक्ष, फल एवं चतुष्पदों के व्यवसाय से धन-लाभ संभव है।
- कठिन कार्य करने में रुचि तथा पराक्रम की बुद्धि होगी।
- स्त्री सुख, सन्तान एवं मित्रों के सुख, ऐश्वर्य एवं समृद्धि प्राप्त होगी।
- शरीर में आरोग्य तथा बुद्धि में स्थिरता रहेगी।
- शुक्र की दशा में बुध की अन्तर्दशा में शुभद राजप्रसाद, सौभाग्योदय, पुत्रलाभ या पुत्र-सुख, सन्नार्ग से धनप्राप्ति, पुराणधर्मोपदेश का श्रमण, श्रृंगाररस प्रेमियों के साथ संगति, इष्टबन्धुजनों से पूर्ण घर में राजा का समागम, अपने स्वामी से महासुख, तथा नित्य मिष्टान्नभोजन आदि फल होंगे।
- अन्तर्दशाकाल में पशुनाश, परगृहनिवास, मानसिक विकलता, सर्वत्र व्यवसाय में क्षति, अन्तर्दशारम्भ में शुभ, मध्य में मध्यम और अन्त में क्लेश, शीतज्वर संभव है।

### शुक्र-बुध-बुध : 8 फरवरी 2030 से 5 जुलाई 2030 तक

बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

### शुक्र-बुध-केतु : 5 जुलाई 2030 से 3 सितम्बर 2030 तक

बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रों में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

### शुक्र-बुध-शुक्र : 3 सितम्बर 2030 से 22 फरवरी 2031 तक

बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार

Akhil Chawla



में अधिकार संभव है।



## OUR ASTRO SERVICES

Signature Reading



Numerology



Daily Horoscope



Janm-Kundli



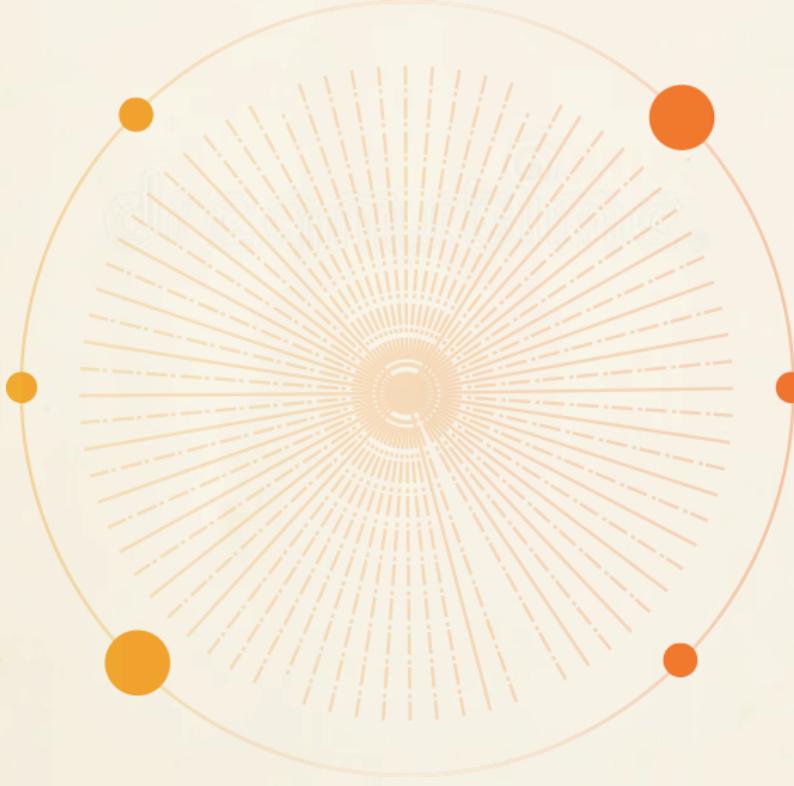
Kundli Matching



Chat With Astrologer



Call With Astrologer



Rajyoga's





93%

Accuracy Report

1000+

Top Astrologer of India

1 Lakhs+

Happy Customers

Thank you for trusting AstroBuddy.

This Kundali is designed to guide you with clarity on your strengths, opportunities, and the cosmic patterns shaping your journey

